आधा लड़का ⚡ आधा भगवान ⚡ सभी हीरो

मिनट JACKSON

और ओलंपियन > देवताओं का प्याला

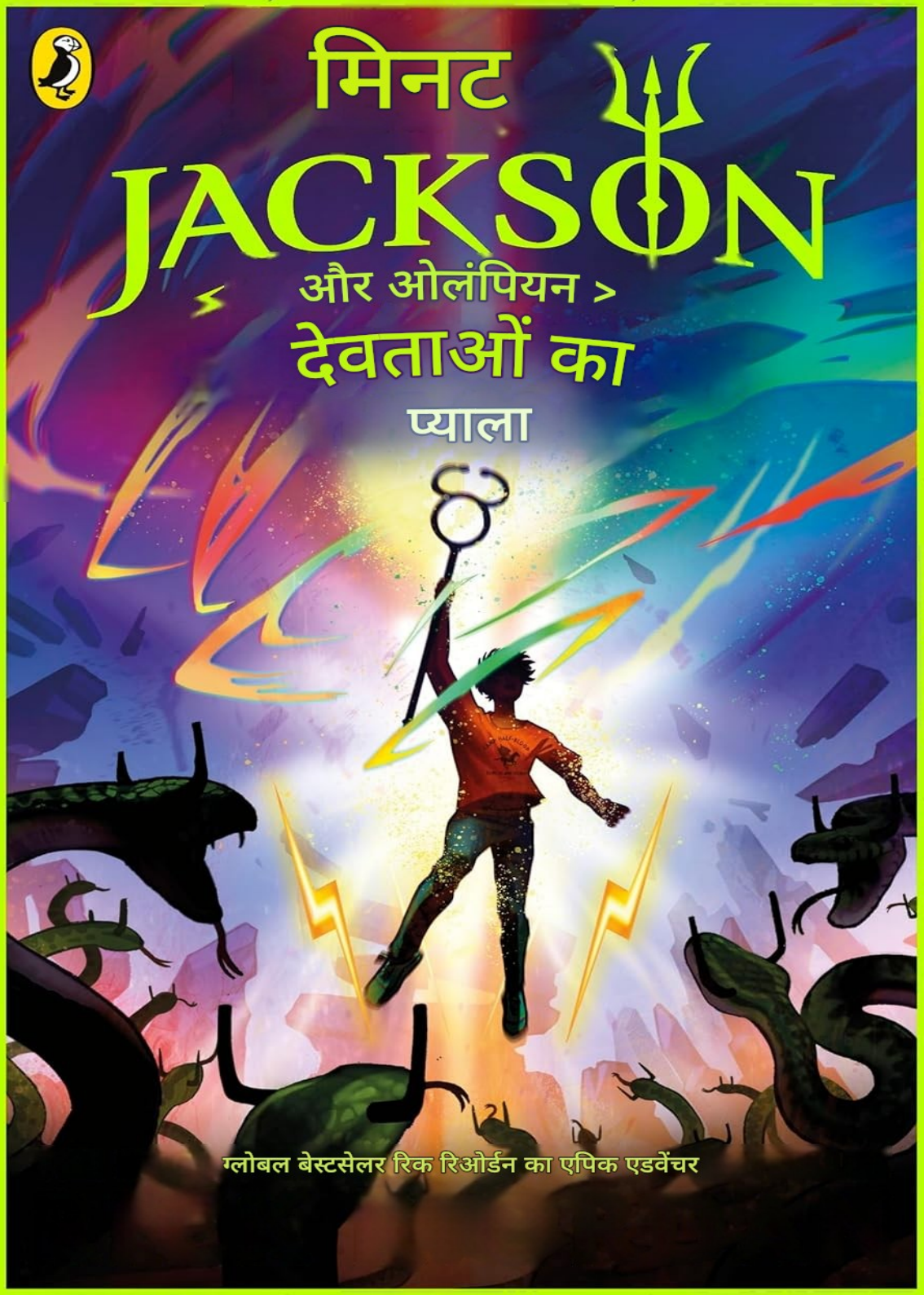

ग्लोबल बेस्टसेलर रिक रिऑर्डन का एपिक एडवेंचर

सभी हीरो ⚡ आधा भगवान ⚡ आधा लड़का

HALF BOY ⚡ HALF GOD ⚡ ALL HERO

PERCY JACKSON

AND THE OLYMPIANS

THE CHALICE OF THE GODS

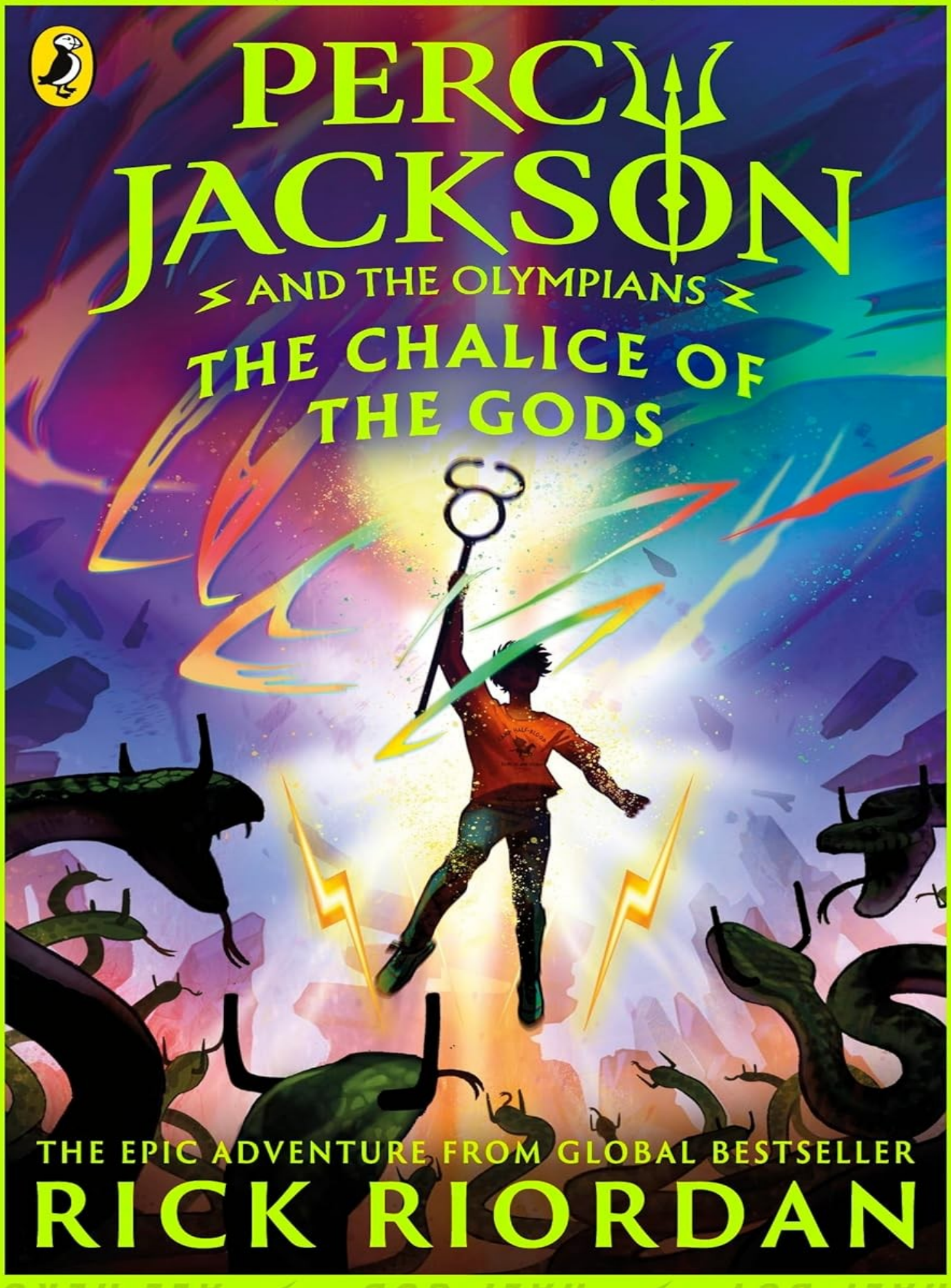

THE EPIC ADVENTURE FROM GLOBAL BESTSELLER

RICK RIORDAN

HALF BOY ⚡ HALF GOD ⚡ ALL HERO

रिक रिओर्डान

पर्क जैक्सन और ओलंपियन

देवताओं का प्याला

डिज़्नी. हाइपरियन
लॉस एंजिल्स न्यूयॉर्क

कॉपीराइट © 2023 रिक रिओर्डन द्वारा
सर्वाधिकार सुरक्षित। डिज़्नी • हाइपेरियन द्वारा प्रकाशित, जो बुएना विस्टा बुक्स, इंक. का एक प्रकाशन है। इस पुस्तक का कोई भी भाग प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम से, इलेक्ट्रॉनिक या यांत्रिक रूप से, जिसमें फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या किसी भी सूचना संग्रहण एवं पुनर्प्राप्ति प्रणाली शामिल है, पुनरुत्पादित या प्रसारित नहीं किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए, डिज़्नी • हाइपेरियन, 77 वेस्ट 66 स्ट्रीट, न्यूयॉर्क, न्यूयॉर्क 10023 से संपर्क करें।
पहला संस्करण, सितंबर 2023
जोआन हिल द्वारा डिजाइन किया गया
लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस कैटलॉगिंग-इन-पब्लिकेशन डेटा
नाम: रियोर्डन, रिक, लेखक।
शीर्षक: देवताओं का प्याला / रिक रिओर्डन।
विवरण: पहला संस्करण। • लॉस एंजिल्स; न्यूयॉर्क: डिज़्नी-हाइपरियन, 2023। • श्रृंखला: पर्सी जैक्सन और ओलंपियन • दर्शक: 8-12 वर्ष की आयु। • दर्शक: कक्षा 4-6। • सारांश: कॉलेज में दाखिले के लिए आवश्यक तीन अनुशंसा पत्र प्राप्त करने के लिए, देवताओं द्वारा पर्सी जैक्सन को तीन कार्य सौंपे जाते हैं, जिनमें सबसे पहला कार्य ज़्यूस का प्याला वापस लाना है। इस प्रक्रिया में पर्सी जैक्सन के सामान्य वरिष्ठ वर्ष की आशा चकनाचूर हो जाती है।
पहचानकर्ता: LCCN 2023011433 • ISBN 9781368098175 (हार्डकवर) • ISBN 9781368098274 (ईबुक) विषय: CYAC: ग्रीक पौराणिक कथाएँ—कथा साहित्य। • रोमन पौराणिक कथाएँ—कथा साहित्य। • रोमांच और साहसी लोग—कथा साहित्य। • मित्रता—कथा साहित्य। • LCGFT: एक्शन और रोमांच कथा साहित्य। • उपन्यास।
वर्गीकरण: एलसीसी पीजेड 7.आर 4829 सीएच 2023 • डीडीसी [फिक]—डीसी23
एलसी रिकॉर्ड https://lccn.loc.gov/2023011433 पर उपलब्ध है

@ReadRiordan को फॉलो करें
www.DisneyBooks.com पर जाएं

अंतर्वस्तु
शीर्षक पेज
कॉपीराइट
समर्पण
1. मुझे शर्म आती है
2. मेरे पिताजी मदद करते हैं* (*वास्तव में कोई मदद नहीं होती)
3. हम मेहमानों और सजावटी लौकियों के बारे में शिकायत करते हैं
4. मैं स्मूदी के लिए हिमबो का इस्तेमाल करता हूँ।
5. सब लोग गैनीमेड से नफरत करते हैं क्योंकि वह बहुत सुंदर है।
6. क्योंकि मुलेठी
7. बड़ा झटका: मैंने एक देवी को नाराज कर दिया
8. मुझे मेरी मम्मी चाहिए
9. मुर्गियों ने पहला खून बहाया
10. मेरे गाने से हालात और बिगड़ जाते हैं, और सब लोग पूरी तरह से हैरान रह जाते हैं।
11. हमें शून्य पुरस्कार वाले टिकट मिलते हैं
12. गैनीमेड मेरे लिए एक रिफिल लाता है
13. हम किसान बाजार में मृत वस्तुओं की तलाश करते हैं।
14. आइरिस मुझे एक छड़ी देती है
15. योंकर्स!
16. ग्रोवर ने सांपों के गाने गाना शुरू कर दिया
17. मेरी मुलाकात विनाशकारी मैन बन से हुई
18. एनाबेथ ने हर्बल चाय से सब कुछ जीत लिया
19. मैंने इंद्रधनुष का स्वाद चखा और यह काफी घिनौना था।
20. आइरिस वेनमो से भुगतान लेती है
21. मैं रिश्तों के बारे में सलाह देता हूँ। नहीं, सच में। आप हंस क्यों रहे हैं?
22. मुझे एक कपकेक और एक सरप्राइज मिलता है
23. गैनीमेड ने सभी पेय पदार्थों को विस्फोटित कर दिया
24. मैं अपने दांत ब्रश करता हूँ (जितना संभव हो उतना वीरतापूर्ण तरीके से)
25. मैं गोब्लेट गैंकर से मिलता हूँ
26. मैं अपने विघटन की शर्तों पर बातचीत करता हूँ
27. मेरे अंतिम शब्द बेहद शर्मनाक हैं
28. खिलौनों की बारिश होने लगती है
29. मैं माउंट ब्रंच के कगार पर खड़ा हूँ
30. मैं बिजली के देवता 3000 के अड्डे में घुसपैठ करता हूँ
31. मुझे एक खतरनाक शिकारी का सामना करना पड़ रहा है जो संभवतः मेरी भावी सास है।
32. ग्रोवर मेरा बचा हुआ खाना खा जाता है
33. पुराने दिनों की याद में एक और जॉली रैंचर
34. मैंने अब तक का सबसे खराब पत्र लिखा, उसे डिलीट किया, डिलीट किया
35. अब तक का सबसे बेहतरीन गुड-नाइट किस
लेखक के बारे में
पर्सी जैक्सन की दुनिया की किताबें

वॉकर, आर्यन और लीह को
नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं!

देखो, मैं हाई स्कूल का सीनियर छात्र नहीं बनना चाहता था।
मुझे उम्मीद थी कि मेरे पिताजी मुझे एक पत्र लिख देंगे:
प्रिय,
कृपया पर्सी जैक्सन को हमेशा के लिए स्कूल से छुट्टी दे दें और उसे सीधे डिप्लोमा दे दें।
धन्यवाद,
Poseidon
मुझे लगा कि बारह साल की उम्र से ही देवताओं और राक्षसों से लड़ते-लड़ते मैंने इतना तो कमा ही लिया था। मैंने दुनिया को बचाया था... तीन बार? चार बार? गिनती भूल गया। आपको ज़्यादा जानकारी की ज़रूरत नहीं है। मुझे खुद भी अब याद नहीं है।
शायद आप सोच रहे होंगे, वाह! आप तो एक यूनानी देवता के पुत्र हैं! यह तो वाकई अद्भुत होगा!
सच कहूँ तो? ज़्यादातर मामलों में, अर्धदेव होना बहुत बुरा होता है। जो भी आपको इससे अलग बात कहे, वो आपको किसी मिशन पर भर्ती करने की कोशिश कर रहा है।
तो मैं वहाँ थी, नए हाई स्कूल में अपनी पहली सुबह की कक्षाओं के गलियारे में लड़खड़ाती हुई—फिर से—जादुई स्मृतिलोप (जादुई स्मृतिलोप) के कारण अपना पूरा जूनियर वर्ष खो देने के बाद (पूछो मत)। मेरी पाठ्यपुस्तकें मेरे हाथों से गिर रही थीं, और मुझे बिल्कुल पता नहीं था कि मेरी तीसरी अवधि की अंग्रेजी की कक्षा कहाँ है। गणित और जीव विज्ञान ने पहले ही मेरा दिमाग खराब कर दिया था। मुझे यकीन नहीं था कि मैं दिन के अंत तक कैसे पहुँच पाऊँगी।
तभी लाउडस्पीकर पर एक कर्कश आवाज सुनाई दी: "पर्सी जैक्सन, कृपया काउंसलर के कार्यालय में उपस्थित हों।"

कम से कम बाकी छात्र मुझे अभी तक नहीं जानते थे। किसी ने मेरी तरफ देखकर हँसा नहीं। मैं एकदम सहज भाव से मुड़ा और प्रशासनिक विंग की ओर वापस चला गया।
अल्टरनेटिव हाई स्कूल क्वींस में एक पुराने प्राथमिक विद्यालय की इमारत में स्थित है। इसका मतलब है कि यहाँ बच्चों के आकार की डेस्क हैं और कोई लॉकर नहीं है, इसलिए आपको अपना सारा सामान एक कक्षा से दूसरी कक्षा तक खुद ले जाना पड़ता है। हर गलियारे में मुझे स्कूल के पुराने दिनों की खुशनुमा यादें नज़र आती थीं—दीवारों पर उंगलियों के रंग के धब्बे, अग्निशामक यंत्रों से उखड़ते हुए यूनिकॉर्न के स्टिकर, और कभी-कभार फलों के रस और ग्रैहम क्रैकर्स की हल्की सी खुशबू।
एएचएस उन सभी को प्रवेश देता है जिन्हें अपनी हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी करनी है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किशोर सुधार गृह से वापस आ रहे हैं, या आपको सीखने में गंभीर कठिनाई है, या आप बेहद बदकिस्मत हैं। यह न्यूयॉर्क क्षेत्र का एकमात्र ऐसा स्कूल है जिसने मुझे मेरे सीनियर वर्ष में प्रवेश दिया और जूनियर वर्ष में छूटे हुए सभी कोर्स क्रेडिट पूरे करने में मेरी मदद की।
अच्छी बात यह है कि यहाँ एक तैराकी टीम और एक ओलंपिक आकार का पूल है (पता नहीं क्यों), इसलिए मेरे सौतेले पिता, पॉल ब्लोफिस को लगा कि यह मेरे लिए उपयुक्त हो सकता है। मैंने उनसे वादा किया कि मैं कोशिश करूंगा।
मैंने अपनी गर्लफ्रेंड एनाबेथ से भी वादा किया था। योजना यह थी कि मैं समय पर स्नातक हो जाऊँगा ताकि हम साथ में कॉलेज जा सकें। मैं उसे निराश नहीं करना चाहता था। उसके मेरे बिना कैलिफोर्निया जाने का ख्याल मुझे रातों की नींद उड़ा देता था।
मुझे काउंसलर का कार्यालय उस इमारत में मिला जो शायद कभी स्कूल का अस्पताल रहा होगा। मैंने यह अनुमान दीवार पर बनी एक उदास बैंगनी मेंढक की तस्वीर से लगाया जिसके मुंह में थर्मामीटर था।
“श्रीमान जैक्सन! अंदर आइए!”
गाइडेंस काउंसलर अपनी डेस्क के पीछे आईं और मुझसे हाथ मिलाने के लिए तैयार थीं। तभी उन्हें एहसास हुआ कि मेरी बाहों में छह हजार पाउंड वजन की पाठ्यपुस्तकें हैं।
“अरे, इन्हें कहीं भी रख दीजिए,” उसने कहा। “कृपया बैठ जाइए!”

उसने एक नीली प्लास्टिक की कुर्सी की ओर इशारा किया जो मेरे लिए लगभग एक फुट नीची थी। उस पर बैठने पर मेरी नज़र उसकी मेज पर रखे जॉली रैंचर्स के जार पर टिक गई।
“तो!” काउंसलर अपनी आरामदायक, बड़े आकार की कुर्सी पर बैठी मुस्कुराते हुए मुझसे बोलीं। उनके मोटे चश्मे से उनकी आँखें चमक रही थीं। उनके भूरे बाल लहरदार पंक्तियों में घुंघराले थे, जो मुझे सीपियों के छत्ते की याद दिला रहे थे। “आप यहाँ कैसा महसूस कर रही हैं?”
कुर्सी थोड़ी छोटी है।
मेरा मतलब स्कूल में है।
“खैर, मैंने तो अभी सिर्फ दो ही क्लास ली हैं—”
"क्या आपने कॉलेज में दाखिले के लिए आवेदन करना शुरू कर दिया है?"
मैं अभी-अभी यहाँ आया हूँ।
“बिल्कुल सही! हम पहले से ही पीछे चल रहे हैं!”
मैंने बैंगनी मेंढक पर एक नज़र डाली, जो मेरी ही तरह दुखी लग रहा था। "देखो, सुश्री..."
“मुझे यूडोरा कहो,” उसने खुशी से कहा। “अब देखते हैं हमारे पास कौन-कौन से ब्रोशर हैं।”
उसने अपनी डेस्क पर इधर-उधर तलाशा। “पॉलीटेक। बीयू। एनवाईयू। एएसयू। एफयू। नहीं, नहीं, नहीं।”
मैं उसे रोकना चाहती थी। मेरी कनपटी फड़क रही थी। मेरा एडीएचडी मेरी त्वचा के नीचे बिलियर्ड गेंदों की तरह उछल रहा था। आज मैं कॉलेज के बारे में सोच भी नहीं सकती थी।
“मैडम, आपकी मदद के लिए धन्यवाद,” मैंने कहा। “लेकिन, सच कहूँ तो, मेरे पास पहले से ही एक योजना है। अगर मैं बस इस साल को किसी तरह निकाल लूँ तो—” “हां, न्यू रोम यूनिवर्सिटी,” उसने अपनी डेस्क की दराज में कुछ ढूंढते हुए कहा। “लेकिन लगता है उस आम काउंसलर के पास कोई ब्रोशर नहीं है।”
मेरे कान बजने लगे। मेरे गले में नमकीन पानी का स्वाद आया। "क्या वह नश्वर सलाहकार है?"
मेरा हाथ अपने आप मेरी जींस की जेब की ओर बढ़ा, जहाँ मैं अपना सबसे पसंदीदा हथियार रखता था: एक जानलेवा बॉलपॉइंट पेन। स्कूल में हमले से खुद का बचाव करने का यह मेरा पहला अनुभव नहीं था। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि कितने

शिक्षक, प्रशासक और अन्य स्कूल कर्मचारी भेस बदले हुए राक्षस हैं। या शायद आपको हैरानी न हो।
मैंने पूछा, "तुम कौन हो?"
वह उठकर बैठ गई और मुस्कुराई। "मैंने तुमसे कहा था। मैं यूडोरा हूँ।" मैंने उसे और गौर से देखा। उसके घुंघराले बाल सचमुच सीपियों के बिस्तर जैसे लग रहे थे। उसकी पोशाक जेलीफ़िश की झिल्ली की तरह चमक रही थी।
यह अजीब है कि कोहरा कैसे काम करता है। यहां तक कि अर्धदेवताओं के लिए भी, जो हर समय अलौकिक चीजें देखते हैं, मानव जगत और देवलोक के बीच की बाधा को भेदने के लिए एकाग्रता की आवश्यकता होती है। अन्यथा, कोहरा आपकी दृष्टि को धुंधला कर देता है, जिससे राक्षस पैदल चलने वालों जैसे या एक विशाल ड्रैगन एन ट्रेन की तरह दिखाई देता है। (और यकीन मानिए, जब कोई ड्रैगन एस्टोरिया बुलेवार्ड स्टेशन पर उत्पात मचाता है, तो उस पर चढ़ने की कोशिश करना शर्मनाक होता है।)
मैंने पूछा, "आपने नियमित काउंसलर के साथ क्या किया?"
यूडोरा ने हाथ हिलाकर बात टाल दी। "अरे, उसकी चिंता मत करो। वह नए रोम के मामले में तुम्हारी मदद नहीं कर सकती। इसीलिए तो मैं यहाँ हूँ!"
उसके लहजे में कुछ ऐसा था जिससे मुझे... पूरी तरह से तसल्ली तो नहीं मिली, लेकिन कम से कम व्यक्तिगत रूप से कोई खतरा महसूस नहीं हुआ। शायद वह सिर्फ दूसरे गाइडेंस काउंसलरों को ही खाती थी।
उसकी मौजूदगी भी जानी-पहचानी सी लगी—नाक में नमकीन सी झनझनाहट, कानों में ऐसा दबाव जैसे मैं हज़ार फीट पानी के नीचे हूँ। मुझे याद आया कि मैं उससे पहले भी किसी ऐसी ही इंसान से मिल चुका था, जब मैं बारह साल का था, मिसिसिपी नदी की तलहटी में।
मैंने कहा, "तुम एक समुद्री आत्मा हो। एक नेरीड।"
यूडोरा खिलखिलाकर हंस पड़ी। "हां, बिल्कुल, पर्सी। क्या तुम्हें लगा कि मैं अप्सरा हूं?"
तो... मेरे पिता ने तुम्हें भेजा है?
उसने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं, मानो उसे चिंता होने लगी हो कि शायद मुझे बात समझने में थोड़ी देर लग रही है। अजीब बात है, मुझे अक्सर ऐसे ही भाव देखने को मिलते हैं।

जी हां, प्रिय। पोसीडॉन। आपके पिता? मेरे बॉस? मुझे खेद है कि मुझे कोई ब्रोशर नहीं मिल रहा है, लेकिन मुझे पता है कि न्यू रोम विश्वविद्यालय के लिए आपको सभी सामान्य मानवीय आवश्यकताओं की आवश्यकता होगी: परीक्षा के अंक, आधिकारिक प्रमाण पत्र और एक अद्यतन मनो-शैक्षिक मूल्यांकन। इनमें कोई समस्या नहीं है।
“क्या वे नहीं हैं?” मैंने जो कुछ भी झेला था, उसके बाद इस आखिरी बात पर फैसला करना शायद जल्दबाजी होगी।
"लेकिन आपको कुछ विशेष प्रवेश आवश्यकताओं को भी पूरा करना होगा।"
मेरे मुंह में खारे पानी का स्वाद और भी तीखा हो गया। "क्या कोई विशेष आवश्यकताएँ हैं?"
"क्या किसी ने आपसे दैवीय अनुशंसा पत्रों के बारे में बात की है?" ऐसा लग रहा था मानो वह सचमुच चाहती थी कि इसका जवाब हां हो।
“नहीं,” मैंने कहा।
वह जॉली रैंचर्स के जार से खेलने लगी। "ठीक है। अच्छा। आपको तीन पत्र चाहिए होंगे। तीन अलग-अलग देवताओं से। लेकिन मुझे यकीन है कि आपकी प्रतिभा के लिए—"
"क्या?"
यूडोरा चौंक गई। "या फिर हम कुछ वैकल्पिक स्कूलों पर भी विचार कर सकते हैं। हो-हो-कुस कम्युनिटी कॉलेज बहुत अच्छा है!"
क्या तुम मजाक कर रहे हो?
नेरीड का चेहरा चमकने लगा। उसके सीपियों जैसे बालों से खारे पानी की बूंदें टपकने लगीं।
मुझे गुस्सा आने पर बुरा लगा। इसमें उसकी कोई गलती नहीं थी। मुझे पता था कि वह सिर्फ मेरे पिताजी के आदेश पर मेरी मदद करने की कोशिश कर रही थी। फिर भी, सोमवार की सुबह ऐसी खबर सुनना मुझे अच्छा नहीं लगता था। और न ही कभी। मैंने अपनी साँसों को स्थिर किया। “माफ़ कीजिए। बात बस इतनी सी है... मुझे न्यू रोम में प्रवेश करना है। मैंने वर्षों से देवताओं के लिए बहुत कुछ किया है। क्या मैं उन्हें बस एक अनुशंसा पत्र ईमेल नहीं कर सकता...?” यूडोरा की भौंहें तन गईं। उसकी पोशाक से अब समुद्री जल की बूंदें झड़ रही थीं। हरे रंग की टाइलों वाले फर्श पर पानी का एक छोटा सा तालाब बन गया, जो धीरे-धीरे मेरी पाठ्यपुस्तकों की ओर बढ़ता जा रहा था।

मैंने आह भरी। "उफ़। मुझे नए मिशन पूरे करने होंगे, है ना?"
“खैर, प्रिय, कॉलेज में प्रवेश की प्रक्रिया हमेशा चुनौतीपूर्ण होती है, लेकिन मैं आपकी मदद करने के लिए यहाँ हूँ—”
मैंने कहा, "कैसा रहेगा अगर मेरे पिता सच में मेरी मदद करना चाहते हैं, तो शायद उन्हें यह बात मुझे खुद समझानी चाहिए, बजाय इसके कि आपको यह बुरी खबर सुनाने के लिए यहां भेजें।"
“ओह। अच्छा, तो यह होगा, उम—”
मैंने सहमति जताते हुए कहा, "यह उनके स्वभाव के विपरीत है।"
यूडोरा के बालों में (या कहें कि सीपियों के बीच?) कुछ भिनभिनाया, जिससे वह चौंक गई। मुझे लगा शायद उसके सीपियों के ढेर में कोई बिजली वाली मछली फंस गई हो, लेकिन तभी उसने एक सीप निकाली। "माफ़ कीजिए। मुझे यह लेना है।" उसने शंख को अपने कान से लगाया। “हेलो? . . . ओह, जी हाँ, महोदय! मैं. . . हाँ, मैं समझ गई। बिल्कुल। अभी बोलती हूँ।”
उसने शंख को मेज पर रख दिया और उसे घूरने लगी, मानो उसे डर हो कि कहीं वह फिर से न बज जाए।
“पिताजी?” मैंने अनुमान लगाया।
उसने मुस्कुराने की कोशिश की। खारे पानी की झील अभी भी दफ्तर के फर्श पर फैल रही थी, मेरी पाठ्यपुस्तकों को भिगो रही थी और मेरे जूतों से रिस रही थी।
“उन्हें लगता है कि आप सही हो सकती हैं,” यूडोरा ने कहा। “वे आपको व्यक्तिगत रूप से समझाएंगे।”
उसने आमने-सामने वही बात कही जो ज्यादातर शिक्षक सजा के दौरान कहते हैं। मैंने शांत रहने की कोशिश की, जैसे मैंने कोई बहस जीत ली हो, लेकिन मेरे पिताजी से मेरी काफी समय से बात नहीं हुई थी। वो मुझे आमतौर पर अपने पानी के नीचे बने महल में तभी लाते थे जब कोई युद्ध शुरू होने वाला होता था। मुझे उम्मीद थी कि शायद वो मुझे स्कूल में थोड़ा समय बिताने का मौका देंगे, उसके बाद ही मुझे बुलाएंगे।
“बहुत बढ़िया। तो... क्या मैं वापस क्लास में जा सकता हूँ?”
"अरे नहीं, प्रिय। उसका मतलब अभी है।"
मेरे पैरों के आसपास पानी एक भंवर में बदल गया। टाइलें चटकने और पिघलने लगीं।

“लेकिन चिंता मत करो,” यूडोरा ने वादा किया। “हम फिर मिलेंगे!”
मेरी कुर्सी के नीचे से ज़मीन खिसक गई, और मैं ज़ोरदार आवाज़ के साथ एक भयंकर भंवर में गिर पड़ा!

आपको तब पता चलता है कि आप बहुत लंबे समय से अर्धदेवता बने हुए हैं जब आपको आपके स्कूल से सीधे अटलांटिक महासागर में फेंक दिया जाता है और आपको जरा भी आश्चर्य नहीं होता है।
मैंने धारा से लड़ने की कोशिश नहीं की। मैं पानी के अंदर सांस ले सकता था, इसलिए यह कोई समस्या नहीं थी। मैं बस अपनी नीली प्लास्टिक की कुर्सी पर बैठा रहा और पोसीडॉन के निजी जलमार्ग™ से होकर गुजरा, जो पाँच अरब गैलन की सुनामी से संचालित था। जितनी तेज़ी से आप कह सकते थे, "वाह, यह तो बहुत बुरा हुआ", मैं समुद्र तल से ऐसे निकला जैसे किसी घोंघे ने मुझे खाँस कर बाहर निकाल दिया हो।
मेरे चारों ओर रेत का बादल छंटने लगा, और मैंने अपनी स्थिति का अंदाज़ा लगाने की कोशिश की। समुद्री ज्ञान के अनुसार मैं लॉन्ग आइलैंड तट से लगभग चालीस मील दक्षिण-पूर्व में, दो सौ फीट नीचे था; पोसीडॉन के पुत्र के लिए यह कोई बड़ी बात नहीं थी, लेकिन बच्चों, इसे घर पर आज़माने की कोशिश मत करना। मेरे ठीक सामने सौ गज की दूरी पर, महाद्वीपीय शेल्फ अंधेरे में डूब गया। और ठीक उस कगार पर एक जगमगाता महल खड़ा था: पोसीडॉन का ग्रीष्मकालीन विला।
हमेशा की तरह, मेरे पिताजी घर का नवीनीकरण करवा रहे थे। मुझे लगता है कि अमर होने पर सदियों तक एक ही घर में रहने से ऊब जाते हैं। पोसीडॉन हमेशा कुछ न कुछ तोड़-फोड़, मरम्मत या विस्तार करते रहते थे। समुद्र के नीचे निर्माण परियोजनाओं की बात करें तो, उनके पास लगभग असीमित शक्ति और मुफ्त श्रम उपलब्ध था, जो उनके लिए मददगार साबित हुआ।
नीली व्हेल मछलियों का एक जोड़ा एक अपार्टमेंट इमारत के आकार के संगमरमर के स्तंभ को खींच रहा था। हैमरहेड शार्क अपने पंखों और सिर के ऊपरी हिस्सों से मूंगे की ईंटों की पंक्तियों के बीच में प्लास्टर लगा रही थीं।

सैकड़ों जलपरी इधर-उधर फुदक रही थीं, सभी ने चमकीले पीले रंग के हेलमेट पहन रखे थे जो उनकी दीपक जैसी आंखों से मेल खाते थे।
जब मैं कार्यस्थल से तैरकर गुजर रहा था, तो उनमें से कुछ ने मुझे हाथ हिलाकर अभिवादन किया। एक डॉल्फ़िन ने, जिसने चमकदार सुरक्षा जैकेट पहन रखी थी, मुझसे हाई फाइव किया।
मैंने अपने पिताजी को हडसन कैन्यन की अथाह गहराई के ऊपर बने एक अधनिर्मित इन्फिनिटी पूल के किनारे खड़े पाया। मुझे समझ नहीं आया कि जब आप पहले से ही पानी के अंदर हैं तो इन्फिनिटी पूल का क्या मतलब है, लेकिन मैंने उनसे पूछने की ज़हमत नहीं उठाई। मेरे पिताजी ज़्यादातर समय काफी शांत स्वभाव के थे, लेकिन आप उनकी शैलीगत पसंद पर सवाल नहीं उठाना चाहते थे।
उदाहरण के लिए, उसके कपड़े।
मैंने जिन यूनानी देवताओं से मुलाकात की थी, उनमें से कुछ को अपना रूप प्रतिदिन बदलने की आदत थी। आखिर देवता होने के नाते वे ऐसा कर ही सकते थे। लेकिन पोसीडॉन ने एक ऐसा रूप अपना लिया था जो उन पर जँचता था, भले ही वह दूसरों को पसंद न आता हो।
आज उसने सिकुड़ी हुई कार्गो शॉर्ट्स पहनी हुई थी जो उसके क्रॉक्स और मोजों से मेल खा रही थी। उसकी कैंप शर्ट ऐसी लग रही थी मानो उस पर टीम पर्पल और टीम हेलो किटी के बीच पेंटबॉल युद्ध में हमला हुआ हो। उसकी मछली पकड़ने वाली टोपी स्पिनरबेट के लालच से सजी हुई थी। उसके हाथ में एक दिव्य कांस्य त्रिशूल था जो शक्ति से झनझना रहा था, जिससे उसके नुकीले बिंदुओं के आसपास का पानी उबल रहा था।
उनकी गठीली काया, सलीके से कटी हुई काली दाढ़ी और घुंघराले सफ़ेद-काले बालों को देखकर आप सोचेंगे कि उनकी उम्र शायद पैंतालीस साल होगी—लेकिन तभी वे आपकी ओर मुस्कुराए। तब आपकी नज़र उनके चेहरे की झुर्रियों पर पड़ी, मानो किसी पहाड़ी की ढलान पर पड़ी हों, और उनकी गहरी उदासी भरी हरी आँखों पर, तब आप समझ गए कि ये व्यक्ति अधिकांश देशों से भी पुराना है—शक्तिशाली, प्राचीन, और पानी के दबाव से कहीं अधिक बोझ से दबा हुआ।
“पर्सी,” उसने कहा।
"अरे।"
हम इस तरह की गहन बातचीत करते हैं।
उसकी मुस्कान थोड़ी फीकी पड़ गई। "नया स्कूल कैसा है?"

मैंने यह बताने की इच्छा को दबा लिया कि मैं केवल दो क्लास ही पूरी कर पाया था कि मुझे समुद्र में बहा दिया गया। "अभी तक तो सब ठीक है।"
मेरी बात शायद असरदार नहीं लगी होगी, क्योंकि मेरे पिताजी ने अपनी घनी भौंहें सिकोड़ लीं। मैंने कल्पना की कि अटलांटिक तट पर तूफ़ानी बादल मंडरा रहे हैं, नावें उग्र लहरों में डगमगा रही हैं। "अगर यह ठीक नहीं हुआ, तो मैं एक सुनामी भेजने में खुशी महसूस करूँगा—"
“नहीं, कोई बात नहीं,” मैंने जल्दी से कहा। “तो, इन कॉलेज अनुशंसा पत्रों के बारे में…”
पोसीडॉन ने आह भरी। “हाँ। यूडोरा ने आपको सलाह देने की पेशकश की है। वह समुद्र से मिलने वाले उपहारों की देवी है, आप समझ रहे हैं ना? उसे लोगों की मदद करना बहुत पसंद है। लेकिन शायद उसे यह खबर सुनाने से पहले थोड़ा इंतजार करना चाहिए था…”
दूसरे शब्दों में कहें तो: अब उसे यह करना ही था, और उसे यह पसंद नहीं था। अगर आपने यह निष्कर्ष निकाला है कि पोसीडॉन एक "हस्तक्षेप न करने वाले" अभिभावक हैं, तो आप ही विजेता हैं। मैं तो उनसे मिडिल स्कूल में ही मिला था, जब (बिल्कुल संयोग से) उन्हें मुझसे कुछ चाहिए था।
लेकिन अब हमारे बीच सब ठीक-ठाक चल रहा है। मुझे पता है वो मुझे अपने तरीके से प्यार करता है। देवताओं के लिए अपने नश्वर वंशजों के करीब रहना मुश्किल होता है। हम अर्धदेवता, देवताओं की तुलना में कम जीते हैं। उनके लिए हम एक तरह से चूहे जैसे हैं। ऐसे चूहे जो अक्सर मारे जाते हैं। इसके अलावा, पोसीडॉन के पास और भी बहुत काम थे: महासागरों पर राज करना; तेल रिसाव, तूफान और गुस्सैल समुद्री राक्षसों से निपटना; अपने महलों का जीर्णोद्धार करना।
“मैं बस न्यू रोम यूनिवर्सिटी में दाखिला लेना चाहती हूँ,” मैंने कहा। “क्या कोई ऐसा तरीका नहीं है जिससे…?” मैंने अपनी उंगलियाँ हिलाईं, मानो किसी दैवीय जादू से समस्याओं को गायब करने का इशारा कर रही हूँ। हालाँकि मैंने ऐसा कुछ कभी देखा नहीं था। भगवान तो जादुई तरीके से समस्याएँ पैदा करने में ज़्यादा माहिर होते हैं, उन्हें दूर करने में नहीं।
पोसीडॉन ने अपने त्रिशूल की नोक से अपनी मूंछें संवारीं। मुझे नहीं पता कि उसने बिना अपना चेहरा काटे यह कैसे किया।

उन्होंने कहा, "दुर्भाग्यवश, मैं बस इतना ही कर सकता था कि सिफारिशी पत्र ही दे दूं। ओलंपियन काउंसिल आपको कर्ज चुकाने के लिए काम करने की अनुमति तभी देगी।"
पानी के अंदर संवाद करना जटिल होता है। मैं आंशिक रूप से व्हेल के गीतों की गुनगुनाहट और क्लिक जैसी आवाज़ों से उसके शब्दों का अनुवाद कर रहा था और आंशिक रूप से अपने दिमाग में उसकी आवाज़ को टेलीपैथिक रूप से सुन रहा था, इसलिए मुझे यकीन नहीं था कि मैं उसे समझ पाया था।
मैंने कहा, "मुझ पर कोई छात्र ऋण नहीं है। मुझे अभी तक दाखिला भी नहीं मिला है।"
“यह छात्र ऋण नहीं है,” पोसीडॉन ने कहा। “यह वह ऋण है जो आपको... अस्तित्व में रहने के लिए चुकाना पड़ता है।”
मेरा दिल बैठ गया। "तुम्हारा मतलब है कि तुम उन तीन बड़े नामों में से एक के बच्चे हो। तुम्हारे बच्चे हो।"
पोसीडॉन दूर तक टकटकी लगाए देख रहा था, मानो उसने अथाह गहराई में कुछ दिलचस्प खोज लिया हो। मुझे लगभग यही उम्मीद थी कि वह चिल्लाएगा, "देखो, चमकदार!" और फिर मेरा ध्यान भटकते ही गायब हो जाएगा।
लगभग सत्तर साल पहले, तीन प्रमुख देवताओं—ज़्यूस, पोसीडॉन और हेड्स—ने यह समझौता किया कि वे अब और कोई अर्धदेव संतान पैदा नहीं करेंगे। हम बहुत शक्तिशाली और अप्रत्याशित थे। हम अक्सर बड़े युद्ध शुरू कर देते थे, प्राकृतिक आपदाएँ लाते थे, घटिया सिटकॉम बनाते थे... और भी बहुत कुछ। देवता होने के नाते, तीनों प्रमुख देवताओं ने समझौते को तोड़ने और मुसीबत में न पड़ने के तरीके खोज ही लिए। इसके बजाय, हम अर्धदेव संतानों को ही इसका खामियाजा भुगतना पड़ा।
मैंने बुदबुदाते हुए कहा, "मुझे लगा था कि हम इस मुद्दे से आगे बढ़ चुके हैं। मैंने टाइटन्स से लड़ने में तुम लोगों की मदद की थी—"
“मुझे पता है,” मेरे पिताजी ने कहा।
और गैया और दानव।
"मुझे पता है।"
"और-"
“मेरे बेटे।” उनकी आवाज़ में छिपी कड़वाहट ने मुझे बता दिया कि अपनी उपलब्धियों की सूची बनाना बंद करना ही बेहतर होगा। “अगर मेरे बस में होता,

तो मैं इस बेतुकी शर्त को पूरी तरह से हटा देता। अफसोस, कोई”—उन्होंने ऊपर देखा, “कोई”—यहाँ उनका इशारा मेरे अविवेकी भाई ज़्यूस की ओर था—“नियमों का बहुत पक्का है। तुम्हारा जन्म ही नहीं होना चाहिए था, इसलिए तकनीकी रूप से तुम न्यू रोम विश्वविद्यालय में प्रवेश के योग्य नहीं हो।”
मुझे इस पर विश्वास नहीं हो रहा था।
और मुझे इस बात पर पूरी तरह से यकीन हो सकता है।
जब मुझे लगा कि शायद मुझे थोड़ी राहत मिलेगी, तो ऐसा नहीं हुआ। ऐसा लगा जैसे ओलंपियन देवता मुझे अपना निजी किकबॉल समझ रहे हों।
मैंने दांत पीसने से बचने के लिए अपने जबड़े को ढीला छोड़ दिया। "तो, तीन सिफारिशी पत्र।"
पोसीडॉन का चेहरा खिल उठा। "ज़्यूस पच्चीस संख्या चाहता था। मैंने उसे मनाकर तीन पर ला दिया।"
ऐसा लग रहा था जैसे वह किसी चीज का इंतजार कर रहा हो।
“धन्यवाद,” मैंने बुदबुदाते हुए कहा। “क्या आप मेरे लिए एक लिख सकते हैं?” मैं तुम्हारा पिता हूँ। मुझमें पक्षपात होने की संभावना है।
"हां, हम किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं चाहेंगे।"
मुझे खुशी है कि आप समझ गए। प्रत्येक पत्र प्राप्त करने के लिए, आपको एक नया कार्य पूरा करना होगा। तीनों कार्य शीतकालीन संक्रांति की आवेदन की अंतिम तिथि से पहले पूरे करने होंगे। जब भी कोई देवता आपके लिए अनुशंसा पत्र लिखे, उसे यूडोरा को दे दें, और वह उसे आपकी फाइल में रख देगी।
मैंने उन देवताओं के बारे में सोचने की कोशिश की जो मुझ पर थोड़ी दया दिखाएंगे और मुझे आसान काम देंगे। मैंने वर्षों से कई अमर प्राणियों की मदद की थी। असली चुनौती यह थी कि ऐसे देवता कौन से हों जिन्हें याद हो कि मैंने उनकी मदद की थी—या कम से कम मेरा नाम ही याद हो। “शायद मैं हर्मेस से पूछ सकता हूँ। और आर्टेमिस से...?”
“अरे, तुम देवताओं से नहीं पूछ सकते। उन्हें खुद तुम्हारे पास आना होगा। लेकिन चिंता मत करो!” पोसीडॉन खुद पर बहुत खुश लग रहा था। “मैंने तुम्हारा नाम ओलंपियन विजय पत्रक पर लिख दिया है।”
अब क्या?
पोसीडॉन ने चुटकी बजाई और उसके हाथों में एक चमकीले पीले रंग का पर्चा प्रकट हो गया। यह एक विज्ञापन था जिसमें मेरी तस्वीर और यह संदेश था:

पर्सी जैक्सन आपके सभी मिशन पूरे करेगा।
(कॉलेज के लिए सिफारिश पत्र के बदले में)
पोस्टर के निचले हिस्से को छोटी-छोटी पट्टियों में काटा गया था और प्रत्येक पट्टी पर मेरा घर का पता लिखा हुआ था।
तस्वीर देखकर ऐसा लग रहा था मानो इसे मेरे बाथरूम के शीशे के अंदर से खींचा गया हो, जिससे कई परेशान करने वाले सवाल खड़े हो गए। मेरे बाल गीले थे। मेरी आंखें आधी बंद थीं। मेरे मुंह से एक टूथब्रश बाहर निकला हुआ था। मैंने कहा, "आपने इसे पहले ही पोस्ट कर दिया था, है ना?"
“कोई समस्या नहीं थी,” पोसीडॉन ने मुझे आश्वस्त किया। “मैंने अपने समुद्री अप्सराओं से उन्हें माउंट ओलंपस पर भी हर जगह लगवा दिया था।”
"मैं तो हूँ । । ।"
“शुक्रगुजार।” उनका हाथ मेरे कंधे पर भारी पड़ गया। “मुझे पता है। मुझे यह भी पता है कि तुम इस अतिरिक्त बाधा की उम्मीद नहीं कर रहे थे, लेकिन सोचो! कॉलेज में दाखिला लेने के बाद, तुम्हारा जीवन बहुत आसान हो जाएगा। राक्षस शायद ही कभी बूढ़े देवताओं पर हमला करते हैं। तुम और तुम्हारी प्रेमिका...” “एनाबेथ।”
“जी हां। आप और एनाबेथ आराम कर सकेंगे और आनंद उठा सकेंगे।”
पोसीडॉन सीधे खड़े हुए। “और अब मुझे लगता है कि मेरा इंटीरियर डिज़ाइनर मुझे बुला रहा है। हमने अभी तक तय नहीं किया है कि बाथरूम की टाइलें समुद्री झाग रंग की हों या एक्वामरीन रंग की। तुम्हें फिर से देखकर बहुत अच्छा लगा, पर्सी। तुम्हारे मिशन के लिए शुभकामनाएँ!”
उसने अपने त्रिशूल के आधार को आँगन के पत्थरों पर ज़ोर से पटका। ज़मीन फट गई, और मैं बिना बैठने के लिए प्लास्टिक की कुर्सी के सीधे समुद्र तल में जा गिरा।

आपको क्या करना होगा?
एनाबेथ और मैं अपने बेडरूम के बाहर आग से बचाव वाली सीढ़ी पर बैठे थे, हमारे पैर 104 वीं स्ट्रीट के ऊपर लटक रहे थे। पिछले कुछ हफ्तों में, जैसे- जैसे गर्मी खत्म हो रही थी, आग से बचाव वाली सीढ़ी हमारी पसंदीदा जगह बन गई थी। और आज जो कुछ भी हुआ, उसके बावजूद मैं खुश थी। एनाबेथ के साथ होने पर उदास होना मुश्किल है।
मैंने उसे एएचएस में अपने पहले दिन के बारे में सब कुछ बताया: कक्षाएं, सिरदर्द, और समुद्र की गहराई में अचानक हुई फील्ड ट्रिप। एनाबेथ ने अपने पैर हिलाए—यह उसकी घबराहट की आदत थी, मानो वह मच्छरों या परेशान करने वाली हवाओं को भगाना चाहती हो।
“ये तो बेतुका है,” उसने कहा। “शायद मैं अपनी माँ से तुम्हारे लिए सिफारिश लिखवा सकती हूँ।”
एनाबेथ की माँ ज्ञान की देवी एथेना थीं, इसलिए उनकी तरफ से कॉलेज के लिए सिफारिश शायद बहुत काम आती। दुर्भाग्य से, जितनी बार भी हमारी मुलाकात हुई, एथेना ने अपनी तीखी भूरी आँखों से मुझे ऐसे परखा जैसे मैं कोई नकली छवि हूँ।
मैंने कहा, "तुम्हारी माँ मुझे पसंद नहीं करती। वैसे भी, पोसीडॉन ने साफ-साफ कह दिया है। मुझे तीन देवताओं के लिए नए मिशन पूरे करने हैं। और ये अनुरोध उन्हीं की तरफ से आने चाहिए।"
उफ़।
"वही जो मैने कहा।"
एनाबेथ ने क्षितिज पर अपनी निगाहें गड़ा दीं, मानो वह योंकर्स में कहीं दूर जाकर किसी समस्या का समाधान ढूंढ रही हो। क्या योंकर्स से ही समस्या का समाधान निकलता है?

“हम इसका हल निकाल लेंगे,” उसने वादा किया। “हमने इससे भी बुरे हालात देखे हैं।”
मुझे उसका आत्मविश्वास बहुत पसंद आया। और वह सही थी... हम दोनों ने साथ मिलकर इतना कुछ झेला था कि ऐसी किसी भी चीज़ की कल्पना करना मुश्किल था जिसका हम सामना न कर सकें।
कभी-कभी कोई मुझसे पूछता था कि क्या मैंने एनाबेथ के अलावा किसी और को डेट किया है, या क्या मैंने कभी किसी और को डेट करने के बारे में सोचा है। सच कहूँ तो? जवाब था ना। जब आप दोनों ने मिलकर ब्रह्मांड की सबसे गहरी और भयानक जगह, टार्टारस से निकलने में मदद की हो, और आप ज़िंदा बचकर पहले से ज़्यादा मज़बूत होकर बाहर आए हों... तो, यह ऐसा रिश्ता नहीं है जिसे आप कभी बदल सकें, या कभी बदलना चाहें। हाँ, ठीक है, तब मैं अठारह साल का भी नहीं हुआ था। फिर भी... कोई मुझे एनाबेथ से बेहतर नहीं जानता था, न ही कोई मुझे इतना सहन कर पाता था, और न ही कोई मुझे इतना संभाल पाता था, और मुझे पता था कि वह भी मेरे बारे में यही कह सकती है—क्योंकि अगर मैं एक प्रेमी के तौर पर लापरवाही करता, तो वह मुझे तुरंत बता देती।
मैंने उम्मीद से कहा, "हो सकता है ये छोटे-मोटे काम हों। जैसे शनिवार को हाईवे पर कूड़ा उठाना वगैरह। लेकिन ये मेरा काम है, हमारा नहीं। मैं तुम्हें इसमें घसीटना नहीं चाहता।"
“हे।” उसने अपना हाथ मेरे हाथ पर रखा। “तुम मुझे किसी भी चीज़ में नहीं घसीट रहे हो। मैं हर हाल में तुम्हारे साथ हाई स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने में तुम्हारी मदद करूंगी।”
तो क्या आप मेरे निबंध लिखेंगे?
"अच्छी कोशिश।"
हम एक मिनट तक चुपचाप बैठे रहे, हमारे कंधे एक-दूसरे से छू रहे थे। हम दोनों को एडीएचडी थी, लेकिन मैं घंटों तक ऐसे ही बैठा रह सकता था, पूरी तरह संतुष्ट, दोपहर की धूप में एनाबेथ के बालों की चमक को निहारते हुए, या जब हम हाथ पकड़ते थे तो उसकी नब्ज़ के मेरी नब्ज़ से तालमेल बिठाते हुए। उसकी नीली टी-शर्ट पर सुनहरे अक्षरों में SODNYC लिखा हुआ था। यह सुनने में अपमानजनक लग सकता था, लेकिन यह उसके नए हाई स्कूल का नाम था: स्कूल ऑफ डिजाइन, न्यूयॉर्क सिटी।

मैंने उससे उसके पहले दिन के बारे में पहले ही पूछ लिया था। अपने आर्किटेक्चर टीचर और पहले बड़े होमवर्क असाइनमेंट के बारे में बताने के बाद, उसने अचानक ही अपनी बात रोकते हुए कहा, "ठीक था। तुम्हारा कैसा रहा?" मुझे लगता है कि वह जानती थी कि मुझे और भी बहुत कुछ बताना होगा, और भी कई समस्याओं का समाधान करना होगा।
मुझे यह उचित नहीं लगा—इसलिए नहीं कि वह गलत थी, बल्कि इसलिए कि मैं उसे दूसरे स्थान पर नहीं रखना चाहता था। महान समस्या-समाधानकर्ताओं की खासियत यह होती है कि वे अक्सर दूसरों को अपने मामलों में मदद करने नहीं देते। मैं दोबारा पूछने की हिम्मत जुटा ही रहा था, यह सुनिश्चित करने के लिए कि कहीं कोई देवता या राक्षस उसके पास आकर उसे कोई काम तो नहीं सौंप गए, तभी मेरी माँ ने अंदर से आवाज़ दी। “अरे, तुम दोनों। क्या तुम खाना बनाने में मदद करना चाहते हो?”
“ज़रूर, सैली!” एनाबेथ ने अपने पैर ऊपर खींचे और खिड़की से अंदर चढ़ गई। अगर एनाबेथ को मेरी मदद करने से ज़्यादा किसी और की मदद करना पसंद था, तो वो मेरी माँ थी।
जब हम रसोई में पहुँचे, तो पॉल सब्ज़ी बनाने के लिए लहसुन काट रहा था। उसने एक एप्रन पहना हुआ था जो उसके एक छात्र ने उसे साल के अंत में उपहार के रूप में दिया था। एप्रन के आगे पैट कॉनरॉय का कथन लिखा था, “एक व्यंजन एक कहानी है जिसका अंत एक स्वादिष्ट भोजन के साथ होता है।”
मुझे नहीं पता था कि वो कौन था। शायद कोई साहित्य प्रेमी होगा, क्योंकि पॉल साहित्य पढ़ाता था। मुझे उसका कथन अच्छा लगा, क्योंकि मुझे अच्छा खाना पसंद था।
एनाबेथ ने एक चाकू उठाया। "ब्रोकली पर मेरा हक है।"
पॉल ने उसकी तरफ देखकर मुस्कुराया। गर्मियों में उसके सफ़ेद-काले बाल थोड़े लंबे और घुंघराले हो गए थे, और उसने हर दो दिन में एक बार ही शेव करना शुरू कर दिया था, इसलिए वह, जैसा कि मेरी माँ कहती थीं, "मनोरंजक और शरारती" लग रहा था।
उन्होंने थोड़ा झुककर कहा, "मैं यह चॉपिंग बोर्ड एथेना की बेटी को सौंपता हूँ।"
"धन्यवाद, सज्जन," एनाबेथ ने भी उतने ही औपचारिक लहजे में कहा।
मेरी मां हंस पड़ीं। "तुम दोनों बहुत प्यारे हो।"

पॉल ने माँ को आँख मारी, फिर कड़ाही गर्म करने के लिए मुड़ गया। पिछली वसंत ऋतु से, जब पॉल ने एनाबेथ को किसी मुश्किल अंग्रेज़ी प्रोजेक्ट में पढ़ाया था, तब से उन दोनों के बीच शेक्सपियर को लेकर गहरी दोस्ती हो गई थी, इसलिए जब भी वे एक-दूसरे से बात करते, तो ऐसा लगता था मानो वे मैकबेथ के दृश्यों का अभिनय कर रहे हों।
मेरी माँ ने कहा, "पर्सी, क्या तुम मेज लगा दोगे?"
उसे पूछने की ज़रूरत ही नहीं थी, क्योंकि यही मेरा रोज़ का काम था। पाँच अलग-अलग रंग की हल्के रंग की प्लेटें। मुझे हमेशा नीली प्लेट मिलती थी। कागज़ के नैपकिन। कांटे। गिलास और नल के पानी का एक जग। कुछ भी खास नहीं। मुझे इस तरह की सरल रस्म बहुत अच्छी लगी—ऐसी रस्म जिसमें राक्षसों से लड़ना, दैवीय भविष्यवाणियाँ करना या पाताल लोक की गहराइयों में मृत्यु के करीब पहुँचने जैसे अनुभव शामिल नहीं थे। रात के खाने के लिए मेज सजाना शायद आपको उबाऊ लगे, लेकिन जब आपके जीवन में कभी आराम करने का समय ही न हो... तो उबाऊपन भी काफी अच्छा लगने लगता है।
मेरी माँ ने राइस कुकर चेक किया, फिर फ्रिज से मैरिनेटेड टोफू का एक कटोरा निकाला। काम करते हुए वो गुनगुना रही थीं—शायद निर्वाणा का कोई गाना। “कम एज़ यू आर”? उनके चेहरे की चमक और आँखों की दमक से मैं समझ गई कि वो बहुत खुश थीं। वो ऐसे चल रही थीं जैसे हवा में तैर रही हों, या फिर नाचने ही वाली हों। उन्हें ऐसे देखकर मुझे भी मुस्कान आ गई।
बहुत लंबे समय से, वह एक तनावग्रस्त, कम रोजगार वाली माँ थी, समुद्र के देवता के साथ अपने संक्षिप्त प्रेम प्रसंग के बाद उसका दिल टूट गया था और वह लगातार मेरे बारे में चिंतित रहती थी, जो उसका अर्धदेवता बच्चा था और जब से मैं रेंगने लायक हुआ था तब से राक्षसों द्वारा सताया जा रहा था।
अब एनाबेथ और पॉल एक साथ खुशहाल जीवन जी रहे थे। और अगर मुझे इस बात का थोड़ा दुख हो रहा था कि जब सब कुछ ठीक हो रहा था, तब मैं उनके बीच से निकलने की सोच रही थी, तो इसमें मेरी माँ या पॉल की कोई गलती नहीं थी। उन्होंने मुझे अपने साथ शामिल करने के लिए हर संभव कोशिश की थी। इसके अलावा, मैं कॉलेज जाना चाहती थी। अगर मुझे एनाबेथ के साथ रहने और... खैर, किसी भी चीज़ के बीच चुनाव करना पड़े, तो यह कोई चुनाव ही नहीं था।

पॉल ने कड़ाही में लहसुन की एक कली डाली, जो छींकते हुए अजगर की तरह चटकने और भाप छोड़ने लगी। (और हाँ, मैंने अजगरों को छींकते देखा है।) "मुझे लगता है हम तैयार हैं, महोदया।"
“कुछ आ रहा है।” एनाबेथ ने जैसे ही फ्राई करने का मिश्रण तेल में डाला, तभी हमारे दरवाजे की घंटी बजी।
मैंने कहा, "मैं ले आता हूँ," और दौड़कर अपने पाँचवें मेहमान को रात के खाने के लिए अंदर आने दिया।
जैसे ही मैंने दरवाजा खोला, ग्रोवर अंडरवुड ने फलों की टोकरी मेरे हाथों में थमा दी। "मैं स्ट्रॉबेरी लाया हूँ।" उसकी नाक काँप रही थी। "क्या यह टोफू की सब्ज़ी है?"
मैंने कहा, "आपको भी नमस्कार।"
“मुझे टोफू स्टर-फ्राई बहुत पसंद है!” ग्रोवर मेरे चारों ओर दौड़ता हुआ रसोई की ओर भागा, क्योंकि ग्रोवर जानता है कि क्या अच्छा है।
मेरे सबसे अच्छे दोस्त ने अपने रूप-रंग को थोड़ा बेकाबू होने दिया था, जो अपने आप में एक बड़ी बात है, क्योंकि वह एक सैटायर है। उसके सींग और घुंघराले बाल आपस में होड़ कर रहे थे कि कौन ज़्यादा लंबा होगा। अब तक तो सींग ही आगे थे, लेकिन ज़्यादा अंतर से नहीं। उसके बकरे जैसे पिछले हिस्से इतने घने हो गए थे कि उसने उन्हें ढकने के लिए इंसानों वाली पैंट पहनना छोड़ दिया था, हालांकि उसने मुझे यकीन दिलाया कि धुंध के जादू की वजह से इंसान उन्हें पैंट ही समझते हैं। अगर कोई उसे अजीब नज़र से देखता, तो ग्रोवर बस इतना कहता, "एथलीज़र-वियर।"
उसने अपनी जानी-पहचानी नारंगी रंग की कैंप हाफ-ब्लड शर्ट पहनी हुई थी, और अपने खुर वाले पैरों को ढकने के लिए अब भी खास तौर से बने टेनिस जूते पहने हुए था, क्योंकि खुर शोर करते हैं और मिस्ट के लिए उन्हें ढकना मुश्किल होता है। मुझे लगता है कि "एथलीजर-वियर प्लस टैप-डांसिंग शूज़" वाला बहाना ज़्यादा कारगर नहीं रहा।
जब मैंने स्ट्रॉबेरी की टोकरी को किचन काउंटर पर रखा, तो मेरी माँ ने ग्रोवर को गले लगाया और उसकी सुंदरता की तारीफ की।
“इनकी खुशबू लाजवाब है!” उसने कहा। “बिल्कुल परफेक्ट मिठाई!”
ग्रोवर ने उदास स्वर में कहा, "गर्मी की आखिरी फसल।"

उसने मुझे उदास मुस्कान दी, मानो वह सोच रहा हो कि यह शिविर में मेरी भी आखिरी गर्मी थी। एक बार जब अर्धदेवता हाई स्कूल से स्नातक हो जाते हैं, अगर हम तब तक जीवित रहते हैं, तो हममें से अधिकांश सामान्य दुनिया में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि तब तक हम खुद की रक्षा करने के लिए पर्याप्त मजबूत हो जाते हैं, और राक्षस हमें अकेला छोड़ देते हैं क्योंकि हम अब इतने आसान लक्ष्य नहीं रह जाते। कम से कम सिद्धांत तो यही है।
“अब हमें लौकी के मौसम के लिए तैयार होना होगा,” ग्रोवर ने आह भरते हुए कहा। “गलत मत समझिए। मुझे सजावटी लौकियां बहुत पसंद हैं, लेकिन वे उतनी स्वादिष्ट नहीं होतीं।”
मेरी माँ ने उसके कंधे पर थपथपाते हुए कहा, "हम यह सुनिश्चित करेंगे कि ये बेर बर्बाद न हों।"
जैसे ही पॉल ने स्टोवटॉप का बर्नर बंद किया और भाप से भरी कड़ाही को आखिरी बार चलाया, राइस कुकर से हल्की सी आवाज़ आई। "किसे भूख लगी है?"
अपनों के साथ खाना खाने पर हर चीज़ का स्वाद बेहतर लगता है। मुझे याद है वो हर खाना जो मैंने और मेरे दोस्तों ने आर्गो II जहाज की रसोई में साथ खाया था — भले ही हम उस समय जीवन-मरण की लड़ाई के बीच सिर्फ़ जंक फ़ूड ही खा रहे थे। आजकल, घर पर, मैं अपनी माँ और पॉल के साथ हर रात का खाना दिल से खाने की कोशिश करता हूँ।
मैंने अपना अधिकांश बचपन एक बोर्डिंग स्कूल से दूसरे बोर्डिंग स्कूल में जाते हुए बिताया, इसलिए मुझे कभी भी परिवार के साथ रात का खाना खाने का मौका नहीं मिला। जब मैं कभी-कभार घर पर होती थी, उस समय मेरी माँ की शादी बदबूदार गेब उग्लियानो से हुई थी, तब भी साथ में रात का खाना खाना मुझे कभी अच्छा नहीं लगता था। गेब की बदबू से भी बदतर तो उसका मुँह खोलकर खाना चबाने का तरीका था।
मेरी माँ ने अपनी पूरी कोशिश की। उन्होंने जो कुछ भी किया, वह मेरी रक्षा के लिए था, यहाँ तक कि गेब के साथ रहना भी, जिसकी दुर्गंध से राक्षस मेरा पीछा करना छोड़ देते थे। फिर भी... मेरे कठिन अतीत ने मुझे इन पलों की और भी अधिक कद्र करना सिखाया।
हमने मेरी माँ के लेखन के बारे में बात की। वर्षों के सपने और संघर्ष के बाद, उनका पहला उपन्यास वसंत ऋतु में प्रकाशित होने वाला था। उन्हें इस सौदे से ज़्यादा पैसा तो नहीं मिला, लेकिन एक प्रकाशक ने उनके लेखन के लिए

उन्हें भुगतान तो किया था! वह इस समय अपनी किताब के प्रकाशित होने पर होने वाली खुशी और अत्यधिक चिंता के बीच झूल रही थीं।
हमने क्लोवन एल्डर्स की परिषद में ग्रोवर के काम के बारे में भी बात की, जिसके तहत वे जंगली इलाकों में आपदाओं का जायजा लेने के लिए सैटायरों को दुनिया भर में भेजते थे। इन दिनों परिषद के पास समस्याओं की कोई कमी नहीं थी।
अंत में, मैंने ग्रोवर को स्कूल में अपने पहले दिन के बारे में और उन तीन अनुशंसा पत्रों के बारे में बताया जो मुझे देवताओं से मिलने वाले थे। उसके चेहरे पर घबराहट के भाव झलक गए, लेकिन उसने तुरंत उन्हें दबा लिया। वह सीधा होकर बैठ गया और अपनी दाढ़ी से कुछ चावल झाड़ दिए। "तो फिर, हम ये मिशन साथ मिलकर करेंगे!"
मैंने अपनी राहत को छिपाने की कोशिश की। "ग्रोवर, तुम्हें ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है—"
“क्या तुम मज़ाक कर रही हो?” उसने एनाबेथ की तरफ देखकर मुस्कुराते हुए कहा। “सिर्फ़ हम तीनों को मिलकर रोमांचक यात्राओं पर जाने का मौका? पुराने दिनों की तरह? तीन मस्केटियर!”
“पावरपफ गर्ल्स,” एनाबेथ ने सुझाव दिया।
मैंने कहा, "श्रेक, फियोना और डोंकी।"
“एक मिनट रुकिए,” ग्रोवर ने कहा।
“मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है,” एनाबेथ ने कहा।
पॉल ने अपना गिलास उठाया। “राक्षसों को कभी पता नहीं चलेगा कि उन पर क्या आफत आई है। बस तुम तीनों सावधान रहना।”
“अरे, सब ठीक हो जाएगा,” ग्रोवर ने कहा, हालाँकि उसकी बाईं आँख फड़क रही थी। “वैसे भी, देवताओं के बीच बात फैलने में हमेशा समय लगता है। पहली विनती आने में शायद हफ़्ते लग जाएँगे!”

FOUR

I TAKE A HIMBO FOR SMOOTHIES

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

उसने फिर कुछ कहा।
मैंने पूछा, “क्या?”
उन्होंने मेरे बगल वाली सीट की ओर इशारा किया।
“ओह। उह—”
“धन्यवाद।” वह मीठी-मीठी खुशबू के बीच बैठ गया और ट्रेन में बैठे बाकी छह यात्रियों की ओर देखा। उसने उंगलियां चटकाईं, मानो किसी कुत्ते को बुला रहा हो, और सभी लोग जम गए। वैसे, इस पर कोई खास फर्क नहीं दिखा।
“तो।” उसने अपनी सजी-संवरी उंगलियाँ घुटनों पर फैलाईं और मेरी तरफ तिरछी मुस्कान के साथ देखा। “पर्सी जैक्सन। यह अच्छा है।”
“तुम किस देवता के अनुयायी हो?”
उसने मुंह फुलाते हुए कहा, "तुम्हें ऐसा क्यों लगता है कि मैं भगवान हूं?" "भाग्यशाली अनुमान।"
“हम्म। और मैंने घुलमिल जाने के लिए इतनी मेहनत की। मैंने कपड़े भी पहने।” “मैं आपके प्रयास की सराहना करता हूँ। सचमुच।”
“अच्छा, तुमने मेरा बड़ा रहस्य उजागर कर दिया। मैं गैनीमेड हूँ, ज़्यूस का प्रिय प्यालावाहक, और मुझे तुम्हारी मदद चाहिए। क्या कहते हो, पर्सी जैक्सन?”
ट्रेन चीखती हुई मेरे स्टॉप पर आकर रुकी। एनाबेथ और ग्रोवर मेरा इंतजार कर रहे होंगे।
मैंने देवता से पूछा, "क्या आपको हिमबो जूस पसंद है?"
मैंने पहले भी कई बार देवताओं से मुलाकात की थी, लेकिन यह पहली बार था जब मैं किसी देवता को स्मूदी बार में ले गया था। जगह खचाखच भरी थी। सौभाग्य से, एनाबेथ और ग्रोवर को कोने में हमारा पसंदीदा बूथ मिल गया था। एनाबेथ ने मुझे अपने पास बुलाया, फिर जब उसने मेरे पीछे आते सुनहरे आदमी को देखा तो उसका चेहरा उतर गया।
“हमने अपना ऑर्डर पहले ही दे दिया है,” उसने कहा जब हम उनके सामने वाली सीट पर बैठ गए। “मुझे नहीं पता था कि आप अपने साथ एक दोस्त को भी ला रहे हैं।” काउंटर पर खड़े वेटर ने कहा, "ग्रोवर के लिए ऑर्डर करो!" हिमबो जूस में काम करने वाले ज़्यादातर लड़कों की तरह, वह भी तगड़ा और गठीला था, टैंक टॉप पहने हुए था, और उसकी मुस्कान बेहद सफ़ेद थी। "मुझे एक फिजी फ्रो-यो, एक साल्टी सेलर और एक गोल्डन ईगल चाहिए!"

“एक चील?! कहाँ?” गैनीमेड चीखा और मेज के नीचे छिपने की पूरी कोशिश की।
एनाबेथ और ग्रोवर ने एक दूसरे को हैरानी भरी नजरों से देखा।
“मैं ड्रिंक्स ले आता हूँ,” ग्रोवर ने कहा और वह दौड़कर काउंटर की ओर चला गया।
"गोल्डन ईगल तो बस एक स्मूदी है," एनाबेथ ने गैनीमेड से कहा, जो अभी भी झुका हुआ था और कांप रहा था।
देवता सावधानी से सीधे खड़े हो गए। "मुझे... चीलों को लेकर कुछ अनसुलझा आघात है।"
"तुम जरूर गैनीमेड होगे," एनाबेथ ने अनुमान लगाया।
देवता ने भौंहें चढ़ाईं। उसने अपनी कमीज़ की ओर देखा। "क्या मैंने नाम का टैग पहना है? तुम्हें कैसे पता चला?"
“वाह, तुम तो बेहद खूबसूरत हो,” एनाबेथ ने कहा।
इससे देवता का मन प्रसन्न हो गया, हालांकि इससे मेरे मूड में कोई खास सुधार नहीं हुआ।
उन्होंने कहा, "धन्यवाद।"
“और गैनीमेड को देवताओं में सबसे सुंदर माना जाता था,” एनाबेथ ने आगे कहा। “एफ़्रोडाइट के साथ-साथ, बेशक।”
गैनीमेड ने अपना सिर ऐसे हिलाया जैसे वह तुलना पर विचार कर रहा हो। "मुझे लगता है मैं इसकी अनुमति दे दूंगा।"
“तुम कभी नश्वर थे,” उसने आगे कहा। “तुम इतने सुंदर थे कि ज़्यूस ने बाज का रूप धारण किया और तुम्हें उठाकर ओलंपस ले आया।”
गैनीमेड चौंक गया। “हाँ। बहुत पहले की बात है, लेकिन अभी भी चुभता है…।” ग्रोवर स्मूदी की ट्रे लेकर फिर प्रकट हुआ। उसने गैनीमेड से कहा, "मैं तुम्हारे लिए माइटी मीड लाया हूँ। उम्मीद है तुम्हें ठीक लगेगा। मुझसे क्या छूट गया?"
मैंने कहा, "वह भगवान हैं।"
“मुझे पता है,” ग्रोवर ने कहा। “वह गैनीमेड है।”
“तुमने ये कैसे किया—?” गैनीमेड ने खुद को रोक लिया। “छोड़ो।”
मैंने कहा, "हम अभी-अभी यह सुनने ही वाले थे कि गैनीमेड मुझे ढूंढने क्यों आया था।"

ग्रोवर ने सबको स्मूदी परोसीं। मेरे लिए, ज़ाहिर है, साल्टी सेलर - सेब और केले के साथ नमकीन कारमेल का हल्का सा स्वाद। फिजी फ्रो-यो ग्रोवर का था। गोल्डन ईगल एनाबेथ का था: हल्दी, अदरक, नारियल का दूध, और दिमाग को तेज़ करने वाली कई चीज़ें, जैसे कि उसे इस मामले में किसी मदद की ज़रूरत हो। गैनीमेड ने सोच-समझकर अपनी माइटी मीड को हिलाया, और बीच-बीच में एनाबेथ की स्मूदी को ऐसे घूर रहा था जैसे उसमें पंजे निकल आएं और वो उसे उठाकर आसमान में ले जाए। "मैंने बुलेटिन बोर्ड पर तुम्हारा विज्ञापन देखा," उसने कहना शुरू किया। "ये... ये सच होने के लिए बहुत अच्छा लग रहा था।"
"धन्यवाद?"
"और आपको इनाम देने के लिए मुझे बस एक सिफारिश पत्र लिखना होगा?"
मैंने कुछ कहने से खुद को रोका: टिप्स की सराहना की जाती है। दरअसल, हमारी सर्ज प्राइसिंग लागू है। “यही तो बात है। और मुझे क्या करना होगा?”
“हम,” एनाबेथ और ग्रोवर ने एक साथ मुझे ठीक किया।
गैनीमेड ने स्मूदी के ढक्कन में अपनी स्ट्रॉ से एक अजीब सी आवाज़ निकाली। मुझे वो आवाज़ बिल्कुल पसंद नहीं थी। "मुझे यह सुनिश्चित करना होगा कि यह पूरी तरह से गुप्त रहे," उसने अपनी आवाज़ धीमी करते हुए और घबराकर इधर-उधर देखते हुए कहा, हालाँकि बाकी कोई भी ग्राहक हमारी तरफ ध्यान नहीं दे रहा था। "तुम किसी और को नहीं बता सकते। समझ गए?"
"हम गोपनीयता बनाए रखते हैं," ग्रोवर ने कहा, जिसने एक बार उड़ने वाले जूतों की एक जोड़ी पहनकर, पूरी ताकत से चिल्लाते हुए मेडुसा पर अंधाधुंध हमला किया था।
गैनीमेड थोड़ा सीधा होकर बैठ गया। "माउंट ओलंपस पर मेरी जिम्मेदारियों के बारे में आप कितना जानते हैं?"
“तुम देवताओं के प्यालावाहक हो,” एनाबेथ ने कहा।
ग्रोवर ने स्वप्निल भाव से कहा, "ज़रूर बढ़िया नौकरी होगी। अमरता, दैवीय शक्ति, और बस पेय पदार्थ परोसना है?"
गैनीमेड ने तेवर चढ़ाए। "यह बहुत ही बुरा काम है।"
“हाँ, ज़रूर भयानक होगा।” ग्रोवर ने सिर हिलाया। “इतना सारा... पेय पदार्थ परोसना।”
“जब ये सिर्फ़ दावतों में मिलता था,” गैनीमेड ने कहा, “तब बात अलग थी। लेकिन अब मेरे 90 प्रतिशत ऑर्डर डिलीवरी के होते हैं। एरेस को अपना अमृत

युद्ध के मैदान में चाहिए। एफ़्रोडाइट को हेलसिंकी के एक सौना में पंद्रह मिनट या उससे कम समय में अपना पसंदीदा पेय, जिसमें अतिरिक्त कुटी हुई बर्फ़ और दो माराशिनो चेरी हों, चाहिए। हेफ़ेस्टस... हेफ़ेस्टस के बारे में तो पूछो ही मत। ये गिग इकॉनमी मेरी जान ले रही है।”
“ठीक है,” मैंने कहा। “हम आपकी कैसे मदद कर सकते हैं?”
मुझे डर था कि वह अपना डिलीवरी का कारोबार मुझे ठेके पर दे देगा, और मुझे पूरी दुनिया में कप ढोने पड़ेंगे।
“मेरे पद का सबसे महत्वपूर्ण प्रतीक…” गैनीमेड ने कहा। “क्या आप अनुमान लगा सकते हैं कि यह क्या है?”
मुझे लगा कि यह कोई चालबाजी वाला सवाल होगा। "चूंकि आप देवताओं के प्याला वाहक हैं, तो मैं अनुमान लगाऊंगा... एक प्याला?"
“कोई साधारण प्याला नहीं!” गैनीमेड चिल्लाया। “देवताओं का प्याला! परम स्वाद का पात्र! ज़्यूस के योग्य एकमात्र प्याला! और अब…”
“ओह,” एनाबेथ ने कहा। “यह गायब है, है ना?”
"गायब नहीं," गैनीमेड ने दुखी होकर कहा। "मेरा प्याला चोरी हो गया है।"

गैनीमेड ने अपना चेहरा अपने हाथों में छिपा लिया और रोने लगा।
मैंने एनाबेथ और ग्रोवर की ओर देखा, जो मेरी ही तरह इस बात को लेकर असमंजस में थे कि रोते हुए देवता को कैसे सांत्वना दी जाए। मैंने उसके कंधे पर हाथ फेरा। "शांत हो जाओ, शांत हो जाओ।"
इससे कोई फायदा नहीं हुआ।
हिमबो जूस के कर्मचारियों में से एक मुस्कुराते हुए किनारे से टूटते हुए पास आया। "क्या स्मूदी ठीक नहीं है, महोदय? मैं आपके लिए कुछ और बना सकता हूँ।"
“नहीं।” गैनीमेड ने सिसकते हुए कहा। “बस…” उसने हमारे जूस के गिलासों की ओर हल्के से इशारा किया। “मुझे इतने सारे कप देखना बर्दाश्त नहीं हो रहा। अभी बहुत जल्दी है। बहुत जल्दी।”
कर्मचारी ने घबराहट में अपनी छाती की मांसपेशियों को सिकोड़ा, फिर जल्दी से पीछे हट गया।
ग्रोवर ने कहा, "जानते हो, कैंप हाफ-ब्लड के बच्चे कला और शिल्प की कुछ बेहतरीन चीज़ें बनाते हैं। वे शायद तुम्हारे लिए एक नया प्याला बना सकते हैं।"
देवता ने अपना सिर हिलाया। "यह पहले जैसा नहीं होगा।"
"या फिर आप पुनर्चक्रण योग्य सामग्री से बने सिंगल-सर्विंग कपों पर विचार कर सकते हैं।"
“ग्रोवर,” एनाबेथ ने चिढ़ाते हुए कहा। “उसे अपना खास कप चाहिए।”
“मैं बस इतना कह रहा हूँ कि एक बार में एक ही बर्तन में परोसना शायद ज़्यादा स्वच्छतापूर्ण होगा। इतने सारे देवता एक ही प्याले से घूंट-घूंट कर रहे हैं—?”

मैंने बीच में ही टोकते हुए कहा, "आपने कहा था कि यह चोरी हो गया है। क्या आपको पता है कि इसे किसने चुराया है?"
गैनीमेड ने तेवर चढ़ाए। पहली बार मैंने उसकी आँखों में दैवीय क्रोध की चमक देखी—यह इस बात का संकेत था कि इस व्यक्ति में केवल अच्छी शक्ल और दौलत से कहीं अधिक गुण थे।
“मेरे पास कुछ विचार हैं,” उसने कहा। “लेकिन पहले, आपको वादा करना होगा कि यह बात गुप्त रहेगी। यह प्याला देवताओं को पेय का स्वाद अच्छा लगता है। लेकिन अगर किसी नश्वर व्यक्ति के हाथ लग जाए... तो इसका एक घूंट उसे अमरता प्रदान कर देगा।”
अचानक मेरी सैल्टी सेलर कॉफी का स्वाद उतना खास नहीं रहा। सबसे पहले मेरे मन में उन सभी अनजान लोगों का ख्याल आया जो शायद उस कप को ढूंढ लें, एक घूंट पी लें और अमर हो जाएं। वो बुरी नज़र वाली औरत जो एएचएस कैंटीन में फिश स्टिक्स परोसती थी। वो आदमी जो फर्स्ट एवेन्यू पर अपनी मिस्टर हैप्पी ट्रीट की दुकान के पास से गुजरते ही मुझे आइसक्रीम खरीदने के लिए चिल्लाता था। वो वॉल स्ट्रीट का ब्रोकर जो हमेशा कॉफी शॉप में लाइन तोड़कर घुस जाता था और हर ऑर्डर को अपना समझता था।
मेरे पिछले अनुभव के आधार पर, इस दुनिया को सबसे कम जिस चीज की जरूरत थी, वह थी और अधिक देवताओं की।
मेरा दूसरा विचार था: देवता अपनी जादुई वस्तुएँ बार-बार क्यों खो देते हैं? यह तो उनके लिए एक अनिवार्य शर्त सी हो गई थी: 1) देवता बनो, 2) कोई जादुई वस्तु प्राप्त करो, 3) उसे खो दो, 4) किसी अर्धदेव से उसे ढूंढने को कहो। शायद उन्हें ऐसा करने में मज़ा आता हो, जैसे बिल्लियों को मेज से चीजें गिराना पसंद होता है।
मेरा अगला विचार था: "अगर यह इतना शक्तिशाली है, तो आप इसे वापस लाने के लिए हम पर भरोसा क्यों करेंगे?"
गैनीमेड ने मेरी ओर घूरकर देखा। "मैं किसी और पर भरोसा नहीं कर सकता! पर्सी जैक्सन, तुम अमरता को पहले ही ठुकरा चुके हो।"
उन्होंने यह बात ऐसे कही जैसे मैंने कोई बिलकुल ही अजीब काम कर दिया हो, जैसे पिज्जा पर ब्लूबेरी मंगवाना। (हालांकि, अगर सोचें तो... ऐसा भी हो सकता है।)

और हाँ, मैंने एक बार अमरता को ठुकरा दिया था। कुछ साल पहले जब मैंने माउंट ओलंपस को टाइटन्स से बचाया था, तब ज़्यूस ने मुझे एक छोटा देवत्व प्रदान किया था (कुछ नियम और शर्तें लागू हो सकती हैं)। लेकिन मैंने इसके बजाय व्यवस्थागत परिवर्तन को चुना। मैंने देवताओं से अपने अर्धदेव बच्चों की उपेक्षा करना बंद करने का अनुरोध किया था।
पता चला कि देवता भी एक तरह से बिल्लियों की तरह होते हैं। वे नई चीजें सीखने में उतने माहिर नहीं होते।
“ठीक है,” मैंने गैनीमेड से कहा। “पूरी तरह गोपनीय।”
“और ये बाकी लोग?” गैनीमेड ने ग्रोवर और एनाबेथ की ओर इशारा किया।
“ये बाकी लोग राज़ रखना जानते हैं,” एनाबेथ ने कहा। “जुबान खोल देना कभी भी अच्छी रणनीति नहीं होती।”
“बिल्कुल,” ग्रोवर ने कहा।
मैंने कहा, "वे मेरे सबसे अच्छे दोस्त हैं। आप उन पर उतना ही भरोसा कर सकते हैं जितना मुझ पर।"
वैसे तो... इस पर अलग-अलग तरह से विचार किया जा सकता था, लेकिन गैनीमेड ने अपने कंधे ढीले कर लिए। उसने सोने की अंगूठी वाली उंगलियों से अपने आंसू पोंछे।
“ठीक है,” उसने कहा। “मुझे शक है कि ओलंपस पर कोई मुझे शर्मिंदा करने की कोशिश कर रहा है, ज़्यूस के सामने मेरी छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है। अगर उसे पता चल गया कि मेरा प्याला खो गया है…” देवता कांप उठा। “नहीं। मुझे उसे वापस लाना ही होगा।”
“क्या तुम्हारे दुश्मन हैं?” मैंने पूछा। मेरे लिए यह कल्पना करना मुश्किल था कि देवताओं का पेय परोसने वाला व्यक्ति लोगों को कैसे नाराज कर सकता है।
“ओह, हाँ,” गैनीमेड ने कहा। “हेरा, उनमें से एक। जब से ज़्यूस मुझे ओलंपस ले गया, तब से वह मुझसे नफरत करती है। ज़्यूस हमेशा मेरी तारीफ करता था, कि मैं कितना सुंदर हूँ, महल की शोभा कैसे बढ़ाता हूँ। इसमें मेरी कोई गलती नहीं है कि मेरे पैर उससे ज़्यादा सुंदर हैं।”
एनाबेथ ने मुंह बनाया। "उम्मीद है कि यह हेरा न हो।"
“नहीं…” गैनीमेड ने अपने स्मूदी को घूरते हुए कहा। “शायद नहीं। वह इसे अपने लिए छोटा काम समझेगी।”

मुझे इस बात का पूरा यकीन नहीं था। अगर मेरी जिंदगी में दखल देना देवताओं की रानी के लिए कोई छोटी बात नहीं थी, तो मैं उसके द्वारा पेय पदार्थों के डिब्बे चुराने की संभावना से भी इनकार नहीं कर सकता था।
“लेकिन कुछ और भी हैं,” गैनीमेड ने आगे कहा। “ओलंपस पर हर कोई मुझसे नफरत करता है, क्योंकि मैं नया हूँ, एक महत्वाकांक्षी बच्चा जिसे अमरता मिल गई है। वे मुझे लालची कहते हैं! क्या आप विश्वास कर सकते हैं?”
मैंने उसकी पहनी हुई बीस पाउंड सोने की अंगूठी को घूरने से बचने की कोशिश की। "क्या आपको किसी और पर शक है?"
उसने दुकान में चारों ओर नज़र घुमाई, मानो उनमें से कोई एक जासूस हो सकता हो। उसने हमें पास आने का इशारा किया।
उन्होंने कहा, "मेरे प्यालावाहक बनने से पहले, दो अन्य देवियाँ थीं जो यह काम करती थीं। पहले हेबे। फिर आइरिस।"
मैं संदेशवाहक देवी आइरिस से मिल चुकी थी। हर देवता समय-समय पर उनसे इंद्रधनुषी संदेश भेजने का आह्वान करता है—हमारे लिए वीडियो कॉल की तरह — लेकिन मुझे कैलिफोर्निया में उनके ऑर्गेनिक स्वास्थ्य खाद्य पदार्थों की दुकान पर जाना भी याद था। उस अनुभव के कारण मेरी नाक में पचौली की जलन हो गई थी जिसे ठीक होने में कई सप्ताह लग गए।
ग्रोवर ने फिजी फ्रोजन योगर्ट को घूंट-घूंट करके पिया। "आइरिस को प्याले चुराते हुए देखकर तो लगता है कि वह काफी सहज है।"
“शायद।” गैनीमेड ने भौंहें चढ़ा लीं। “लेकिन हेबे…”
मैं उसे नहीं जानती थी। कैंप में उसका एक केबिन था—नए केबिनों में से एक— लेकिन वह पहले कभी मेरी खोज सूची में नहीं थी।
“युवावस्था की देवी,” एनाबेथ ने कहा, शायद यह देखकर कि मैं बिल्कुल अनजान लग रहा था। “लेकिन, गैनीमेड, तुम तो हमेशा जवान और खूबसूरत हो। वह तुम्हें शर्मिंदा क्यों करना चाहेगी?”
“अरे, तुम उसे जानते ही नहीं,” गैनीमेड ने कहा। “शुरुआती दिनों में, जब भी मैं दावत की मेज पर पेय परोसता था, वह मेरे पास से गुजरते हुए बुदबुदाती थी, “गिरा दो, गिरा दो।” वह बहुत ही नासमझ है।
ग्रोवर ने कंधे उचकाते हुए कहा, "खैर, अगर वह यौवन की देवी है तो..."
“यह कोई बहाना नहीं चलेगा! उसे समझदार बनना होगा!” तीन हजार साल पुरानी बीस साल की युवती ने कहा।

“ठीक है,” मैंने कहा। “क्या आपके पास इस बात का कोई सबूत है कि उसने इसे लिया था?”
“सबूत?” उसने उपहास उड़ाते हुए कहा। “मुझे तुम्हारी ज़रूरत इसी के लिए है। क्या तुम जैसे वीर लोग उंगलियों के निशान नहीं ढूंढते, डीएनए के नमूनों का विश्लेषण नहीं करते, इस तरह के काम नहीं करते?”
"आप शायद CSI के बारे में सोच रहे होंगे। लेकिन ठीक है, हम हेबे से शुरू करेंगे। फिर आइरिस की जाँच करेंगे।"
“ठीक है।” गैनीमेड ने अपनी स्मूदी की चुस्की ली। “हम्म। बुरा नहीं है। शायद जब मुझे नौकरी से निकाल दिया जाए और मैं फिर से नश्वर बन जाऊं, तो मैं यहां काम कर सकता हूं।”
“तुम एक शानदार हिमबो बनोगे,” एनाबेथ ने स्वीकार किया। “तो तुम्हारा प्याला कब से गायब है?”
गैनीमेड सोचने के लिए रुका। "एक सदी?"
“एक सदी?!” मैंने पूछा।
“या एक हफ़्ता?” गैनीमेड ने अपनी नाक पकड़ी। “मैं हमेशा समय के इन अंतरालों को लेकर भ्रमित हो जाता हूँ। वैसे, ज़्यादा समय नहीं लगता। अब तक तो मैं अपने डिलीवरी ऑर्डर्स में काम चला रहा हूँ। बाकी देवता तो ऐसे ऑर्डर्स के साथ टेक-अवे कप की उम्मीद करते हैं। लेकिन अगर अगली दावत से पहले मुझे मेरा असली प्याला वापस नहीं मिला, तो सबको पता चल जाएगा। मेरी बहुत बेइज्ज़ती होगी!”
“अगली दावत कब है?” ग्रोवर ने पूछा। (ग्रोवर को दावतें पसंद हैं।)
“मुझे नहीं पता!” गैनीमेड चिल्लाया। “ज़्यूस अप्रत्याशित है! वह बीस साल में एक और आयोजन तय कर सकता है। या कल भी हो सकता है। बात यह है कि मुझे वह प्याला वापस चाहिए, इससे पहले कि यह बात सबको पता चले!”
वह आगे की ओर झुका, उसका चेहरा गंभीर था। “उन देवियों से सवाल करो। देखो उन्हें क्या पता है। लेकिन उन्हें नाराज़ मत करना। और यह मत कहना कि मैंने तुम्हें भेजा है। और यह बात भी ज़ाहिर मत करना कि मेरा प्याला चोरी हो गया था।”
“इससे उन पर सवाल उठाना मुश्किल हो जाएगा,” एनाबेथ ने कहा। “क्या तुम्हें पता है कि ये देवियाँ कहाँ रहती हैं?”

मैं खुद को इस बात के लिए तैयार कर रहा था कि वह उत्तरी ध्रुव या बाहरी मंगोलिया का नाम ले लेगा। अगर मुझे दुनिया भर की यात्रा पर जाने के लिए छुट्टी लेनी पड़ी, तो कॉलेज के सिफारिशी पत्रों का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। मैं हाई स्कूल से स्नातक भी नहीं हो पाऊंगा।
“वे माउंट ओलंपस के पास रहते हैं,” उसने मेरी राहत के लिए कहा। “मेरा मतलब मैनहट्टन से है। वे यहीं कहीं आस-पास होने चाहिए।” उसने अस्पष्ट रूप से हाथ हिलाया, मानो पूरे मैनहट्टन को खोजना इतना मुश्किल न हो। “पर्सी जैक्सन, मेरे लिए यह करो, और मैं तुम्हें एक पत्र लिखूंगा!”
यह कोई खास इनाम जैसा नहीं लग रहा था। वैसे भी, आमतौर पर देवता सिर्फ चीजें मांगते थे और बदले में कुछ देने का वादा नहीं करते थे। कुछ-कुछ 'द गिविंग ट्री' के उस शरारती बच्चे की तरह।
(वैसे, उस किताब को कभी भी किसी सैटायर को उसके जन्मदिन पर मत देना, यह सोचकर कि उसे पसंद आएगी क्योंकि यह एक पेड़ के बारे में है। वह सैटायर रोएगा और फिर तुम्हें मारेगा। मैं अपने अनुभव से कह रहा हूँ।)
“क्या यह सिफारिश पत्र सकारात्मक होगा?” मैंने पूछा। “और क्या आप सचमुच इस पर हस्ताक्षर करेंगे?”
गैनीमेड ने भौंहें चढ़ाते हुए कहा, "तुम सौदेबाजी में माहिर हो, पर बहुत बढ़िया! अब यहाँ से चले जाओ, इससे पहले कि मेरा सब कुछ बर्बाद हो जाए!"
वह धूल के एक चमकदार बादल में गायब हो गया। जादुई घटनाओं के हमेशा की तरह, हमारे आसपास के इंसानों ने इस पर ध्यान ही नहीं दिया। या शायद उन्होंने सोचा होगा कि उसे मनचाहा स्मूदी मिल गया है और वह ज्ञान की प्राप्ति कर चुका है।
“अच्छा।” मैंने अपनी सैल्टी सेलर बियर की एक घूंट ली और अपने साथियों के चेहरों पर पछतावे का कोई निशान ढूंढने लगा। “यह तो मज़ेदार होगा। शुरुआत कहाँ से करें, कोई सुझाव है?”
“दुर्भाग्यवश, हाँ,” ग्रोवर ने कहा। “लेकिन पहले मुझे अपना पेय खत्म करने दो। हमें अपनी ताकत की जरूरत पड़ेगी।”

एक चुनौती है: पूरे दिन स्कूल जाने की कोशिश करें (दरअसल, यही पूरी चुनौती हो सकती है), और फिर, उसके बाद, एक देवी की खोज में निकलें, यह जानते हुए कि जब आप घर लौटेंगे, अगर आप घर पहुँच पाए, तो भी आपको गणित और विज्ञान का कुछ घंटों का होमवर्क करना होगा।
जब हम शहर की ओर जा रहे थे तो मुझे काफी चिड़चिड़ाहट हो रही थी, और इसका मेरे 'सॉल्टी सेलर' से कोई लेना-देना नहीं था।
ग्रोवर हमें सीधे टाइम्स स्क्वायर ले गया—मैनहट्टन का सबसे शोरगुल वाला, सबसे भीड़भाड़ वाला और पर्यटकों से भरा इलाका। मैंने टाइम्स स्क्वायर से जितना हो सके बचने की कोशिश की, जिसका स्वाभाविक रूप से मतलब था कि मैं बार-बार वहीं पहुँच जाता था, आमतौर पर किसी राक्षस से लड़ने के लिए, किसी देवता से बात करने के लिए, या अपने बॉक्सर शॉर्ट्स में किसी बिलबोर्ड से लटकने के लिए। (लंबी कहानी है।)
ग्रोवर एक दुकान के सामने रुका, जिसके पास से मैं शायद सीधे निकल जाता। आधे ब्लॉक तक, सभी खिड़कियाँ पन्नी से ढकी हुई थीं। आमतौर पर, इसका मतलब होता है कि या तो वह दुकान बंद हो चुकी है या फिर बहुत ही संदिग्ध है। फिर मैंने प्रवेश द्वार के ऊपर लगे विशाल इलेक्ट्रॉनिक साइनबोर्ड पर नज़र डाली। मैं शायद इससे पहले भी दर्जनों बार इसके पास से गुजरा था, लेकिन मैंने कभी इस पर ध्यान नहीं दिया था। टाइम्स स्क्वायर में, सभी चमकदार बड़े-बड़े स्क्रीन एक जैसे ही लगते हैं।
मैंने कहा, "बिल्कुल नहीं।"
एनाबेथ ने सिर हिलाया। "क्या उसने सच में अपनी जगह का नाम हीबे जीबिज़ रखा है?"
“शायद ऐसा ही है,” ग्रोवर ने आह भरी।
मैंने पूछा, "और आपको इस जगह के बारे में कैसे पता चला?"

उसके गाल लाल हो गए। “उनके पास बहुत ही बढ़िया मुलेठी की रस्सियाँ हैं। आप उनके पास से बिना उनकी खुशबू लिए गुजर ही नहीं सकते!”
खिड़कियों से मुझे कुछ भी दिखाई नहीं दिया। मुझे कुछ भी गंध नहीं आई। वैसे भी, मुलेठी की गंध पहचानने की मेरी क्षमता तो वैसी नहीं है जैसी बकरियों के लिए कैटनिप की होती है।
“तो फिर यह एक मिठाई की दुकान है?” एनाबेथ ने पूछा।
“नहीं, बल्कि…” ग्रोवर ने अपना सिर झुकाया। “दरअसल, आपको दिखाना ज़्यादा आसान है।”
मुझे यकीन नहीं था कि किसी देवी के निवास में बेवजह घुसना सही विचार था, लेकिन ग्रोवर ने दरवाज़े तोड़ दिए और हम उसके पीछे-पीछे चले गए। शायद मुलेठी की वजह से।
अंदर... खैर, कल्पना कीजिए कि 1990 के दशक के सभी सबसे घटिया मनोरंजन केंद्र एक साथ मिल गए और उनका एक पेट खराब हो गया। वही था हीबे जीबिज। स्की-बॉल मशीनों की कतारें खेल के लिए तैयार खड़ी थीं। दर्जनों डांस डांस रिवोल्यूशन प्लेटफॉर्म टिमटिमाते और चमकते हुए हमें नाचने के लिए आमंत्रित कर रहे थे। विशाल, मंद रोशनी वाले गोदाम में हर तरह के आर्केड गेम मौजूद थे, जिनके बारे में मैंने कभी सुना था और दर्जनों ऐसे भी थे जिनके बारे में मैंने नहीं सुना था, जिससे पूरा स्थान एक चमकते हुए भूलभुलैया जैसा लग रहा था। (और भूलभुलैया एक ऐसा शब्द है जिसका मैं कभी हल्के में इस्तेमाल नहीं करता।)
दूर से मुझे एक कैंडी स्टेशन दिखाई दिया, जहाँ खुद से भरने वाले बैग और रंग-बिरंगी मिठाइयों से भरे बड़े-बड़े डिब्बे थे। गोदाम के दूसरी ओर पिकनिक टेबल वाला एक कैफेटेरिया था और एक मंच था जहाँ रोबोटिक इगुआना वाद्य यंत्र बजा रहे थे।
वहाँ एक घर के आकार का बॉल पिट था, एक चढ़ने की संरचना थी जो एक विशाल हैम्स्टर के आवास की तरह दिखती थी, एक बम्पर-कार कोर्स था, और एक टिकट-विनिमय स्टेशन था जहाँ पुरस्कार के रूप में बड़े आकार के भरवां जानवर रखे हुए थे।
पूरे इलाके में पिज्जा, प्रेट्ज़ेल और औद्योगिक क्लीनर की गंध फैली हुई थी। और वह जगह परिवारों से खचाखच भरी हुई थी।

“अब मुझे समझ आया,” एनाबेथ कांपते हुए बोली। “यह जगह वाकई मुझे डरा देती है।”
“मैं यहाँ कई बार आ चुका हूँ।” ग्रोवर के चेहरे पर चिंता और भूख दोनों के भाव थे… और देखा जाए तो, यही उसका सामान्य भाव था। “मुझे इस जगह का दूसरा छोर कभी नहीं मिला।”
मैंने बेफिक्र होकर इधर-उधर दौड़ते हुए खुश बच्चों और अपने माता-पिता को देखा, जो शायद अपने बचपन के खेल खेलने में उतने ही रोमांचित लग रहे थे। “ठीक है,” मैंने कहा और धीरे-धीरे सामने के दरवाजे की ओर बढ़ने लगा। “मुझे यहाँ लोटस कैसीनो जैसी फीलिंग आ रही है... मतलब सस्ते लोटस कैसीनो जैसी, लेकिन फिर भी...”
मुझे समझाने की ज़रूरत नहीं थी कि मेरा मतलब क्या था। सालों पहले, हम वेगास के एक कसीनो में फंस गए थे, जहाँ से न निकलने के हज़ार कारण थे। हम बाल-बाल बच निकले थे।
“यह कोई जाल नहीं है,” ग्रोवर ने कहा। “कम से कम, मुझे तो यहाँ से जाने में कभी कोई परेशानी नहीं हुई। ये परिवार... आते-जाते रहते हैं। ऐसा नहीं लगता कि वे समय में फंसे हुए हैं।”
उसकी बात में दम था। मुझे वहाँ न तो कोई बेल-बॉटम पैंट पहने नज़र आया और न ही 1950 के दशक के हेयरकट वाले लोग, जो एक अच्छा संकेत था। एक परिवार खिलौनों से भरे हाथों के साथ वहाँ से गुज़रा और बिना किसी परेशानी के इमारत से बाहर निकल गया।
“तो फिर... इसमें पेंच क्या है?” एनाबेथ ने पूछा। “हर चीज में कोई न कोई पेंच होता है।”
मैंने सहमति में सिर हिलाया। मैंने कभी किसी ऐसे प्रतिष्ठान में कदम नहीं रखा था जिसका संचालन किसी यूनानी देवता, राक्षस या अन्य अमर प्राणी द्वारा किया जाता हो और जिसका कोई बुरा पहलू न हो। जगह जितनी आकर्षक दिखती थी, उतनी ही खतरनाक होती थी।
“मुझे नहीं पता,” ग्रोवर ने स्वीकार किया। “मैं आमतौर पर बस मुलेठी लेता हूँ और चला जाता हूँ। मैं लाइमलाइट से दूर रहता हूँ।”
उसने मेरी तरफ ऐसे घूरकर देखा जैसे उसे डर हो कि मैं कहीं कोई बड़ा धमाका न कर दूं, जैसे कि जगह को जला देना। सच कहूं तो, इससे मुझे बहुत बुरा लगा। सिर्फ इसलिए कि मैं जगहों को जलाने, चीजों को उड़ाने और जहां भी जाता हूं

वहां प्रलयकारी तबाही मचाने के लिए जाना जाता हूं... इसका मतलब यह नहीं है कि मैं पूरी तरह से गैरजिम्मेदार हूं।
“और आपको यकीन है कि हेबे यहीं है?” मैंने पूछा।
“नहीं, लेकिन…” ग्रोवर ने अपने कंधे हिलाए। “तुम्हें वो एहसास याद है जब कोई भगवान आस-पास होता है और तुम उसे देख नहीं सकते, लेकिन तुम्हें ऐसा लगता है जैसे तुम्हारी गर्दन के पीछे गोबर के कीड़ों का झुंड बैठा हो?” “बिल्कुल नहीं…” मैंने कहा।
“और,” एनाबेथ ने कहा, “गोबर के कीड़े कहना अजीब तरह से विशिष्ट है।” ग्रोवर ने अपने गले से प्रतीकात्मक गंदगी के कीड़ों को झाड़ते हुए कहा, "खैर, मुझे अब ऐसा लग रहा है। हम स्टाफ से पूछ सकते हैं कि क्या हेबे आस-पास है। अगर हमें कोई मिल जाए तो।"
हम आर्केड में घुस गए। मैंने अपना हाथ बगल में रखा, रिपटाइड, अपनी कलम-तलवार निकालने के लिए तैयार, हालाँकि वहाँ लड़ने के लिए प्राथमिक विद्यालय के बच्चों और वीडियो गेम के बॉस के अलावा और कुछ खास नहीं दिख रहा था। मुझे लगभग ऐसा लग रहा था कि रोबोट इगुआना बैंड बैंजो संगीनों से हम पर हमला कर देगा, लेकिन वे बस अपने तयशुदा गाने बजाते रहे।
“हे भगवान!” एनाबेथ ने कहा। “स्टैकर्स। मैंने इसे तब से नहीं खेला है जब से…”
उसके विचार कहीं खो गए थे। वह सात साल की उम्र से ही कैंप हाफ-ब्लड में थी, इसलिए वह शायद अपनी बचपन की किसी याद को फिर से जी रही थी। मुझे समझ में आया कि उसे ऐसा खेल क्यों पसंद आएगा जिसमें एक ब्लॉक के ऊपर दूसरा ब्लॉक रखना होता है। उसे तो निर्माण और वास्तुकला में बहुत रुचि थी।
जैसे ही हम मिठाई के ठेके के पास पहुँचे, मेरे पेट में एक अजीब सी हलचल हुई। भूख के कारण नहीं, बल्कि उस खुशबू के कारण जो मुझे मेरी माँ की पुरानी दुकान, स्वीट ऑन अमेरिका की याद दिला रही थी। गर्मियों में मुझे वहाँ जाना और उन्हें लोगों को मिठाई चुनने में मदद करते देखना बहुत अच्छा लगता था। मुझे लगता है कि यह काफी मेहनत वाला काम था और इसमें ज़्यादा पैसे भी नहीं मिलते थे, लेकिन मेरी माँ हमेशा लोगों के चेहरे पर मुस्कान ला देती थीं। लोग हमेशा खुश होकर जाते थे, उन्हें मनपसंद मिठाइयाँ मिलती थीं, जिसकी वजह से मेरी माँ मुझे किसी सुपरहीरो जैसी लगती थीं।

बेशक, वो आज भी मेरे लिए कई मायनों में एक सुपरहीरो थीं। लेकिन जब मैं सात-आठ साल का था, तब मेरी माँ का मिठाई बेचने वाली होना मेरे लिए सबसे शानदार बात थी। वो घर आने पर मेरे लिए मुफ्त में सैंपल लाती थीं, और उस दुकान पर मेरी सारी पुरानी पसंदीदा मिठाइयाँ मिलती थीं: ब्लूबेरी सॉल्टवॉटर टॉफी, ब्लू सॉर लेसेस, ब्लू... खैर, सब कुछ। हैरानी की बात है कि मेरी जीभ हमेशा के लिए बैंगनी नहीं हो गई।
ग्रोवर ने मुलेठी की रस्सियों की कतारों को सूंघा, जो इतने रंगों में थीं कि मुझे पॉल के टाई रैक की याद आ गई। (पॉल को स्कूल में फंकी टाई पहनना बहुत पसंद है। वह कहता है कि इससे उसके छात्र जागते रहते हैं।)
वयस्कों का एक समूह खिलखिलाते और नम आंखों से वहां से गुजरा, वे अपने पुराने पसंदीदा व्यंजनों और खेलों को याद कर रहे थे।
मुझे एहसास हुआ, "यह एक पुरानी यादों का जाल है। यह जगह लोगों को उनका बचपन बेच रही है।"
एनाबेथ ने सिर हिलाया। उसकी निगाहें मनोरंजन केंद्र में चारों ओर घूम रही थीं, मानो वह किसी खतरे की तलाश कर रही हो। "यह बात समझ में आती है, लेकिन कई जगहें पुरानी यादों को बेचती हैं। यह ज़रूरी नहीं कि बुरी बात हो..."
एक कर्मचारी चमकीले नीले रंग की हीबे जीबिज पोलो शर्ट और मैचिंग शॉर्ट्स पहने हुए, कागज के इनाम टिकटों के एक पहिये से छेड़छाड़ करते हुए वहां से गुजरा।
"माफ़ कीजिए, महोदया?" एनाबेथ ने उसकी बांह को छुआ, और कर्मचारी चौंक गई। “क्या?” उसने झट से कहा।
मुझे एहसास हुआ कि वह बस एक बच्ची थी। उसके बाल काले और पतले थे, जिनमें गुलाबी हेयर क्लिप लगी थीं, उसका चेहरा मासूम सा था और उसके गले में एक नेम टैग लगा था जिस पर लिखा था 'स्पार्की, मैनेजर'। उसकी उम्र नौ साल से ज़्यादा नहीं रही होगी।
“माफ़ कीजिए।” स्पार्की ने गहरी साँस ली। “टोकन मशीन फिर से खराब हो गई है, और मुझे ये टिकट लेने हैं... वैसे, मैं आपकी क्या मदद कर सकता हूँ?”
मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या देवताओं के जादुई व्यवसायों के लिए बाल श्रम संबंधी कानून थे। यदि ऐसा था, तो यौवन की देवी शायद उनमें विश्वास नहीं करती थीं।
“हम हेबे को ढूंढ रहे हैं?” मैंने पूछा।

“अगर यह किसी खराब गेम के लिए रिफंड के बारे में है तो—”
मैंने कहा, "ऐसा नहीं है।"
या फिर पिज्जा में फफूंदी लगी हो—
“ऐसा नहीं है। और वैसे भी, छी।”
"यह सांचे पर निर्भर करता है," ग्रोवर ने धीरे से कहा।
“हमें बस प्रभारी देवी से बात करनी है,” एनाबेथ ने कहा। “यह बहुत जरूरी है।”
स्पार्की ने पहले तो भौंहें चढ़ाईं, फिर मान गया। "गोताखोरी वाली चट्टान के पार; मुर्गीघर के पास बाईं ओर मुड़ें।"
“डाइविंग क्लिफ?” मैंने पूछा।
“मुर्गीघर?” ग्रोवर ने पूछा।
“वो कराओके बार में होगी।” स्पार्की ने नाक सिकोड़ते हुए कहा, मानो ये जीवन की कोई अप्रिय सच्चाई हो। “चिंता मत करो। तुम्हें सुनाई देगी।”
वह अपने इनाम के टिकटों का पहिया लेकर जल्दी से चली गई।
मैंने एनाबेथ और ग्रोवर की तरफ देखा। "क्या हम सचमुच जानबूझकर कराओके बार ढूंढने जा रहे हैं?"
“तुम मेरे साथ ‘शैलो’ गाने पर युगल गीत गा सकते हो,” एनाबेथ ने प्रस्ताव रखा।
मैंने वादा किया, "तुम ऐसा नहीं चाहोगे।"
“ओह, मुझे नहीं पता।” उसने मेरी बांह को हल्के से चुटकी काटी। “शायद रोमांटिक हो।”
ग्रोवर ने कहा, "मैं बस चलता रहूंगा।"
जो शायद सबसे समझदारी भरा फैसला था।
हमें डाइविंग क्लिफ मिल गई: नकली चट्टान की दो मंजिला दीवार, जहाँ से आप पानी के एक संदिग्ध रूप से गंदे कुंड में कूद सकते थे। कुछ बच्चे बार-बार यही कर रहे थे, पानी में छपछपाते, बाहर निकलते और फिर ऊपर की ओर दौड़ते, जबकि उनके माता-पिता पास ही खड़े स्पेस इन्वेडर्स गेम में मग्न थे।
मैं पोसीडॉन का पुत्र हूँ, लेकिन मुझे उस तालाब में कूदने के लिए आप मुझे कितना भी पैसा दे देते, मैं नहीं कूदता। कोई भी बंद जलाशय जहाँ छोटे बच्चे खेलते हों? बिलकुल नहीं। फिर भी, मैंने तालाब का पता नोट कर लिया, ताकि ज़रूरत पड़ने पर पानी उछाल सकूँ।

मैं सीमित प्रतिभाओं वाला व्यक्ति हूँ। अगर मैं उसे पानी, तलवार या व्यंग्य से नहीं मार सकता, तो मैं लगभग बेबस हूँ। व्यंग्य तो मेरे पास पहले से ही भरपूर है। कलम-तलवार हमेशा मेरी जेब में रहती है। अब मेरे पास पानी था, इसलिए मैं पूरी तरह से तैयार था।
हम मुर्गीघर के पास से गुज़रे... मुझे लगा था कि यह किसी निजी आयोजन स्थल का उपनाम होगा, जैसे कि जहाँ मुर्गियों की पार्टियाँ होती हैं। लेकिन नहीं। यह सचमुच एक मुर्गीघर था। आर्केड के ठीक बीच में, खंभों पर बनी एक लाल झोपड़ी थी, जिसके चारों ओर जालीदार बाड़ लगी थी। उसके चारों ओर ज़मीन पर, लगभग एक दर्जन मुर्गियाँ और कुछ छोटे पीले चूज़े दाना चुग रहे थे, कुड़कुड़ा रहे थे और अपनी स्वाभाविक मस्ती कर रहे थे।
मैंने पूछा, "क्यों?"
“हीबे का पवित्र पशु,” एनाबेथ ने कहा। “शायद हमें आगे बढ़ जाना चाहिए।” मैंने कोई बहस नहीं की। मुर्गियाँ अपनी छोटी-छोटी काली आँखों से हमें ऐसे घूर रही थीं मानो सोच रही हों, अरे यार, अगर हम अभी भी डायनासोर होते, तो हम तुम्हें टुकड़े-टुकड़े कर देते।
आखिरकार, हमें कराओके बार मिल ही गया। यह मनोरंजन केंद्र के बाकी हिस्से से महोगनी की स्लाइडिंग दरवाजों से अलग किया गया था, लेकिन इससे संगीत की आवाज़ अंदर आने से नहीं रुकी। अंदर, आधा दर्जन मेजें एक छोटे से उदास मंच के सामने थीं, जहाँ कुछ बूढ़े लोग एक गाना गा रहे थे जो कुछ-कुछ वुडस्टॉक जैसा लग रहा था। मंच की बत्तियाँ फीकी पीली रोशनी में टिमटिमा रही थीं। साउंड सिस्टम से कर्कश आवाज़ आ रही थी।
इससे बूढ़े लोगों को कोई फर्क नहीं पड़ा, जिन्होंने एक-दूसरे को गले लगाया और अपनी छड़ियों को लहराया, उनके गंजे सिर चमक रहे थे क्योंकि वे शांति और धूप के लिए विलाप कर रहे थे।
“क्या हम अब जा सकते हैं?” ग्रोवर ने पूछा।
एनाबेथ ने दूर की दीवार से लगे एक बूथ की ओर इशारा करते हुए कहा, "वहाँ देखो।"
बूथ में बैठी, संगीत की धुन पर पैर थपथपाती हुई, मेरी उम्र की एक लड़की थी। कम से कम, देखने में तो वह वैसी ही लग रही थी। लेकिन मैं समझ गई कि वह कोई देवी है, क्योंकि अमर लोग जब भी मानव रूप धारण करते हैं, तो खुद को कुछ ज़्यादा ही बेदाग बना लेते हैं: एकदम साफ़ रंगत, हमेशा फोटोशूट के लिए

तैयार बाल, और आम इंसानों के लिए बहुत ही साफ़-सुथरे और रंगीन कपड़े। बूथ में बैठी लड़की ने गुलाबी और फ़िरोज़ी रंग की मिनीड्रेस और सफ़ेद गो-गो बूट्स पहने थे, लेकिन किसी तरह उसने उसे ट्रेंडी लुक दिया था, न कि पुराने ज़माने के हैलोवीन कॉस्ट्यूम जैसा। उसके बाल गहरे रंग के घुमावदार थे।
मुझे लगा कि वह एक ऐसा फैशन अपना रही है जो बूमर्स को उनके बचपन की याद दिला देगा।
हम बूथ के पास पहुंचे।
“लेडी हेबे?” मैंने पूछा।
मुझे लगा कि उससे बात करने का यही सबसे सुरक्षित तरीका है। मुझे लग रहा था कि उसका सरनेम जीबिज नहीं होगा।
देवी ने मुझे चुप कराने के लिए उंगली उठाई, उनकी निगाहें अभी भी उन वृद्ध गायकों पर टिकी हुई थीं। "क्या वे खुश नहीं लग रहे? एकदम जवान!"
बूमर्स खुश लग रहे थे। मुझे उनकी युवावस्था के बारे में पक्का पता नहीं था, लेकिन शायद उस ज़माने में युवावस्था का मतलब कुछ और ही होता था।
“उम, हाँ,” मैंने कहा। “हम बस सोच रहे थे—”
“कृपया बैठिए।” देवी ने हाथ हिलाया और बूथ के बाहर तीन कुर्सियाँ प्रकट हो गईं।
फिर हेबे ने एक ऐसी भयानक धमकी दी जो मैंने किसी देवता से पहले कभी नहीं सुनी थी: "मैं हमारे लिए पिज्जा मंगवा दूंगी, और जब बूढ़े लोग विरोध गीत गाएंगे तब हम बातें कर सकते हैं।"

मुझे तो पिज्जा ने ही दीवाना बना दिया।
मेरा मतलब फूड पॉइजनिंग से नहीं है। मेरा मतलब पुरानी यादों से है।
पनीर का टुकड़ा पिघले हुए विनाइल के त्रिकोण जैसा दिख रहा था, जिस पर तुलसी की तीन मुरझाई हुई पत्तियाँ रखी थीं और उसे चिकनाई से लथपथ कागज़ की प्लेट पर परोसा गया था। स्पार्की की फफूंद वाली टिप्पणी के बाद तो मेरा उसे खाने का कोई इरादा ही नहीं था, लेकिन उसकी गंध मुझे सीधे तीसरी कक्षा में ले गई। बुधवार पिज्जा का दिन होता था। मुझे याद है हमारे तहखाने की कैंटीन में जले हुए पनीर की महक, टूटी-फूटी हरी प्लास्टिक की कुर्सियाँ, दोस्तों के साथ कार्ड ट्रेडिंग पर होने वाली वो जोशीली बातें, और हमारे लंच मॉनिटर रहे इतिहास के शिक्षक, मिस्टर क्राइस्ट। (सच में, उनका असली नाम यही था। हम उनसे उनका पहला नाम पूछने से डरते थे।)
अब, हेबे जीबिज के चमकदार प्लास्टिक पिज्जा को देखकर (और उसकी खुशबू सूंघकर), मुझे फिर से आठ साल का बच्चा होने का एहसास हुआ।
“वाह,” मैंने कहा।
हेबे मुस्कुराई, मानो उसे ठीक-ठीक पता हो कि मैं क्या सोच रही हूँ। "बहुत बढ़िया है ना? फिर से जवानी का एहसास हो रहा है?"
ठीक है, शायद उसे ठीक से पता नहीं था कि मैं क्या सोच रहा था। मेरे लिए तीसरी कक्षा में होना कोई सुखद अनुभव नहीं था। पिज़्ज़ा भी नहीं। लेकिन फिर भी, महज़ एक खुशबू से अतीत में वापस चले जाना एक अजीब सा एहसास था। ग्रोवर ने खाना शुरू किया और पिज्जा का टुकड़ा, कागज की प्लेट और मेरा नैपकिन सब चट कर गया। मैंने सीख लिया था कि जब वह खाना खा रहा हो तो अपने हाथ उससे दूर रखूं, वरना वह मेरी उंगलियां कुतरना शुरू कर सकता था। एनाबेथ का ध्यान कराओके गाने वालों पर ही टिका रहा। वे अब एक धीमा, उदास गाना गा रहे थे कि सारे फूल कहाँ चले गए। मेरा मन कर रहा था कि मैं चिल्लाकर कहूँ, पता नहीं। तुम बाहर जाकर उन्हें क्यों नहीं ढूंढ लेते?

“क्या गजब की पीढ़ी है!” हेबे ने बुजुर्ग गायकों की प्रशंसा करते हुए कहा। “आज भी वे बुढ़ापे को स्वीकार नहीं करते।” फिर वह मेरी ओर मुड़ी। “और तुम, पर्सी जैक्सन, मुझे लगता है कि तुम मुझसे कोई मदद मांगने आए हो। शायद तुम्हें अमरता को ठुकराने का पछतावा होने लगा है?”
मैंने सोचा, अब शुरू हो गया।
जब भी देवता ज़्यूस के प्रस्ताव को ठुकराने की मेरी बात उठाते, तो वे इसे मूर्खता की निशानी या उससे भी बदतर, देव जाति का अपमान मानते। मुझे उन्हें समझाने का कोई अच्छा तरीका नहीं सूझा था। जैसे, अगर आप सब अपने अर्धदेव बच्चों को जल्द ही अपना लेने का वादा कर दें, ताकि आपके बच्चे अपना पूरा जीवन यह जाने बिना न बिताएं कि वे कौन हैं या कहाँ से आए हैं, तो क्या यह सबके लिए फ़ायदेमंद होगा?
शायद मैं व्यंग्य करने ही वाला था, तभी एनाबेथ ने बीच में दखल दिया। उन्होंने निस्वार्थ भाव से यह निर्णय लिया,” उन्होंने कहा। “इसी वजह से आपके बच्चों को कैंप हाफ-ब्लड में अपना खुद का केबिन मिल गया। आपको आखिरकार वह सम्मान मिल गया जिसके आप हकदार थे।”
हेबे ने अपनी आँखें सिकोड़ीं। "शायद। फिर भी, पर्सी जैक्सन, शाश्वत यौवन को ठुकरा रहे हो? तुम सच में बूढ़ा होना नहीं चाहते। क्या तुम्हें समझ नहीं आता कि यह कितना भयानक होगा?"
इसका कोई सही जवाब नहीं दिख रहा था।
सच कहूं तो, मैंने अपनी जिंदगी का अधिकांश समय यह कामना करते हुए बिताया है कि काश मैं और बड़ी हो जाती, ताकि मैं कॉलेज जा सकूं, उन खतरनाक वर्षों से बाहर निकल सकूं जब हर दूसरे दिन राक्षस मुझे मारने की कोशिश करते थे।
मैं देवी का विरोध नहीं करना चाहता था, इसलिए मैंने सावधानीपूर्वक उत्तर देने की कोशिश की। "मेरा मतलब है, मुझे लगता है कि उम्र बढ़ना जीवन का एक हिस्सा है—"
“ये पिज़्ज़ा तो ज़बरदस्त है!” ग्रोवर ने बीच में ही टोकते हुए कहा, शायद मुझे भयानक बिजली के झटके से बचाने की कोशिश में। “और संगीत…” उसने बूढ़े लोगों की तरफ़ देखते हुए भौंहें चढ़ाईं। “एक मिनट रुको… क्या वे सच में जवान हो रहे हैं?”

वह सही था। बदलाव मामूली थे, लेकिन उनके बाल अब उतने भूरे नहीं लग रहे थे। उनकी मुद्राएं सीधी हो गई थीं। उनकी आवाजें पहले से अधिक आत्मविश्वास से भरी लग रही थीं, हालांकि अभी भी भयानक थीं।
“वे यहाँ पुराने दिनों को याद करने आते हैं।” हेबे ने अपने चारों ओर इशारा करते हुए कहा। “पुरानी यादें जवानी में लौटने का द्वार हैं। मैं बस उन्हें यह द्वार खोलना सिखा रही हूँ।”
मेरे कंधों में सिहरन दौड़ गई। दुनिया को सबसे कम जिस चीज़ की ज़रूरत थी, वो थी बूढ़े लोगों का उल्टा बूढ़ा होना, मानो कह रहे हों, "हमने पहली बार इस ग्रह पर एकाधिकार का इतना आनंद लिया, तो चलो इसे फिर से करते हैं!"
“यह... आपकी मेहरबानी है,” ग्रोवर ने कोशिश की। लेकिन उसकी आवाज़ में हल्की सी कंपकंपी से मैं समझ गया कि उसे यह जगह अब पसंद नहीं आ रही थी, चाहे मुलेठी की रस्सियाँ कितनी भी स्वादिष्ट क्यों न हों।
हेबे ने अपने गो-गो बूट्स को टखनों पर क्रॉस किया। उसने अपने हाथ बूथ के पीछे रखे। उसके घमंडी चेहरे को देखकर मुझे 1960 के दशक की किशोरी से ज़्यादा किसी माफिया सरगना की याद आ गई।
“तो क्या इसीलिए तुम यहाँ आए हो?” उसने पूछा। “तुम जवानी का राज जानना चाहते हो? मुझे लगता है कि तुममें से किसी का भी बचपन नहीं था, है ना? हमेशा देवताओं के काम करते रहे, राक्षसों से भागते रहे, बड़े होने की जिम्मेदारियाँ निभाते रहे।”
उसका चेहरा बिगड़ गया, मानो उस शब्द से उसे घृणा हो गई हो।
“हमारे स्की-बॉल टूर्नामेंट से अक्सर उम्र एक-दो साल कम हो जाती है,” उसने आगे कहा। “या फिर आप रिवॉर्ड स्टेशन पर अलग-अलग तरह के पेय पदार्थों के लिए टिकट रिडीम कर सकते हैं। मैं आपको बस इतना बता दूं कि अगर आप कुछ बेहद रोमांचक चाहते हैं, तो मैं किसी को बच्चा नहीं बनाती। वे बस रोते हैं, शौच करते हैं और उल्टी करते हैं। बचपन का असली जादू लगभग आठ साल की उम्र से शुरू होता है।”
एनाबेथ अपनी सीट पर थोड़ी हिली। “आर्केड में कोई शिशु नहीं था। आठ साल से कम उम्र का कोई भी नहीं। आपका मैनेजर, स्पार्की—”
“मैं मुख्य आर्केड में ही रहती हूँ,” हेबे ने कहा। “आप जानते हैं, मैं हमेशा किसी भी कमरे में सबसे छोटी होती हूँ, चाहे कुछ महीनों का ही फर्क क्यों न हो। मुझे किसी से कम उम्र का दिखना बिल्कुल पसंद नहीं।” उसने इस

विचार को सिरे से खारिज कर दिया। “लेकिन मुझे किशोरावस्था ज़्यादा पसंद है।”
मैंने कहा, "तो तुम कराओके बार में समय बिताते हो? बात समझ में आती है।" उसने सिर हिलाया। मैंने मन ही मन ठान लिया कि अब व्यंग्य से उसका सामना नहीं करना है। जाहिर है, उस पर व्यंग्य का कोई असर नहीं होता था।
“अब,” उसने कहा, “अगर आप मुझे बताएंगे कि आप कितने युवा दिखना चाहते हैं, तो मैं आपको बता दूंगी कि इसकी कीमत क्या होगी।”
“नहीं,” मैंने कहा।
अचानक हमारे आसपास की हवा पिज्जा से भी ज्यादा ठंडी और तैलीय लगने लगी।
“नहीं?” देवी ने पूछा।
हम यहाँ इसलिए नहीं आए हैं।
हेबे के चेहरे पर आत्मसंतुष्ट भाव की जगह "शांत देवी का चेहरा" आ गया, जो कि अच्छी बात नहीं थी।
"तो फिर," उसने पूछा, "आप मेरा अनंत समय क्यों बर्बाद कर रहे हैं?"
“हम जानकारी की तलाश कर रहे हैं,” एनाबेथ ने कहा।
“देवताओं के बारे में,” ग्रोवर ने आगे कहा। “एक देवता। काल्पनिक रूप से। मुझे नहीं पता... उदाहरण के लिए, गैनीमेड?”
मुझे ग्रोवर के मुंह में नैपकिन डिस्पेंसर ठूंसने का मन कर रहा था, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।
हेबे आगे की ओर झुकी। उसके नाखूनों पर चमकीला पीला रंग लगा हुआ था। "अब तुम उसके बारे में क्यों पूछ रहे हो?"
उन बूढ़े लोगों ने अपना गाना खत्म किया। कुछ देर एक-दूसरे से हाथ मिलाकर हाई-फाइव देने के बाद, उन्होंने अपने माइक वापस रखे और स्टेज से उतरकर आर्केड की ओर चल दिए। बूढ़े लोगों का यही अंदाज़ होता है: खूब मज़े करो, फिर सब कुछ गड़बड़ होने से ठीक पहले निकल जाओ।
देवी की निगाहों के नीचे ग्रोवर असहज हो गया। एक छोटा सा नैपकिन का टुकड़ा उसकी दाढ़ी से ऐसे चिपका हुआ था जैसे कोई नन्हा भूत। "हम बस एक संक्षिप्त जनमत सर्वेक्षण कर रहे हैं—"
“उसने तुम्हें यहाँ भेजा है,” देवी ने अनुमान लगाया। जैसे-जैसे वह हमारे साथ बैठती गई, वह और भी जवान दिखने लगी। अगर मैंने उसे एएचएस में देखा होता, तो मैं उसे सेकंड ईयर या फर्स्ट ईयर की छात्रा समझ लेती—एक बहुत ही

रंगीन, प्रतिशोधी दिखने वाली फर्स्ट ईयर की छात्रा। “बताओ, गैनीमेड ऐसा क्यों करेगा?”
एनाबेथ ने अपने हाथ ऊपर उठाकर हमारी शांतिपूर्ण मंशा दिखाने की कोशिश की। "बात सिर्फ इतनी नहीं है कि उसने हमें भेजा है—"
“वह आजकल घबराया हुआ सा लग रहा है,” हेबे ने सोचा। “लेकिन वह नायकों का दल तब तक नहीं भेजेगा जब तक कि...” वह मुस्कुराई। “जब तक कि उसने कुछ खो न दिया हो। अरे, तुम मज़ाक कर रही हो। उसने देवताओं का प्याला खो दिया है?”
वह इतनी खुशी से हंसी कि मुझे राहत मिली। अगर उसे यह मजेदार लगा, तो शायद यह अच्छी बात थी। मुझे क्रोधित देवियों की तुलना में प्रसन्न देवियाँ कहीं अधिक पसंद थीं।
मैंने कंधे उचका दिए। "खैर, हम इसकी पुष्टि भी नहीं कर सकते और न ही इससे इनकार कर सकते हैं—"
“कितना बढ़िया!” वह खिलखिलाकर हंस पड़ी। “वह नन्ही सी चुड़ैल तो बड़ी मुसीबत में फंस गई! और उसने तुम्हें मुझसे पूछताछ करने के लिए भेजा क्योंकि…?”
उसके चेहरे से सारी हंसी गायब हो गई। "ओह, मैं समझ गई।"
मैंने जल्दबाजी में कहा, "हमें बस कुछ पृष्ठभूमि जानकारी चाहिए थी। मतलब, किसके पास ऐसा करने का कोई कारण हो सकता है?"
“प्याला चुरा लो,” उसने बात खत्म की।
एनाबेथ ने सिर हिलाया। "हमारा मतलब यह नहीं है कि—"
“तुम्हें लगता है मैंने इसे चुराया है! तुम तो मुझ पर आरोप लगाने आए हो!” “बिल्कुल नहीं!” ग्रोवर चिल्लाया। “मैं—मैं तो यहाँ मुलेठी लेने आया था!” हेबे खड़ी हो गई। उसकी पोशाक गुलाबी और नीले रंग की पैस्ले डिज़ाइन वाली रोशनी से जगमगा रही थी। “वीर मुझ पर चोरी का आरोप लगा रहे हैं! मैंने तो बस भाग्य की देवियों से समय चुराया है ताकि मनुष्य लंबी उम्र जी सकें! मुझे उस... उस धोखेबाज़ के प्याले की कोई परवाह नहीं! क्या तुम्हें लगता है कि मैं माउंट ओलंपस पर वेट्रेस का अपना पुराना काम वापस चाहूँगी, जबकि मेरे पास यहीं अपना रेस्टोरेंट है जहाँ मेरी मनचाही सारी पिज़्ज़ा, कराओके और बम्पर कारें मौजूद हैं?”
यह एक और चालबाजी वाला सवाल लग रहा था। मूर्खतावश, मैंने इसका जवाब देने की कोशिश की।

“आप सही कह रहे हैं,” मैंने कहा। “बेशक यह बेवकूफी है। लेकिन शायद आप किसी और को जानते हों जिसने इसे चुराया हो? या अगर आप हमें आस-पास देखने दें ताकि हम बता सकें कि यह निश्चित रूप से यहाँ नहीं है—”
“बस करो!” हेबे दहाड़ी। उसने अपने हाथ फैला दिए। “पर्सी जैक्सन, तुमने थोड़ी देर पहले क्या कहा था? उम्र बढ़ना जीवन का हिस्सा है? खैर, शायद तुम्हें यह प्रक्रिया फिर से शुरू करनी चाहिए। शायद इस बार तुम इसे सही तरीके से करोगे और कुछ शिष्टाचार सीखोगे!”
देवी इंद्रधनुषी चमक के तूफान में बदल गईं, जिसने मुझे मेरी कुर्सी से गिरा दिया।

अगर पुरानी यादें जवानी में वापस जाने का द्वार थीं, तो मुझे ऐसा लगा जैसे हेबे ने वह द्वार खोलकर मुझे लात मारकर उसके पार फेंक दिया हो।
मेरे पूरे शरीर में दर्द हो रहा था। पेट और पीठ की मांसपेशियों में भी दर्द हो रहा था, जहाँ मुझे पता भी नहीं था कि मांसपेशियाँ भी होती हैं। मेरा दिमाग इतना तेज़ धड़क रहा था मानो वह मेरी खोपड़ी के लिए बहुत बड़ा हो। मैं फर्श पर लेटा हुआ था, कालीन मेरे हाथों पर चिपचिपा और खुरदुरा लग रहा था। जब मैं उठा, तो मुझे सुस्ती और हल्कापन महसूस हुआ, मानो किसी ने मुझे तरल हीलियम चढ़ा दिया हो। एनाबेथ मेरे बाईं ओर लेटी हुई थी, अभी-अभी हिलना- डुलना शुरू कर रही थी। ग्रोवर कुछ ही फीट दूर औंधा लेटा हुआ था, कालीन पर खर्राटे ले रहा था।
हम ज़िंदा थे। हम न तो चमकते हुए टुकड़ों में बदले थे और न ही किसी खेल के टिकट। हेबे गायब हो गई थी। फिर भी कुछ गड़बड़ थी। मेरे हाथ छोटे लग रहे थे। मेरी पैंट की टांगें बहुत लंबी थीं। कफ़ मेरे टखनों के आसपास इकट्ठी हो रही थीं।
जब तक एनाबेथ कराहते हुए उठी नहीं, तब तक मुझे ठीक से समझ नहीं आया कि क्या हुआ था। वह भी अपने ढीले-ढाले कपड़ों में डूबी हुई थी। उसका चेहरा... खैर, देखिए, मैं एनाबेथ का चेहरा कहीं भी पहचान सकती हूँ। मुझे उसका चेहरा बहुत पसंद है। लेकिन यह उसका ऐसा रूप था जो मैंने पहले कभी नहीं देखा था—कुछ पुरानी तस्वीरों और सपनों में ही देखा था।
यह एनाबेथ की वह तस्वीर है जो कैंप हाफ-ब्लड में आने के कुछ समय बाद की है। वह लगभग आठ साल की बच्ची जैसी लग रही थी।
उसने अपना सिर खुजलाया और मेरी तरफ घूरने लगी, उसकी आँखें चौड़ी हो गईं, फिर उसने एक ऐसी गाली दी जो तीसरी कक्षा की बच्ची के मुँह से सुनकर अजीब लग रही थी। "हीबे ने हमें छोटा बना दिया।"
“ब्लाआआआह!” ग्रोवर उठ बैठा और अपना सिर रगड़ने लगा।

उसके सींग सिकुड़कर छोटे ठूंठ जैसे रह गए थे। उसकी दाढ़ी गायब हो चुकी थी। उसके नकली पैर और जूते उसके अचानक छोटे हो चुके खुरों से लुढ़क गए थे, और उसकी कमीज़ इतनी बड़ी हो गई थी कि वह नाइटगाउन जैसी लग रही थी।
“मुझे अच्छा नहीं लग रहा।” उसने अपने चेहरे से पनीर का एक टुकड़ा हटाया, फिर अपने खुरों की ओर देखा और कराह उठा। “ओह, नहीं। मैं फिर से बच्चा नहीं बनना चाहता!”
मुझे नहीं पता था कि उसका मतलब इंसानों से था या बकरियों से... शायद दोनों से। मुझे याद है ग्रोवर ने मुझे बताया था कि सैटायर इंसानों से आधी गति से परिपक्व होते हैं। जिसका मतलब था... दो से गुणा करो, एक कैरी करो, भाग दो... नहीं, छोड़ो। गणित मैं होमवर्क के लिए बचा कर रखूंगा। अगर मैं कभी घर वापस जा पाया तो।
मैंने सुझाव दिया, "शायद इमारत से बाहर निकलने पर हम वापस पहले जैसे हो जाएंगे?"
एनाबेथ लड़खड़ाते हुए खड़ी हुई। उसे छोटी बच्ची के रूप में देखना अजीब लग रहा था। मुझे बेवजह डर लग रहा था कि वह चिल्लाएगी, "छी! लड़कों के कीटाणु!" और मुझसे दूर भाग जाएगी।
इसके बजाय, उसने संशयपूर्वक कहा, "कोशिश करने में क्या हर्ज है?"
हम मनोरंजन केंद्र से वापस लौट रहे थे। जब हम मुर्गीखाने के पास से गुज़रे, तो मुर्गियों ने नए सिरे से दिलचस्पी से हमारी ओर देखा। मुझे तो पता भी नहीं था कि मुर्गियाँ भी दिलचस्पी दिखा सकती हैं, लेकिन उन्होंने अपना सिर झुकाया, कुड़कुड़ाई की और अपने पंख फड़फड़ाए। खासकर एक चूजा, जिसकी आँखों और चोंच के चारों ओर गुलाबी रोएँ थे, बाड़ के किनारे-किनारे हमारे पीछे- पीछे चलता रहा, इतराता रहा और चहचहाता रहा।
"वाह, कितना असभ्य है," ग्रोवर ने कहा।
"क्या?"
वह हमारी हड्डियों से मांस नोच निकालने की धमकी दे रही है।
मैंने घबराकर उस लड़की की तरफ देखा। "ठीक है, नन्ही सी खूंखार। शांत हो जाओ। हम जा रहे हैं।"
अचानक, ग्रोवर मेरी ओर मुड़ा, अपना सिर नीचे किया और मेरी छाती पर इतनी जोर से टक्कर मारी कि मैं एक कदम पीछे हट गया।
“आह!” मैंने शिकायत की। “यार, क्यों?”

“माफ़ कीजिए, माफ़ कीजिए!” ग्रोवर ने अपने सींग रगड़े। “मुझे—मुझे खेलना है। मैं झुंड में सामाजिक प्रभुत्व का अभ्यास कर रहा हूँ।”
उसने फिर से मेरी छाती पर धक्का मारा।
मैंने कहा, "यह बहुत जल्दी उबाऊ हो जाएगा।"
“अभी तो मैं जल्दी से बूढ़ा होना चाहती हूँ,” एनाबेथ ने कहा। “चलते रहिए।” वहाँ मौजूद किसी भी ग्राहक ने हमारी तरफ ध्यान नहीं दिया। शायद हम भीड़ में बस तीन और बच्चे थे। मैंने स्पार्की या किसी और कर्मचारी की वर्दी पहने हुए व्यक्ति को ढूंढने की कोशिश की, लेकिन कोई नहीं दिखा। मैंने बाहर निकलने का रास्ता ढूंढने पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की, लेकिन हर टिमटिमाती रोशनी और बीप की आवाज़ मेरा ध्यान खींच रही थी, और मुझे खेल खेलने के लिए ललचा रही थी।
एडीएचडी होना मुश्किल है, लेकिन अब मुझे याद आया कि जब मैं छोटा था तब यह कितना मुश्किल था, इससे पहले कि मैंने अपना ध्यान केंद्रित करना, अपनी बेचैनी को नियंत्रित करना या व्यावहारिक रूप से अपने शरीर को चलाना भी सीखा था।
आठ साल की बच्ची बनना बहुत डरावना था। ये सोचकर ही डर लगता था कि शायद मुझे फिर से वो सारे साल जीने पड़ेंगे... मेरी आँखों में आँसू भर आए। मुझे अपनी माँ चाहिए थी। मैंने घबराहट को जितना हो सके दबाने की कोशिश की। बस बाहर निकलने का रास्ता मिल जाए।
हमें रोकने की किसी ने कोशिश नहीं की। किसी ने दरवाज़ों पर जंजीर नहीं लगाई थी। हम बस टाइम्स स्क्वायर की दोपहर की धूप में वापस आ गए।
और हम तब भी छोटे बच्चे थे।
मैंने ग्रोवर का हाथ पकड़ लिया ताकि वह मिकी माउस की पोशाक पहने एक स्ट्रीट परफॉर्मर को सिर से टक्कर न मार दे।
“तो अब क्या करें?” एनाबेथ ने तनाव भरी आवाज़ में पूछा। “हम ऐसे ही घर नहीं जा सकते।”
जब एनाबेथ सलाह मांगती है, तो मैं समझ जाती हूँ कि मामला गंभीर है। योजना हमेशा उसी के पास होती है। वैसे भी, उसका घर SODNYC के हॉस्टल का कमरा था। वह नौ साल छोटी तो नहीं हो सकती थी।
मैंने कहा, "सब ठीक हो जाएगा।"
उसने मुझे घूरकर देखा। "क्या तुम्हें ऐसा लगता है? तो तुम मूर्ख हो!"

उसने अपने हाथों को कनपटी पर रखा। "माफ़ करना, पर्सी... मैं—मैं ठीक से सोच नहीं पा रही हूँ। मुझे लगता है कि हेबे में सिर्फ़ हमारे रूप-रंग से ज़्यादा बदलाव आया है।"
मैं समझ गई थी कि उसका क्या मतलब था। मुझे इतने लंबे समय से इतनी घबराहट महसूस नहीं हुई थी—ऐसा लग रहा था जैसे मैंने चीनी और कांच का मिश्रण खा लिया हो, और मैं या तो टुकड़ों में कट जाऊंगी या अंदर से कांपने लगूंगी। मैंने कहा, "मैं नौ साल दोबारा नहीं बिताने वाला। चलो अंदर जाकर हेबे को ढूंढते हैं।"
“और फिर क्या?” ग्रोवर ने धीमी आवाज़ में कहा। “वह हमें बच्चे बना सकती है!”
“बस करो!” एनाबेथ ने कहा।
नहीं, तुम इसे बंद करो। कंजूस!
मैं नहीं हूँ!
"बहुत अधिक है!"
“दोस्तों!” मैंने उनकी बांहें पकड़ लीं और उन्हें अलग कर दिया। “हम इसका हल निकाल लेंगे। चलो अंदर चलते हैं।”
मैं समझदारी दिखाने की कोशिश कर रहा था। यह तो प्रलय का संकेत था। मैं उन्हें वापस हीबे जीबिज ले गया, जो कि वह आखिरी जगह थी जहाँ मैं जाना चाहता था।
लगभग तुरंत ही हमारी मुलाकात स्पार्की से हुई, जो अपने इनाम के टिकटों के बिना कहीं अधिक खुशमिजाज लग रही थी।
“हाय, हीबे जीबिज में आपका स्वागत है!” उसने कहा। “क्या आपको यहां के रास्ते पता हैं?”
मैंने कहा, "हम अभी यहीं थे। बस उम्र में बड़े हैं।"
“इससे तो बात साफ नहीं होती…” उसने हमें और गौर से देखा। “कितनी उम्र? पचास? अस्सी?”
“सच में?” एनाबेथ ने कहा।
“हमने आपसे पूछा था कि हेबे कहाँ है,” ग्रोवर ने कहा। “आपने हमें कराओके बार का पता बताया था?”
“ओह, ठीक है,” स्पार्की ने कहा। “तुम तीनों। ठीक है, तो खूब मजे करो।” “रुको!” ग्रोवर ने कहा। “हमें हेबे से दोबारा मिलना होगा!”

स्पार्की ने अपनी भौंहें चढ़ा लीं। “क्या, तुम और भी जवान होना चाहती हो? जब हेबे आशीर्वाद देती है, तो लालच नहीं करना चाहिए। मैं खुद पैंसठ साल की हूँ। मुझे यहाँ महीनों काम करने के बाद फिर से इतनी जवान दिखने में कामयाबी मिली!”
बिल्कुल। स्पार्की भी एक बूमर था—बस नौ साल का एक बूमर।
मैंने कहा, "हम जवान नहीं होना चाहते। हम चाहते हैं कि हेबे हमें पहले जैसा बना दे।"
स्पार्की ने तेवर चढ़ाए। "ज़रा रुको... क्या तुम उम्र के आधार पर शिकायत दर्ज करा रहे हो?"
मुझे उस मैनेजर के मुझे घूरने का तरीका पसंद नहीं आया, जैसे वो मुझे दो-के- लिए-एक पिज्जा कूपनों से ढककर दफना देगी। "खैर, बात ये है... मुझे लगता है कोई गलतफहमी हो गई है। हम चाहेंगे कि—"
“आप शिकायत करना चाहते हैं।” स्पार्की ने अपनी बेल्ट से एक लाउडस्पीकर निकाला और पूरे आर्केड में घोषणा की, “हमारे पास उम्र से संबंधित शिकायत है!”
भीड़ जयकारे, हूटिंग और ताने-बाने से गूंज उठी। उनमें से कई लोग शरारती मुस्कान के साथ हमारी ओर देख रहे थे, मानो उन्हें एक अच्छा तमाशा देखने की उम्मीद हो।
“उम…” मैंने कहा।
“शिकारियों को छोड़ दो!” स्पार्की चिल्लाया। “पीछा शुरू होने दो!” घंटियाँ बज उठीं। पैसों का लेन-देन हुआ। कुछ ग्राहक अंदाज़ा लगा रहे थे कि पहले कौन गिरेगा: मैं, एनाबेथ या ग्रोवर। ऐसा लग नहीं रहा था कि मेरे गिरने की संभावना बहुत कम है।
मेरी धड़कन तेज हो गई थी, लेकिन कमरे में चारों ओर देखने पर मुझे कोई खून के प्यासे शिकारी नजर नहीं आए।
“हम बस हेबे से बात करना चाहते हैं!” मैंने जोर देकर कहा।
स्पार्की ने अपना मेगाफोन सीधे मेरे चेहरे पर तान दिया और लगभग मेरी भौंहें उड़ा दीं।
“शायद तुम जीत जाओगे, अगर तुम रेस में बच गए तो। मज़े करो!” उसने अपना लाउडस्पीकर नीचे रखा और चली गई।

आर्केड के अंदरूनी हिस्से में किसी की चीख सुनाई दी। एक कुर्सी उड़कर दूर जा गिरी। एक पिनबॉल मशीन पलट गई।
एनाबेथ ने अपना चाकू निकाला, जो उसके छोटे हाथ में बड़ा दिख रहा था। ग्रोवर चीख उठा। “ये आ रहे हैं! मुझे इनकी गंध आ रही है!”
“क्या गंध आ रही है?” मैंने पूछा। “मुझे कुछ दिखाई नहीं दे रहा—”
फिर मैंने वही किया। मुर्गीखाने से मुर्गियाँ आर्केड में उत्पात मचा रही थीं। आम तौर पर मैं मुर्गियों के व्यवहार को उत्पात कहना पसंद नहीं करता, लेकिन ये पक्षी तो पूरी तरह से बेकाबू थे। दर्जनों मुर्गियाँ गेम कैबिनेट पर टूट पड़ीं और फर्नीचर को गिरा दिया, अपने पंजों और चोंच से गद्दी फाड़ दीं। कुछ ग्राहकों के सिर के ऊपर से उड़ गईं और उनके बालों को बिखेर दिया। कुछ ने लोगों के हाथों से हॉट डॉग छीन लिए।
हीबे जीबिज के ग्राहकों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। वे खुशी से चिल्लाते हुए मुर्गियों के प्रकोप से ऐसे भागे जैसे स्पेन में बैल दौड़ प्रतियोगिताओं में भीड़ भागती है, मानो सोच रहे हों, ये जानवर मुझे मार तो सकते हैं, लेकिन कम से कम मैं एक शानदार तरीके से मरूंगा!
मुर्गियां सीधे हमारी ओर बढ़ीं, उनकी छोटी-छोटी चमकीली आंखों में हिंसा झलक रही थी।
मैंने अपना बॉलपॉइंट पेन निकाला। "क्या ये मुर्गियां मुसीबत खड़ी करना चाहती हैं? मैं उन्हें मुसीबत दूंगा।"
जो शायद मेरी अब तक की सबसे खराब वीरतापूर्ण पंक्ति थी।
इससे भी ज्यादा शर्मनाक बात यह थी कि जब मैंने रिपटाइड का ढक्कन खोला, तो वह एक बॉलपॉइंट पेन ही रहा। मेरे हाथों में कोई तलवार नहीं आ आई।
“ये क्या... क्यों?” मैंने पेन पर चिल्लाते हुए कहा, जिससे मेरी गैर-वीर छवि और भी बिगड़ गई।
“शायद यह बच्चों के लिए काम न करे,” ग्रोवर ने सुझाव दिया। “तुम अभी बहुत छोटे हो।”
"क्या आपका मतलब है कि मेरी तलवार में बच्चों की पहुंच से दूर रखने वाला ढक्कन है?"
“हे दोस्तों?” एनाबेथ ने चाकू म्यान में रखते हुए कहा। “बहस बाद में कर लेना। अभी मेरा एक अलग प्लान है: भागो!”

NINE

THE CHICKENS DRAW FIRST BLOOD

मुझे यह समझने में बस एक पल लगा कि वह ऐसा क्यों चाहती थी। अब तक हम साथ में इतने रोमांच का अनुभव कर चुके थे कि मैं आमतौर पर एनाबेथ की सोच से कुछ दिनों के बजाय कुछ ही कदम पीछे रहता था।
ग्रोवर ने मेज का ऊपरी हिस्सा पकड़ा। मैंने उसका आधार पकड़ा। वह भारी थी, और मैं किसी जंगली मुर्गी जितनी ताकतवर तो नहीं थी, लेकिन हम किसी तरह मेज को खींचकर खेल के ढांचे के प्रवेश द्वार तक ले गए। एनाबेथ सबसे पहले सुरंग में घुस गई, फिर ग्रोवर और मैं उसके पीछे-पीछे गए, मेज के आधार को ऐसे खींचते हुए जैसे किसी बोतल का ढक्कन लगा रहे हों। गोल मेज का ऊपरी हिस्सा प्रवेश द्वार को पूरी तरह से ढकने के लिए काफी बड़ा था, जिससे मुर्गियों के लिए कोई जगह नहीं बची।
कुछ ही देर बाद, मुर्गियों का झुंड खेल के ढांचे से टकरा गया, जिससे प्लास्टिक की नलियाँ हिल उठीं। मुर्गियाँ गुस्से से चीखने लगीं। लेकिन फिलहाल हम सुरक्षित थे।
मैंने पूछा, "वे कब तक यह पता लगा लेंगे कि ट्यूब में प्रवेश करने के और भी तरीके हैं?"
“ज़्यादा देर नहीं।” एनाबेथ की आँखों में ज़बरदस्त चमक थी। मैं देख सकती थी कि वह कितनी डरी हुई थी, लेकिन मैं यह भी जानती थी कि वह ऐसी स्थितियों के लिए ही जीती थी। जब वह किसी असंभव परिस्थिति से निकलने का रास्ता सोचती थी, तभी वह अपने असली रूप में एनाबेथ होती थी।
यह अच्छा था, क्योंकि हमारे पास इस तरह की चीजें बहुत होती थीं। “मुर्गियाँ ही क्यों?” मैंने बुदबुदाते हुए कहा। “इतने सारे जानवरों में से…”
“क्या आप जगुआर पसंद करेंगे?” उसने पूछा।
ग्रोवर ने अपनी उंगली चबाते हुए कहा, "यह हीबे के मंदिरों की वजह से है। पुजारिनें हमेशा मुर्गियां और चूजे पालती थीं। हरक्यूलिस के मंदिर में मुर्गे रखे जाते थे। ये पक्षी केवल हीबे के पवित्र दिन पर ही इकट्ठा होते थे।"
“ओह, हाँ,” एनाबेथ ने कहा। “हेबे ने हरक्यूलिस से तब शादी की जब वह देवता बन गया था।” वह सिहर उठी। “मुझे उस पर तरस आ रहा है।”
मैंने कहा, "रुको! ग्रोवर, तुम्हें मुर्गी/मुर्गे वाली बात कैसे पता चली?"

“डेकेयर,” उसने उदास स्वर में कहा। “हीबे युवा सैटायरों के लिए डेकेयर सेंटर चलाती है। हम हर सुबह ‘हैप्पी द होली हेन’ गाना गाते थे।”
अचानक, मेरे मन में एक नया सिद्धांत आया कि सैटायर मनुष्यों की तुलना में आधी गति से बूढ़े क्यों होते हैं, लेकिन मैंने सोचा कि शायद अभी इस पर चर्चा करने का सही समय नहीं है।
मैंने कहा, "आप क्लोवन एल्डर्स की परिषद के सदस्य हैं। क्या आप मुर्गियों को पीछे हटने के लिए नहीं कह सकते?"
"मैं कोशिश कर सकता हूँ।" उसने गोटेनीज़ में कुछ मिमियाया।
मुर्गियों ने और भी अधिक बल से खेल के ढांचे पर हमला किया। एक मजबूत चोंच ने मेरे पैरों के बीच के प्लास्टिक को छेद दिया।
"मुझे लगता है कि इसका जवाब 'नहीं' है," ग्रोवर ने कहा।
“हीबे का पवित्र दिन,” एनाबेथ ने सोचा। “छोटे चूजे…”
मैंने भौंहें चढ़ा लीं। "क्या सोच रहे हो? कोई ध्यान भटकाने वाली चीज़? मेरे पास तो कोई मुर्गा नहीं है।"
नहीं, लेकिन उस मुर्गीखाने में चूजे थे...
"तो?" मैंने चिल्लाकर कहा, तभी एक और चोंच लगभग मेरी जांघ पर लग गई।
“तो हमें मुर्गीखाने में वापस जाना होगा। और एक चूजा पकड़ना होगा।” ग्रोवर ने कहा, "हत्यारी मुर्गियां हमारा पीछा कर रही हैं, और तुम उनके मुर्गीखाने में जाकर उनके बच्चों को चुराना चाहते हो?"
“हाँ। और फिर दोबारा दौड़ो।” उसने बचाव में अपने हाथ ऊपर उठा लिए। “पर्सी, मुझे पता है तुम कहोगे कि यह एक बहुत बुरा विचार है—”
"यह एक भयानक विचार है।"
लेकिन आपको मुझ पर भरोसा करना होगा। चलिए चलते हैं।
वह प्ले ट्यूब में और अंदर रेंगती चली गई। मैंने मन ही मन बड़बड़ाया और उसके पीछे-पीछे गया। हालाँकि मुझे उसका यह विचार बिल्कुल पसंद नहीं था, लेकिन मेरा अपना कोई विचार नहीं था—और मुझे उस पर पूरा भरोसा था।
सुरंग ऊपर की ओर झुकती गई, और हम छत के ठीक नीचे रेंगने लगे। मैंने प्लेक्सीग्लास की एक छोटी खिड़की से बाहर झाँका और देखा कि ज़्यादातर पक्षी अभी भी ज़मीन पर इधर-उधर भाग रहे थे और गुस्से से चहचहा रहे थे। कुछ समझदार पक्षियों को समझ आ गया था कि अरे, उनके पास पंख हैं! कुछ ने पंख फड़फड़ाए और खेलने वाली नली पर कूद पड़े। बाकी ऊपर की ओर दौड़ते हुए

प्लास्टिक पर चोंच मार रहे थे, लेकिन अभी तक उन्हें हम तक पहुँचने का तरीका नहीं सूझा था।
हम एक टी-शेप जंक्शन पर रुक गए।
“ग्रोवर, बाईं ओर जाओ,” एनाबेथ ने कहा। “भेड़ों का ध्यान भटकाओ, जबकि मैं और पर्सी दाईं ओर जाकर मुर्गीखाने की ओर भागेंगे। हम कराओके बार में मिलेंगे।”
"क्या मुझे भी यह कहने का अधिकार है कि यह एक बहुत बुरा विचार है?" ग्रोवर ने पूछा।
“बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करो,” एनाबेथ ने कहा। “तुम सबसे तेज़ धावक हो। और तुम अकेली हो जो चिकन भाषा समझती हो।”
उन्होंने कहा, "तकनीकी रूप से देखा जाए तो 'चिकन' एक अलग भाषा नहीं है, हालांकि कई जानवरों की बोलियाँ 'चिकन' जैसी ही लगती हैं..."
“यार, उन पर चिल्लाओ,” मैंने सुझाव दिया। “क्या तुम्हें कोई गंदी गाली पता है?”
“यह एक पारिवारिक मनोरंजन केंद्र है!”
"जहां वे शिकायत करने पर हमें जान से मारने की कोशिश कर रहे हैं।"
“अच्छा सुझाव है,” ग्रोवर ने कहा। “मैं मुर्गियों का अपमान करूँगा।” वह मुझे धक्का देकर आगे बढ़ा और बाईं ओर की सुरंग में रेंगता हुआ चला गया, उसके खुर फटे हुए पिस्टन की तरह चल रहे थे।
“चलो चलें,” एनाबेथ ने अपनी सबसे दमदार स्क्वाड लीडर वाली आवाज़ में कहा। और हम दाहिनी ओर वाली ट्यूब से नीचे की ओर चल पड़े।
हम एक लचीली भूसे की ढलान से फिसलते हुए बॉल पिट में जा गिरे, जहाँ से जल्दी निकलना मुश्किल था। सौभाग्य से, मुर्गियाँ व्यस्त थीं। खेल के मैदान के दूसरे छोर पर, ग्रोवर अपने पूरे जोश में, गालियाँ बकने के अंदाज़ में, स्की-बॉल मशीनों पर उछल-कूद कर रहा था और लकड़ी की गेंदों को पीछे फेंक रहा था, जिससे मुर्गियाँ लड़खड़ा रही थीं। मुझे एक कहानी याद आई जिसमें एक महिला अपने पीछे सोने के सेब फेंककर पीछा करने वाले लड़कों को धीमा कर देती थी। स्की-बॉल भी यहाँ कारगर साबित हो रही थी।
“स्क्वक!” ग्रोवर चिल्लाया। “क्लुक! क्लुक!”

इससे मुर्गियों का झुंड जितना क्रोधित हुआ, उससे यही लगता है कि यह चूजों की माताओं के बारे में कोई तीखी टिप्पणी रही होगी। ग्रोवर गलियारे में गायब हो गया, और उसके पीछे-पीछे अधिकांश मुर्गियां भी चली गईं।
“साथ चलो।” एनाबेथ बॉल पिट में आगे बढ़ी, अपने हाथों को सिर के ऊपर उठाए हुए, मानो वह अपनी काल्पनिक राइफल को गीला नहीं होने देना चाहती हो। वहीं, मैंने अपना बॉलपॉइंट पेन पास ही रखा हुआ था, जो शायद बहुत काम आता अगर मुर्गियों ने ऑटोग्राफ मांगने का फैसला कर लिया होता।
“जो भी हो जाए,” एनाबेथ ने चेतावनी दी, “मुर्गियों को चोट मत पहुँचाना। वे अभी भी हेबे के पवित्र जानवर हैं।”
मैंने बुदबुदाते हुए कहा, "मेरी सबसे बड़ी प्राथमिकता यही है कि मुर्गियों को चोट न पहुंचे।"
“मैं सच कह रही हूँ,” उसने कहा। “यह तभी काम करेगा जब हम हेबे को और ज़्यादा गुस्सा न दिलाएँ।”
मुझे नहीं पता था कि एनाबेथ की योजना क्या थी, या यह कैसे काम करेगी, लेकिन आप इसे 'मेरे पास इससे बेहतर कोई विचार नहीं था' वाली श्रेणी में रख सकते हैं, जो पहले से ही एक काफी मोटी फाइल थी।
एनाबेथ बॉल पिट से बाहर निकली और उसने मुझे हाथ बढ़ाया। मैं कहना चाहूँगी कि मैं शान से बाहर निकली। पर ऐसा नहीं था। मैंने अपनी बड़ी पैंट की आस्तीनों से लगभग एक दर्जन प्लास्टिक की गेंदें झाड़ दीं और अपने जूते के तले से आधा चबाया हुआ चीज़बर्गर खुरचकर निकाला। मैं सोच रही थी कि उस बॉल पिट के तल में और क्या धीरे-धीरे जीवाश्म ईंधन में बदल रहा होगा... शायद कुछ अर्धदेवता जिन्होंने उम्र को लेकर शिकायत करने की हिम्मत की होगी। “कूप,” एनाबेथ ने कहा और दौड़ पड़ी।
आठ साल की उम्र में भी, उसमें मुझसे कहीं अधिक एकाग्रता थी, जो शायद मुझे परेशान कर सकती थी अगर मेरे पास इस पर ध्यान केंद्रित करने का समय होता। हमें चूजे मुर्गीखाने में ठीक वहीं मिले जहाँ हमने उन्हें छोड़ा था। वे शिकार में शामिल न होने से खुश नहीं लग रहे थे। स्पार्की ने जब शिकारियों को छोड़ा, तो उसने शायद एक ऐसा कंट्रोल चालू कर दिया था जिससे मुर्गी के तार की बाड़ ठीक आधी नीचे झुक गई थी—इतनी नीचे कि बड़ी मुर्गियाँ कूद सकें, लेकिन चूजों के लिए बहुत ऊपर। मुझे लगता है कि यह हीबे का मनोरंजन

झूले के साइन बोर्ड जैसा था: हमारे ग्राहकों को मारने के लिए आपकी लंबाई इतनी होनी चाहिए!
एनाबेथ चूजों को गौर से देख रही थी, जो गोल-गोल दौड़ रहे थे, भूसे पर पैर पटक रहे थे और हमारी तरफ़ अपशब्द बोल रहे थे। गुलाबी रंग के रोएँदार चेहरे वाली चूजी, जिसे मैंने पहले देखा था, वह खास तौर पर गुस्से में लग रही थी— वह अपनी पूरी ताकत से चीं-चीं कर रही थी।
"उम्मीद है कि मैं एक को पकड़ पाऊंगी," एनाबेथ ने धीरे से बुदबुदाया, लगभग खुद से ही।
इससे पहले कि मैं कह पाती, "एक समझदार लड़की के लिए यह समझदारी भरा कदम नहीं लगता," वह मुर्गीखाने में हाथ डालने लगी।
"बहुत खूब!"
लि'ल किलर ने उसकी उंगली काट ली थी और कसकर पकड़ ली थी। एनाबेथ ने अपना हाथ झटक कर पीछे खींच लिया, जिससे वह नन्हा-सा मुलायम चूजा ऐसे हिलने लगा जैसे कोई मोजा हो जिसमें स्टैटिक चार्ज हो, लेकिन लि'ल किलर ने उंगली नहीं छोड़ी।
मैंने कहा, "ध्यान रखना, उसे चोट मत पहुंचाना।"
“सच में बहुत मददगार,” एनाबेथ ने शिकायत की।
उसकी उंगली से खून टपक रहा था, लेकिन उसने अपने दूसरे हाथ से चूजे को पकड़ रखा था और उसे अपनी छाती से लगाकर रखा था ताकि वह भाग न जाए, इस उम्मीद में कि शायद कभी उसे इंसानी मांस का स्वाद ऊब जाए। "चलो कराओके बार चलते हैं।" मैंने पूछा, "क्या एक लड़की काफी है?"
"अगर तुम्हें जलन हो रही है, तो तुम इसे रख सकते हो।"
"एक खूंखार मुर्गी होने के बावजूद वह काफी प्यारी है।"
आर्केड के उस पार से अचानक ग्राहकों के जयकारे की गर्जना सुनाई दी, मुर्गियाँ बाक! बाक! चिल्ला रही थीं, और एक घबराया हुआ सैटिर चिल्ला रहा था, "आ रहा है!"
मैं कितनी जल्दी उन पवित्र मुर्गियों के झुंड को भूल गया था जो हमें अलग करना चाहती थीं।
एनाबेथ और मैं कराओके बार की ओर भागे, हालाँकि मेरी नई-नई जवानी वाली टांगों के साथ, यह लड़खड़ाती चाल जैसी थी। दौड़ते हुए डाइविंग पूल को धमाके से उड़ाने का समय और ऊर्जा भी मेरे पास नहीं थी।

ग्रोवर भी उसी समय लाउंज में पहुँचा जब हम पहुँचे। उसके फर में पंख फँसे हुए थे, और उसकी कमीज़ का पिछला हिस्सा बुरी तरह फटा हुआ था, ऐसा लग रहा था जैसे वह किसी बेहद खतरनाक गद्दे पर लोटपोट हुआ हो।
“यह बहुत मजेदार था,” उसने हांफते हुए कहा।
“दरवाजे खोलो!” एनाबेथ ने कहा।
ग्रोवर और मैंने महोगनी के बड़े-बड़े पैनल पकड़े और उन्हें आपस में सरकाना शुरू कर दिया। कराओके बार में अलग से पार्टीशन क्यों था, यह मुझे समझ नहीं आ रहा था—शायद संगीत से सेंटर के बाकी हिस्से को बचाने के लिए, या जन्मदिन की पार्टियों या निजी पूछताछ सत्रों के लिए एक निजी स्थान बनाने के लिए। हमने अभी दरवाजे बंद ही किए थे कि भेड़ों का झुंड उन पर टूट पड़ा। मुर्गियाँ गुस्से से चीखने लगीं। महोगनी की लकड़ियाँ काँपने और चरमराने लगीं। मुझे नहीं लगता था कि मुर्गियों के पूरे हमले के सामने वे ज़्यादा देर टिक पाएँगी।
“अब क्या?” ग्रोवर ने हांफते हुए पूछा।
वह इतना छोटा और डरा हुआ लग रहा था कि मुझे उस जैसे नन्हे बच्चे को इस स्थिति में लाने पर बुरा लगा। फिर मुझे याद आया कि मैं भी कभी उसी की तरह एक नन्हा बच्चा था।
“अब असली चुनौती शुरू होती है,” एनाबेथ ने कहा।
“क्या यह आसान हिस्सा था?” मैंने पूछा।
एनाबेथ दर्द से कराह उठी जब उसने लि'ल किलर को अपनी उंगली से झटक कर अलग किया और चूजे को फर्श पर रख दिया।
लिटिल किलर ने अपने खून से सने पंखों को फड़फड़ाया। उसने अपनी चमकदार काली आँखों से हमारी ओर देखा, एक घमंडी अंदाज़ में झाँका, मानो कह रही हो, "हाँ, मुझे नीचे उतार दो," और फिर संतुष्ट भाव से कालीन से पिज़्ज़ा के टुकड़े चुगती हुई चली गई।
एनाबेथ ने अपनी घायल उंगली पर एक नैपकिन लपेटा। "यह कराओके बार हेबे का मंदिर है, है ना? उसका पवित्र स्थान?"
मैं आमतौर पर इन शब्दों को कराओके बार से नहीं जोड़ता था, लेकिन मैंने सिर हिलाया। "और?"
“हेबे के पवित्र दिनों में, याचिकाकर्ता उसकी वेदी पर आते थे,” एनाबेथ ने आगे कहा।

“बिल्कुल सही,” ग्रोवर ने कहा। “वे क्षमा मांगते थे, और हेबे उन्हें शरण देती थी।”
“लेकिन आज तो उनका कोई खास दिन नहीं है, है ना?” मैंने पूछा। “हम इतने भाग्यशाली हो ही नहीं सकते।”
“शायद नहीं,” एनाबेथ ने कहा। “लेकिन हमें कोशिश तो करनी ही होगी।”
दुष्ट मुर्गियों के भार से दरवाजे कांप उठे और अंदर की ओर झुक गए।
एनाबेथ ने कहा, "ग्रोवर, दरवाजों को बंद करने के लिए जो कुछ भी कर सकते हो करो। पर्सी और मैं सही गाना ढूंढेंगे।"
“गाना?” मैंने पूछा। “आप सचमुच ‘शैलो’ के युगल गीत की बात तो नहीं कर रहे हैं?”
“नहीं, माफीनामा गीत, सीवीड ब्रेन! हम हेबे से क्षमा मांगते हैं। जब वह आ जाए, तो हम उससे शरण और दूसरा मौका मांगते हैं।”
"अगर वह मना कर दे तो क्या होगा?"
एनाबेथ ने लि'ल किलर की तरफ देखा। "तो मुझे उम्मीद है कि प्लान चिक काम करेगा। वरना हम सब मर जाएंगे।"

TEN

MY SINGING MAKES THINGS WORSE, AND EVERYONE IS TOTALLY SHOCKED

[illegible] [illegible] [illegible] [

मुर्गियाँ दरवाज़े पर थीं, पैनलों से टकरा रही थीं, फ्रेम को हिला रही थीं, महोगनी की लकड़ी में चोंच के आकार के छेद कर रही थीं। ग्रोवर हांफते- हांफते मेजों को खींचकर प्रवेश द्वार को रोकने लगा, लेकिन एक किशोर सात्यावा मुर्गी इससे ज़्यादा कुछ नहीं कर सकती थी। मैं उसकी मदद करने ही वाला था कि एनाबेथ ने कहा, "मिल गया!"
उसने एक बटन दबाया, और "जेलस गाय" गाने की शुरुआती धुन बजने लगी।
मुझे समझ नहीं आ रहा था कि राहत महसूस करूं या नहीं। अब मुझे गाना गाना था, और मैं गा नहीं सकती। "क्या तुम गाना शुरू करना चाहोगी?"
“अरे नहीं,” एनाबेथ ने कहा। “हेबे को गुस्सा दिलाने वाली तुम ही हो!” “मैं? वो तो हम सब थे!”
“नब्बे प्रतिशत आप।”
“हालांकि, अभी सिर्फ नब्बे प्रतिशत ही सुधार हुआ है। मैं बेहतर हो रहा हूँ!”
ग्रोवर ने दरवाजों के सामने एक और मेज लगा दी। “बस संगीत तेज़ कर दो! हम दोनों तुम्हारा साथ देंगे!”
टेलीप्रॉम्प्टर पर स्क्रीन चलने लगी और एनाबेथ ने मुझे माइक थमा दिया। (यह एक और बात है जो मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं कहूँगी।)
मुझे बचपन का वो गाना याद आ गया। मेरी माँ उसे हर समय बजाती थीं, भले ही उसे सुनकर उनकी आँखों में आंसू आ जाते थे। मुझे अपनी माँ को रोते देखना बिल्कुल पसंद नहीं था, इसीलिए वो गाना मेरे दिमाग में बस गया था।
अब पीछे मुड़कर देखता हूँ तो मुझे पक्का याद नहीं कि उस गाने ने उसे पोसीडॉन की याद दिलाई थी या फिर वो मेरे पहले सौतेले पिता को यह सुझाव देने के लिए गा रही थी, जैसे कि, शायद आपको अपने होने के लिए माफ़ी मांग लेनी चाहिए। अगर बाद वाली बात थी, तो बदबूदार गेब को कभी यह संदेश समझ ही नहीं आया।
गाना धीमी गति से शुरू हुआ, मानो किसी अंतिम संस्कार का गीत हो। जैसे ही मैंने गीत के बोल गुनगुनाने शुरू किए, मुर्गियाँ और भी ज़ोर से दरवाज़ों पर दस्तक देने लगीं। उन्हें ज़रूर एहसास हो गया होगा कि मुझे हर हाल में रोकना ज़रूरी है, वरना एक अच्छे गाने को बर्बाद कर दिया जाएगा। मेरी आठ साल की बच्ची जैसी कर्कश आवाज़ वापस आ जाने से भी स्थिति और बिगड़ गई। प्राथमिक विद्यालय की एक और बात जो मुझे याद नहीं आती थी, वो यही थी।

एनाबेथ ने मेरे ठीक पीछे आधे ताल पर सारे शब्द गाकर मेरी "मदद" की (व्यंग्यपूर्ण अंदाज़ में)। यही तो पता चलता है कि आपको सच्चा प्यार मिल गया है: जब आपका जीवनसाथी भी आपकी तरह ही गाने में बुरा हो।
मैं कोरस तक पहुंचा और चिल्लाया, "ये गाना तुम्हारे लिए है, हेबे!"
(मैं यह भी बताना चाहूंगा कि जब मैंने अभी 'कोरस' टाइप किया, तो यह शुरू में स्वतः सही होकर 'कर्स' हो गया, जो सही लगता है।)
“… तुम्हें चोट पहुँचाऊँगा,” मैंने बुदबुदाते हुए कहा। “रोऊँगा। जलन होगी। ओह, हाँ!”
हमारी चूजी दोस्त लि'ल किलर कोने वाले बूथ के नीचे छिप गई। उसने नाराज़गी भरे चेहरे से मेरी तरफ देखा, मानो सोच रही हो, मैं तो दो दिन की हूँ और इससे बेहतर गा सकती हूँ।
दूसरे छंद तक आते-आते एनाबेथ गाने में मग्न हो गई। उसने अपना हाथ मेरे कंधे पर रखा और ज़ोर-ज़ोर से गाने लगी कि वो भी बस एक ईर्ष्यालु इंसान है। उसके उत्साह ने गाने को और भी ज़्यादा मज़ेदार बना दिया।
आखिरकार, जैसे ही हमने दूसरा कोरस/गाला शुरू किया, डांस फ्लोर के बीचोंबीच चमकते हुए मोतियों और इनाम के टिकटों का बवंडर सा आ उठा। हेबे प्रकट हुई, उसकी उंगलियां उसके कानों में फंसी हुई थीं। "बस करो! बस करो!"
कराओके मशीन बंद हो गई। लि'ल किलर बूथ के नीचे गायब हो गया। मुर्गियों के झुंड का हमला बंद होते ही दरवाजे कांपना बंद हो गए।
“ओह महान और अत्यंत युवा हेबे!” मैंने कहा। “हमें बहुत खेद है—”
“खासकर पर्सी,” एनाबेथ ने कहा।
“मुझे 90 प्रतिशत खेद है!” मैंने सहमति जताते हुए कहा। “कृपया हमें क्षमा कर दीजिए!”
हेबे ने गुस्से से घूरते हुए कहा, "अगर वह गाना माफी मांगने के इरादे से लिखा गया था, तो आपको उसे जॉन लेनन को संबोधित करना चाहिए था।"
“कृपया, हमें अपनी क्रोधित मुर्गियों से शरण दीजिए!” ग्रोवर ने दरवाजे से पुकारा।
“और कृपया हमें हमारी सही उम्र में लौटा दीजिए!” एनाबेथ ने कहा।
“अरे, अरे, अरे!” हेबे ने अपने हाथों को रोककर एक तरह से विराम चिह्न लगाया। “पहले तुमने मेरी कराओके मशीन को अपवित्र किया, फिर मुझसे फरमाइशों की बौछार कर रहे हो? मैं तुम्हें तुम्हारे पुराने रूप में क्यों लौटाऊँ?”

“क्योंकि…” मैं हिचकिचाया। “क्योंकि आप उदार और अच्छे हैं, और साथ ही बेहद युवा भी हैं।”
“हम आपकी वेदी पर याचिकाकर्ता हैं,” एनाबेथ ने कहा।
“यह कराओके के लिए सबसे पवित्र मंच है!” ग्रोवर ने कहा। “डिस्को और डांस के लिए सबसे पवित्र जगह!”
हेबे उसे घूरती रही।
“क्या यह बहुत ज़्यादा है?” ग्रोवर ने पूछा। “हम बस यहाँ से शांतिपूर्वक, अपनी सामान्य उम्र में जाना चाहते हैं—ताकि हम हीबे जीबिज के चमत्कारों और भयावहताओं के बारे में लोगों को बता सकें!”
"और कृपया देवताओं के प्याले के बारे में थोड़ी जानकारी भी दें," मैंने कहा।
एनाबेथ ने मेरी पिंडली पर लात मारी, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। हेबे ने अपने दांत पीसते हुए कहा, "फिर वही बात। वही धृष्टता। वही निंदा। शायद मैंने तुम्हें तुम्हारे बचपन में ठीक से वापस नहीं भेजा।"
“उसे माफ़ कर दो!” एनाबेथ चिल्लाई। मैंने देखा कि उसकी नज़र बार-बार उस कोने वाले बूथ पर जा रही थी जहाँ लि'ल किलर छिपा हुआ था। लेकिन अगर वह उस लड़की के देवी पर छुपकर हमला करने का इंतज़ार कर रही थी, तो मुझे नहीं लगता था कि हमारे जीतने की कोई उम्मीद थी।
“हम कभी भी आपका समय बर्बाद करने की कोशिश नहीं करेंगे!” एनाबेथ ने आगे कहा।
आखिरी हिस्सा मेरे लिए था। आठ साल की उम्र में भी, भले ही मैं बहुत बुद्धिमान न होऊं, मैं यह समझ गया था। एनाबेथ समय बर्बाद कर रही थी। लेकिन क्यों?
“यह सच है!” मैंने कहा। “घड़ियाँ बुरी होती हैं!”
हीबे के बाल पहले से ज़्यादा घुंघराले होते जा रहे थे, मानो हमारी बातें सुनने जैसी चोटों से खुद को बचाने के लिए एक सुरक्षात्मक कवच बना रहे हों। क्या यह मेरा वहम था, या वह सच में छोटी हो रही थी?
"तुम बकवास कर रहे हो," उसने कहा।
“बिल्कुल सही,” एनाबेथ ने सहमति जताई। “वह अक्सर ऐसा करता है! इसीलिए तुम्हें उसे माफ कर देना चाहिए।”
"अवश्य?"

“चाहिए! शायद। कर सकती हूँ, अगर आपका ऐसा मन हो। हे देवी, कृपा कीजिए!” हेबे ने अपने गो-गो बूट्स को ज़ोर से पटका, जो अब उसके कूल्हों तक ऐसे आ गए थे जैसे पानी में चलने वाले जूते हों। "तुम सब बहुत ही गंदे हो!"
वह हमारी आँखों के सामने सिकुड़ती जा रही थी। उसकी मिनीड्रेस मैक्सीड्रेस बन गई, और पैस्ले प्रिंट वाली किनारी उसके टखनों के आसपास सिमट गई। उसके गालों पर शिशु जैसी चर्बी उभर आई।
“क्या हो रहा है?” उसने अपनी अब छोटी-छोटी मुट्ठियाँ हिलाईं। “मुझे यह पसंद नहीं है!”
वह हम सब से छोटी लग रही थी—शायद सात साल की। उसकी आँखों में अभी भी वही क्रोध भरी चमक थी, लेकिन उसकी आवाज़ में एक अजीब सी कर्कशता थी, जिसकी वजह से उस पर विश्वास करना मुश्किल था।
“मुझे ऐसे मत देखो!” वह कांपते होंठों से चिल्लाई। “तुम बड़े मूर्ख हो!” लेकिन मैं उसे घूरने से खुद को रोक नहीं पाई। वह सिकुड़कर किंडरगार्टन के बच्चे के आकार की हो गई, फिर एक नन्ही बच्ची बन गई। यहां तक कि नन्ही कातिल भी अपने छिपने की जगह से झांककर देखने लगी।
आखिरकार मुझे प्लान चिक समझ में आ गया।
हेबे हमेशा कमरे में सबसे छोटी होती थी। उसकी शक्तियां उस चूजे की मौजूदगी पर प्रतिक्रिया कर रही थीं। एक देवी होने के नाते, उसे इस प्रक्रिया को रोक देना चाहिए था, लेकिन शायद यह उसके लिए अप्रत्याशित था। या हो सकता है कि खुद को बड़ा करना उसके स्वभाव के विरुद्ध था।
वह गिर पड़ी, चलने में असमर्थ। वह मेरी ओर रेंगने लगी मानो मेरे टखनों को पकड़ना चाहती हो, लेकिन फिर वह एक तरफ गिर पड़ी, छटपटाने लगी और रोने लगी। यौवन की देवी अब कमरे में सबसे छोटी लग रही थी: एक चिड़चिड़ी नवजात शिशु जिसका चेहरा एकदम लाल था।
“अभी क्या हुआ?” ग्रोवर ने पूछा।
एनाबेथ टहलते हुए आई और बच्ची को गोद में उठाकर हेबे की पैस्ले डिज़ाइन वाली ड्रेस में लपेट दिया। "छोटी सी नन्ही सी बच्ची ने हेबे को नीचा दिखा दिया।" एनाबेथ ने देवी की ठोड़ी पर गुदगुदी की। "पर तुम कितनी प्यारी हो!" हेबे छटपटाने लगी और गुर्राने लगी। उसने एनाबेथ की उंगली काटने की कोशिश की, लेकिन उसके दांत नहीं थे।

“अब ज़रा रुको,” एनाबेथ ने बच्चे से कहा। “मुझे पता है तुम नखरे करते हो, लेकिन मुझे यकीन है कि तुम उम्र को लेकर शिकायत तो नहीं कर रहे हो? मुर्गियों को यह पसंद नहीं आएगा।”
नन्ही हेबे एकदम शांत हो गई।
“बहुत खूब,” एनाबेथ ने कहा। “तो मेरा सुझाव यह है। हम इस बात पर सहमत हैं कि कुछ छोटी उम्र बहुत ही कम होती हैं। तो हम लिटिल किलर को कमरे से बाहर निकाल देते हैं ताकि आप अपनी उम्र कम से कम प्राथमिक विद्यालय के बच्चे जितनी बढ़ा सकें। फिर आप हमारी माफी स्वीकार कर लें, हमें हमारी सामान्य उम्र में वापस कर दें, हमें देवताओं के प्याले के बारे में जो कुछ भी पता हो, वह बताएँ, और हम सब अपने-अपने रास्ते चले जाएँ। हाँ कहने पर एक बार गड़गड़ाहट करें। ना कहने पर शौच कर दें।”
मैंने अपनी जिंदगी में कभी भी 'हां' सुनने की इतनी तीव्र इच्छा नहीं की थी। हेबे ने गुटरगू की। यह शायद महज एक आकस्मिक गुटरगू थी, लेकिन एनाबेथ ने इसे एक वादे के रूप में स्वीकार कर लिया।
“ग्रोवर,” उसने कहा, “क्या आप लि’ल किलर से कहेंगे कि वह अपने बाड़े में वापस चली जाए?”
ग्रोवर ने कुछ देर तक मिमियाने जैसी आवाज़ें निकालीं। लिटिल किलर ने हमारी तरफ देखा—शायद यह कहते हुए कि, इस रोमांच, टुकड़ों और खून के लिए धन्यवाद—फिर दरवाज़ों की तरफ दौड़ा और मुर्गियों द्वारा बनाए गए चोंच के छेदों में से एक से अंदर घुस गया।
बाहर से आ रही मुर्गियों की चहचहाहट से लग रहा था कि उन्होंने चूजे का स्वागत किसी विजयी नायक की तरह किया। फिर जैसे-जैसे वे अपने बाड़े में लौटती गईं, उनकी चहचहाहट धीमी होती गई। मुझे लगता है कि नन्हे-मुन्ने ने यह खबर फैला दी थी कि हमने युद्धविराम पर सहमति जता दी है।
देखते ही देखते हेबे बढ़ने लगी। एनाबेथ ने उसे झटपट नीचे रख दिया। हम देखते रहे कि कैसे वह बच्ची पल भर में किंडरगार्टन, फिर पांचवीं कक्षा में पहुंची और अंत में हमारे सामने एक बेहद गुस्से वाली हाई स्कूल की छात्रा के रूप में खड़ी हो गई, जैसी मैंने पहले कभी नहीं देखी थी।
“तुम तीनों…” वह गुर्राई।
“हम क्षमा चाहते हैं, महान हेबे,” एनाबेथ ने कहा। “और हम आपसे शरण मांगते हैं।”

मैंने आगे कहा, "और जानकारी भी।"
एनाबेथ ने मुझे कोहनी मारी।
मैंने आगे कहा, "कृपया।"
देवी क्रोधित हो उठीं। उन्होंने चुटकी बजाई और अचानक हम सब फिर से अपनी सामान्य उम्र में आ गए।
“तुम खुशकिस्मत हो कि मुझे जॉन लेनन पसंद है,” देवी ने बुदबुदाते हुए कहा। “बैठो, मैं तुम्हें वह सब बताऊंगी जो मुझे पता है। लेकिन तुम्हें यह पसंद नहीं आएगा।”

ELEVEN

WE WIN ZERO PRIZE TICKETS

"[illegible],"

[illegible]

[illegible]

[illegible]

मैंने कहा, "मैं आइरिस से मिल चुका हूँ। वह द्वेषपूर्ण स्वभाव की नहीं लगी।"
“और मैं?” हेबे ने पूछा।
मैंने अपना मुंह बंद रखा। कभी-कभी, मैं इससे सीख सकता हूँ।
“आपके मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद, महान हेबे,” एनाबेथ ने कहा। “हम आपसे शांतिपूर्वक यहाँ से जाने की अनुमति मांगते हैं।”
“हम्म।” देवी ने अपनी बाहें मोड़ लीं। “बहुत खूब। लेकिन तुम्हें कोई इनाम टिकट नहीं मिलेगा।”
ग्रोवर ने गला साफ किया, जैसा कि चिकने कागज़ के बर्तनों में खाना खाने के बाद किया जाता है। "और, उम... तुम प्याले वाली घटना के बारे में किसी को नहीं बताओगे?"
हेबे ने उपहास उड़ाते हुए कहा, “बिल्कुल नहीं। मैं अगले भोज में गैनीमेड को मुंह के बल गिरते और ज़्यूस द्वारा राख में तब्दील होते देखने का बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूँ। लेकिन मेरी बात याद रखना: अगर तुमने आइरिस को उसी तरह नाराज़ किया जैसे मुझे किया, तो तुम इतनी आसानी से नहीं बच पाओगे। तुम्हें पछतावा होगा कि काश तुम बच्चे ही रहते।”
हमने हेबे को आखिरी बार तब देखा था जब वह मिलेनियल्स के एक समूह का स्वागत कर रही थी जो स्पाइस गर्ल्स कराओके के जादू के माध्यम से नब्बे के दशक को फिर से जीना चाहते थे। मुझे उम्मीद थी कि वे सुरक्षित वापस लौटेंगे।
पूरे आर्केड में घूमते हुए मुझे ऐसा लग रहा था मानो स्टाफ, ग्राहक और मुर्गियां सब हमारी ओर देख रही हों। मुझे डर था कि किसी भी पल मैं एक छोटे बच्चे में बदल जाऊंगी।
किसी तरह हम वापस टाइम्स स्क्वायर पहुँच गए। पर्यटकों की जानी-पहचानी भीड़ को देखकर मुझे इतनी खुशी कभी नहीं हुई थी—अब वे मेरे सामने थे, न कि मेरे नितंबों के बराबर।
सबवे स्टेशन पर, एनाबेथ, ग्रोवर और मैं अलग-अलग रास्तों पर चल दिए। हममें से किसी ने ज़्यादा कुछ नहीं कहा। हम सब उस दोपहर की जवानी, मुर्गियों और डर से बुरी तरह हिल गए थे। हालाँकि, मुझे ज़्यादा चिंता नहीं थी। हम कई बार साथ में एडवेंचर के बाद के सदमे से गुज़र चुके थे, और मुझे पता था कि हम उबर जाएँगे। एनाबेथ डाउनटाउन में SODNYC की ओर चली गई। ग्रोवर LIRR की ओर कैंप हाफ-ब्लड के लिए निकल गया। मैं, पैदल चलकर अपर ईस्ट साइड तक गया

क्योंकि मुझे ताज़ी हवा चाहिए थी। मैं बार-बार अपने हाथों को देखता, याद करता कि वे कितने छोटे थे, और अपनी तलवार का इस्तेमाल न कर पाने पर मैं कितना बेबस महसूस करता था। अंदर से, मैं अब भी आठ साल का बच्चा महसूस कर रहा था और रोने को तैयार था।
उस रात मैंने अपना होमवर्क टाल दिया। मुझे पता है, यह बहुत आश्चर्य की बात है।
मैं आग से बचाव वाली सीढ़ी पर बैठा था, अपने पैर गली के ऊपर लटकाए हुए। घबराहट मेरी रगों में दौड़ रही थी। मुझे हमेशा से थोड़ी घबराहट रहती थी, लेकिन यह उससे भी बदतर थी।
मैंने ऐसे कई मिशन पूरे किए थे जिनमें जोखिम कहीं अधिक था—जहां अगर मैं असफल हो जाता, तो शहर जल उठते, दुनिया तबाह हो जाती, और पैंट का फैशन फिर से लौट आता। यह तो बस किसी देवता का प्याला वापस लाना था। फिर भी, यह उतना ही जोखिम भरा लग रहा था जितना मैंने पहले कभी किया था।
शायद ऐसा इसलिए था क्योंकि मैं ग्रेजुएशन के बेहद करीब थी और उम्मीद थी कि कैलिफोर्निया में एक नई जिंदगी शुरू कर पाऊंगी। बस कुछ ही कदम बाकी थे, लेकिन मेरे पैरों तले ज़मीन खिसकने लगी थी। मुझे भरोसा नहीं था कि दुनिया मेरा भार ज़्यादा देर तक संभाल पाएगी।
“हे,” मेरी माँ ने कहा।
मैंने पीछे मुड़कर देखा तो वह खिड़की से अंदर चढ़ रही थी।
“क्या आपको मदद चाहिए?” मैं उठने लगा।
मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं क्यों चिंतित थी। वह उस खिड़की से सौ बार बाहर निकल चुकी थी, लेकिन आज रात मुझे चिंता हो रही थी—शायद इसलिए क्योंकि मेरा पूरा भविष्य अनिश्चित लग रहा था।
उसने मुझे बैठे रहने का इशारा किया। "मैं ठीक हूँ," उसने कहा। "बस ऐसा लगा कि आपको किसी के साथ की ज़रूरत है।"
वह ईंट की दीवार से पीठ टिकाकर मेरे बगल में बैठ गई। उसके बालों में मौजूद भूरे रंग की लकीरें चांदी की नसों की तरह चमक रही थीं।
अजीब बात है, मेरी माँ से पहले मेरे बाल सफ़ेद हो गए थे, एटलस नाम के एक टाइटन की वजह से, लेकिन उनके बाल उन पर ज़्यादा जँचते थे। वो बूढ़ी नहीं, बल्कि ज़्यादा राजसी लगती थीं। मुझे याद है, बहुत समय पहले, पोसीडॉन ने मेरी माँ की तुलना एक राजकुमारी से की थी... और उनका मतलब संकट में फँसी

राजकुमारी की रूढ़िवादी छवि से नहीं था। उनका मतलब प्राचीन ग्रीस की उन योद्धा राजकुमारियों से था जो किसी को बंदी नहीं बनाती थीं और कांस्य की तलवार चलाना जानती थीं।
मेरी मां में वैसी ही ताकत थी। उनमें इतनी दयालुता भी थी कि उन्होंने मेरी तकलीफ को भांप लिया और मेरे साथ रहने के लिए खिड़की से बाहर निकल आईं। कुछ देर के लिए हम शांत भाव से बैठे रहे और मोहल्ले की रोशन खिड़कियों से शहर के जीवन के दर्जनों दृश्य देखते रहे। एक परिवार खाना बना रहा था, सब हंस रहे थे और एक-दूसरे पर स्पेगेटी के टुकड़े फेंक रहे थे। एक बूढ़ा आदमी कुर्सी पर अकेला बैठा था, उसका चेहरा टीवी स्क्रीन की नीली रोशनी में नहाया हुआ था। दो बच्चे बिस्तर पर कूद रहे थे और एक-दूसरे को तकियों से मार रहे थे।
मुझे न्यूयॉर्क इसलिए पसंद है क्योंकि यहाँ आप सभी जिंदगियों को एक साथ देख सकते हैं, जैसे अलग-अलग वीडियो गेम स्क्रीन का एक अंतहीन जाल आपको 'प्ले' बटन दबाने और एक नई दुनिया में खो जाने के लिए आमंत्रित कर रहा हो। मैंने सोचा कि क्या कभी किसी ने मेरी जिंदगी में झाँकने के बारे में सोचा है।
मैंने पूछा, "मैं बचपन में कैसी थी?"
मेरी माँ ऐसे घबरा गई जैसे यह कोई चालबाज़ी वाला सवाल हो। "तुम क्यों पूछ रहे हो?"
आज मैं आठ साल का हो गया।
आम तौर पर मैं अपनी माँ को अपने अभियानों की सारी बातें नहीं बताती। मैं उन्हें ज़रूरत से ज़्यादा परेशान नहीं करना चाहती। उन्हें पहले से ही पता है कि अर्धदेवता का जीवन कितना खतरनाक होता है। लेकिन आज रात मैंने उन्हें अपनी पूरी दोपहर की डरावनी और अचरज भरी कहानी सुनाई।
“यह तो बहुत ज्यादा है,” उसने कहा। “मुझे ‘जेलस गाय’ हमेशा से पसंद रहा है, लेकिन फिर भी…”
मैंने गले में अटके हुए स्वर में सिर हिलाया।
“तुम इससे उबर गए,” उसने कहा। “तुम हमेशा उबर जाते हो।”
“शायद… लेकिन मेरी सारी तरक्की, उम्र बढ़ने और जीने का तरीका सीखने के वो सारे साल… हेबे ने एक झटके में सब छीन लिया। मैं फिर से एक असहाय छोटा बच्चा बन गया।”

“पर्सी, तुम कई खूबियों वाले इंसान हो। लेकिन बेबस होना उनमें से एक नहीं है।” उसने मेरे कंधे पर हाथ रखा। “जब तुम छोटे थे... जब भी तुम्हें डर लगता था, तुम एक पल के लिए पीछे हट जाते थे, लेकिन फिर तुम सीधे उस चीज़ के पास चले जाते थे जिससे तुम्हें डर लगता था। तुम उसे तब तक घूरते रहते थे जब तक वह डर चला न जाए, या जब तक तुम उसे समझ न जाओ। तुम्हारे बचपन के बारे में सोचकर मुझे ऐसा लगता है...”
"क्या आपके पेट में दर्द हो रहा है?"
वह हंस पड़ी। “इससे मुझे उम्मीद मिलती है। तुम अभी भी आगे बढ़ रहे हो। तुम एक अच्छे नौजवान बन गए हो, और मुझे तुम पर गर्व है।”
मेरे गले में जो गांठ थी, वह कीवी फल के आकार की थी।
मेरी माँ ने आगे कहा, “खुद पर शक करना भी ठीक है। यह बिल्कुल सामान्य बात है।”
"क्या अर्धदेवताओं के लिए भी?"
“खासकर उनके लिए।” उसने मुझे अपनी ओर खींचा और मेरे सिर पर चुंबन किया, ठीक वैसे ही जैसे वह तब किया करती थी जब मैं सचमुच आठ साल का था। “और हाँ, तुम्हें बर्तन भी धोने हैं।”
मैंने मुस्कुराते हुए कहा, "क्या तुम मुझसे काम करवाने के लिए इतनी चापलूसी कर रहे हो?"
“सिर्फ इतना ही नहीं। अब मेरी मदद कीजिए, प्लीज़? बैठना तो आसान है। उठना इतना आसान नहीं है।”
मैंने बर्तन धो दिए। क्योंकि मुझे लगता है कि देवताओं को वही करना पड़ता है जो उन्हें करना होता है।
मैंने पॉल और अपनी माँ को लिविंग रूम में सोफे पर एक-दूसरे से लिपटकर पॉल के जैज़ विनाइल रिकॉर्ड सुनते हुए छोड़ दिया। दोनों ने मुझे धन्यवाद दिया और शुभ रात्रि कहा।
लेकिन मैं जागता रहा। मैंने अपना होमवर्क पूरा किया। किसी तरह मैंने एडवांस अलजेब्रा पढ़ने की हिम्मत जुटाई। मैंने एक निबंध भी लिखा, हालाँकि शब्द मेरी आँखों के सामने तैर रहे थे और उनमें से आधे शायद गलत लिखे गए थे।
उस रात मुझे बहुत दिनों बाद सबसे अच्छी नींद आई।

उसके बाद, मुझे तीन दिनों तक किसी भी अलौकिक हस्तक्षेप का सामना नहीं करना पड़ा।
वाह! क्या विलासिता है!
मैंने अपने असाइनमेंट जैसे-तैसे पूरे किए। मैं हर दोपहर ग्रोवर और एनाबेथ से स्मूदी पीने, फिल्म देखने या सेंट्रल पार्क में टहलने के लिए मिलती थी। सच कहूँ तो, यह बहुत अच्छा था।
गुरुवार को मेरी पहली तैराकी प्रतियोगिता थी और मैंने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन कुछ खास नहीं। मैंने गहरे पानी में कोई ज़बरदस्त लहर तो नहीं पैदा कर दी।
मैं लगभग भूल ही गया था कि वीकेंड आने वाला है, और उसके साथ ही किसानों का बाजार भी लगने वाला है, शुक्रवार को दोपहर के भोजन के समय तक।
एएचएस एक बंद कैंपस है। सभी छात्रों को कैंटीन में एक साथ खाना खाना होता है। बेशक, दोपहर के भोजन के समय कई सीनियर छात्र चुपके से निकल जाते हैं, लेकिन मैं वहीं रुका रहा क्योंकि मैं साल की शुरुआत में ही स्कूल से निकाले जाने का जोखिम नहीं उठाना चाहता था। यह एक छोटा स्कूल है, इसलिए अनुपस्थित छात्रों का पता आसानी से चल जाता है।
मैं अकेला बैठा था, पीनट बटर और केले का सैंडविच खा रहा था (अरे, मैंने इसे खुद बनाया था, मेरी पसंदीदा रेसिपी में से एक), और एक ऐसे आदमी के बारे में एक छोटी सी कहानी पढ़ने की कोशिश कर रहा था जिसे डिब्बे खोलना पसंद था— पता नहीं क्यों। तभी कोई मेरे पास आया और बोला, "ये लो, फिर से भर दो।" गैनीमेड ने एक बड़े कांच के जग से कुछ निकालकर मेरे सोडा के डिब्बे में डाला, जो आधा ही खाली था। उसने यह काम पूरी एकाग्रता और सटीकता से किया, एक बूंद भी नहीं गिराई, हालांकि वह तरल पदार्थ निश्चित रूप से वह नहीं था जो पहले से डिब्बे में था।

“उम, धन्यवाद?” मैंने कहा, जो मूंगफली के मक्खन से भरे मुंह के कारण कहना आसान नहीं था।
“स्वागत है।” गैनीमेड ने औपचारिक रूप से सिर हिलाया, मानो हमने राष्ट्रीय राजदूतों के रूप में उपहारों का आदान-प्रदान किया हो। “मुझे आपके अभियान के बारे में जानकारी चाहिए... लेकिन मैं अभी वापस आता हूँ।”
मुझे अपना सैंडविच खत्म करने का समय मिल गया, जबकि गैनीमेड कैंटीन में घूम-घूम कर बिना अनुमति लिए छात्रों के पेय पदार्थ भर रहा था। कुछ बच्चे उसे अजीब नज़रों से देख रहे थे, लेकिन ज़्यादातर ने ध्यान ही नहीं दिया। यह अजीब था, क्योंकि गैनीमेड ने ग्रीक चिटोन और स्ट्रैप-अप सैंडल पहन रखे थे, और कुछ खास नहीं। शायद धुंध ने इंसानों की नज़रों को धुंधला कर दिया था, या हो सकता है छात्रों ने सोचा हो कि वह नाटक कक्षा के लिए कोई प्रोजेक्ट कर रहा है।
वह मेरी मेज पर वापस आया और मेरे सामने बैठ गया। "तो।"
मैंने पूछा, "आप क्या परोस रहे हैं? आप पूरे छात्र समुदाय को अमर तो नहीं बनाने वाले हैं ना?"
उसने आह भरी। "बिल्कुल नहीं, पर्सी जैक्सन। मैंने तुमसे कहा था, जादू प्याले में है।"
मैंने पूछा, "क्या तुम्हारे घड़े में अमृत नहीं है?" "क्योंकि अगर कोई इंसान इसे पिएगा तो जलकर राख हो जाएगा।"
आपको ऐसा क्यों लगता है कि यह अमृत है?
“अच्छा… यह नीला है और चमक रहा है।”
गैनीमेड ने अपने घड़े को घूरते हुए कहा, “शायद यही है। नहीं, यह तो बस मानक ओलंपियन पेय संख्या पाँच है। यह आपको तरोताज़ा और स्फूर्तिदायक बनाएगा, और इसका स्वाद आपकी इच्छानुसार होगा। इससे न तो कोई अमर हो जाएगा और न ही अचानक जल उठेगा। इसे आज़माकर देखिए।”
मुझे आश्चर्य हुआ कि ओलंपिक के पहले चार नंबर के पेय कहाँ गए। लेकिन गैनीमेड मुझे घूर रहा था, और उसे नाराज़ करने से मुझे सिफारिशी पत्र मिलने में कोई मदद नहीं मिलने वाली थी। मैंने एक घूंट लिया। इसका स्वाद सामान्य नींबू-चूना सोडा जैसा था, जैसा मैं पहले पीता था, लेकिन ज़्यादा तेज़ और ताज़ा। कैफ़ेटेरिया में कोई भी झुलसता या चमकता हुआ नहीं दिख रहा था। “ठीक है, बहुत बढ़िया,” मैंने कहा। “धन्यवाद।”

गैनीमेड ने कंधे उचकाते हुए कहा, "शरीर में पानी की कमी न होने देना ज़रूरी है। अब, मेरे प्याले के बारे में बात करते हैं।"
मैंने उसे सारी बात समझा दी।
जब मेरा काम पूरा हो गया, तो उन्होंने अपनी शान से तराशी हुई भौहें सिकोड़ लीं। मुझे लगा कि वे खुश नहीं थे, मानो वे मेरी सिफारिश के फॉर्म पर 'अत्यधिक संतुष्ट' की जगह 'कुछ हद तक संतुष्ट' का निशान लगा दें।
“और क्या तुम हेबे की बातों पर भरोसा करते हो?” उसने पूछा।
“मैंने कभी नहीं—” मैंने खुद को रोक लिया।
मैं कहने ही वाला था कि मैं कभी किसी भगवान पर भरोसा नहीं करता, लेकिन यह बात किसी भगवान को अच्छी नहीं लगती। "मैं कभी भी सौ प्रतिशत निश्चित नहीं हो सकता, लेकिन मुझे नहीं लगता कि हेबे ने तुम्हारा प्याला लिया है।"
और अगर वह सबको बताने का फैसला कर ले तो?
मैंने कहा, "वो ऐसा नहीं करेगी। कम से कम... तुम्हारे अगले भोज तक तो नहीं। उसने कहा कि वो तुम्हें सभी देवताओं के सामने मुंह के बल गिरते देखना ज़्यादा पसंद करेगी।"
मैंने कुछ नहीं जोड़ा और ज़्यूस द्वारा राख में तब्दील हो गया।
गैनीमेड का माथा उस रंग से गहरा हो गया जिसे मैंने ओलंपियन पेय संख्या दो का रंग समझा। "यह तो हेबे जैसा लगता है। और यह जलता हुआ निशान—"
"किसान मंडी।"
“यह किसान बाजार कल लगेगा।”
"सही।"
"तुम्हारी योजना?"
“आइरिस से बात करो। अपना कप ढूंढो। इंद्रधनुष में मत बदल जाओ।”
उसने सिर हिलाया। “यह तो समझदारी वाली बात है। लेकिन अगर उसके पास प्याला नहीं है तो...”
"इसके बारे में हम कल सोचेंगे।"
वह अपनी सीट पर थोड़ा हिल गया। "मुझे क्षमा करें, मैं बहुत कम ही देवताओं को मिशन पर भेजता हूँ। क्या यह वह हिस्सा है जहाँ मैं असफल होने पर आपकी जान लेने की धमकी देता हूँ?"
“नहीं,” मैंने कहा। “वो बाद में आएगा।”

“हम्म। ठीक है। लेकिन मुझे निराश मत करना, पर्सी जैक्सन। मेरी प्रतिष्ठा और तुम्हारा कॉलेज करियर इसी पर निर्भर करता है!” फिर वह उठा और बाथरोब पहने हुए ही और अधिक दिव्य कूल-एड डालने के लिए चला गया।
मैंने बाकी का दिन जैसे-तैसे निकाल लिया। मुझे मानना पड़ेगा कि मैं तरोताज़ा और ऊर्जावान महसूस कर रहा था। उस रात, खाना खाने के बाद, मैं बिस्तर पर बैठकर एनाबेथ से बातें कर रहा था। वह असल में वहाँ नहीं थी—वह शहर के दूसरी तरफ अपने हॉस्टल के कमरे में थी—लेकिन आइरिस-मैसेज की अत्याधुनिक तकनीक की बदौलत हम संपर्क में रहे।
देवता लोग मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करते क्योंकि इससे राक्षस आकर्षित होते हैं। मुझे आज तक समझ नहीं आया कि ऐसा क्यों है। यह हमारे जीवन का इतना स्वाभाविक हिस्सा है कि मैंने इसे हमेशा स्वीकार किया है, जैसे, ज़ाहिर है, वे करते ही होंगे। किसी देवता को पहचानने का सबसे आसान तरीका है उन्हें मोबाइल फोन देना। अगर उनकी उम्र अठारह साल से कम है और उन्हें पता नहीं कि इसका इस्तेमाल कैसे करना है, तो शायद वे देवता ही हैं। जब राक्षस आकर उन्हें खा जाते हैं, तब आप सौ प्रतिशत निश्चित हो सकते हैं।
फ़ोन की जगह मेरे पास एक टॉर्च, एक ह्यूमिडिफ़ायर और सोने के सिक्कों से भरा एक कटोरा था। पानी की भाप से रोशनी गुजारकर इंद्रधनुष बनाया जाता है। उसमें एक सिक्का डाला जाता है, प्रार्थना की जाती है, और बस—आपके बगल में एक झिलमिलाती हुई होलोग्राफिक एनाबेथ बैठी होती है। उसके पास भी कुछ ऐसा ही इंतज़ाम था, लेकिन हम इस तरह तभी बात कर पाते थे जब उसकी रूममेट बाहर होती थी। एनाबेथ ने उसे बताया था कि ह्यूमिडिफ़ायर एलर्जी के लिए है। उसने यह नहीं बताया था कि उसे फ़ोन से एलर्जी थी।
वह अपने बिस्तर पर एक कोहनी के बल लेटी हुई थी, उसके सामने वास्तुकला की किताबों का ढेर पड़ा था। हमारे बीच पानी की बूंदें आतिशबाजी की तरह चमक रही थीं।
“तो कल,” उसने कहा। “मेरे पास एक योजना है।”
इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है। एनाबेथ के पास हमेशा कोई न कोई योजना होती थी। यह गुण उसे एथेना से मिला था, लेकिन एनाबेथ ने इसे एक नए स्तर पर पहुंचा दिया था। वैसे, मुझे कोई शिकायत नहीं थी। अगर वह योजना बनाने वाली न होती, तो मैं अगले साल क्या करूं, इस बारे में सोचता रहता। शायद मैं अब तक हार मानकर मॉन्स्टर डोनट में नौकरी कर लेता।

मैंने कहा, "चलो सुनते हैं।"
“ठीक है।” उसने अपनी किताब पर अपना खंजर रखकर जगह चिह्नित की। मुझे यह भी नहीं पता था कि उसकी रूममेट उस चाकू के बारे में क्या सोचती है। “मैं सोच रही थी कि अगर कोई हमें आइरिस से मिलवा दे तो शायद यह आसान होगा।”
लेकिन मैं उसे पहले से ही जानती हूँ।
एनाबेथ ने अपनी भौंहें उठाईं। मैं उसका मतलब समझ गई: किसी देवता से पहले मिल चुके होने का मतलब यह नहीं कि वे आपको याद रखेंगे या आपके साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। मैंने देवताओं को यह कहते सुना है कि हम सभी नश्वर प्राणी उनके लिए एक जैसे ही हैं... जैसे सार्डिन मछलियों का झुंड।
मैंने पूछा, "तुम्हारे मन में कौन है?"
उन्होंने कहा, "हमारे पास ज्यादा विकल्प नहीं हैं, लेकिन मैंने आइरिस के बच्चे के बारे में सोचा।"
“बुच मिनेसोटा में अपने घर पर है…” मैंने कैंप हाफ-ब्लड से परिचित सभी अर्धदेवताओं की सूची पर एक नज़र डाली। “और आइरिस के केबिन में इस समय कोई भी स्थायी निवासी नहीं है।”
“नहीं,” एनाबेथ ने सहमति जताते हुए कहा। “लेकिन आइरिस का एक बच्चा यहीं पास में रहता है। सोहो में।”
मेरे पेट में एक अजीब सी बेचैनी होने लगी और गैनीमेड का पाँचवाँ पेय मेरे पैरों में बहने लगा। "तुम मज़ाक कर रहे हो क्या?"
"वह पहले ही बाजार में हमसे मिलने के लिए सहमत हो गई है।"
मुझे आश्चर्य हुआ कि एनाबेथ ने यह सब कैसे कर दिखाया। ज़रूर कुछ एहसानों का वादा किया गया होगा। पैसा, पहला बच्चा, कुछ न कुछ।
“लेकिन…” मैंने एनाबेथ का मन बदलने के लिए हर संभव उपाय खोजने की कोशिश की। “क्या ज़्यादातर अभियानों में तीन लोग ही नहीं होने चाहिए? चौथा व्यक्ति अशुभ नहीं होगा?”
“वह हमारी खोज में शामिल नहीं होगी। वह बस अपनी माँ से हमारा परिचय करवाएगी, और उम्मीद है कि आइरिस को मना लेगी कि जब हम उसे बताएंगे... कि हमें उस पर कप चोर होने का शक है, तो वह हमारे साथ नरमी बरते।”
मैं सिहर उठा। “या फिर वो हालात और बिगाड़ सकती है। तुम्हें याद है पिछली बार अलाव के समय क्या हुआ था?”

एनाबेथ हंस पड़ी। "मुझे तो यह काफी मजेदार लगा। शांत हो जाओ, सीवीड ब्रेन। मैंने सब संभाल लिया है।"
"हम्म।"
“मुझे हम्म मत कहो।” उसने पीछे मुड़कर देखा। “मेरी रूममेट आ रही है। मुझे जाना होगा। लव यू।”
“तुम भी। हालांकि, मुझे तुम्हारी योजना पसंद नहीं है।”
"अपना होमवर्क खत्म करें।"
"हां मैम।"
उसने संतुष्टि से सिर हिलाया और मुझे एक चुंबन भेजा। आइरिस से जुड़ा वह जुड़ाव पानी की कुछ बूंदों की तरह गायब हो गया।
मैंने अपने वीकेंड के होमवर्क के ढेर को देखा और आह भरी। एक और अंग्रेज़ी निबंध लिखना है... इस बार उस आदमी के बारे में जिसे डिब्बे खोलना पसंद था। साथ ही गणित, विज्ञान और इतिहास के दो अध्याय भी। और कल हमें आइरिस और उसकी बेटी का सामना करना है। मैं सोच रही थी कि क्या मॉन्स्टर डोनट में नाइट शिफ्ट के लिए आवेदन करने में बहुत देर हो चुकी है।

ग्रोवर बेहद खुश था।
“ब्लांच आ रही है?” उसने अपने सींगों को ऐसे थपथपाया जैसे यह सुनिश्चित कर रहा हो कि वे टेढ़े तो नहीं हैं। “क्या मैं ठीक दिख रहा हूँ?”
उसने कार्गो शॉर्ट्स और खुरों पर टेनिस शूज़ पहन रखे थे—बस इतना सा भेस कि लोग सोचें कि उस बच्चे को अपने पैर साफ़ करने की ज़रूरत है, न कि वह बच्चा आधा बकरी है। उस दिन उसने हाथ से बुना हुआ हरे रंग का स्वेटर जैसा कुछ पहना था जिस पर छोटे-छोटे पेड़ों के डिज़ाइन बने थे, मुझे पूरा यकीन था कि अप्सराओं ने उसे वृक्षारोपण दिवस के लिए बनाया था।
मैंने कहा, "तुम अच्छे दिख रहे हो।"
“वैसे भी, ग्रोवर,” एनाबेथ ने चिढ़ाते हुए कहा, “यह ब्लैंच है। ऐसा नहीं है कि वह तुम्हारी प्रेमिका है।”
ग्रोवर की एक प्रेमिका थी, जुनिपर, जो ग्रोवर को इतना घबराया हुआ देखकर खुश नहीं होती।
“नहीं, मुझे पता है।” वह शर्म से लाल हो गया, उसकी दाढ़ी के बाल भी लाल हो गए। “बात बस इतनी है कि वह एक बेहतरीन कलाकार है।”
“फिर से यही सब,” मैंने बुदबुदाया।
वह बहुत ही शानदार है!
“क्या हम उसी ब्लैंच के बारे में बात कर रहे हैं?” मैंने पूछा।
“तुम दोनों चुप रहो।” एनाबेथ ने ब्रॉडवे की ओर देखा। “वह आ रही है।”
आइरिस की बेटी ब्लैंच ने रात के रंग का ट्रेंच कोट, जींस और टैक्टिकल बूट्स पहने थे, जो उसके मेकअप से मेल खाते थे और उसकी आंखें काले हीरों की तरह चमक रही थीं। उसके सिर के सारे बाल मुंडे हुए थे, बस एक सफेद-सुनहरे रंग का जूड़ा बना हुआ था। उसके गले में जूते के डिब्बे के आकार का निकॉन कैमरा लटका हुआ था।

"वाह," उसने चारों ओर देखते हुए कहा। "अपटाउन!"
उसने आंखें सिकोड़ीं, मानो उसे अपर वेस्ट साइड बहुत ज्यादा चमकदार, बहुत खुला, बहुत शोरगुल वाला और हर तरह से अतिरंजित लग रहा हो। सोहो में रहने के कारण, शायद उसे इतनी दूर उत्तर आने के लिए अपने पासपोर्ट पर मुहर लगवानी पड़ी होगी।
"फोटो खींचने के लिए बहुत कुछ है!" ग्रोवर ने कहा, और साइड एंगल से फोटो लेने के लिए एक मेलबॉक्स पर थोड़ा सा झुक गई।
ब्लैंच को सड़क के बीच में खड़े बीमार से छोटे पेड़ में ज़्यादा दिलचस्पी थी। "यह मर रहा है। वाह, क्या बात है!" उसने अपने निकॉन कैमरे का लेंस कैप हटाया और फोकस के साथ खेलने लगी।
एनाबेथ और मैंने एक-दूसरे की ओर देखा।
सचमुच? मैंने मन ही मन उससे पूछा।
धैर्य रखो, उसने मेरी ओर देखते हुए कहा।
मैंने सुना था कि ट्रिबेका गैलरी में ब्लैंच की एकल प्रदर्शनी चल रही है।
सूखे पत्तों, सड़े हुए पेड़ों के ठूंठों और सड़क दुर्घटना में मरे जानवरों की उनकी तस्वीरें - सभी ब्लैक एंड व्हाइट में - लगभग एक हजार डॉलर में बिक रही थीं। वह प्रकृति की दुनिया की एंसेल एडम्स थीं। और हमारी पिछली कैंपफायर के बाद, ग्रोवर उनसे इतना प्रभावित हुआ था कि उसने जुनिपर को उपहार के रूप में अपना पोर्ट्रेट बनवाने का फैसला किया था।
आप पूछेंगे कि हमारी पिछली कैंप फायर पार्टी में क्या हुआ था?
भूत-प्रेत की कहानियाँ। यह एक परंपरा थी। सबको आश्चर्यचकित करते हुए, ब्लैंच ने उस रात आखिरी कहानी सुनाने की ज़िम्मेदारी खुद ले ली। साठ-सत्तर शिविरार्थियों के सामने, चेहरे पर टॉर्च की रोशनी डालकर, ब्लैंच ने एक ऐसे अर्धदेव की कहानी शुरू की, जिसकी वर्षों पहले मृत्यु हो गई थी—रोगों के देवता मोर्बस का पुत्र। कहा जाता है कि शिविर में कोई भी उस बच्चे को पसंद नहीं करता था, क्योंकि, खैर, बीमारियों का डर था। अंततः वह किसी भयानक महामारी से मर गया, लेकिन मरने से पहले उसने शिविर पर एक श्राप दिया कि जो भी उसकी कब्र पर चलेगा, उसका रंग उड़ जाएगा, उसे एक दर्दनाक सड़न वाली बीमारी हो जाएगी, और फिर वह पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा। शिविरार्थियों ने श्राप से बचने के लिए उसके शरीर को जला दिया और उसकी राख बिखेर दी।

“लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता,” ब्लैंच ने हमसे कहा था। “क्योंकि जिस जगह उसे जलाया गया था, वही उसकी समाधि थी। और वह समाधि... यहीं पर है!”
फिर उसने अपनी टॉर्च हम पर तान दी। हम चौंककर और अधमरी आँखों से इधर-उधर देखने लगे और महसूस किया कि हमारे सारे रंग फीके पड़ गए थे। पूरी भीड़ पुराने काले-सफेद कार्टूनों की तरह एकरंगी हो गई थी।
वहाँ चीख-पुकार मची हुई थी। रोना-धोना और इधर-उधर भागना चल रहा था। और ये सब तो बस मैं ही था। बाकी कुछ देवता तो बुरी तरह घबरा गए थे, जो तलवारों से लैस बच्चों की भीड़ में होने पर अच्छा नहीं होता।
इसी बीच, ब्लैंच ने हमारी तस्वीरें खींच लीं, उसके निकॉन कैमरे की फ्लैश से स्ट्रोब-लाइट जैसा प्रभाव पैदा हो रहा था जिससे घबराहट और बढ़ गई। आखिरकार, हमारे गतिविधि निदेशक, चिरोन ने स्थिति को संभाला। उन्होंने समझाया कि ब्लैंच ने बस आसपास के सभी रंगों को अपने अंदर समा लिया था—यह एक ऐसी तरकीब थी जो आइरिस के कुछ बच्चे कर सकते थे। यह एकरंगीय प्रभाव कुछ समय बाद खत्म हो जाएगा, और नहीं, हम मरने वाले नहीं हैं। उन्होंने ब्लैंच को घूरकर माफ़ी मांगने को कहा। उसने बस हमें मज़ेदार शाम के लिए धन्यवाद दिया और अंधेरे में चली गई। किसी कारणवश, ग्रोवर की नज़र में वह एक कलात्मक प्रतिभा बन गई।
अब एनाबेथ हमारी मदद के लिए उस पर निर्भर थी।
"आने के लिए धन्यवाद," एनाबेथ ने उससे कहा।
“अरे।” ब्लैंच ने एक और तस्वीर खींची। “तुमने मुझे ऐसा प्रस्ताव दिया जिसे मैं ठुकरा नहीं सकती थी। चलो, प्यारी मम्मी को ढूंढते हैं।”
मैंने एनाबेथ की तरफ देखा, यह सोचते हुए कि उसने ब्लैंच से क्या वादा किया था और क्या उसमें हमारे आंतरिक अंगों को बेचना शामिल था। एनाबेथ ने बस मुस्कुरा दिया। फिर हम ब्लैंच के पीछे-पीछे किसानों के बाजार की भीड़भाड़ में चले गए।
दिन धूप से भरा और सुहावना था, इसलिए भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। खरीदार फलों और सब्जियों के स्टॉलों के बीच घूम रहे थे, और जामुन और आर्टिचोक से भरी टोकरियों में से अपनी पसंद की चीजें चुन रहे थे। पूरे चौक में गरमागरम टमाटर और प्याज की खुशबू फैली हुई थी। विक्रेता दूध, अंडे, पनीर, शहद बेच रहे थे—सब कुछ स्थानीय खेतों से आया हुआ। मैनहट्टन के बीचोंबीच इतनी ताज़ी चीज़ें मिलना एक अजीब सा अनुभव था, लेकिन शायद यही इसकी खासियत थी।

सब्जियों के पास से गुजरते हुए ग्रोवर की नाक फड़क रही थी। मुझे खुशी थी कि वह हेर्मेस का बच्चा नहीं था, क्योंकि मुझे पूरा यकीन था कि वह कुछ शलजम चुराने के लिए ललचा रहा था।
वह ब्लैंच के बगल में धीरे-धीरे चलता रहा, उससे बातचीत शुरू करने की कोशिश करता रहा। कभी-कभी वह अचानक उसकी नज़रों के सामने आ जाता, अलग-अलग नाटकीय अंदाज़ में पोज़ देता, कभी सब्जियों की मेज़ों पर ऐसे लेट जाता जैसे कोई लाउंज सिंगर पियानो पर बैठा हो। ब्लैंच उसे नज़रअंदाज़ करती रही, बस बीच-बीच में रुककर फुटपाथ की दरारों में उग रहे मुरझाते हुए डेंडेलियन या रैगवीड के पौधे की तस्वीर खींचती रही।
“शांत हो जाओ,” एनाबेथ ने मुझसे कहा। “तुम अपने दांत पीस रही हो।”
मैंने कहा, "मैं नहीं हूँ," जबकि मैं पूरी तरह से वही था।
उसने मेरा हाथ पकड़ लिया। “आज का दिन अच्छा बीते। शायद बाद में मैं तुम्हें मेरे लिए दोपहर का खाना खिलाने दूँगी।”
मैंने कहा, "इससे मुझे अच्छा नहीं लग रहा है," जबकि असल में मुझे अच्छा लग रहा था।
जैसे-जैसे हम बाज़ार में आगे बढ़ते गए, दुकानों पर ऐसी चीज़ें मिलने लगीं जिनका खेती-बाड़ी से कोई लेना-देना नहीं था। एक चमड़े का कारीगर हाथ से बने थैले, पर्स और चाकू के म्यान बेच रहा था। (क्या शहर के ऊपरी हिस्से में चाकू के म्यान की अच्छी-खासी मांग है?) एक साबुन बनाने वाला क्रूरता-मुक्त साबुन बेच रहा था, क्योंकि क्रूरता से बने साबुन से नहाना सबसे बुरा होता है। एक अगरबत्ती बनाने वाला जलाने के लिए हज़ार तरह की सुगंधित अगरबत्तियाँ दिखा रहा था।
मुझे समझ आने लगा था कि कोई देवी किसान बाजार में क्यों आना चाहेगी। देवताओं को बलि चढ़ाना पसंद होता है। वे सुगंधों पर वैसे ही जीवित रह सकते हैं जैसे मैं अपनी माँ के सात परतों वाले सूप पर। और यह किसान बाजार सुगंधों का भंडार था।
ब्लैंच अचानक रुक गई। "ठीक है, मेरी माँ वहाँ है।" उसने गलियारे में आगे की ओर इशारा किया, जहाँ एक लिनेन तौलिये बेचने वाला और मैक्रमे के प्लांट हैंगर का डिस्प्ले लगा हुआ था।
और वहाँ आइरिस थी।

वह बिल्कुल वैसी नहीं दिख रही थी जैसी मुझे याद थी। इससे मुझे आश्चर्य नहीं हुआ। देवता तो अपना रूप ऐसे बदल सकते हैं जैसे मनुष्य कपड़े बदलते हैं। आज आइरिस एक गोल-मटोल, दादी जैसी दिखने वाली महिला थी, जिसके लंबे भूरे बाल थे और उसने बैंगनी और सफेद रंग की एक बहने वाली मुमू पोशाक पहनी हुई थी, जिस पर... आइरिस के फूल बने हुए थे।
देवी की उपस्थिति से मेरे रोंगटे खड़े हो गए। मेरी जान बचाने की प्रवृत्ति चीख रही थी, भागो! वह तुम्हें ग्रैनोला देंगी!
उसका स्टॉल हज़ारों क्रिस्टलों से सजा हुआ था—कुछ कढ़ाईदार डोरियों से लटक रहे थे, कुछ कांसे के स्टैंड में जड़े हुए थे, सभी सूरज की रोशनी में चमक रहे थे और बाज़ार में इंद्रधनुषों की छटा बिखेर रहे थे। मैंने कल्पना की कि उन सभी में आइरिस-संदेश छिपे हुए हैं और गलत काम गलत देवताओं को सौंपे जाने पर वे सब आपस में उलझ गए हैं... जो वास्तव में बहुत कुछ स्पष्ट कर देता है। शायद मेरा पूरा करियर आइरिस-संदेशों की एक श्रृंखला ही रहा हो, जिसमें मैंने गलती से गलत नंबर डायल कर दिए हों।
“बस आराम करो,” ब्लैंच ने हमसे कहा। “बात तो मुझे करने दो।”
"जब तक मैं ठीक-ठाक दिखता हूं," ग्रोवर ने मुरझाते जंगली फूल की नकल करते हुए अपना चेहरा सूरज की ओर घुमाते हुए कहा।
ब्लांच ने उसकी ओर कोई ध्यान नहीं दिया। वह हमारे पीछे-पीछे बूथ की ओर चल पड़ी।
जैसे ही हम करीब पहुंचे, आइरिस की आंखें चमक उठीं। "मेरी प्यारी, कितना प्यारा सरप्राइज! और तुम अपने साथ... दोस्त भी लाई हो!"
उसने 'दोस्त' शब्द का उच्चारण ऐसे किया मानो ब्लैंच के साथ इसका प्रयोग पूरी तरह से अतार्किक हो, जैसे कि लॉबस्टर सैंडल।
“वे मेरे ही शिविर में रहने वाले हैं,” ब्लैंच ने कहा। “वे आपसे मिलना चाहते थे।”
आइरिस ने हमें गौर से देखा। उसकी आँखें बहुरंगी थीं, मानो पानी पर तेल तैर रहा हो। मैंने मुस्कुराकर दोस्ताना दिखने की कोशिश की, लेकिन मैं यह नहीं बता सका कि उसने मुझे पहचाना या नहीं।
“कितना बढ़िया,” आइरिस ने बेपरवाही से कहा। अपनी बेटी को देखते हुए उसके होंठों के कोने हल्के से सिकुड़ गए। “और मैं देख रही हूँ कि तुमने अभी भी

पूरे काले कपड़े पहने हैं। क्या तुम्हें वो स्कार्फ पसंद नहीं आया जो मैंने तुम्हें भेजा था?”
“हाँ, यह बहुत बढ़िया था,” ब्लैंच ने कहा। “गुलाबी हमिंगबर्ड्स बिल्कुल मेरे स्टाइल के थे।”
आइरिस थोड़ा सहम गई। “और मुझे नहीं लगता…” उसने कैमरे की ओर इशारा करते हुए कहा। “मुझे नहीं लगता कि आपने रंगीन फिल्म का इस्तेमाल शुरू कर दिया है?”
"काला और सफेद बेहतर है," ब्लैंच ने कहा।
आइरिस मुस्कुराने की कोशिश कर रही थी जबकि उसके पेट में खंजर घोंप दिया गया था। "मैं समझ गई।"
मुझे एनाबेथ की योजना पर शक होने लगा था। ऐसा लग रहा था कि हम किसी माँ- बेटी के झगड़े में फँसने वाले हैं जो हमारी खोज में बिल्कुल भी मददगार नहीं होगा। मैंने कल्पना की कि आइरिस मुझे श्राप दे देगी और मैं बाज़ार से हमेशा के लिए नीले बालों और गुलाबी हमिंगबर्ड से सजी त्वचा के साथ वापस आऊँगी।
“तो खैर,” ब्लैंच ने आगे कहा, “आपने कहा था कि आप मेरी मदद करने में खुशी महसूस करेंगे?”
आइरिस की आँखें चौड़ी हो गईं। "हाँ, बिल्कुल, मेरी प्यारी! एक नई ड्रेस? एक बेहतर कैमरा? उत्तरी रोशनी देखने की यात्रा?"
देवी की आवाज़ में अजीब सी बेचैनी झलक रही थी, मानो वह सबको प्रसन्न करना चाहती हो। मुझे लगा कि ब्लैंच ने एक दिव्य माता-पिता का ध्यान आकर्षित करने का एक अनोखा तरीका खोज लिया है: पूर्ण उदासीनता। आइरिस को अपनी बच्ची को एकरंगी रंगों के प्रति इतना आसक्त देखकर बहुत दुख हुआ।
मैंने सोचा कि क्या यह तरीका मेरे लिए कारगर होगा। अगर मैं सहारा रेगिस्तान में जाकर पानी से नफरत करने का नाटक करूं, तो क्या पोसीडॉन मुझे उपहार भेजना शुरू कर देगा: मछलीघर, स्विमिंग पूल, समुद्री यात्राओं के ब्रोशर...?
नहीं, शायद नहीं।
“मैं चाहती हूँ कि तुम उनकी बातें सुनो,” ब्लैंच ने हमारी ओर अंगूठा दिखाते हुए कहा। “ऐसा लगेगा जैसे वे तुम पर चोरी का आरोप लगा रहे हों।” आइरिस एकदम शांत हो गई। "माफ़ कीजिए?"

“लेकिन उन्हें सिर्फ जानकारी चाहिए। उन्हें परेशान मत करो। उन्हें गाली मत दो। बस... उनकी मदद करने की कोशिश करो, ठीक है? यही एहसान है।”
आइरिस ने हमें और भी ध्यान से देखा। मैंने ऐसा दिखाने की कोशिश की कि मैं बिजली के झटके के लायक नहीं हूँ।
अंत में, देवी ने आह भरी। "बहुत खूब, प्रिय। तुम्हारे लिए।" उनकी आवाज़ में थोड़ी मिठास और थोड़ी विनती का भाव आ गया। "और फिर शायद हम साथ में कुछ कर सकते हैं? वांडाविज़न के सारे एपिसोड एक साथ देखें?"
“बहुत बढ़िया, माँ। मैं आपको संदेश भेज दूँगी।” ब्लैंच हमारी ओर मुड़ी। “तो मैं अब जा रही हूँ। शुभकामनाएँ। और हमारा वादा याद रखना।”
एनाबेथ ने सिर हिलाया। "ग्रोवर वहाँ होगा।"
ग्रोवर चीख उठा। "कहाँ?"
“मेरा स्टूडियो।” ब्लैंच ने उसे अपना बिजनेस कार्ड देते हुए कहा। “अगले हफ्ते। कुछ तस्वीरों की एक श्रृंखला के लिए। मैं तुम्हें कब से बुलाने की कोशिश कर रही हूँ, लेकिन तुम आनाकानी करते हो।”
ग्रोवर का मुंह खुला का खुला रह गया। ब्लैंच बाज़ार से होते हुए आगे बढ़ गई, शायद वह मुरझाए हुए खरपतवारों और मरे हुए चूहों की तलाश में थी ताकि उन्हें अपने कैमरे में कैद कर सके।
“तो फिर,” आइरिस ने हमसे कहा, “चलिए सुनते हैं कि आपको क्या लगता है कि मैंने क्या चुराया है। और मैं आपकी मदद करने की पूरी कोशिश करूंगी... या कम से कम आपको जान से नहीं मारूंगी।”

FOURTEEN

IRIS GIVES ME A STICK

[illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [

किरणों को लेज़र में बदल सकती है और हमें अर्धदेवताओं के टुकड़ों में काट सकती है।
“क्या आपको इस बात का अंदाजा है कि प्याला लाने वाले का काम कितना धन्यवादहीन होता है?” उसने पूछा।
मुझे याद आया कि गैनीमेड मेरे स्कूल की कैंटीन में जुनूनी रूप से घूमता रहता था और लोगों के कप और डिब्बे ओलंपिक पेय संख्या पांच से भरता रहता था।
मैंने स्वीकार किया, "यह मजेदार नहीं लग रहा है।"
नहीं, पर्सी जैक्सन। मज़ा नहीं आएगा।
यह पहला संकेत था जिससे पता चला कि उसे मैं याद था, या कम से कम मेरा नाम तो पता था। हालांकि, इस जानकारी से मुझे ज़रा भी सुरक्षा का एहसास नहीं हुआ। मैंने कहा, "तो, यह प्याला ऐसी चीज नहीं है जिसे आप वापस लेना चाहेंगे। मतलब, गैनीमेड से पंगा लेने के लिए भी नहीं।"
इस बार मैं इसे सवाल की तरह लगने से बचाने में कामयाब रहा। लेकिन आइरिस फिर भी नाराज़ लग रही थी। अचानक किसी हिप्पी दादी का घूरना सबसे डरावना होता है।
“मैं लोगों से ‘बकवास’ नहीं करती,” उसने कहा। “मुझे उस बेचारे युवा देवता के लिए सिर्फ़ सहानुभूति है। ज़्यूस ने उसे सिर्फ़ इसलिए उठा लिया क्योंकि वह आकर्षक था, उसे हमेशा पार्टी की शोभा की तरह इस्तेमाल किया जाता रहा, और ज़्यूस के आलिंगन में उसे हेरा और अन्य देवताओं की घृणा सहनी पड़ी? नहीं। ज़्यूस और उन अन्य देवताओं के हाथों कितने ही युवा लड़के- लड़कियाँ पीड़ित हुए हैं जो बिना किसी डर के मनमानी करते हैं। यह बहुत भयानक है।”
मैंने अपने दोस्तों की तरफ देखा। ज़ाहिर है, हम आइरिस की बात से सहमत थे, लेकिन किसी देवता को इस तरह की बात खुलेआम कहते सुनना हैरानी की बात थी। यह उस तरह की राय थी जिसे ज़्यूस बिजली गिराकर दबा सकता था।
“मुझे लगता है हम सही जगह आए हैं,” एनाबेथ ने कहा। “आप समझदार, दयालु और बुद्धिमान हैं… ये सभी गुण हमें इस कप चोर को ढूंढने के लिए चाहिए। आपकी सलाह इंद्रधनुष की तरह अनमोल है।”
आइरिस मुस्कुराई। "मैं समझ गई तुम क्या कर रही हो। मेरी चापलूसी करने की कोशिश कर रही हो।"
“इंद्रधनुष वाली टिप्पणी कुछ ज़्यादा ही थी?” एनाबेथ ने पूछा।

“हद से ज़्यादा ही।” आइरिस ने उंगलियों को मोड़कर इशारा किया, मानो कह रही हो, “इसे जारी रखो।”
“हमें आपके मार्गदर्शन की आवश्यकता है,” एनाबेथ ने आगे कहा। “आप देवताओं को जानते हैं। आप उन लोगों को जानते हैं जो गैनीमेड से नाराज़ हैं। आपको क्या लगता है कि उसका प्याला किसने लिया?”
आइरिस कुछ पल चुपचाप सोचती रही। देवताओं के लिए यह एक और असामान्य विशेषता थी। आमतौर पर, वे सब कुछ जानते हैं और उसे बोल देते हैं।
“मेरे मन में एक विचार आया है,” उसने कहा। “लेकिन मुझे इस विचार पर पहले विचार करना होगा... चुपके से।”
“बिल्कुल,” ग्रोवर ने कहा, उसके कंधे ढीले पड़ गए। “बहुत बढ़िया! धन्यवाद।” “ओह, यह जानकारी मुफ्त नहीं होगी,” आइरिस ने आगे कहा।
मैंने बड़ी मुश्किल से अपनी प्रतिक्रिया को रोका। बिलकुल नहीं।
“ऐसा इसलिए नहीं कि मैं तुम्हारी मदद नहीं करना चाहती,” आइरिस ने मेरे चेहरे के भावों को समझते हुए कहा। “मुझे पता है कि तुम सोचते हो कि हम देवता, अर्धदेवों को छोटे-मोटे काम देने से खुद को रोक नहीं सकते... और तुम सही हो। जब तुम हमारे दरवाजे पर आते हो, तो हमें अचानक अपनी टू-डू लिस्ट में से दर्जनों काम याद आ जाते हैं जिन्हें हम पूरा करना चाहते हैं। लेकिन बात सिर्फ इतनी ही नहीं है।”
“ज्ञान का मूल्य होता है,” एनाबेथ ने अनुमान लगाया। “जितना अधिक मूल्यवान, उतना ही अधिक उसे अर्जित करना पड़ता है।”
आइरिस मुस्कुराई। "तुम तो एथेना की सच्ची पुत्री की तरह बोल रही हो। और हाँ, इससे तुम्हें कुछ करने को मिल जाएगा, जब तक मैं अपने संदेह की जाँच करती हूँ।"
मैंने यह नहीं बताया कि हमारे पास पहले से ही बहुत काम था। मुझे संदेह था कि देवता, यहाँ तक कि आइरिस जैसे अच्छे देवता भी, यह मानते थे कि अर्धदेवता कहीं किसी कोठरी में निष्क्रिय पड़े रहते हैं और धूल से ढके रहते हैं, जब तक कि हमें किसी मिशन को पूरा करने के लिए ज़रूरत न पड़े।
“चिंता मत करो,” उसने कहा। “मेरी खोज में ज्यादा समय नहीं लगेगा। और गैनीमेड की शर्मिंदगी उजागर होने में अभी भी पंद्रह दिन बाकी हैं।” ग्रोवर चौंक गया। "पंद्रह दिन ही क्यों?"

“उसी दिन ज़्यूस अपना अगला भोज आयोजित करने की योजना बना रहा है।” आइरिस ने हमारे भावहीन चेहरों को देखा, फिर आह भरी। “लेकिन ज़ाहिर है... ज़्यूस ने गैनीमेड को यह बताना तो नहीं भूला, है ना?” वह एनाबेथ की ओर मुड़ी। “यह एपुलम मिनर्वा है—तुम्हारी माँ के सम्मान में मनाया जाने वाला प्राचीन रोमन पर्व। ज़्यूस ने उसके लिए एक भोज आयोजित करने का फैसला किया है, शायद इसलिए कि वह उससे कुछ चाहता है। कोई नया आविष्कार। कोई युद्ध। बिना गुठली वाला जैतून। कौन जाने? अगर भोज की तारीख तक प्याला नहीं मिला, तो सभी देवताओं को पता चल जाएगा कि गैनीमेड ने उसे खो दिया है। ज़्यूस क्रोधित होगा। गैनीमेड... शायद अब हमारे बीच नहीं रहेगा।”
ग्रोवर का निचला होंठ कांपने लगा। फोटो खिंचवाने के बाद उसकी चमक फीकी पड़ गई थी। "आप हमसे क्या करवाना चाहते हैं?"
आइरिस मुस्कुराई। "यही तो जज़्बा है।"
वह मुड़ी और अपनी दुकान के पीछे रखे स्टैंड से क्रिस्टल के लटकन हटाने लगी। जैसे ही उसने हार हटाए, मुझे एहसास हुआ कि वह डिस्प्ले पोस्ट सिर्फ एक खंभा नहीं था। वह झाड़ू के आकार का लकड़ी का डंडा था, जिसके ऊपर किसी प्रकार की आकर्षक धातु की सजावट थी।
आइरिस ने छड़ी उठाई। उसने उसे हमारे बीच मेज पर रख दिया। उसकी आँखें चमक रही थीं, मानो वह पॉन शॉप हाई जिंक्स में यह सुनने का इंतज़ार कर रही हो कि हम इसके बदले उसे क्या देंगे।
एनाबेथ ने गहरी सांस ली। "यही तो तुम्हारा केरीकेयन है!"
“अहा, ठीक है,” मैंने कहा। “एक केरीकेयन।”
मैं अनुमान लगाने वाला था कि यह गलीचा पीटने वाले के लिए ग्रीक शब्द है, लेकिन मैं गलत नहीं होना चाहता था।
एनाबेथ ने आंखें घुमाईं। "यह एक दूत की छड़ी है, पर्सी। बिल्कुल वैसी ही जैसी हर्मेस इस्तेमाल करता है।"
“हाँ…” आइरिस ने उदास भाव से सहमति जताई। “यह भी मेरी एक पुरानी नौकरी थी। मैं देवताओं की दूत थी।”
मैंने उस छड़ी का गौर से अध्ययन किया। हर्मीस के कैडूसियस के विपरीत, उस पर कोई जीवित साँप कुंडली मारकर नहीं लिपटा हुआ था, लेकिन जब मैंने और करीब से देखा, तो मुझे एहसास हुआ कि धातु से बना वह मुकुट सचमुच दो साँपों के आकार का था। उनके छोटे-छोटे सींग थे और वे आठ के आकार में कुंडली मारकर एक-दूसरे

के सामने ऊपर की ओर मुड़े हुए थे। वर्षों से धातु पर जमी गंदगी के कारण कई बारीकियाँ स्पष्ट नहीं दिख रही थीं। लकड़ी भी काफी खराब हालत में थी, उस पर गहरे कालिख के धब्बे और चिकनाई के निशान थे।
मुझे आश्चर्य हुआ कि आइरिस कितने समय पहले संदेशवाहक देवी थीं... शायद हर्मीस के जन्म से भी पहले, जो कि हाँ... काफी समय पहले की बात है। ऐसा लग रहा था कि इस छड़ी का इस्तेमाल तब से केवल डिस्काउंट रैक पर सजावट के तौर पर ही हुआ है।
मुझे यह भी आश्चर्य हुआ कि कोई देवता कितनी बार अपना रूप बदल सकता है। क्या आइरिस एक दिन अचानक पौधों से प्राप्त प्रोटीन की देवी बनने का फैसला कर सकती है? क्या एरेस युद्ध छोड़कर बुनाई का देवता बन सकता है? यह देखने के लिए मैं सचमुच सोने के ड्रैक्मा देने को तैयार हूँ।
“पर्सी?” ग्रोवर ने पूछा, जिससे मुझे पता चल गया कि मैं कहीं खो गया था। "सॉरी क्या?"
“तुमने सुना ना?” उसने पूछा। “आइरिस अभी समझा रही थी कि ऊपरी हिस्सा आकाशीय कांस्य का है और आधार डोडोनन ओक का है।”
“समझ गया।” मुझे पता नहीं था कि डोडोनन ओक क्या होता है, लेकिन यह देखने में बिल्कुल भी साफ-सुथरा नहीं लग रहा था। और सिर पर लगा आभूषण आकाशीय कांस्य से ज़्यादा आकाशीय खुरदरापन जैसा लग रहा था। “तो हमें इसके साथ कोई संदेश पहुँचाना है?”
“ओह, नहीं,” आइरिस ने कहा। “वो दिन तो बहुत पहले बीत गए। लेकिन पुराने ज़माने में, मैं आकाश में उड़ते हुए, एक जगह से दूसरी जगह जाते समय, अपनी छड़ी से अद्भुत इंद्रधनुष बनाती थी। मुझे वो सब बहुत याद आता है…” उसने आह भरी। “मैं चाहती हूँ कि आप छड़ी को अच्छे से साफ़ कर दें। इसे इसकी पुरानी शान लौटा दें। मैं मानती हूँ, मुझे ये काम बहुत पहले कर देना चाहिए था, लेकिन लगता है… खैर, हर्मेस के हाथों वो नौकरी खोने का मुझे बहुत दुख था।” मैंने उसकी पहले कही हुई बातों पर गौर किया... कि जब गैनीमेड की नौकरी चली गई थी तो उसने उसे बुरा नहीं माना था। लेकिन संदेशवाहक की नौकरी छूटने से वह बहुत दुखी थी। इससे मुझे यह सोचने पर मजबूर होना पड़ा कि हम इस मिलनसार इंद्रधनुषी दादी पर कितना भरोसा कर सकते हैं।
मैंने कहा, "मुझे लगता है कि हम सिर्फ विंडेक्स का इस्तेमाल नहीं कर सकते। या कर्मचारियों को ड्राई क्लीनर के पास ले जाएं?"

“ओह, नहीं,” उसने कहा। “इसे केवल एलिसन नदी में ही धोया जा सकता है।” एनाबेथ ने पलकें झपकाईं। "मुझे वह वाला नहीं पता।"
“हाँ,” ग्रोवर ने कहा। वह इस बात से खुश नहीं लग रहा था। “पुराने समय में, एलिसन नदी अपने क्रिस्टल जैसे साफ जादुई पानी के लिए प्रसिद्ध थी। माना जाता था कि यह किसी भी चीज को साफ कर सकती है, चाहे वह कितनी भी प्रदूषित क्यों न हो। और... कुछ जीव इसका फायदा उठाते थे।”
“यह सच है,” आइरिस ने सहमति जताते हुए कहा। “कभी-कभी फ्यूरीज़ वहाँ स्नान करती हैं। एलिसन नदी ही एकमात्र ऐसी चीज़ है जो उन्हें मनुष्यों के बीच आने पर पाताल लोक की दुर्गंध से मुक्त कर सकती है।”
मुझे अपनी पूर्व गणित शिक्षिका श्रीमती डॉड्स, जिन्हें फ्यूरी एलेक्टो के नाम से भी जाना जाता था, की याद करके सिहरन सी दौड़ गई। मुझे यह सोचकर अच्छा नहीं लगा कि वे हमें प्री-अलजेब्रा पढ़ाने से पहले नदी में स्नान करती थीं।
“और भी राक्षस हैं,” ग्रोवर ने छड़ी के सांपनुमा शीर्ष भाग पर नज़र डालते हुए कहा। “जैसे सींग वाले सर्प।”
“जी हाँ, बहुत बढ़िया, युवा सैटायर,” आइरिस ने कहा। “दरअसल, तुम्हें मेरी छड़ी को उसी नदी में शुद्ध करना होगा जहाँ साँप स्नान करते हैं।”
मैंने अनुमान लगाया, "और ये सांप बहुत ही मिलनसार हैं।"
आइरिस हांफते हुए बोली, “ओह, नहीं। वे तुम्हें जान से मारने की कोशिश करेंगे।” हेबे की तरह, वह भी व्यंग्य को समझ नहीं पाती थी। “लेकिन सावधान रहना: तुम्हें सांपों को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए।”
"क्योंकि वे आपके लिए पवित्र हैं?"
बिल्कुल नहीं। हालांकि, मैं चाहता हूं कि यह कार्य क्रूरता-मुक्त हो। आपको नदी पर किसी भी जीव को नुकसान पहुंचाए बिना मेरा कार्य पूरा करने का तरीका खोजना होगा। शुभकामनाएं, देवदेवो! अब मुझे अपने कर्तव्यों पर लौटना होगा। ग्राहकों का एक झुंड आइरिस के स्टॉल पर उमड़ पड़ा और उसके क्रिस्टल देखकर वाह-वाह करने लगा। हमें वहाँ से जाने के लिए कहा गया। मैंने अपनी इंद्रधनुषी छड़ी उठाई, जो आसानी से छोटी नहीं हो सकती थी। बाज़ार में चलते हुए मुझे लगा जैसे मैं कोई साधारण जादूगर हूँ।
“क्रूरता-मुक्त,” एनाबेथ ने बुदबुदाते हुए कहा। “मुझे लगता है कि इसमें अर्धदेवताओं के प्रति क्रूरता शामिल नहीं है।”

“हम इसका हल निकाल लेंगे,” ग्रोवर ने आश्चर्यजनक रूप से फिर से खुश होकर कहा। “मैं हमेशा से एलिसन नदी देखना चाहता था। बस एक ही समस्या है।”
“उन राक्षसों के अलावा जिन्हें हम मार नहीं सकते?” मैंने पूछा।
उन्होंने इस बात को सिरे से खारिज कर दिया। “मेरा मतलब है कि ग्रीस में मौजूद एलिसन नदी अब अस्तित्व में नहीं है। पौराणिक नदी कहीं भी हो सकती है। मैंने सुना है कि नदी के देवता राक्षसों के अपने जल में स्नान करने से इतने तंग आ गए थे कि उन्होंने नदी को छिपा दिया, जिससे उसे ढूंढना लगभग असंभव हो गया है। और आइरिस ने भी हमें यह नहीं बताया कि वह कहाँ है।” मैंने अनुमान लगाया, "मुझे लगता है कि वह कहेगी कि हमें इसे खुद ही ढूंढना होगा। क्योंकि ज्ञान मूल्यवान है, वगैरह-वगैरह।"
एनाबेथ ने मेरी पसलियों में कोहनी मारी। “हमें एक उच्च कोटि की जलपरी की ज़रूरत है जो हमें रास्ता बता सके। वे सभी नेरीड और जलपरियाँ एक-दूसरे को जानती हैं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि हम पूछने के लिए किसी नेरीड को कहाँ ढूँढ़ सकते हैं…” उसने मेरी ओर तीखी नज़र से देखा।
मैंने अपने दांत और भी पीसे। "ठीक है। मैं सोमवार तक इंतजार करूँगी और अपने काउंसलर से पूछूँगी। बस उम्मीद है कि वो मुझे फिर से बाहर न निकाल दे।"

पाठक, उसने मुझे शर्म से लाल कर दिया।
मैंने काउंसलर के कार्यालय जाने के लिए सातवें पीरियड तक इंतजार किया, ताकि अगर वह मुझे फिर से स्कूल से निकाल दे तो मुझे ज्यादा स्कूल मिस न करना पड़े। हालांकि, पहले तो मुझे उम्मीद थी कि यूडोरा और मैं आराम से बातचीत कर पाएंगे।
"स्वागत है, पर्सी जैक्सन!"
मुझे अंदर बुलाते हुए और एक नई नीली प्लास्टिक की कुर्सी की ओर इशारा करते हुए वह मुझे देखकर सचमुच खुश लग रही थी। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या उसने अलमारी में ऐसी कुर्सियों का ढेर लगा रखा है ताकि जब भी वह किसी को फर्श पर गिरा दे तो एक नई कुर्सी उठा सके।
जॉली रैंचर्स के जार के ऊपर से उसने मेरी तरफ मुस्कुराते हुए देखा। उसकी आँखें उसके मोटे चश्मे के पीछे कहीं तैर रही थीं। उसके घुंघराले बाल ऐसे चमक रहे थे मानो उसने अभी-अभी जेलीफ़िश के चिपचिपे पदार्थ से उन्हें परम्ड करवाया हो। "तो! सब कैसा चल रहा है?"
मैंने कहा, "मुझे अपना पहला मिशन मिल गया है। गैनीमेड के लिए।"
वह खुशी से चिल्लाई, “यह तो बहुत बढ़िया है! इसमें वास्तव में क्या शामिल है?”
मैंने उसे सारी जानकारी दी, लेकिन उसकी निगाहें इतनी विचलित करने वाली थीं कि मेरा ध्यान ज़्यादातर बीमार मेंढक की बैंगनी रंग की पेंटिंग पर ही टिका रहा। वह पेंटिंग मुंह में थर्मामीटर लिए मुझे दुखी निगाहों से घूर रही थी और उसने कोई राय नहीं दी।
मैं यूडोरा से एक मदद मांगने ही वाली थी—एलिसन नदी का स्थान—तभी उसने मुझे रोक दिया। “बस एक पल रुकिए। हीबे इसमें शामिल थी। और अब आइरिस। क्या आपने दोहरी क्रेडिट के लिए आवेदन किया है?”
“मैं— क्या?”

"अरे बाप रे! अगर एक से ज़्यादा देवता शामिल हैं, तो आप दोहरी क्रेडिट के लिए आवेदन कर सकते थे। हेबे और आइरिस ने शायद आपके लिए सिफारिशी पत्र भी लिख दिए होते।"
"आपका मतलब है... कि मैं इस एक मिशन से ही तीनों सिफारिशी पत्र प्राप्त कर सकता था?"
यूडोरा ने अपने जॉली रैंचर के जार को थोड़ा सा खिसकाया ताकि वह हमारे बीच एक सुरक्षात्मक घेरा बना ले। "हाँ, ठीक है, लेकिन—"
“क्यों न मैं अभी ड्यूल-क्रेडिट प्रोग्राम के लिए आवेदन कर दूं? मैं हीबे वापस जा सकती हूँ…” मैंने मन ही मन खुद को थप्पड़ मारा। “ठीक है, शायद हीबे नहीं, लेकिन मैं आइरिस वापस जा सकती हूँ—”
"लेकिन आपको ड्यूल क्रेडिट के लिए पहले से आवेदन करना होगा। मुझे खेद है कि अब बहुत देर हो चुकी है।"
मैंने सिक्की फ्रॉग को घूरकर देखा। मेरा मन किया कि उसके चेहरे पर एक मुक्का मार दूं, लेकिन चूंकि वह ईंट की दीवार पर बना हुआ था, इसलिए मैंने सोचा कि इससे मेंढक को चोट लगने से ज्यादा मुझे ही चोट लग सकती है।
मैंने पूछा, "क्या हम कोई अपवाद नहीं कर सकते? मेरा मतलब है, मैंने काम किया है। मैं काम कर रहा हूँ।"
“उम…” यूडोरा ने अपने ब्रोशर खंगाले और न्यू रोम यूनिवर्सिटी का ब्रोशर निकाला। “नहीं… देखा? यहीं पर। इसमें लिखा है कि ड्यूल क्रेडिट के लिए बाद में आवेदन नहीं किया जा सकता।”
“क्या यह एक सामान्य नियम है? मुझे लगा कि ये सिफारिशी पत्र लिखने का काम सिर्फ मुझे ही करना पड़ता है।”
“तुम हो। देखा?”
उसने मुझे ब्रोशर पकड़ा दिया। ड्यूल क्रेडिट के बारे में एक छोटे से पैराग्राफ के नीचे (जो मुझे पूरा यकीन है कि पहले वहां नहीं था), एक तारांकन चिह्न ने मुझे एक और भी छोटे से अस्वीकरण की ओर ले गया जिसमें लिखा था, "यह पर्सी जैक्सन पर लागू होता है।"
“ठीक है, ये तो बहुत गड़बड़ हो गई। मुझे पता ही नहीं था!”
यूडोरा ने आह भरी। "खैर, कम से कम ऐसा लगता है कि खोज अच्छी चल रही है। अब आगे क्या?"
इसके बाद, मैंने सोचा, बस तुम्हारे मेंढक के चेहरे पर एक घूंसा मारना है।

लेकिन मैंने ऐसा नहीं कहा। मैंने खुद को गहरी सांस लेने के लिए मजबूर किया। "अगला कदम," मैंने कहा, "मुझे कुछ मार्गदर्शन चाहिए।"
“ओह!” यूडोरा उत्साह से आगे झुक गई। “यही तो मैं करती हूँ!”
मैंने उसे आइरिस के कर्मचारियों के बारे में बताया, जो फिलहाल मेरे बेडरूम की अलमारी में रखे हुए थे। "मुझे इसे साफ करना है, इसलिए मुझे रिवर एलिसन को ढूंढना होगा।"
यूडोरा मुस्कुराना बंद नहीं कर रही थी। (मुझे यकीन नहीं था कि वह शारीरिक रूप से ऐसा कर सकती है।) लेकिन उसके होंठ ऐसे खिंच गए जैसे कोई उसके बालों को खींच रहा हो। "एलिसन। आह।" उसने अपने ब्रोशर इधर-उधर किए और उन्हें वापस दराज में रख दिया। "पता है, वहाँ साँप नहाते हैं।"
मैंने तो यही सुना है।
“हर तरह के राक्षस। देखने की सलाह नहीं दी जाती।”
लेकिन मेरे पास कोई विकल्प नहीं है। मुझे वह सिफारिश पत्र चाहिए। जैसा कि आपने मुझे बताया था।
वह थोड़ा सहम गई, शायद अपने काम और निजी भावनाओं के बीच फंसी हुई थी। "हाँ, लेकिन... एलिसन बहुत संवेदनशील है। उसे यह पसंद नहीं कि लोग उसके स्वच्छ जल का फायदा उठाएँ।"
“वह? आपका मतलब नदी के देवता से है?”
मैंने अपने जीवन में कुछ नदी देवताओं से मुलाकात की थी। वे चिड़चिड़े और अमित्र स्वभाव के होते थे, और वे अर्धदेवताओं को पुराने टायरों या सिगरेट के टुकड़ों की तरह प्रदूषण का एक और रूप मानते थे।
"अगर उसे पता चल गया कि मैंने तुम्हें रास्ता बताया था," यूडोरा ने लगभग खुद से बुदबुदाते हुए कहा, "तो वह मुझे फिर कभी अपनी योग कक्षा में नहीं आने देगा।"
“उनका योग…? खैर, छोड़ो,” मैंने कहा। “क्या आप कह रहे हैं कि आपको पता है कि मैं उन्हें कहाँ ढूंढ सकता हूँ?”
यूडोरा ने अपनी घड़ी देखी। "स्कूल का दिन लगभग खत्म हो गया है। मुझे लगता है कि अगर आप गलती से एलिसन नदी के उद्गम स्थल पर पहुँच जाएँ, तो इसमें मेरी कोई गलती नहीं होगी।"
मेरी कुर्सी के आसपास की टाइलें फूलने लगीं और उनसे पानी रिसने लगा। “नहीं,” मैंने कहा।

"पर्सी, आपको शुभकामनाएँ!"
और उसने मुझे सीधे फर्श के नीचे धकेल दिया।
मैं ग्रीस या ब्राजील या न जाने कितनी दूर कहीं और पहुँच सकता था। सौभाग्य से मैं योंकर्स में आ पहुँचा—और यह इतिहास में पहली बार है जब सौभाग्यशाली और योंकर्स शब्द एक ही वाक्य में प्रयुक्त हुए हैं।
ठीक है, माफ करना, योंकर्स, यह ठीक नहीं है, लेकिन चलो... स्कूल के तुरंत बाद मैं वहाँ जाना नहीं चाहता था, यह जानते हुए कि मैनहट्टन वापस जाने के लिए मुझे तीस मिनट की अतिरिक्त ट्रेन यात्रा करनी पड़ेगी।
मेरी नीली प्लास्टिक की कुर्सी और मैं नाली के पाइप से उछलकर एक पथरीली ढलान से लुढ़कते हुए एक नाले में जा गिरे। मैं वहाँ एक पल के लिए बैठा रहा, स्तब्ध और चोटिल, ठंडा पानी मेरी पैंट में भीग रहा था। सबसे पहले मेरी नज़र अपनी पलटी हुई कुर्सी के निचले हिस्से पर पड़ी, जहाँ एक धातु की प्लेट पर लिखा था:
यदि मिले, तो कृपया इसे अटलांटिक महासागर में स्थित यूडोरा को लौटा दें। वापसी योग्य जमा राशि: एक स्वर्ण ड्रैक्मा

बहुत खूब। अगर मुझे कॉलेज में दाखिला नहीं मिला या नौकरी नहीं मिली, तो मैं न्यूयॉर्क में इधर-उधर घूमकर नीली प्लास्टिक की कुर्सियाँ ढूँढ सकता हूँ और उन्हें बेचकर ड्रैक्मा (एक तरह का सिक्का) कमा सकता हूँ।
मैं लड़खड़ाते हुए खड़ा हुआ। नदी एक छोटे से कस्बे के व्यावसायिक क्षेत्र के बीचोंबीच से होकर बह रही थी: नीची ईंटों की इमारतें, पुराने कारखाने और गोदाम जिन्हें कॉन्डो या दफ्तरों में बदल दिया गया था। मुझे पता था कि यह योंकर्स है क्योंकि नदी के किनारे लोहे के लैम्पपोस्ट पर अजीबोगरीब उत्सवपूर्ण बैनर लटके हुए थे जिन पर लिखा था योंकर्स!
यह एक ऐसा औद्योगिक क्षेत्र था जो कड़ाके की ठंड में, घने भूरे आसमान और शहर की गंदी बर्फ की चादर के नीचे, और भी खूबसूरत लगता। उबड़-खाबड़। उदास। ऐसी जगह जहाँ या तो इसे स्वीकार करो या घर जाओ।
नदी का किनारा झाड़ियों और भूरे पत्थरों से भरा हुआ था—जिनमें से कई पर अब पर्सी का खून और नाली के पाइप से गिरने के दौरान मेरी त्वचा के नमूने लगे हुए थे। पानी इतना गंदा था कि आप उसे पीने लायक नहीं कह सकते—मटमैला भूरा और झाग से भरा हुआ, जैसे बबल बाथ हो, लेकिन मुझे पूरा यकीन था कि यह बबल बाथ नहीं था।

मैं एक दलदली क्षेत्र के ठीक बगल में उतरा था जिसे सॉ मिल रिवर मस्कराट हैबिटेट के रूप में नामित किया गया था।
मुझे एक भी कस्तूरी चूहा नहीं दिखा। समझदार जानवर होने के नाते, वे शायद मियामी में छुट्टियां मना रहे होंगे।
सॉ मिल रिवर नाम कुछ जाना-पहचाना सा लगा। मुझे बचपन की एक खबर याद आई। मेरी माँ ने मुझे एक लेख पढ़कर सुनाया था कि कैसे पुराने समय में कई शहरी नदियों को पक्का करके भूमिगत जल निकासी नहरों में बदल दिया गया था, और कैसे अब लोग उन्हें फिर से खोलकर प्राकृतिक आवास बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसे क्या कहते थे...? नदी को खुले में लाना।
मेरी नज़र में, सॉ मिल नदी को दिन का उजाला ज़्यादा पसंद नहीं था। तीन ब्लॉक उत्तर में, पानी एक सुरंग से बड़ी धीमी गति से बह रहा था, जो इतनी बड़ी थी कि उसमें से एक ट्रक भी गुज़र सकता था। धारा इतनी धीमी थी मानो वह वापस अंधेरे में छिप जाना चाहती हो।
मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या यूडोरा ने कोई गलती की थी।
ओह, आप एलिसन नदी के बारे में जानना चाहते थे, जहाँ दुनिया का सबसे साफ पानी है? मैंने कल्पना की कि वह ऐसा कह रही होगी। माफ कीजिए, मुझे लगा आपने सॉ मिल नदी के बारे में कहा, जहाँ वेस्टचेस्टर काउंटी का सबसे साफ पानी है! मैं हमेशा इन दोनों में भ्रमित हो जाती हूँ!
या शायद उसने एलिसन के स्थान को सुरक्षित रखने के लिए जानबूझकर मुझे रास्ते से भटका दिया हो। अगर ऐसा है, तो नदी की देवी ज़रूर कोई बहुत बढ़िया योगा क्लास चलाती होंगी।
मैं काई लगी चट्टानों पर फिसलते-पड़ते हुए नदी के बहाव के विपरीत दिशा में आगे बढ़ा। मेरा सिर चारों ओर घूम रहा था, कहीं मुझे राक्षस, योंकर्स पुलिस या गुस्सैल चूहे न दिखें, पर किसी ने मुझे परेशान नहीं किया। सुरंग के लगभग आधे रास्ते में, मुझे प्रवेश द्वार से सड़ी हुई हवा की पहली गंध आई, मानो कोई सोता हुआ दैत्य सड़े हुए मछली के सैंडविच खाकर जी रहा हो। मैं दर्द से कराह उठा और उल्टी करने लगा।
उस गंध से मुझे दुनिया के सबसे स्वच्छ जल स्रोतों की याद नहीं आई।
जब मैं झुकी हुई थी और उल्टी न होने की प्रार्थना कर रही थी, तभी मेरे पैर के पास से कुछ तैरता हुआ गुजरा। पहले तो मुझे लगा कि यह फटा हुआ किराने का थैला है: दूधिया पारदर्शी प्लास्टिक का एक छोटा सा टुकड़ा। फिर मैंने

झिल्ली पर मधुमक्खी के छत्ते जैसी आकृति देखी। जैसे शल्क हों। जैसे किसी सांप की केंचुली हो।
इससे मेरी मतली में बहुत आराम मिला।
ठीक है... आइरिस ने हमें बताया था कि एलिसन नदी में सांप नहाते हैं। शायद यहाँ का पानी इतना साफ नहीं था क्योंकि मैं भयानक नाले के पानी से भरे रास्ते से गुज़र रहा था। या फिर हो सकता है कि सांप की खाल किसी सामान्य सांप की हो, क्योंकि प्रकृति का नियम यही है।
मैंने कुछ और कदम बढ़ाए।
जब मैंने दोबारा नीचे देखा, तो पानी में कुछ और दिखाई दिया। काई के ढेर में फंसी हुई एक मुड़ी हुई, काली, नुकीली चीज़ थी, जो मेरी तर्जनी उंगली के आकार की थी। किसी आवेग ने—शायद मृत्यु की इच्छा ने—मुझे उसे उठाने पर मजबूर कर दिया। टूटा हुआ पंजा धूप में चमक रहा था। मैंने इस तरह के पंजे पहले भी अपनी छठी कक्षा की गणित शिक्षिका, जिन्हें फ्यूरी एलेक्टो के नाम से जाना जाता था, की उंगलियों पर देखे थे।
मैंने अंधेरी सुरंग में झाँकते हुए देखा। वहाँ जो भी बुलबुले वाले पानी में नहा रहा हो, मैं उससे अकेले नहीं मिलना चाहता था। साथ ही, मेरे पास आइरिस की छड़ी भी नहीं थी।
दुर्भाग्यवश, इसका मतलब यह था कि मुझे मदद लेकर वापस आना होगा और एनाबेथ और ग्रोवर को सॉ मिल रिवर फ्यूरी के आवास के चमत्कारों से परिचित कराना होगा। मैंने अपने मार्गदर्शक सलाहकार, सिकी फ्रॉग, और एक अर्धदेवता के जीवन को कोसना शुरू कर दिया। फिर मैं निकटतम रेलवे स्टेशन की तलाश में चल पड़ा।

अगली दोपहर, मैं अतिरिक्त सैनिकों के साथ वापस आया।
जब मैंने एनाबेथ और ग्रोवर को बताया कि हम कहाँ जा रहे हैं, तो उन्होंने मुझे अजीब नज़रों से देखा, लेकिन कोई सवाल नहीं पूछा। योंकर्स का डाउनटाउन इलाका हमारी अजीबोगरीब आदतों की सामान्य सीमा के भीतर ही था।
मुझे नहीं पता कि मेट्रो ट्रेन में आइरिस की छड़ी लेकर चलने पर बाकी यात्रियों ने क्या सोचा होगा। शायद उन्होंने सोचा होगा कि मैं कोई चरवाहा हूँ जो अपने चरागाहों की ओर जा रहा है। ग्रोवर, अपनी आदत के अनुसार, अपने साथ नाश्ते से भरा एक बैग और अपनी बांसुरी लाया था। क्योंकि क्या पता कब खट्टा क्रीम और जलपीनो वाले कॉर्न स्क्विगल्स खाते हुए नाचने का मन कर जाए। एनाबेथ ने कुछ काम की चीजें पैक की थीं, जैसे उसका चाकू, टॉर्च और एक थर्मस जिसमें कुछ ऐसा था जो मुझे उम्मीद थी कि नदी के पानी से ज्यादा पीने लायक होगा।
चार बजते-बजते हम नाले के किनारे खड़े होकर सुरंग के मुहाने में झाँक रहे थे।
ग्रोवर ने हवा को सूंघा। "क्या यह दुनिया की सबसे स्वच्छ नदी है?"
मैंने कहा, "यह तब का है जब फ्यूरीज़ और सांपों ने इसमें स्नान किया था।" “और कौन जाने क्या-क्या हो सकता है,” एनाबेथ ने आगे कहा।
ग्रोवर ने अपना जूता भूरे पानी में डुबोया। "मुझे लगता है कि हम कर्मचारियों को इस कीचड़ में यूं ही नहीं घुमा सकते और काम खत्म नहीं कर सकते।"
मेरे मन में भी यही विचार आया था, लेकिन मुझे खुशी है कि ग्रोवर ने यह बात मुझसे कहने के बजाय कह दी।

“हमें अंदर जाना होगा,” एनाबेथ ने टॉर्च बाँटते हुए कहा। “उम्मीद है नदी के ऊपर पानी साफ होगा। चलो किनारे से सटकर चलते हैं और पानी में पैर रखने से बचने की कोशिश करते हैं।”
वह सलाह मुझे भी समझदारी भरी लगी। लेकिन पानी से दूर रहना मुश्किल साबित हुआ।
जैसे ही हम सुरंग में आगे बढ़े, किनारे संकरे और फिसलन भरे हो गए। पानी में लोटपोट होना मेरे लिए नामुमकिन सा हो गया। मेरे जूतों से धुआँ नहीं निकला और मेरी पैंट में आग भी नहीं लगी, इसलिए मैंने अंदाज़ा लगाया कि पानी इतना ज़हरीला नहीं था। फिर भी, मैंने गर्म पानी से नहाने को अपनी टू-डू लिस्ट में जोड़ लिया, बशर्ते मैं उस शाम तक घर पहुँच जाऊँ।
लगभग सौ गज आगे जाकर एनाबेथ रुक गई। उसने कहा, "देखो तो ज़रा।"
उसने अपनी टॉर्च की रोशनी सुरंग की छत पर घुमाई, जो इतनी मोटी काई और लाइकेन से ढकी हुई थी कि यह बताना मुश्किल था कि नीचे कृत्रिम डामर है या प्राकृतिक चट्टान। जहाँ भी एनाबेथ की रोशनी पड़ी, वहाँ नीले-हरे रंग की एक लकीर बन गई।
“वाह!” मैंने टॉर्च की रोशनी से दीवार पर एक चमकता हुआ स्माइली चेहरा बनाया।
“तुम्हारी उम्र कितनी है?” एनाबेथ ने पूछा।
"पिछले हफ्ते ही आठ।"
इससे उसके चेहरे पर मुस्कान आ गई। मुझे उसे तब हंसाना बहुत अच्छा लगता था जब वह मुस्कुराने की कोशिश नहीं कर रही होती थी। यह हमेशा एक जीत जैसा लगता था।
हमने कुछ मिनट प्रकाश से भित्तिचित्र बनाने में बिताए। ग्रोवर ने 'पैन 4 एवर' लिखा। मैंने 'एसी+पीजे' लिखा। एनाबेथ ने संकेंद्रित चाप बनाते हुए नीले और हरे रंग का इंद्रधनुष बना दिया। काई काफी देर तक चमकती रही, जिससे सुरंग ठंडी फ़िरोज़ी रोशनी से भर गई।
आगे बढ़ते ही, नहर एक विशाल स्थान में विलीन हो गई। धारा की आवाज़ तेज़ और भारी होती गई। हम एक ऐसी विशाल गुफा में प्रवेश कर गए जो किसी दूसरी दुनिया जैसी प्रतीत हुई।
चमकते स्टैलेक्टाइट्स से ढकी एक गिरजाघर जैसी ऊंची छत के नीचे, नदी पीले घास के लहराते मैदानों के बीच से उत्तर की ओर बहती थी। राख जैसे रंग के

पेड़ बिखरे हुए थे, पत्तों से रहित और बौने, उनकी शाखाएँ गठिया से ग्रस्त उंगलियों की तरह मुड़ी हुई थीं। यह दृश्य मुझे हेड्स के राज्य में एस्फोडेल के मैदानों की याद दिलाता था—और यह तथ्य कि मैं यह तुलना उसी तरह कर सकता हूँ जैसे आप कह सकते हैं, "ओह, हाँ, यह मिडटाउन जैसा दिखता है", मेरे यात्रा इतिहास के बारे में एक बहुत ही दुखद बात है।
जगह-जगह ग्रेनाइट की चट्टानें घास में छोटे-छोटे द्वीप बना रही थीं, लेकिन मुख्य आकर्षण तो नदी ही थी। यह गुफा से होकर धीरे-धीरे बहती हुई बड़े-बड़े मोड़ बनाती जा रही थी, मानो उसे उजाले तक पहुँचने की कोई जल्दी न हो। इसके किनारों पर सरकंडों के घने झुंड थे। नीली काई की रोशनी में धारा हल्की चमक रही थी। यहाँ पानी वाकई साफ दिख रहा था। सड़ी हुई बदबू गायब हो गई थी। लेकिन नदी से लगभग बीस गज ऊपर एक छोटे से तालाब में, दर्जनों फिसलन भरे, चिकने, चाबुक जैसे जीव उथले पानी में लोट-पोट हो रहे थे और मरोड़ रहे थे, जिन्हें देखकर मेरा मन फिर कभी स्पेगेटी खाने का नहीं करेगा।
“घिनौना,” एनाबेथ ने बुदबुदाया।
“अरे, अब अपने स्तनधारी जीवों के प्रति पूर्वाग्रहों को दूर करो,” ग्रोवर ने फुसफुसाते हुए कहा। “सरीसृप भी इंसान ही होते हैं।”
मैंने कहा, "ज़हर के साथ। और निर्मम रक्त के साथ। और एक भयानक काटने के साथ। और... ठीक है, शायद यह मनुष्यों का भी वर्णन करता है।"
ग्रोवर ने सिर हिलाया। धन्यवाद।
“बत्तियां बंद करो,” एनाबेथ ने फुसफुसाते हुए कहा।
हमने अपनी टॉर्च बंद कर दीं, हालांकि ऐसा लग रहा था कि सांपों ने अभी तक हमें देखा नहीं था। वे उछल-कूद करने और अपनी खाल को तेजी से साफ करने में व्यस्त थे।
मैंने क्षितिज पर नजर दौड़ाई। "क्या तुम्हें लगता है कि हम चुपके से उनके आसपास से निकलकर नदी के ऊपरी हिस्से की ओर जा सकते हैं?"
ग्रोवर ने हवा को सूंघा। “इस पूरे इलाके से राक्षसों की गंध आ रही है। मुझे नहीं पता कि आस-पास सांपों के अलावा और भी कुछ है या नहीं। उस लंबी घास में कुछ भी छिप सकता है।”
“हम भी इसमें शामिल हैं,” एनाबेथ ने कहा। “अगर हम सांपों से लड़ नहीं सकते, तो उनके आसपास छिपकर निकलना ही हमारा सबसे अच्छा विकल्प लगता है।”

“ठीक है,” ग्रोवर मान गया। “लेकिन मुझे पहले जाने दो। शायद मैं खेतों के बीच से कोई सुरक्षित रास्ता ढूंढ सकूँ।”
ग्रोवर का खतरनाक इलाके में सबसे पहले जाने की पहल करना बहुत कम होता था। मैं उससे इतना प्रभावित था कि बहस करने का कोई सवाल ही नहीं उठता था। देखो मेरे पुराने दोस्त को... कैसे कमान संभाले हुए है और मैदान में डंडे मार रहा है। कभी-कभी मैं भूल जाता था कि वह अब कोई डरा हुआ छोटा सैटायर रक्षक नहीं, बल्कि क्लोवन काउंसिल का एक अनुभवी बुजुर्ग है। लगता है हम दोनों काफी बड़े हो गए थे।
कम से कम यहाँ तो ग्रोवर अपने माहौल में था, यह मानते हुए कि यह डरावनी गुफा अभी भी प्रकृति का हिस्सा है।
हम गर्दन तक ऊंची, आरी की धार जैसी नुकीली घास में से होकर गुजरे। ग्रोवर ने हमें घनी घास के बीच से रास्ता दिखाया, लेकिन जब भी पीले रंग की कोई पतली घास मेरे हाथ में लगती, मैं दर्द से कराह उठता। स्थिति और भी खराब तब हो गई जब हम मैदान में चल रहे थे और वह बबल रैप की तरह चटक रहा था। मुझे लगा कि झाड़ियों में छिपे किसी भी राक्षस को हमारी आवाज सुनाई दे सकती है। आखिरकार, हम चट्टानों के एक द्वीप पर पहुँच गए। ग्रोवर बकरियों जैसे लंबे पैरों वाले किसी व्यक्ति की तरह तेज़ी से ऊपर चढ़ गया, फिर नदी की ओर देखा। "यह अच्छा नहीं है।"
मैंने पूछा, “क्या?”
उन्होंने हमें उठने में मदद की।
शिखर से, मुझे नदी का पूरा प्रवाह हमारे सामने फैला हुआ दिखाई दे रहा था। एलिसन नदी उत्तरी दीवार की एक दरार से गुफा में गिरती थी, फिर चट्टानी किनारों की एक श्रृंखला से नीचे बहती हुई चौड़ी होकर मैदानों में टेढ़े- मेढ़े रास्तों से बहने लगती थी। जहाँ भी आप नदी के किनारे तक पहुँच सकते थे, हर उथले तालाब या तैराकी स्थल में जहाँ आप अपने गंदे केरीकेयन को धोना चाहते थे, पानी साँपों से भरा हुआ था। सैकड़ों साँप।
"कम से कम मुझे तो कोई फ्यूरी नज़र नहीं आ रही," ग्रोवर ने कहा।
“हां,” मैंने कहा। “लेकिन इस हफ्ते मेनू से स्पेगेटी बिल्कुल भी नहीं हटेगी।”
“क्या?” ग्रोवर की आवाज़ में नाराज़गी झलक रही थी। उसे तो स्पेगेटी बहुत पसंद है।

मैंने कहा, "कुछ नहीं।"
एनाबेथ ने नदी का जायजा लिया। “वहाँ कैसा है?” उसने गुफा के उत्तरी छोर की ओर इशारा किया, जहाँ नदी ग्रेनाइट के ढेरों के बीच से एक गहरी खाई बना रही थी। “वहीं पानी सबसे साफ होगा। साँपों के लिए वहाँ पहुँचना मुश्किल होगा। शायद धारा उनके लिए बहुत खतरनाक होगी।”
"लेकिन पोसीडॉन के बच्चे के लिए नहीं?" मैंने पूछा।
उसने कंधे उचकाते हुए कहा, "कोशिश करने में क्या हर्ज है।"
लेकिन बिना पकड़े गए हम वहां तक पहुंच ही नहीं सकते। और अगर सांप हमारा पीछा करने लगें तो... आपको क्या लगता है वे कितनी तेज़ी से भाग सकते हैं? ग्रोवर कांप उठा। "इस घास के बीच से? हमसे कहीं ज्यादा तेज।"
"काश हमारे पास ल्यूक के उड़ने वाले जूते होते," एनाबेथ ने कहा।
ग्रोवर थोड़ा सहम गया। "अभी बहुत जल्दी है।"
पांच साल पहले, उन शापित जूतों की वजह से ग्रोवर लगभग नरक में पहुँच ही गया था। ऐसे आघात से गहरा घाव हो जाता है। लेकिन मुझे सबसे ज़्यादा हैरानी इस बात पर हुई कि एनाबेथ ने हमारे पुराने दोस्त से दुश्मन बने ल्यूक कैस्टेलन का ज़िक्र किया। मैनहट्टन की लड़ाई के बाद से उसने लगभग कभी उसका नाम नहीं लिया था। अब उसका ज़िक्र करना किसी अपशगुन जैसा लग रहा था।
ग्रोवर ने कहा, "मेरे पास एक विचार है। यह भयानक है, लेकिन शायद काम कर जाए।"
मैंने कहा, "मुझे यह अभी से ही बहुत पसंद आ रहा है।"
उसने अपनी बांसुरी निकाली। “तुम लोग चट्टानों की तरफ बढ़ो। मैं यहीं से नज़र रखूंगा। अगर तुम पहुँच गए तो बहुत बढ़िया। लेकिन अगर सांप तुम्हारी तरफ आने लगें, तो मुझे घास में से उनके रेंगने का पता चल जाएगा। तब मैं अपनी बांसुरी से उनका ध्यान भटकाऊंगा। मुझे सांपों के कुछ बढ़िया गाने आते हैं।”
ग्रोवर की एक और प्रतिभा जिसके बारे में मुझे पता नहीं था: सांपों का मनोरंजन करने की क्षमता।
“जैसे ही आप खेलना शुरू करेंगे, वे आपके पीछे पड़ जाएंगे,” एनाबेथ ने कहा। “और मुझे लगता है कि यही सबसे भयानक बात है।”
मैंने अनुमान लगाया, "यह हीबे जीबिज के मुर्गों से भी बदतर होगा।"

“हाँ, मुझे यह पसंद नहीं है,” उसने स्वीकार किया। “लेकिन जैसा कि एनाबेथ ने पहले कहा था, मैं सबसे तेज़ दौड़ सकता हूँ। शायद मैं आपको कुछ समय दे सकूँ। अगर आपको पाइपों की आवाज़ सुनाई दे, तो समझ लेना कि समय कम है, और आपके लिए जल्दी करना अच्छा होगा। आइरिस की छड़ी धुलवा लो। मैं तुमसे निकास द्वार पर मिलूँगा।”
एनाबेथ और मैंने एक-दूसरे को देखा। हम दोनों ने अकेले ही कई खतरनाक मिशन पूरे किए थे, लेकिन अपने सुपर-बकरी प्रकृति मार्गदर्शक के बिना हम इतनी चुपके से आगे नहीं बढ़ सकते थे। मुझे ग्रोवर को दूसरी बार अपना मोहरा बनाने का विचार भी पसंद नहीं था।
दूसरी ओर, ग्रोवर अपने साहसी व्यंग्यपूर्ण कारनामों में माहिर था। मैं नहीं चाहता था कि उसे लगे कि मुझे उस पर शक है।
“ठीक है,” मैंने कहा। “सुरक्षित रहना।” यह ग्रोवर को लॉटरी जीतने के लिए कहने जैसा था, क्योंकि हम सभी को इसके जीतने की संभावना का अंदाजा था। एनाबेथ ने उसे गले लगाया। "उम्मीद है कि बात सांपों के गीतों तक नहीं पहुंचेगी।"
वह चट्टानों से नीचे उतरी और घास में से होकर गुजरी। मैं उसके पीछे-पीछे गया, क्योंकि मैं ही वह आदमी था जिसके पास मैली-कुचैली संदेशवाहक की लाठी थी।
कुछ ही गज की दूरी पर घास हमारे सिर से ऊपर थी। नुकीले सरकंडे मेरे कपड़ों को फाड़ रहे थे। हर बार जब हम हिलते, तो सरकंडे की डंडियाँ हिलती और सरसराती थीं। अगर हमने "मुफ्त साँप का खाना" लिखे चमकते हुए बैनर पकड़े होते, तो शायद हम ज़्यादा लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच पाते, लेकिन ज़्यादा नहीं।
हमने झरने की आवाज़ का सहारा लेकर उत्तर दिशा का रास्ता तय किया। मैंने अपनी नज़रें ज़मीन पर टिकाए रखीं, हर कदम को यथासंभव सावधानी और खामोशी से उठाने की कोशिश की। हम इतनी धीमी गति से चल रहे थे कि मैं अधीरता से चूर हो रही थी। ऊपर से ये डर भी सता रहा था कि कहीं घास में से सांप निकलकर मेरे टखनों में अपने दांत गड़ा न दें।
मुझे वो समय याद आ गया जब कैलिफोर्निया के एक ऐसे ही घास के मैदान में बेसिलिस्क ने मेरे दोस्तों फ्रैंक और हेज़ल और मेरा पीछा किया था। सोचकर

देखें तो, मैंने अपनी जिंदगी का बहुत सारा समय इन जानलेवा सरीसृपों के साथ लुका-छिपी खेलने में ही बिता दिया था।
नदी तक पहुँचने में हमें लगभग बारह साल लग गए। वैसे भी, हीबे जीबिज में हुए अनुभव के बाद से, मुझे समय का अपना बोध होना बंद हो गया था।
आखिरकार, हम झरने के तल के पास घास से बाहर निकले। हम कई बड़े-बड़े पत्थरों पर चढ़े और एक फिसलन भरी चट्टान पर खड़े हो गए, जहाँ से बीस फीट नीचे एक विशाल तालाब दिखाई दे रहा था। पानी शीशे की तरह साफ था, उसमें सांप नहीं थे, और ऐसा लग रहा था मानो उसमें छलांग लगाने का मन कर रहा हो। लेकिन एक तरफ खड़ी चट्टानें थीं, और बाहर निकलने का कोई स्पष्ट रास्ता नहीं था, सिवाय इसके कि मैं सर्प स्प्लैश टाउन से होते हुए नदी के तेज बहाव में बह जाऊं। "तुम स्टाफ के साथ काम शुरू कर सकती हो," एनाबेथ ने सुझाव दिया।
“ज़रूर,” मैंने कहा। “समस्या तो काम खत्म होने के बाद वापस ऊपर चढ़ने की होगी।”
एनाबेथ ने अपने बैग से एक रस्सी निकाली और मुस्कुराई।
“तुम तो हर चीज़ का ध्यान रखते हो,” मैंने खुश होने की कोशिश करते हुए कहा। वो पूल कुछ ज़्यादा ही लुभावना लग रहा था... और मुझे आइरिस की बात याद आ गई, जिसने एक क्रोधित नदी देवता का ज़िक्र किया था, जो बाद में मेरे लिए मुसीबत खड़ी कर सकता था। “शायद हमें पहले थोड़ी योजना बना लेनी चाहिए। योजना बनाना तो तुम्हारी खासियत है ना?”
तभी मुझे संगीत सुनाई दिया—दूर से आती बांसुरी की जानी-पहचानी मधुर ध्वनि। यह वही गाना था जिसे मैंने अपनी माँ के एलपी संग्रह में सुना था: ड्यूरान ड्यूरान का "यूनियन ऑफ द स्नेक"। घड़ी चलने लगी थी। ग्रोवर मुसीबत में था।
“समय समाप्त हो गया,” एनाबेथ ने मुझसे कहा। “शुभ यात्रा।”
और उसने मुझे किनारे से धक्का दे दिया।

ऐसा कोई ढूंढो जो तुमसे वैसे ही प्यार करे जैसे मेरी प्रेमिका मुझे चट्टान से नीचे धकेल देती है।
बिना किसी झिझक के। अपनी क्षमताओं पर पूर्ण विश्वास के साथ, इस अटल विश्वास के साथ कि आपका रिश्ता इसे संभाल लेगा, और इस पूर्ण भरोसे के साथ कि जब आप पानी से बाहर निकलेंगे, यदि आप बच जाते हैं, तो आप उन्हें धक्का देने के लिए पूरी तरह से माफ कर देंगे। लगभग निश्चित रूप से माफ कर देंगे। शायद।
अगर आपको कोई ऐसा व्यक्ति मिल जाए जिसमें इतनी हिम्मत हो कि वह ऐसा करते समय "बोन वॉयज" कह दे, तो आपको बोनस पॉइंट्स मिलेंगे।
किसी तरह, मैंने आइरिस की छड़ी को थामे रखा और पूल में कूद गया। पानी बर्फीली हवा की तरह लगा, मेरी नसों में खून जम गया और उंगलियां-पैर की उंगलियां सिकुड़ गईं। मैं पानी के अंदर सांस तो ले पा रहा था, लेकिन फेफड़ों में ठंडक ऐसी लग रही थी जैसे सीने में जलन हो रही हो। क्या सीने में ठंड लगना भी कोई बीमारी है?
जैसे ही बुलबुलों का बादल छँटा, मैंने खुद को अब तक देखे सबसे साफ़ फ़िरोज़ी पानी में तैरते हुए पाया। सतह से छनकर आती रोशनी से घाटी की दीवारों पर नीले रंग की झिलमिलाती मछली के शल्कों जैसी आकृतियाँ बन रही थीं, मानो वे जीवित कवच से ढकी हों।
मुझे ऐसा लग रहा था मानो मैं अकेला हूँ। न सींग वाले सर्प थे, न ही जलपरियों की तरह मजे कर रही कोई देवियाँ। हालाँकि, मेरे चारों ओर घास, धूल और पसीने का एक बादल सा मंडराने लगा था। ऐसा लग रहा था मानो कर्मचारी सिगरेट पी रहे हों, सदियों से जमी धूल धीरे-धीरे हट रही हो।
एक तरफ: वाह, पानी साफ हो रहा था! दूसरी तरफ, मुझे इस निर्मल जल को प्रदूषित करने का बहुत बुरा लग रहा था।
फिर एक आवाज आई, "हे भगवान, ऐसा मत करो।"

मेरे सामने तैरता हुआ वह जीव नीलम नीले रंग का था, जिसकी वजह से वह पानी में लगभग अदृश्य था। वह इतनी नज़दीक था कि मैं मुश्किल से ही उसे देख पा रही थी। (लेकिन मैं पानी के अंदर थूकती नहीं हूँ, क्योंकि यह असभ्य व्यवहार है।)
उसने टैंक टॉप और ढीली पैंट पहनी हुई थी और उसके बालों का जूड़ा इतिहास के सबसे शानदार जूड़े जैसा था। मुझे लगा कि वह योग प्रशिक्षक हो सकता है, सिवाय इसके कि उसमें वह शांत, ध्यानमग्न ऊर्जा नहीं थी। अपने गुस्से से भरे दाढ़ी वाले मुंह और गहरी, क्रोधित आँखों के साथ, वह मुझे सीधे चेहरे पर सूर्य नमस्कार करने के लिए तैयार लग रहा था।
मैंने कहा, "नमस्ते। आप नदी के देवता एलिसन होंगे।"
“दरअसल, मैं आपका पूल अटेंडेंट हूँ। क्या आपको तौलिया चाहिए या बीच अम्ब्रेला?”
"वास्तव में?"
“नहीं, तुम मूर्ख! बेशक मैं एलिसन हूँ, इस नदी का शक्तिशाली पोटामस!”
मैं इतने सारे नदी देवताओं से मिल चुका था कि जब वे पोटामस शब्द का इस्तेमाल करते थे तो मैं आमतौर पर खुद को मुस्कुराने से रोक लेता था, लेकिन फिर भी दरियाई घोड़ों के बारे में न सोचना मुश्किल था।
मैंने कहा, "आपके क्षेत्र में दखल देने के लिए क्षमा करें। मैं पर्सी जैक्सन हूँ। पोसीडॉन का पुत्र?"
मैंने अंत में प्रश्नचिह्न इसलिए लगाया है क्योंकि कभी-कभी मेरे पिताजी का नाम दरवाजे खोल देता है—आमतौर पर पानी से भरे दरवाजे।
एलिसन की आँखें चौड़ी हो गईं। "ओह..." उसने अपनी मजबूत नीली भुजाओं को ऐसे मोड़ा जैसे कोई जिन्न मेरी इच्छा पूरी करने वाला हो। "अच्छा, तो फिर यह ठीक ही है कि तुम उस गंदी छड़ी के साथ और बिना जूते उतारे मेरी निर्मल निजी गुफा में घुस आए।"
"वास्तव में?"
“नहीं, बेवकूफ!” उसने मेरी तरफ दो उंगलियां झटक दीं। मेरे जूते और मोजे मेरे पैरों से उतरकर पानी से बाहर उछल गए। आइरिस की छड़ी मेरे हाथ से उछलकर पानी की सतह पर तेजी से आ गई।
मैं यहाँ नैतिक पहलुओं पर विचार कर रहा था, यह पता लगाने की कोशिश कर रहा था कि क्या किसी नदी देवता से उसकी जन्मभूमि में लड़ना एक जीतने योग्य

स्थिति थी, और यदि हाँ, तो क्या आइरिस इसे "क्रूरता-मुक्त" मानेगी। मेरे अनुमान थे कि जवाब ना और ना ही होगा।
“उम... जूतों के लिए माफ़ कीजिए,” मैंने यथासंभव कूटनीतिक ढंग से कहा। “लेकिन मुझे उस स्टाफ को साफ़ करना है। क्या आपको कोई आपत्ति है अगर मैं —?”
“क्या हम इसके पीछे जाएंगे?” एलिसन ने पूछा। “बिल्कुल नहीं।”
उसने फिर से उंगलियां झटकीं, और इस बार मैं पानी से उछलकर चट्टान से जा टकराया। मैं एक संकरी सी जगह पर गीला और दर्द से कराहता हुआ ढेर बन गया। मेरे बगल में, शुक्र है कि टूटी नहीं थी, आइरिस की छड़ी पड़ी थी, जो अभी भी काफी गंदी थी। मेरे जूते कहीं नज़र नहीं आ रहे थे।
मैं उठकर बैठ गया और अपना सिर रगड़ा। मेरी उंगलियाँ खून से सनी हुई थीं। यह शायद अच्छा संकेत नहीं था।
एलिसन पूल से उछल पड़ा, उसकी कमर के आसपास की सतह उबल रही थी। उसके बालों के चारों ओर भारहीन पानी की बूंदों की एक छोटी सी आकाशगंगा मंडरा रही थी, जिसका केंद्र उसके बालों के काले घेरे जैसा था।
“मैं बस थोड़ी सी ही अपेक्षा रखता हूँ,” उसने कहा। “पंजीकरण पत्र का उपयोग करें। सींग वाले सर्प मंगलवार से गुरुवार तक आते हैं। क्रोधी देवियाँ और अन्य पाताल लोक के सेवक सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को आते हैं। अर्धदेव कभी नहीं आते। मेरे जल में प्रवेश करने से पहले अपने जूते उतार दें। और सबसे महत्वपूर्ण बात, केवल निचले कुंडों का ही उपयोग करें। मेरे उद्गम स्थल में प्रवेश वर्जित है! आपने सारे नियम तोड़ दिए हैं।”
मैंने कहना शुरू किया, "मुझे नहीं पता था—"
एलिसन ने मेरे बगल में चट्टान की दीवार पर जड़े एक कांस्य पट्टिका की ओर इशारा किया। पूल के नियम।
मुझे लिखित निर्देश बिल्कुल पसंद नहीं हैं। खासकर वे निर्देश जो ऐसी जगह लगे हों जहाँ आप उन्हें तब तक नहीं देख सकते जब तक आप उन्हें तोड़ न दें। “ठीक है,” मैंने कहा। “लेकिन—”
“मुझे अंदाज़ा लगाने दो।” एलिसन की पानी की आकाशगंगा तेज़ी से घूमने लगी, उसके बालों का जूड़ा समय और स्थान को मोड़ रहा था। “नियम तुम पर लागू नहीं होते।”
“खैर, मैं ऐसा नहीं करूँगा—”

“आप एक अपवाद हैं। आपकी ज़रूरत महत्वपूर्ण है।”
"मेरा मतलब है-"
“मेरे साथ पहले से ही बदसलूकी हो रही है, यह तो काफी बुरा है,” एलिसन बड़बड़ाया। “नीचे की ओर मेरे पानी की गुणवत्ता बेहद खराब हो गई है। अब तुम मेरे आखिरी साफ-सुथरे तालाब को भी प्रदूषित करना चाहते हो, सिर्फ इसलिए कि तुम्हें कुछ लकड़ी साफ करवानी है?”
"अगर इससे कोई मदद मिलती है तो बता दूं, ये आइरिस के कर्मचारी हैं।"
"ओह, उस स्थिति में—"
"तुम मुझे फिर से व्यंग्य से चुप कराने वाले हो, है ना?"
“तो तुम बिल्कुल बेवकूफ नहीं हो!” एलिसन मुस्कुराया। “वैसे, यह व्यंग्य था।”
मेरी किस्मत ही ऐसी है। मैंने व्यंग्य की लड़ाई में ईमानदारी का परिचय दिया था। लगता है आइरिस और हेबे ने मेरी स्वाभाविक रक्षात्मक प्रवृत्ति को कुंद कर दिया था।
मैंने ऊपर किनारे की ओर देखा, जहाँ एनाबेथ एकदम स्थिर खड़ी थी, समझदारी से किसी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित नहीं कर रही थी। वह मुझे वही घबराहट भरी नज़र से देख रही थी जिसे मैं अच्छी तरह जानता था: पर्सी, तुम मर मत जाना। एलिसन ने अभी तक उसे देखा तक नहीं था। मैं यही चाहती थी। मैं मरना भी नहीं चाहती थी, लेकिन कम से कम अगर मैं यहाँ मर भी जाती, तो एनाबेथ को मुझे धक्का देने का बहुत बुरा लगता। फिर मैं उसे हमेशा के लिए चिढ़ा सकती थी।
लेकिन तब तक तो मैं मर चुका होता। खैर छोड़ो।
दूर से ग्रोवर की बांसुरी की आवाज़ बेकाबू और धीमी सुनाई दे रही थी। मैं सोच रहा था कि कितने साँप उसका पीछा कर रहे होंगे, और धुन बजाते हुए वह कितनी देर तक उनसे बच पाएगा। जहाँ तक मुझे पता था, उसे मार्चिंग बैंड का कोई अनुभव नहीं था।
मैंने आत्मसमर्पण करते हुए अपने हाथ ऊपर उठा लिए।
“मैं समझ गया,” मैंने एलिसन से कहा। “मैं एक बार हडसन और ईस्ट नदियों से मिला था। उन्हें प्रदूषित होना बिल्कुल पसंद नहीं है। और आपका पानी तो उनसे कहीं ज्यादा साफ है।”
एलिसन के होंठ फड़कने लगे। मैं समझ नहीं पा रही थी कि वह घृणा से भरा हुआ था, आश्चर्यचकित था या प्रसन्न था... लेकिन उसने अभी तक मुझे मारा नहीं था,

इसलिए मैंने बात जारी रखने का फैसला किया। (यह एक ऐसी गलती है जो मैं अक्सर करती हूँ।)
“नदियों का जीवन कठिन होता है,” मैंने कहा। “मैं नहीं चाहूँगा कि लोग मुझे नाली बना दें, मुझमें गंदा पानी डालें, मुझ पर बांध जनरेटर बना दें, या सच में कुछ भी बांध बना दें।” मेरा हाथ चुपके से आइरिस की छड़ी की ओर बढ़ा। मैंने उसका हैंडल पकड़ लिया।
“मुझे आपसे अनुमति लेनी चाहिए थी,” मैंने आगे कहा। “शुरुआती गलती। लेकिन कोई न कोई तरीका तो होगा जिससे मैं आपकी भरपाई कर सकूँ और इस छड़ी को धुलवा सकूँ, क्योंकि यह आइरिस के लिए बहुत ज़रूरी है। वह ज़िद कर रही थी कि यह आपके पानी से ही धुलना चाहिए, क्योंकि…” मैंने गहरी साँस ली। मेरा सिर दर्द कर रहा था, जिससे सोचना मुश्किल हो रहा था।
एनाबेथ क्या करती? मैंने ऊपर देखा तो वो अपनी कलाई पर एक काल्पनिक घड़ी थपथपा रही थी। इससे कोई मदद नहीं मिली। ग्रोवर का संगीत और भी दूर होता जा रहा था।
मैंने नदी के देवता से कहा, “क्योंकि आइरिस आपकी बहुत बड़ी प्रशंसक है। अरे वाह, वो आपके बारे में कितनी तारीफ करती है! और आपकी योगा क्लासेस के बारे में भी! मुझे लगता है वो आपकी सबसे बड़ी फैन है।”
मैंने यह जानने की कोशिश की कि क्या मेरे शब्दों का कोई असर हो रहा है। उस समय, मुझे व्यंग्य को छोड़कर लगभग हर प्रतिक्रिया स्वीकार्य थी। भला किसने सोचा था कि साफ-सफाई पसंद करने वाली योग प्रशिक्षक इतनी कड़वी हो सकती है?
"तुम मेरी भरपाई करना चाहते हो," एलिसन ने कहा।
बिल्कुल।
"मुझे लगता है कि आप चुटकी बजाकर मेरी नदी को हुए सभी नुकसान को ठीक कर सकते हैं, और इसे उससे भी अधिक साफ छोड़ सकते हैं जितना आपने इसे पाया था।" "एक-"
"ऐसा आप तभी करेंगे जब आपको अपनी मनचाही चीज मिल जाएगी," उसने अनुमान लगाया, "और मुझे आपकी बात पर विश्वास करना होगा।"
“खैर…” मैंने लाठी को और कसकर पकड़ लिया। यह मेरे मन मुताबिक नहीं हो रहा था। मैंने सोचा कि क्या तेज़ धारा में तैरते हुए योंकर्स वापस जाना मेरे लिए बेहतर होगा। “मतलब, मैं कोशिश करने को तैयार हूँ।”

“हडसन और ईस्ट नदियों का क्या हाल रहा?” उसने मीठी आवाज़ में पूछा। “क्या अब वे सब साफ़-सुथरी हैं?”
“ओह। मेरा मतलब है... नहीं, लेकिन उन्हें साफ करना ज्यादा मुश्किल है। वे आपसे काफी बड़े हैं।”
यह कहना गलत था। एलिसन की आंखें सिकुड़ गईं। "मैं समझ गई। तुम मुझे तुच्छ समझते हो। महत्वहीन। जबकि मेरी विन्यासा फ्लो क्लास में दाखिला लेने के लिए छह महीने की प्रतीक्षा सूची है।"
ऊपर चट्टान पर, एनाबेथ अपने बैग में कुछ ढूंढ रही थी, शायद वह मुझे उस मुश्किल से निकालने के लिए कुछ खोज रही थी, जिस पर उसे पूरा भरोसा था कि मैं संभाल लूंगी। मैंने कल्पना की कि वह चाकू निकालकर 'कोवाबंगा!' चिल्लाते हुए एलिसन की पीठ पर कूद जाएगी। हालांकि मुझे यह देखना बहुत अच्छा लगता, लेकिन मैं उस व्यंग्य करने वाले, बालों के गुच्छे वाले देवता के गुस्से का सामना करने के परिणाम नहीं देखना चाहती थी।
मैंने कोई दूसरा उपाय सोचने की कोशिश की, जो मेरे असहनीय सिरदर्द के कारण आसान नहीं था। भविष्य में मुझे यह याद रखना होगा कि जब तक मैं अपने दिमाग का इस्तेमाल पूरी तरह से न कर लूं, तब तक अपनी खोपड़ी को न फोड़ूं।
“कुछ तो होना ही चाहिए,” मैंने गिड़गिड़ाते हुए कहा। “शायद पोसीडॉन के महल की सैर? वो एक अद्भुत अनंत स्विमिंग पूल बनवा रहे हैं। आप महाद्वीपीय शेल्फ के नज़ारे के साथ अपनी... फ्लो-क्लास वाली मस्ती कर सकते हैं। मतलब, व्हेल के साथ।”
मुझे तो यह एक बढ़िया सौदा लगा, क्योंकि व्हेल बहुत ही दिलचस्प होती हैं। लेकिन जाहिर तौर पर, व्हेल योगा एलिसन के लिए कोई फैशन नहीं था।
“नहीं।” उसकी मुस्कान उसके पानी से भी कुछ डिग्री ठंडी हो गई। “लेकिन मेरे पास एक तरीका है जिससे तुम मेरी भरपाई कर सकते हो।”
मैंने उत्सुकता से सिर हिलाया, जिससे मेरी दृष्टि धुंधली हो गई। "कुछ भी, ज़रूर।"
“कुछ भी? बढ़िया। मैं हमेशा से सोचता आया हूँ कि पोसीडॉन के पुत्र को डूबने में कितना समय लगेगा। चलो पता लगाते हैं!”
नदी मुझ पर तरल ईंटों की दीवार की तरह उमड़ पड़ी।

EIGHTEEN

ANNABETH CONQUERS ALL WITH HERBAL TEA

स्केटबोर्ड आपके बेडरूम की दीवार से बाहर निकल आता है और आपके पसंदीदा जिमी हेन्ड्रिक्स के पोस्टर को छेद देता है। ये तो पूरी तरह से काल्पनिक उदाहरण हैं।
खैर, एलिसन के पूल के तल पर यही हुआ। जैसे मुझे भारी-भरकम मशीन पर कपड़े धोने की तरह इधर-उधर उछाला, पलटा और पटका जा रहा था, मेरा सारा नियंत्रण छिन गया। मैं फिर से एक डरा हुआ बच्चा बन गया, चीख-चीख कर इस बड़ी दुनिया से मुझे अकेला छोड़ने की गुहार लगा रहा था। मेरा गुस्सा फूट पड़ा।
और नदी भी वैसे ही बह निकली। वह मुझसे हर दिशा में तेज़ी से बहने लगी, और मुझे विस्फोट के केंद्र में ला खड़ा किया—मैं हवा के एक बुलबुले में अकेला सिमटकर बैठा था, इतनी ज़ोर से चीख रहा था कि तेज़ धारा की गर्जना के बीच भी मेरी आवाज़ सुनाई दे रही थी। मेरा कोई हिस्सा बाहर की ओर बढ़ा था... न सिर्फ़ तालाब में, बल्कि नदी के उद्गम स्थल तक, पाताल लोक या शायद योंकर्स की गहराई में, और मैंने उसे जड़ से उखाड़ दिया था। लाखों मीट्रिक टन पानी गुफा से गर्जना करते हुए बह निकला, तालाब में बाढ़ ला दी, चट्टानों को चीरता हुआ बह गया, नदी के किनारों से उफान मारता हुआ बह गया, और शायद नीचे की ओर नहा रहे कई साँपों को चौंका दिया होगा।
अंततः, पानी मेरे चारों ओर वापस टकराने लगा और फिर से अपने सामान्य प्रवाह में आ गया।
मैं कांप रहा था, बुरी तरह घबराया हुआ था और अपने किए पर बहुत डरा हुआ था। मुझे होश में आने में कितना समय लगा, पता नहीं। कुछ सेकंड? कुछ मिनट? जैसे ही कीचड़ छटा, मैंने ऊपर देखा और मेरे मन में एक ही बात साफ थी: एनाबेथ। अगर मैंने गलती से उसे अटलांटिक महासागर में बहा दिया होता, तो मैं खुद को कभी माफ नहीं कर पाता।
मैं सतह पर आ गया।
मुझे चिंता नहीं करनी चाहिए थी। ऊपर की चट्टान पर, एनाबेथ टखनों को मोड़कर बैठी थी और बेहद घबराए हुए एलिसन से शांत भाव से बातें कर रही थी। नदी देवता किसी सदमे से ग्रस्त शरणार्थी की तरह उसके सहारे टिका हुआ था, कांप रहा था और पूरी तरह नदी की गाद से सना हुआ था। उसका बना जूड़ा खुल गया था, इसलिए उसके बाल अब किसी मुरझाते हुए युक्का पौधे की तरह दिख रहे थे। “मुझे—मुझे बिल्कुल भी पता नहीं था,” उसने नाक पोंछते हुए कहा।

“कोई बात नहीं।” एनाबेथ ने उसके कंधों पर हाथ रखते हुए कहा, “कोई बात नहीं। जब वह उत्तेजित हो जाता है तो डरावना हो सकता है।”
मैं पूल में तैर रहा था, सोच रहा था कि क्या मैं किसी दूसरी दुनिया में आ गया हूँ। एनाबेथ उस आदमी को दिलासा दे रही थी जिसने मुझे डुबाने की कोशिश की थी, और वह मुझे डरावना कह रही थी। फिर उसने नीचे देखा और मुझे आँख मारी— जिसका मतलब था, बस इसे स्वीकार कर लो।
"लेकिन आपको यह मानना पड़ेगा," उसने एलिसन से कहा, "पर्सी ने बहुत अच्छा काम किया।"
एक शानदार नौकरी? मैंने सोचा। वह किस बारे में बात कर रही थी?
पानी में मेरे सिर का घाव अपने आप ठीक हो गया था, इसलिए शायद मैं मतिभ्रम का शिकार नहीं था।
फिर मैंने गुफा का जायज़ा लिया। मेरी लहर चट्टान की दीवारों को एनाबेथ के पैरों तक बहा ले गई थी, जिससे चट्टान एकदम साफ़ और चमकदार हो गई थी। अब जब गाद फिर से जम गई थी, तो तालाब पहले से भी ज़्यादा साफ़ था। हवा में ताज़गी और ताजगी थी, और उस "नई नदी" की महक फिर से लौट आई थी। धारा और तेज़ और ठंडी बह रही थी, गुफा में ऐसे शोर मचा रही थी जैसे किसी शानदार प्रदर्शन के बाद दर्शक सड़कों पर उतर आए हों।
मैंने जाहिर तौर पर रिवर एलिसन को अपना सुपर-डीलक्स पोसीडॉन वॉश पैकेज दिया था, जिसमें ट्रिपल-फोम कंडीशनर, अंडरकैरिज रस्ट प्रोटेक्शन और एक्सट्रीम शाइन वैक्स शामिल थे।
मैंने इंद्रधनुष की छड़ी को चारों ओर देखा। मुझे वह नहीं दिखी। मेरी किस्मत ऐसी है कि शायद वह उड़कर हार्लेम तक पहुँच गई होगी।
एनाबेथ अब भी एलिसन के कंधे पर थपथपा रही थी और उसे दिलासा दे रही थी। जब मेरी नज़र उससे मिली, तो उसने ठुड्डी से इशारा करते हुए मुझे नदी की ओर देखने को कहा, लेकिन मुझे फिर भी कुछ दिखाई नहीं दिया।
एलिसन सिहर उठी। "मुझे... मुझे पता ही नहीं था कि मेरे पास इतना पानी का दबाव है।"
“अब प्रवाह बहुत अच्छा है,” एनाबेथ ने कहा। “इससे आपके विन्यासा में मदद मिलेगी।”
"आपको ऐसा लगता है?"

“बिल्कुल। और मैंने इससे ज़्यादा साफ़ नदी कभी नहीं देखी। अगर आपको कहीं भी पर्सी की नज़र से छूटी हुई जगह मिले, तो मुझे यकीन है कि वह बता सकता है

— ”

“नहीं!” एलिसन चिल्लाई। “नहीं, यह बहुत बढ़िया है।”
उन्होंने "शानदार" शब्द का प्रयोग ऐसे किया मानो इसका अर्थ हो अत्यंत दर्दनाक।
“माफ़ कीजिए,” मैंने झट से कहा। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि मैं उस आदमी से खुद को बचाने के लिए माफ़ी मांग रही थी जिसने मुझे जान से मारने की कोशिश की थी, लेकिन मुझे उस पर तरस आ रहा था। “मैं थोड़ी बहक गई थी।”
वह थोड़ा सहम गया। “नहीं... नहीं, मैंने आपसे पूछा था कि क्या आप नदी साफ कर सकते हैं। और आपने कर दिया। इससे मुझे व्यंग्य का इस्तेमाल करना सीखने को मिलेगा।”
पहली बार तो उनकी बातों में व्यंग्य का भाव नहीं था।
एनाबेथ ने फिर से नदी की दिशा में इशारा किया, मानो वह मुझसे कह रही हो, बिल्कुल वहीं, बेवकूफ।
इस बार मैंने देखा कि वह किस ओर इशारा कर रही थी। लगभग तीस फीट दूर, आइरिस की छड़ी पानी की सतह के ठीक ऊपर एक दरार में फंसी हुई थी। ओक की छड़ी चमक रही थी। उस पर बना भव्य प्रतीक चिन्ह गर्म पीली रोशनी से जगमगा रहा था, और उसके दिव्य कांस्य डिज़ाइनों पर धूल का एक कण भी नहीं था।
“उह, अगर ठीक हो तो,” मैंने कहा, “मैं बस…” मैंने कर्मचारियों की ओर इशारा किया।
एलिसन ने मेरी आँखों में नहीं देखा। उसने बस सिर हिलाया। मुझे लगा कि अगर मैंने उससे उसका बटुआ मांगा होता तो भी उसकी यही प्रतिक्रिया होती। ओह, मैं कितनी बुरी इंसान थी!
जैसे-जैसे मैं धारा के साथ बहता गया, मुझे हवा में संगीत की एक हल्की सी धुन सुनाई दी: ग्रोवर की बांसुरी, गुफा के उस पार कहीं से आती हुई। उसने ड्यूरान ड्यूरान को सुनना छोड़ दिया था। अब वह बीटल्स का गाना "हेल्प!" बजा रहा था। मैंने इसे एक अप्रत्यक्ष संकेत समझा कि वह सांपों की परेड का नेतृत्व करते-करते थक गया था।
मैंने आइरिस की छड़ी पकड़ी और एनाबेथ और एलिसन के पास तैर कर वापस आ गई। मुझे उम्मीद थी कि एनाबेथ मुझे रस्सी फेंककर ऊपर चढ़ने में मदद करेगी,

लेकिन ऐसा नहीं लग रहा था कि उसे नदी के देवता को अलविदा कहने की कोई जल्दी थी। बल्कि, उसने अपना थर्मस निकाला और उनके लिए गर्म पेय डाल रही थी।
“तो यह गुलाब के बीज और कैमोमाइल का एक बढ़िया मिश्रण है,” उसने उससे कहा। “मुझे लगता है कि यह आपको सुकून देगा।”
एलिसन ने चाय की चुस्की ली। "बहुत बढ़िया।"
मैंने पूछा, "क्या हो रहा है?"
मुझे वास्तव में जवाब की उम्मीद नहीं थी, जो कि अच्छा ही था, क्योंकि मुझे कोई जवाब नहीं मिला।
“दिन में कितनी बार?” एलिसन ने एनाबेथ से पूछा।
“ओह, सुबह और शाम को कोशिश करो,” उसने कहा। “साथ ही, जब भी तुम्हारा मन करे ध्यान कर लो। ये लो।” उसने उसे कुछ अतिरिक्त पैकेट दिए। “कैफीन मत लेना। उस ग्रीन टी से दूर रहो। वह तुम्हें तनाव दे रही है।”
“मुझे लगता है आप सही कह रहे हैं,” देवता ने आह भरी। “तो, एक नए कार्यक्रम के लिए... शायद हम हर दूसरे शनिवार को अर्धदेवताओं द्वारा पवित्र वस्तुओं की सफाई के लिए आरक्षित कर सकते हैं। क्या—क्या यह उचित है?”
“बिल्कुल उचित,” एनाबेथ ने कहा।
“बिल्कुल,” मैंने सहमति जताई। “लेकिन अभी हमारे एक दोस्त का सांप पीछा कर रहे हैं।”
एनाबेथ ने भौंहें चढ़ाईं, मानो मैं एक अच्छे पल को खराब कर रहा था, लेकिन एलिसन ने अपनी चाय का प्याला खाली किया और उसे वापस दे दिया। "ज़रूर। अपने दोस्त को बचाने के लिए शुभकामनाएँ। और, उह..." उसने घबराकर निगलते हुए कहा। "अगर तुम पोसीडॉन के महल में व्हेल योगा कोर्स के बारे में सच में गंभीर हो..."
“ओह, मैं व्हेल योगा के बारे में कभी मजाक नहीं करती,” मैंने उससे वादा किया। “मैं अपने पिताजी से इस बारे में बात कर लूंगी।”
एलिसन ने अपनी नाक पोंछी। "धन्यवाद, पर्सी जैक्सन। और, एनाबेथ चेज़, आप बहुत दयालु रही हैं।"
फिर, हर्बल चाय के पैकेट पकड़े हुए, एलिसन पिघल गया और चट्टान के किनारे से नीचे गिर गया। मैं रास्ते से हट गया क्योंकि मैं उसके बहते पानी से भीगना नहीं चाहता था।

जब मुझे लगभग यकीन हो गया कि वह चला गया है, तो मैंने एनाबेथ की तरफ देखा। "तुम चाय लाई हो? जब मैं यहाँ नीचे धक्के खा रही हूँ, तुम सचमुच चाय पी रही हो?"
उसने कंधे उचकाते हुए कहा, "आइरिस ने हमें बताया था कि उसे योग पसंद है। मैंने सोचा कि हर्बल चाय एक अच्छा विकल्प हो सकता है।"
उसने यह बात ऐसे कही मानो उसकी तर्क-वितर्क की शैली बिलकुल तर्कसंगत हो, जैसे कि x = 2yz3, जहाँ x योग है और y चाय है।
“ज़रूर,” मैंने कहा। “क्या वहाँ कुछ और है जो ग्रोवर को बचाने में हमारी मदद कर सके?”
“बिल्कुल,” उसने कहा, जो मुझे लगता है कि फ्रेंच में “क्या सोचते हो, समुद्री शैवाल के दिमाग वाले?” का मतलब है। उसने अपने बैग से एक कागज़ का थैला निकाला और उसे हिलाया। “सांपों के लिए दाना। दुकान वाले ने हैम्स्टर फ्लेवर वाला लेने की सलाह दी थी।”
"मेरे अनेक प्रश्न हैं।"
हमें चलना चाहिए। हम समय बर्बाद कर रहे हैं।
“क्या आपको यकीन है कि हमारे पास मेडिटेशन मैजिक का एक और कप पीने का समय नहीं है? क्यों न आप मुझे वह रस्सी फेंक दें?”
“ज़रूरत नहीं।” वह खड़ी हो गई। “बस धारा के साथ बह जाओ। मैं अदृश्य हो जाऊंगी…” उसने अपनी जादुई न्यूयॉर्क यांकीज़ टोपी निकाली—मुसीबत से बचने का उसका पसंदीदा फैशन एक्सेसरी। “मैं पूरब जाऊंगी और ग्रोवर को ढूंढूंगी, इन मिठाइयों से साँपों का ध्यान भटकाऊंगी और उसे खतरे से बाहर निकाल लूंगी।”
मैंने अनुमान लगाया, "जब मैं पश्चिम की ओर जाऊंगा और अपने लिए एक नया लक्ष्य बनाऊंगा।"
“बिल्कुल,” उसने कहा। “एक बार जब सांप आपका पीछा करने लगेंगे, तो हम वापस घूमकर गुफा के प्रवेश द्वार पर आपसे मिलेंगे।”
और, क्या मुझे हैम्स्टर के स्वाद वाले स्नेकी बेकीज़ मिलेंगे?
आपको इनकी जरूरत नहीं पड़ेगी।
“तो फिर मैं उनका ध्यान किससे भटकाऊँ? और उससे भी महत्वपूर्ण बात, एक बार उनका ध्यान आकर्षित हो जाने पर मैं उनसे कैसे बच निकलूँ? क्योंकि, आप

जानते हैं, ये वो छोटी-छोटी बातें हैं जिनका मुझे पहले से ही ध्यान रखना पसंद है।”
एनाबेथ की मुस्कान ने मुझे बता दिया कि मुझे उसका जवाब उतना ही बुरा लगेगा जितना मुझे चट्टानों से नीचे धकेले जाने से लगता था। "तुम्हारे पास आइरिस की छड़ी है। तुम्हें सबसे बढ़िया नौकरी मिली है।"

अब मैं इंद्रधनुष बनाते हुए खेतों में कूदने की अपनी इच्छा सूची से उस सपने को हटा सकती हूं।
जब मैं नदी से बाहर निकला, कुछ सौ गज नीचे की ओर, ग्रोवर अपना आखिरी सहारा वाला गीत बजा रहा था। गुफा में दूर से "वाईएमसीए" की धुन गूंज रही थी। मैं समझ गया कि यह इस बात का संकेत था कि उसकी ऊर्जा और सांस दोनों खत्म हो रही थीं। क्योंकि जब कोई "वाईएमसीए" बजाता है, तो यह लगभग हमेशा मदद की गुहार होती है।
एनाबेथ ने मुझे आइरिस की छड़ी पकड़े हुए खेतों में उछलते-कूदते जाने का निर्देश दिया था। उसे पूरा यकीन था कि इससे एक खूबसूरत इंद्रधनुष बनेगा, जो 'वाह, कितना सुंदर!' वाली भावना से सांपों का ध्यान अपनी ओर खींचेगा। इस बीच, वह अदृश्य हो जाएगी, ग्रोवर को ढूंढेगी और उसे सुरक्षित स्थान पर ले जाएगी, और सांपों को उनसे दूर रखने के लिए ज़रूरत पड़ने पर स्नेकी बैकीज़ फेंकती रहेगी।
“और अगर मैं कर्मचारियों को काम पर नहीं लगा सका तो?” मैंने पूछा।
“मुझे विश्वास है,” एनाबेथ ने कहा।
मुझे पूरा यकीन था कि वह हंसने की कोशिश नहीं कर रही थी।
और अगर एक बार सांप मेरा पीछा करने लगें तो मैं उनसे पीछा नहीं छुड़ा पाऊंगा?
“इंद्रधनुष को बंद कर दो,” उसने कहा। “एक बार अंधेरा हो जाए, तो सब ठीक हो जाएगा। और चाहे कुछ भी हो जाए, उछलना-कूदना मत छोड़ना, स्किप्पी।”
एक अच्छे सिपाही होने के नाते, मैंने वही किया जो उसने मुझसे कहा था। नदी से बाहर निकलते ही, मैंने अपने जूते और मोज़े पहने—जो पास ही सरकंडों के झुंड में बहकर आ गए थे—और घास में उछलते-कूदते चलने लगा।

यह सिलसिला करीब दस फीट तक चला। फिर मुझे एहसास हुआ कि एनाबेथ मुझसे मजाक कर रही होगी।
मैं कूदने की तुलना में कहीं अधिक तेज़ी से दौड़ सकता था। मुझे शक था कि कर्मचारियों को इसकी परवाह होगी। मैं खेतों में दौड़ पड़ा। और सच में, कुछ ही कदम चलने के बाद, कर्मचारी चमकने लगे।
दिव्य कांसे के मुकुट से प्रकाश की झिलमिलाती किरणें निकलने लगीं, और जैसे-जैसे मैं दौड़ता गया, उनकी चमक बढ़ती गई। जल्द ही मेरे पीछे पचास फुट लंबा इंद्रधनुष बन गया, जिससे खेत रंग-बिरंगे रंगों से जगमगा उठे।
मुझे अपने बचपन की याद आ गई—सचमुच का बच्चा, न कि पिछले हफ्ते हीबी जीबिज में। मेरी माँ मुझे पहली बार पतंग उड़ाने के लिए सेंट्रल पार्क के ईस्ट मीडो ले गई थीं। मुझे याद है मैं मैदान में दौड़ रहा था, खुशी से मुस्कुरा रहा था जब मेरी बड़ी नीली नायलॉन की पतंग हवा में उठी। यह सोचकर थोड़ा दुख हुआ कि कितना समय बीत गया है—और यह भी कि पतंग हवा में उड़ते ही (धूप वाले दिन) बिजली की चपेट में आ गई थी। तब भी, जब मुझे पता भी नहीं था कि मैं एक देवता हूँ, ज़्यूस मुझे देख रहा था। क्योंकि देवताओं का राजा यही करता है। अपना कीमती समय जितना हो सके छोटी-छोटी शरारतों में बिताता है, बच्चों की वर्जित पतंगों को मजे के लिए आसमान से नीचे गिरा देता है।
खैर, एक और मौका मिलना अच्छा लगा। मैं लाठी उठाए हुए तेज़ी से आगे बढ़ा, और अपनी इंद्रधनुषी परेड से गुफा को भर दिया। थोड़ी ही देर में मुझे अपने पीछे घास में सरसराहट और फुफकारने की आवाज़ें सुनाई दीं। ढेरों साँप पास आ रहे थे, मानो मेरा पीछा कर रहे हों, वाह! जो भी इस तरह का नज़ारा पैदा कर रहा था, उसे खाने के लिए बेताब थे।
उस विचार ने मुझे और तेज दौड़ने में मदद की।
कुछ सौ गज आगे बढ़ने के बाद, मैंने पीछे मुड़कर देखने की गलती की। पूरा मैदान एक सर्फर की लहर की तरह मेरी ओर आ रहा था, घास हजारों रेंगते हुए सांपों के भार से धंस रही थी।
दूर कहीं, ग्रोवर का संगीत "वाईएमसीए" के "वाई" अक्षर पर रुक गया। मुझे उम्मीद थी कि इसका मतलब है कि वह सुरक्षित है और एनाबेथ अब उसे गुफा से बाहर ले जा रही है। अगर मैं थोड़ी देर और दौड़ पाता, तो मैं इंद्रधनुष को बुझाकर गुफा के मुहाने की ओर वापस मुड़ सकता था।
रुको। गुफा का मुँह कहाँ था?

मुझे देर से एहसास हुआ कि मैं रास्ता भटक गया हूँ। मैं चारों ओर घास में धँसा हुआ था और आसपास कोई निशान नज़र नहीं आ रहा था। मुझे बस अपने पीछे हॉर्नड सर्पेंट बटालियन की गड़गड़ाहट सुनाई दे रही थी। मुझे लगा कि मैं अभी भी पश्चिम की ओर, नदी से दूर जा रहा हूँ, लेकिन मैं निश्चित नहीं था। इंद्रधनुषी रोशनी मेरी आँखों को धोखा दे रही थी। और मेरा बढ़ता हुआ डर मुझे सोचने में मदद नहीं कर रहा था।
मैंने दाहिनी ओर मुड़ना शुरू किया, इस उम्मीद में कि मैं साँपों को एक बड़े चाप में घुमाकर वापस नदी की ओर ले जा सकूँ। हालाँकि, मैंने अपनी थकान का अंदाज़ा नहीं लगाया था। एलिसन नदी को पार करने में बहुत ऊर्जा खर्च हुई थी। मेरे पैर भारी हो रहे थे। मेरे फेफड़ों में जलन हो रही थी।
मेरी रफ्तार कम हो रही थी। सांप मेरे करीब आ रहे थे।
तो स्वाभाविक रूप से, मैंने उसी क्षण एक पत्थर से ठोकर खाकर गिरने का फैसला किया।
मैं ज़मीन पर गिर पड़ा। मेरे टखने में असहनीय दर्द हो रहा था। तलवार के घाव, तेजाब के जलने और भयंकर अजगर की साँसों को सहने के बाद भी, टखने में मोच जैसी मामूली चोट भी कितना दर्दनाक हो सकती है, यह देखकर मुझे बहुत दुख हुआ। जब मैंने खड़े होने की कोशिश की, तो ऐसा लगा जैसे मेरे पैर में स्टील की नुकीली कीलें चुभ रही हों।
मैं लाठी का सहारा लेकर कुछ और कदम लंगड़ाते हुए आगे बढ़ा, लेकिन अब मैं एक धीमी गति से चलने वाला निशाना बन चुका था। साँपों ने मुझे घेर लिया। मैं लड़खड़ाते हुए पास की चट्टानों के एक उभरे हुए हिस्से तक पहुँचा और चढ़ना शुरू किया, ताकि कम से कम मैं साँपों को देख सकूँ। जब मैं शिखर पर पहुँचा, तो नज़ारा मुझे बिल्कुल भी पसंद नहीं आया।
मेरे पिछले विश्राम स्थल को साँपों के एक विशाल झुंड ने पूरी तरह घेर लिया था। आइरिस स्टाफ की रोशनी में उनकी आँखें लाल चमक रही थीं। उनके सींग देखने में बेहद प्यारे थे: गोलपोस्ट जैसे छोटे-छोटे गुलाबी और सफेद हुक। जैसे ही साँप इंद्रधनुषी रोशनी को निहारते हुए करीब आए, उनके मुँह एक साथ खुल गए, लाल गले फुफकार रहे थे और काली जीभ हवा का स्वाद चखने के लिए फड़फड़ा रही थीं। उनकी आवाज़ में था, वाह!
मैंने कमजोर आवाज में कहा, "हे, क्या हम इस बारे में बात कर सकते हैं?" उन्होंने फुफकारते हुए जवाब दिया: वाह, वाह!

मैंने सोचा कि क्या मुझे अपनी तलवार निकालनी चाहिए? जवाब: नहीं। वे बहुत ज़्यादा थे। इसके अलावा, अगर मैंने हमला किया, तो यह मिशन बेरहमी से भर जाएगा, और अगर मैं बच भी गया, तो सब व्यर्थ हो जाएगा। और वैसे भी, शायद मैं मर ही जाऊँगा।
मुझे उम्मीद थी कि कम से कम ग्रोवर और एनाबेथ बच निकले होंगे। मुझे उम्मीद थी कि एलिसन अपनी साफ-सुथरी नदी का आनंद उठाएगा।
छड़ी से निकलने वाली रोशनी ही शायद सांपों को हमला करने से रोक रही थी। सिर पर लगा आभूषण अभी भी इंद्रधनुषी ऊर्जा से स्पंदित हो रहा था, और सांपों की निगाहें उस पर टिकी हुई थीं, मानो वे मंत्रमुग्ध हों।
मैं इतनी थक गई थी कि मुश्किल से अपना संतुलन बनाए रख पा रही थी। मुझे ऐसा लग रहा था कि अगर मैं लड़खड़ा गई, तो स्टाफ की चमक फीकी पड़ जाएगी। तब मैं बुफे लंच बन जाऊंगी। लेकिन मुझे कुछ तो कोशिश करनी ही थी।
मैंने छड़ी उठाई। इंद्रधनुष चमक उठा। उसके साथ ही हज़ारों साँपों के सिर ऊपर उठ गए। मैंने छड़ी को आगे-पीछे हिलाया। सारे साँप प्रकाश का अनुसरण करते हुए, सिर हिलाकर मना करते रहे।
मैंने छड़ी को ऊपर-नीचे हिलाया। सांपों का एक समूह लेज़र डॉट का पीछा करती बिल्लियों की तरह सिर हिलाता हुआ आगे बढ़ा।
मैंने अपनी हंसी को बड़ी मुश्किल से दबाया। सींग वाले सांप मुझे खाने ही वाले थे, लेकिन कम से कम मैं उनके साथ मजे तो कर रही थी।
मैं इन चट्टानों पर खड़े होकर जादू की छड़ी को हमेशा के लिए नहीं हिला सकता था। आखिरकार मैं थक जाता, या सांप ऊब जाते। फिर सांप चट्टानों पर टूट पड़ते और मुझे काट-काट कर मार डालते क्योंकि मेरा इंद्रधनुष इतना सुंदर था। मैं एनाबेथ और ग्रोवर के मुझे बचाने आने का इंतज़ार भी नहीं करना चाहता था। मैं सोच भी नहीं सकता था कि वे खुद को मारे बिना इतने सारे साँपों का ध्यान कैसे भटकाएँगे।
मैंने एनाबेथ के साथ कॉलेज और उसके बाद के बारे में बनाई गई सभी योजनाओं के बारे में सोचा। मैंने उन सभी बातों के बारे में सोचा जो मैं उसे बताना चाहता था... काश मैं उसे कम से कम यह बता पाता कि मैं उससे कितना प्यार करता हूँ।

अचानक, मुझे अपने पैरों पर हल्कापन महसूस हुआ। मेरे मुड़े हुए टखने पर दबाव कम हो गया। मैं लाठी को इतना ऊपर उठा रहा था कि मेरी बांह अपनी जगह से खिंच रही थी, और मैंने खुद से पूछा, पर्सी, तुम ऐसा क्यों कर रहे हो?
मुझे नहीं पता, मैंने जवाब दिया, क्योंकि जब मैं खुद से बात करता हूं तो मैं ज्यादा मददगार नहीं होता।
इंद्रधनुष के और अधिक चमकीला होते जाने पर सांप मंत्रमुग्ध होकर उसे देखते रहे। मैं अपने पंजों पर खड़ा हो गया और आइरिस की छड़ी को कसकर पकड़ने की पूरी कोशिश करने लगा। आखिरकार, मुझे एहसास हुआ कि मैं छड़ी नहीं उठा रहा था, बल्कि छड़ी मुझे उठा रही थी।
मेरा पहला विचार था, क्यों?
मेरा दूसरा विचार था, एक मिनट रुको... यह तो संदेशवाहक की छड़ी है। क्या संदेशवाहक देवता हवा में उड़कर संदेश नहीं पहुंचाते?
कर्मचारियों द्वारा मुझे ऊपर खींचना शुरू करने से ठीक पहले, मैं सोच रहा था कि मैं एनाबेथ को बताना चाहता हूँ कि मैं उससे कितना प्यार करता हूँ। यही मेरा संदेश था।
मैंने दोनों हाथों से कसकर पकड़ लिया।
मैंने कर्मचारियों से कहा, "मुझे एनाबेथ के पास ले चलो।"
मेरे पैर चट्टानों से हट गए, और मैं धीरे-धीरे नम, अंधेरी हवा में ऊपर उठने लगा। मेरे नीचे, सांप आश्चर्य से देख रहे थे।
मैंने उनसे कहा, “अलविदा, मेरे दोस्तों। एक-दूसरे के साथ अच्छा व्यवहार करना।”
फिर मैं ऊपर चढ़ गया।
मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या मैं साँपों को एक नया धर्म सिखाकर जा रहा था; क्या वे आने वाली पीढ़ियों को उस अजीब इंद्रधनुषी देवता लड़के की कहानियाँ सुनाएँगे जो स्वर्ग लौटने से पहले कई बार लड़खड़ाता था। या शायद वे बस यही सोच रहे थे, वह बच्चा सच में बहुत अजीब है।
जैसे-जैसे मेरी गति बढ़ती गई, मेरे चारों ओर इंद्रधनुष जगमगा उठा और मैं प्रकाश में डूब गया। मेरे भीतर एक अजीब सी हलचल हुई। मेरे अंगों का संतुलन बिगड़ गया। मैं सिर्फ इंद्रधनुष के अंदर उड़ ही नहीं रहा था... मैं उसका हिस्सा बन रहा था, जो सुनने में जितना रोमांचक लगता है, उतना महसूस नहीं हो रहा था। मेरे शरीर के सारे अणु ऊर्जा में विलीन हो गए। मेरी चेतना इतनी

लंबी हो गई मानो मैं अपनी यात्रा के हर बिंदु पर एक साथ मौजूद था। और फिर भी मेरी सारी शारीरिक इंद्रियां काम कर रही थीं। मुझसे मत पूछो क्यों, लेकिन प्रकाश का स्वाद तांबे जैसा था। उसमें जलते हुए प्लास्टिक जैसी गंध आ रही थी। मुझे यह सोचने लगा कि क्या यही कारण था कि आइरिस अपने संदेशवाहक के काम से ऊब गई थी और उसने एक ऐसा व्यवसाय शुरू किया था जहाँ वह अगरबत्ती जलाकर और एसेंशियल ऑइल लगाकर लोगों को सुगंधित कर सके।
मैं गुफा के मुहाने पर, एनाबेथ और ग्रोवर के ठीक बगल में प्रकट हुआ। मेरा साथी सैटायर हांफ रहा था और अपने घुटनों को पकड़े हुए था, लेकिन वह बिल्कुल ठीक लग रहा था।
मैंने कहा, "नमस्कार, पृथ्वीवासियों।"
एनाबेथ लगभग उछल पड़ी। "क्या? कैसे?"
जब वह चौंक जाती है तो बहुत प्यारी लगती है। ऐसा अक्सर नहीं होता, इसलिए जब भी ऐसा होता है तो मुझे इसका आनंद लेना पड़ता है।
मैंने कहा, "मेरे पास एनाबेथ चेज़ के लिए एक संदेश है। मैं तुमसे प्यार करता हूँ।"
मैंने उसे चूमने की कोशिश की, लेकिन यह मुश्किल था, क्योंकि वह हंसने लगी। “ठीक है, मैं समझ गई,” उसने मुझे धीरे से दूर धकेलते हुए कहा। “संदेशवाहक के कर्मचारी। बढ़िया काम!”
"हां, मैंने इसकी पूरी योजना बनाई थी।"
आपको बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था।
"सिर्फ इसलिए कि आप सही हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि मुझे इस बात का बुरा नहीं लगता।"
उसने भी मुझे चूमा। "मैं भी तुमसे प्यार करती हूँ, सीवीड ब्रेन।"
ग्रोवर ने गला साफ किया। "मैं ठीक हूँ। धन्यवाद।"
“मैं भी तुमसे प्यार करता हूँ, जी-मैन,” मैंने उसे आश्वस्त किया। “तुम्हारा बांसुरी वादन बहुत ही शानदार था।”
“हम्म।” उसने नाराज़ दिखने की कोशिश की, लेकिन उसके कान जिस तरह लाल हो गए थे, उससे मैं समझ गई कि वह मन ही मन खुश था। “चलिए, इससे पहले कि हालात और भी अजीब हो जाएं, मैनहट्टन वापस चलते हैं।” वह हिचकिचाया। “मेरा मतलब है, और भी ज़्यादा अजीब।”

ट्रेन में वापस जाते समय, हम तीन आम बच्चों की तरह लग रहे थे जो दिन भर योंकर्स के किसी कीचड़ भरे खेत में लोटपोट होते रहे हों, बस फर्क इतना था कि मेरे हाथ में दुनिया की सबसे साफ-सुथरी और चमकदार लाठी थी। और हर बार जब मैं डकार लेता, तो मेरे मुंह से बैंगनी या हल्के हरे रंग का धुआं निकलता था।

अगली दोपहर हमने कर्मचारियों को आइरिस को लौटा दिया।
मुझे इसे अपने कमरे से बाहर निकालने की खुशी हुई, क्योंकि जब भी मुझे किसी को कोई संदेश देना होता था या जब भी कोई डाक ट्रक गुजरता था, तो यह चमकने लगता था और पूरे अपार्टमेंट में इंद्रधनुष बिखेरने लगता था। उस सुबह, मेरी माँ को उनके प्रकाशक से किताबों की एक विशेष डिलीवरी मिली थी, और कर्मचारियों ने FedEx वाले को लगभग पीट ही दिया था। शायद इसे लगा कि वह उसका प्रतिद्वंदी है।
खैर, स्कूल के बाद मेरी मुलाकात एनाबेथ से हुई। ग्रोवर हमारे साथ नहीं था, क्योंकि वह शहर में ब्लैंच के साथ फोटोशूट करवा रहा था। लगता है, ब्लैंच उसे सूखे ताड़ के पत्तों की स्कर्ट पहनाकर, जले हुए लट्ठे पर लिटाकर, मरे हुए कीड़ों से घिरे हुए उसकी तस्वीर खींचने वाली थी। ग्रोवर ने उस तस्वीर को फ्रेम करवाकर जनवरी में जुनिपर के फूल खिलने के दिन उसे तोहफे में देने की योजना बनाई थी। मुझे अपनी कही हुई बात का ज़रा भी मतलब समझ नहीं आया, लेकिन किसी ने मुझसे राय नहीं पूछी।
आइरिस को ढूंढना आसान था। मैंने बस कर्मचारियों से मुझे उसके पास ले जाने की प्रार्थना की। मुझे डर था कि कहीं इससे एनाबेथ और मैं इंद्रधनुष में न बदल जाएं और विस्कॉन्सिन न पहुंच जाएं। फिर हम पूरी शाम बीस अलग-अलग रंगों में खांसते रहेंगे और विस्कॉन्सिन में ही होंगे। लेकिन इसके बजाय, कर्मचारियों ने उत्तर की ओर इशारा किया और मुझे फर्स्ट एवेन्यू पर एक जलप्रपात की तरह खींचने लगे।
यह हमें लोअर हार्लेम ले गया, जहाँ हमने देवी को फुटपाथ पर फल-सब्जी बेचने वालों की कतार के बीच अपने क्रिस्टल बेचते हुए पाया। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या खीरा बेचने वाले और सूखी मिर्च की माला बेचने वाली महिला को पता था कि उनके बीच बैठी महिला वास्तव में इंद्रधनुष की अमर देवी हैं। शायद नहीं,

लेकिन मुझे नहीं लगता कि उन्हें आश्चर्य होता। मैनहट्टन में सड़क किनारे सामान बेचने वाले के रूप में, आप लगभग सब कुछ देख चुके होते हैं।
“अरे वाह!” हमें देखकर आइरिस चौंक उठी। उसने छड़ी उठाई और उसे ऐसे बारीकी से देखा जैसे वह कोई समुराई तलवार हो जो अभी-अभी मरम्मत की दुकान से लौटी हो। “मर्सिडीज, तुम कमाल लग रही हो!”
“आपने अपने कर्मचारियों का नाम मर्सिडीज रखा है?” एनाबेथ ने पूछा। फिर उसने झट से कहा, “यह बहुत ही सुंदर नाम है।”
“वह कितनी खुश लग रही है!” आइरिस भावुक होकर बोली, उसकी आँखों से इंद्रधनुषी रंग के आँसू बह रहे थे। “मैंने आपको जो भी परेशानी दी है, उसके लिए मुझे खेद है।”
मैं कितना मूर्ख था। मैं उसकी माफी स्वीकार करने ही वाला था कि तभी मुझे एहसास हुआ कि वह मर्सिडीज से बात कर रही थी।
“ओह, मेरी प्यारी!” उसने छड़ी को गोद में उठाया और रोती रही। “मुझे इसे सालों पहले साफ करवा लेना चाहिए था! मैं अब इसे कभी भी सजावट के सामान रखने के लिए इस्तेमाल नहीं करूंगी!”
मैंने कहा, "खोज सफल रही। पूरी तरह से क्रूरता-मुक्त।"
“क्या?” आइरिस थोड़ी हिली। “ओह, हाँ। क्रूरता-मुक्त। बिल्कुल। अच्छा।” मुझे ऐसा लगा कि मैं कई एकड़ में फैले साँपों को मार डालता तो आइरिस को पता भी नहीं चलता। लेकिन फिर भी, मुझे खुशी थी कि ऐसा नहीं हुआ, क्योंकि सींग वाले साँप देखने में तो प्यारे थे, लेकिन साथ ही जानलेवा भी, मानो चेहरा नोच डालने वाले हों।
“तो,” एनाबेथ ने अपने लहजे को सकारात्मक रखते हुए कहा, “क्या इसका मतलब यह है कि आप फिर से व्यक्तिगत रूप से आइरिस-मैसेजिंग करेंगी?”
“हम्म?” आइरिस ने अपनी नज़रें अपने खूबसूरत हेराल्ड स्टिक से हटाईं। “नहीं, नहीं। वो दिन तो बीत गए, लेकिन मर्सिडीज़ को फिर से इतनी अच्छी हालत में देखकर बहुत अच्छा लग रहा है। आपकी मदद के लिए शुक्रिया!” वह धीरे-धीरे मर्सिडीज़ को ढकते हुए मेज के चारों ओर अपने क्रिस्टल डिस्प्ले को सजाते हुए गुनगुनाने लगी।
मैंने एनाबेथ की ओर देखा, जिसने मुझे धैर्य रखने का इशारा किया।
"क्या आपको आसपास पूछने का मौका मिला?" एनाबेथ ने देवी से पूछा।
आइरिस यह देखकर चौंक गई कि हम अभी भी वहीं थे। "पता लगाओ?"

मेरा दिल बैठ गया। अगर आइरिस ने अपना वादा नहीं निभाया होता, तो हम सचमुच एलिसन नदी पर व्यर्थ ही गए होते—सिवाय योंकर्स के सरीसृपों के बीच पर्सी पर आधारित एक धार्मिक पंथ शुरू करने के।
“गैनीमेड के बारे में?” मैंने पूछा। “गायब हुए प्याले के बारे में?” आइरिस ने पलकें झपकाईं। “हाँ। बिल्कुल। मैंने... पता किया था। लेकिन क्या आप वाकई इनाम के तौर पर क्रिस्टल नहीं लेना चाहेंगे? शायद क्लींजिंग सेज बाथ सॉल्ट का एक पैकेट?”
वह मर्सिडीज पर सामान लादती जा रही थी: कमरबंद, मोती, पत्थरों से भरी थैलियाँ, मानो वह कर्मचारियों को जल्द से जल्द छिपाना चाहती हो। वह इतनी घबराई हुई क्यों लग रही थी?
“सिर्फ जानकारी मिल जाए तो बहुत अच्छा होगा,” एनाबेथ ने कहा। “क्या आपको जानकारी मिली?”
“हम्म।” आइरिस ने आह भरी। “बात बस इतनी है कि आप लोग बहुत अच्छे लगते हैं। मुझे तो बिलकुल भी अच्छा नहीं लगेगा…”
उसने उस विचार को पर्सी जैक्सन को जान से मारने वाली चीजों के बारे में अधूरे विचारों की दुनिया में खो जाने दिया। मैंने अपना बहुत सारा समय उसी दुनिया में बिताया।
मैंने अनुमान लगाया, "तुम्हें कप मिल गया है।"
मुझे काफी हद तक अंदाजा है।
उसकी गंभीर आवाज़ सुनकर मुझे लगा कि शायद मुझे नहाना ही चाहिए। फिर मैंने एनाबेथ की तरफ देखा। मुझे याद आया कि यह सब उसके साथ कॉलेज जाने के बारे में था। उसके साथ रहने के बारे में था। यह अटल सत्य था, चाहे चुनौती कितनी भी कठिन हो या ऋषि का रस कितना भी शुद्ध करने वाला हो।
मैंने कहा, "सब कुछ बताओ।"
आइरिस ने अपनी कलाई पर बंधी मैक्रैम की चूड़ी को कुरेदते हुए कहा, "मैंने आपकी खोज को ग्रीनविच विलेज तक सीमित कर दिया है।"
एनाबेथ ने भौंहें चढ़ाते हुए कहा, "यह तो काफी बड़ा इलाका है।"
“वह वहाँ होगा,” आइरिस ने जोर देकर कहा। “अगर चोर की पहचान के बारे में मेरा अनुमान सही है तो।”
“वह…?” मैंने पूछा।

मैंने और इंतज़ार किया। जब आपका मुखबिर असली खलनायक का नाम लेने से बचता है, तो यह कभी भी अच्छा संकेत नहीं होता। खासकर तब जब वह मुखबिर कोई देवता हो। भला कौन आइरिस को इतना घबरा सकता है?
“मुझे पहले ही समझ जाना चाहिए था,” उसने मन ही मन बुदबुदाया। उसने अगरबत्ती का एक गुच्छा उठाया और उसे हवा में लहराया, शायद माहौल को शुद्ध करने की उम्मीद में, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। “वह निश्चित रूप से गैनीमेड से नफरत करता होगा। और उस प्याले से भी। लेकिन…” उसने अपना सिर हिलाया। “उम्मीद है मैं गलत हूँ। शायद मैं गलत नहीं हूँ।”
“कौन है?” एनाबेथ ने पूछा। “हमें नाम जानना होगा।”
उसमें मुझसे कहीं ज्यादा हिम्मत थी। मैंने तो पूरे गांव में प्याले लिए घूम रहे अनजान लोगों को ढूंढने का मन बना लिया था।
आइरिस ने एक कंधे के ऊपर से देखा, फिर रहस्यमय ढंग से हमारी ओर झुकी। "वह गैरी नाम से जाना जाएगा..."
मुझे हंसने की हिम्मत नहीं हुई, लेकिन मेरे दिमाग में सिर्फ स्पंजबॉब स्क्वायरपैंट्स का वो कार्टून वाला घोंघा ही घूम रहा था। अक्सर, जो बातें सबसे हास्यास्पद लगती हैं, वही सबसे जल्दी जान ले लेती हैं। आप हंसते हैं, और फिर सबसे अजीब तरीके से आपकी जान चली जाती है।
“गैरी,” एनाबेथ ने दोहराया।
“हां,” आइरिस ने कहा। “मुझे नहीं पता कि उसने चोरी कैसे की। या वह क्या हासिल करना चाहता है। लेकिन यह जानकारी एक विश्वसनीय बादल अप्सरा से मिली है।”
मैंने संक्षेप में कहा, "तो हम ग्रीनविच विलेज गए और गैरी के बारे में पूछताछ करने लगे।"
आइरिस ने अपना सिर झुकाया। "मुझे लगता है कि आप ऐसा कर सकते हैं। हालांकि, अमृत का उपयोग करना ज़्यादा तेज़ होगा।"
उसने एसेंशियल ऑयल्स के डिस्प्ले रैक से एक शीशी उठाई और उसे ऐसे ऊपर उठाया जैसे किसी टीवी विज्ञापन के लिए मॉडलिंग कर रही हो। मैंने पहले भी अमृत देखा था। जब भी मुझे कटने-फटने, चोट लगने, जलने के घावों और रोज़मर्रा की ज़िंदगी की दूसरी चोटों से ठीक होने की ज़रूरत पड़ी थी, मैंने इसे खूब पिया था। लेकिन यह छोटी सी शीशी कुछ ज़्यादा ही चमकदार और सुनहरी लग रही थी, मानो शहद में डूबी हुई सूरज की रोशनी हो।

एनाबेथ थोड़ा आगे झुकी। "क्या वह...?"
“सौ प्रतिशत शुद्ध रस,” आइरिस ने एक छोटी सी मुस्कान के साथ कहा। “वसंत ऋतु के पहले दिन भोर में माउंट ओलंपस के उपवनों में ओस से एकत्रित किया गया। इसमें कोई मिलावट या परिरक्षक नहीं है। इसका सेवन न करें। बिना मिलावट वाला यह रस तुम जैसे देवताओं को भी राख कर देगा।”
मैं उस सुनहरे रस से थोड़ा दूर हट गया। "तो फिर हम इसका क्या करेंगे?" आइरिस ने छोटी शीशी को घुमाया, जिससे अंदर का हिस्सा और भी ज़्यादा चमकने लगा। “देवताओं का प्याला अमृत मिलाने के लिए बनाया गया है। सभी अमृत स्वाभाविक रूप से इसकी ओर आकर्षित होते हैं। ग्रीनविच विलेज में इस तरल की एक-दो बूँदें हवा में छोड़ दें, और अगर प्याला आस-पास कहीं भी हो, तो आप बूँदों का पीछा करते हुए सीधे गैरी तक पहुँच जाएँगे।”
मैंने स्वीकार किया, "यह आश्चर्यजनक रूप से मददगार है। धन्यवाद।"
मैंने शीशी की ओर हाथ बढ़ाया, लेकिन आइरिस ने अपना हाथ पीछे खींच लिया। “अरे नहीं,” उसने चिढ़ाते हुए कहा। “इसकी कीमत चुकानी पड़ती है।”
मैंने आह को दबा लिया। मैं सोच रहा था कि अब वह कौन सी जादुई वस्तु साफ करवाना चाहती है, या पाताल लोक की गहराइयों से कौन से विशेष क्रिस्टल हमें लाने के लिए कहेगी।
“कितने?” एनाबेथ ने पूछा।
आइरिस ने हमें अपनी सबसे सख्त सौदेबाजी वाली घूरती निगाहों से देखा।
"पांच डॉलर।"
“बस इतना ही?” मैंने पूछा।
एनाबेथ ने मुझे कोहनी मारी।
“मतलब… पाँच डॉलर?” मैंने गुस्से का भाव दिखाने की कोशिश की। “नकद?”
"मैं वेनमो भी स्वीकार करती हूँ," देवी ने कहा।
मैंने अपनी जेबें टटोलीं। मुझे मेरी कलम-तलवार रिपटाइड, एक पेपर क्लिप और हिमबो जूस की रसीद मिली। एनाबेथ ने अपना पर्स निकाला और उसमें से पाँच डॉलर का नोट निकाला। क्योंकि ज़ाहिर है, अपने पर्स में हर उस अजीब और पुराने ज़माने के औज़ार के साथ, जिसकी उसे ज़रूरत पड़ सकती थी, वह नकदी भी रखती थी।
“ठीक है,” उसने कहा।
लेन-देन हो गया। एनाबेथ ने सोने की शीशी को अपने पर्स में रख लिया।

“क्या हमें और कुछ जानना चाहिए?” मैंने पूछा। “जैसे कि गैरी कौन है?” “नहीं,” आइरिस ने कहा। “अच्छा होगा कि तुम्हें पता न चले। वरना…” उसने सिर हिलाया और फिर पाँच डॉलर का नोट अपने कढ़ाईदार कमरबंद में रख लिया।
मुझे लगा कि वह कुछ और कहना चाहती थी। आपसे मिलकर अच्छा लगा। शुभकामनाएँ। कुछ ऐसा ही। लेकिन इसके बजाय, उसने हमें बस एक दर्द भरी मुस्कान दी और अपने टाई-डाई किए हुए शॉल के संग्रह को व्यवस्थित करने के लिए मुड़ गई।
मुझे लगता है कि खतरनाक मिशन पर अर्धदेवों को भेजते समय बस यही कहना काफी होता था। इससे सारी तैयारियां पूरी हो जाती थीं। सफलता मिलती थी। वरना... आप खाली स्थान भर सकते हैं।

TWENTY-ONE

I OFFER RELATIONSHIP ADVICE. NO, SERIOUSLY. WHY ARE YOU LAUGHING?

[illegible]
[illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

“तो खैर,” ग्रोवर ने आगे कहा, “मैंने जुनिपर से पूछा कि अंतिम प्रिंट के लिए वह सी-ट्वेंटी-फाइव या ए-सिक्स में से किसे पसंद करती है। दोनों के अपने-अपने फायदे हैं।”
मैं पूछना नहीं चाहती थी, लेकिन मैंने पूछ ही लिया। "और जुनिपर को कौन सा ज्यादा पसंद आया? या क्या तुमने उसे इसके बारे में बताया है?"
ग्रोवर ने तेवर चढ़ाए। “मैंने किया। यह अजीब था। वह... गुस्से में लग रही थी।”
अरे बाप रे! मैंने सोचा, "तुम्हें क्या लगता है कि ऐसा क्यों हुआ?"
ग्रोवर ने अपनी दाढ़ी खुजलाई। मैं समझ गया कि वह अपने जवाब के बारे में सोच रहा था, क्योंकि वह कुछ पल के लिए अपने कॉन्टैक्ट लेंस के बारे में भूल गया था।
“मुझे पक्का नहीं पता,” उसने स्वीकार किया। “मैंने उसे बताया था कि ब्लैंच को पेट के बल लेटने की मुद्रा ज़्यादा पसंद है, लेकिन ब्लैंच को करवट वाली मुद्रा में रोशनी ज़्यादा पसंद थी, इसलिए—”
मैंने पूछा, "जूनिपर से बात करते समय आपने ब्लैंच का कितनी बार जिक्र किया?"
ग्रोवर ने अपने लाल-लाल चश्मे के ऊपर से मेरी ओर देखा, उसकी आँखें मानो खोई हुई थीं। "ये—ये ब्लैंच की फोटोग्राफी है।"
तो, ऐसा अक्सर होता है?
ग्रोवर ने भौंहें चढ़ा लीं। "तुम्हें नहीं लगता... तुम्हें लगता है कि जुनिपर जल रही है?"
मैंने कल्पना की कि स्पष्ट स्वर्गदूतों का एक समूह उसके सिर के ऊपर स्पष्ट भजन गा रहा है, लेकिन मैंने अपने चेहरे के भावों को तटस्थ रखने की कोशिश की। "हो सकता है?"
“लेकिन... ब्लैंच एक देवी समान हैं। मैं कभी भी—” उन्होंने बात अधूरी छोड़ दी। “मुझे लगता है मैंने उनका नाम कई बार लिया है।”
सौ मीटर की दौड़ समाप्त होने की सीटी बजी। ली/लू जीत गया था। मैंने अपने साथियों के साथ ताली बजाई और उसका उत्साह बढ़ाया, लेकिन मैंने उसका नाम न लेने का फैसला किया।
जब मैंने ग्रोवर की ओर मुड़कर देखा, तो वह अपना सिर ऐसे खुजा रहा था जैसे उसकी बेरेट के नीचे चींटियाँ रेंग रही हों।

“शायद एक दर्जन बार?” उसने बुदबुदाते हुए कहा। “ओह, नहीं…”
"क्या जुनिपर ने अपने फूल खिलने के दिन के उपहार के लिए आपसे एक तस्वीर मांगी थी?"
“हाँ, ज़रूर, वो…” ग्रोवर हिचकिचाया। “दरअसल, नहीं। मुझे लगता है… शायद ये मेरा ही विचार था। ओह। मैंने कितनी बड़ी गड़बड़ कर दी?”
मैं बेंच पर बेचैनी से बैठा था। निजी रिश्तों पर सलाह देने के लिए मैं बिल्कुल आखिरी व्यक्ति था। खैर, शायद ज़्यूस, मेरे पिता और बाकी ओलंपियन देवताओं के बाद, मैं सबसे आखिरी था। ज़्यादातर मैं एनाबेथ की राह पर चलता था, और अब तक यह ठीक-ठाक चल रहा था। एनाबेथ और मेरे अलावा किसी भी रिश्ते पर राय देने के लिए मैं खुद को योग्य नहीं समझता था।
लेकिन ग्रोवर ने मुझसे विनती भरी निगाहों से देखा।
मैंने सुझाव दिया, "उससे ईमानदारी से बात करो। माफी मांग लो। उसे बताओ कि तुम सोच नहीं रहे थे। तुम बेवकूफी कर रहे थे।"
“ठीक है,” उसने धीरे से सिर हिलाते हुए कहा। “जैसे तुम एनाबेथ के साथ करती हो।”
“उम...हाँ। शायद जुनिपर से पूछो कि उसे अपने फूल खिलने वाले दिन क्या पसंद आएगा।”
“लेकिन वो तस्वीर…” उसने उदास निगाहों से अपनी कॉन्टैक्ट शीट्स को देखा— नकली मृत ग्रोवर की नकली प्रकृति में ली गई दर्जनों तस्वीरें। उसने अपने धूप के चश्मे उतारे और उन्हें अपने एप्रन में रख लिया। “मुझे लगता है आप सही कह रहे हैं। वैसे भी उसके पास उसे अपनी जुनिपर की झाड़ी में टांगने की कोई जगह नहीं है। बात बस इतनी है कि ब्लैंच ने इतनी मेहनत की है…”
मैंने अपना गला साफ किया।
“और मैं अब ब्लैंच के बारे में और बात नहीं करूंगा,” उसने खुद को सुधारते हुए कहा। “धन्यवाद, पर्सी।”
वह इतना दुखी लग रहा था कि मैंने सोचा कि शायद विषय बदलना अच्छा रहेगा। “बादलों की अप्सराओं के बारे में क्या?” मैंने पूछा। “आपने कहा था कि आप और जानकारी जुटाने के लिए पूछताछ करेंगे?”
वह उत्साहित हो गया। “हाँ। बिल्कुल! तो मैंने सोचा कि शायद मैं ग्रीनविच विलेज में कुछ सुराग ढूंढ सकूँ, शायद पता लगा सकूँ कि यह गैरी कहाँ मिलता- जुलता होगा। मैंने फालोआ से बात की, जिसने यूक्लीमेन से बात की, और उसने

कहा कि उसने वाशिंगटन स्क्वायर पार्क के आसपास कुछ अजीब सी ऊर्जा महसूस की है।”
मैंने कहा, "वाशिंगटन स्क्वायर पार्क की पहचान ही उसकी विचित्र ऊर्जा है।" “हाँ, लेकिन ये... मुझे नहीं पता। वो मुझे विस्तार से नहीं बता सकीं, लेकिन उन्होंने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में बहुत सारी प्रकृति आत्माएँ इस जगह को छोड़कर जा रही हैं। घास की अप्सराएँ, फूलों की अप्सराएँ, अप्सराएँ... या तो वे सुप्त अवस्था में चली गई हैं, मिट्टी में गहराई में समा गई हैं, या फिर छुट्टी पर चली गई हैं।”
मैंने पारदर्शी, पत्तों से सजी पोशाकों में लिपटी अप्सराओं की एक भीड़ की कल्पना की, जो अपने सूटकेस को एक क्रूज जहाज के गैंगप्लैंक पर घसीटते हुए कैनकन में स्प्रिंग ब्रेक के लिए जा रही थीं।
मैंने मन ही मन सोचा, “गैरी इतना भयानक है कि वह प्रकृति की आत्माओं को भी उनके जीवन के स्रोतों से दूर भगा सकता है। क्या आप किसी ऐसे राक्षस या देवता को जानते हैं जिसका नाम गैरी जैसा हो?”
“गेरियन?”
टेक्सास की अपनी इकलौती यात्रा के दौरान मिले तीन शवों वाले रैंचर को याद करके मैं सिहर उठा। "मैं वहाँ गया था। उसे मार डाला था। कोई और है क्या?" “गार—गैरी—गैनी—गैनीमेड?”
“यह तो कहानी में एक बड़ा मोड़ होगा। मान लेते हैं कि उसने अपना प्याला खुद नहीं चुराया। क्या कोई और भी ऐसा कर सकता है?”
ग्रोवर ने सिर हिलाया। "शायद यह गैरी से मिलता-जुलता हो। लैरी? हैरी?"
यह देखते हुए कि मैं अपने ही टीम के साथियों के नाम भी सही से नहीं बता पा रहा था, मैंने अनुमान लगाने का वह खेल न खेलने का फैसला किया।
पूल में अगली रेस शुरू हो चुकी थी। मेरी टीममेट लिंडसे, या शायद लिंडा, पांच सौ मीटर फ्रीस्टाइल में अपना पहला लैप लगा रही थी।
मैंने कहा, "शायद हमें सुबह-सुबह पार्क जाना चाहिए। जितने कम लोग होंगे, अगर लड़ाई हो भी जाए तो उतना ही अच्छा होगा।"
ग्रोवर ने सिर हिलाया। "मुझे आश्चर्य होता है कि क्या गैरी किसी प्रकार की प्रकृति आत्मा है - एक बड़ी गुस्सैल आत्मा, जो सभी छोटे बच्चों को डराकर भगा देती है। अगर ऐसा है, तो शायद मैं उसे अपनी बात सुनने के लिए मना सकूँ।"

मुझे याद था कि गुस्सैल नदी देवता एलिसन के साथ सब कुछ कितना अच्छा चल रहा था, लेकिन मैंने इसका ज़िक्र नहीं किया। ग्रोवर की उम्मीदों के टूटने के लिए बाद में काफ़ी समय होगा।
मैंने पूछा, "कल कैसा रहेगा?" उसने कहा, "हम वाशिंगटन स्क्वायर पार्क में एनाबेथ से मिल सकते हैं।"
ग्रोवर थोड़ा सहम गया। "मुझे लगता है कि मुझे कैंप में जाकर जुनिपर के साथ एक लंबा वीकेंड बिताना चाहिए। सोमवार कैसा रहेगा?"
मुझे समय का पाबंद रहना नहीं आता था। मुझे पक्का यकीन था कि सोमवार को सबसे पहले मेरा गणित का टेस्ट होगा, लेकिन चलो... स्कूल जाने से पहले तो हम राक्षसों से निपट ही लेंगे, है ना? और अगर ओलंपस पर मिनर्वा का भोज अगले रविवार तक नहीं था, तो तकनीकी रूप से हमारे पास प्याला ढूंढने और उसे गैनीमेड को लौटाने के लिए काफी समय था...
“ठीक है,” मैंने सहमति जताई। “सोमवार को सुबह-सुबह। मैं एनाबेथ को बता दूंगी। वह आज रात खाने पर आ रही है।”
“शानदार,” ग्रोवर ने कहा, हालाँकि वह थोड़ा असहज लग रहा था। “क्या आपको लगता है…?” वह अपनी बात पूरी नहीं कर पाया।
सैटायर इतना चिंतित लग रहा था, मुझे लगा कि वह जुनिपर को लेकर चिंतित है, कि मेरा मन किया कि उसे गले लगा लूँ, उसे गर्म, मुलायम कंबल में लपेट दूँ और खुद उसे कैंप हाफ-ब्लड तक ले जाऊँ। चूंकि मेरे पास गाड़ी चलाने का समय नहीं था, और मेरे पास गर्म, मुलायम कंबल भी नहीं था, इसलिए मैंने उपयोगी सलाह के लिए बहुत सोचा।
मुझे कुछ महीने पहले एनाबेथ द्वारा कही गई एक बात याद आई, जब मैं यह पता लगाने की कोशिश कर रही थी कि मैं अपने पूरे जूनियर वर्ष में गायब रहने की भरपाई कैसे कर सकती हूं।
“देखो यार,” मैंने ग्रोवर से कहा। “जूनिपर तुम्हें माफ कर देगी। शायद उसे तोहफों की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। वह बस इतना चाहती है कि तुम उसके साथ रहो। उसकी भावनाओं को समझो। उसके साथ रहो।”
पूल के किनारे से मेरे कोच ने चिल्लाकर कहा, “जैक्सन। तुम्हारी बारी फिर आ गई है!”
अब मुझे हाई डाइव के लिए तैयार होने का समय आ गया था।
मैंने ग्रोवर से कहा, "मुझे जाना चाहिए।"

“हाँ। हाँ, बस... मैं अपने और जुनिपर के बारे में बहुत तनाव में हूँ, लेकिन सच कहूँ तो, जब तक मैं उसके फूल खिलने के दिन के तोहफे के बारे में ज़्यादा नहीं सोचने लगी थी, तब तक सब ठीक था। क्या पता यही असली वजह न हो? क्या पता मैं अगले गर्मियों में तुम्हारे और एनाबेथ के मुझे छोड़कर चले जाने को लेकर चिंतित हूँ?”
उसे छोड़कर।
यह बात मुझे एलिसन के ठंडे पानी की लहर की तरह लगी। मैंने ब्लैंच के फोटोशूट की कॉन्टैक्ट शीट्स पर नज़र डाली—उन सभी तस्वीरों में ग्रोवर निराशा से भरे काले-सफेद परिदृश्य में मृत अवस्था में होने का नाटक कर रहा था।
“आह, ग्रोवर…” मैंने उसे गले लगा लिया। मुझे थोड़ी झिझक हो रही थी, क्योंकि मैंने सिर्फ़ स्विमसूट पहना था और पिछले इवेंट की वजह से मैं अभी भी गीली थी, लेकिन उसे ज़रा भी फ़र्क नहीं पड़ा। “हम तुम्हें कभी छोड़कर नहीं जा रहे, दोस्त। हम मिलने ज़रूर आएंगे। तुम कैलिफ़ोर्निया में हमसे मिलने आना। तुम हमारे लिए जीवन के समान हो, यार। हम तुमसे ज़्यादा देर तक दूर नहीं रह सकते, आख़िरकार हम मुरझाने लगते हैं, जानते हो ना?”
ग्रोवर ने हल्की सी मुस्कान बिखेरी। "हाँ...हाँ, ठीक है।"
मेरे कोच ने मुझे फिर से आवाज़ दी।
“जाओ,” ग्रोवर ने मुझसे कहा।
"क्या आप वाकई ठीक हैं?"
मैं ठीक हूँ। सोमवार सुबह वाशिंगटन स्क्वायर पार्क में मिलते हैं। क्या आप साढ़े छह बजे मिलना चाहेंगे?
मैं सुबह 6:30 बजे कहना नहीं चाहती थी, और मैं उस समय जागना तो बिल्कुल भी नहीं चाहती थी। यह सोचकर ही मेरा मन करता था कि उस समय तक शहर पहुँचने के लिए मुझे कितनी जल्दी उठना पड़ेगा, और मैं अपना सिर पानी में डुबोकर चीखना चाहती थी। लेकिन सैटायर तो सुबह जल्दी उठने वाले लोग होते हैं।
मैंने उससे कहा, "बहुत बढ़िया।"
फिर मैं दौड़कर डाइविंग बोर्ड की ओर चल पड़ा। मैंने डाइव लगाने का बिल्कुल भी अभ्यास नहीं किया था, लेकिन मुझे लगा कि मैंने अपनी जिंदगी का इतना समय नीचे की ओर गिरने में बिताया है, तो मैं पहले स्थान पर जरूर आऊंगा।

मेरी माँ के घर रात के खाने में मिठाई ले जाना हिम्मत और साहस का काम है। मेरी माँ मिठाई बनाने में माहिर हैं। ज़्यादातर लोग तो डर के मारे कुछ भी बनाने की हिम्मत ही नहीं करते, क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी मिठाई उनकी मिठाई के सामने फीकी पड़ जाएगी। लेकिन सौभाग्य से, एनाबेथ में हिम्मत और साहस दोनों हैं, और इसी वजह से मुझे कपकेक बनाने को मिले।
“मेरी प्यारी, ये तो बहुत ही शानदार लग रहे हैं!” मेरी माँ ने एनाबेथ की नवीनतम कृतियों से भरी ट्रे लेते हुए कहा।
एनाबेथ कृतज्ञता से भावुक हो गई। मैंने उसे देवताओं की तारीफों को नजरअंदाज करते देखा है, लेकिन मेरी माँ की प्रशंसा ने उसे सचमुच भावुक कर दिया। शायद इसका कारण यह था कि वह एथेना को अपनी मातृवत मानकर पली-बढ़ी थी। कभी-कभी मुझे आश्चर्य होता था कि क्या एनाबेथ मुझसे शादी करने के विचार के लिए इसलिए तैयार थी क्योंकि वह सैली जैक्सन-ब्लोफिस को अपनी सास के रूप में पाकर उत्साहित थी। सच कहूँ तो, मैं उसे दोष नहीं दे सकता था।
एनाबेथ ने बेकिंग इसलिए शुरू की क्योंकि ग्रेजुएशन के लिए उसे जो भी क्लासें लेनी थीं, वे सब खत्म हो गई थीं। मेरी ही तरह उसकी भी कुछ अजीबोगरीब परेशानियां थीं, मेरा जूनियर साल बहुत खराब बीता था जब मैं पढ़ाई से गैरहाज़िर थी, और वह भी मेरी ही तरह डिस्लेक्सिया और एडीएचडी से ग्रस्त थी, इसके बावजूद उसने इतने सारे एडवांस्ड-प्लेसमेंट कोर्स पूरे कर लिए थे और इतने अच्छे ग्रेड हासिल किए थे कि SODNYC के काउंसलर ने एनाबेथ को सलाह दी कि वह अपने सातवें कोर्स के लिए स्टडी हॉल में दाखिला ले ले।
मैं तो कहता, हां, कृपया, और क्या मुझे इसके साथ एक तकिया भी मिल सकता है? लेकिन आराम करना एनाबेथ के स्वभाव में नहीं था। उसने पाक कला डिजाइन की शुरुआत नामक वैकल्पिक पाठ्यक्रम में दाखिला लिया था। अब तक वह केवल कपकेक पर ही काम कर रही थी (जो मुझे बिल्कुल ठीक लग रहा था), लेकिन मुझे पूरा यकीन

था कि साल के अंत तक वह एंजल फूड केक से पुल और गगनचुंबी इमारतें बना रही होगी।
लेकिन एनाबेथ ने नीले रंग का खाना कभी नहीं बनाया। यह मेरी माँ और मेरे बीच एक तरह का निजी मज़ाक था। एनाबेथ इसे पवित्र और वर्जित मानती थी। आज उसके कपकेक हरे रंग के थे जिन पर बैंगनी रंग के स्प्रिंकल्स थे, और इसके पीछे का कारण सिर्फ़ वही जानती थी।
जब वो और मेरी माँ फ्रॉस्टिंग के बारे में बातें कर रही थीं, तो मैंने अपने सौतेले पिता पॉल से बात की, जो डाइनिंग टेबल से छात्रों के निबंधों के ढेर हटा रहे थे। सच में, वो आदमी बिना रुके काम करता रहता था। मुझे लगभग बुरा लगने लगा कि मैं अपने होमवर्क में ज़्यादा मेहनत नहीं करती। बस थोड़ा सा। "हे पॉल।" मैंने उसे मुट्ठी से अभिवादन किया।
"क्या तुमने हाल ही में किसी अच्छे राक्षस को हराया है?" उसने पूछा।
“बस वही रोज़ की बात।”
पॉल मुस्कुराया। वह अब भी अपने काम के कपड़ों में था: नीली फॉर्मल शर्ट, फीकी जींस, और किताबों की तस्वीरों वाली रंगीन टाई। पिछले कुछ सालों में उसके भूरे बाल और भी भूरे हो गए थे, और मैं यह नहीं सोच पा रही थी कि इसमें मेरी कोई गलती है। मेरी अर्धदेवता वाली कहानी जानते हुए, वह मेरे लिए चिंतित था। मेरी माँ के मेरे लिए चिंतित होने की भी उसे चिंता थी। वह बहुत अच्छा इंसान था। मैं बस यही सोचना पसंद करती थी कि पढ़ाने की नौकरी उसे बूढ़ा कर रही है, न कि मेरे जीवन-मरण के संघर्ष। मैंने सबसे बुरी बातें अपने तक ही रखने की कोशिश की, लेकिन पॉल जानता था। किसी भी आम इंसान की तरह, उसने मैनहट्टन की लड़ाई के दौरान मेरी दुनिया को बहुत करीब से देखा था। लेकिन आज रात वह सामान्य से अधिक तनावग्रस्त लग रहा था। अगर आप उसे नहीं जानते तो आपको कभी पता नहीं चलेगा, लेकिन उसकी एक आदत थी कि घबराहट होने पर वह अपनी उंगलियों के सिरों को अंगूठे से थपथपाता था, मानो वह किसी ऐसे तार को पकड़ने की कोशिश कर रहा हो जिसे वह ढूंढ नहीं पा रहा हो।
मैंने उससे पूछा, "सब ठीक चल रहा है?"
“मैं?” वह मुस्कुराया। “इस हफ्ते राक्षसों से कोई लड़ाई नहीं है। हाँ, रोमियो और जूलियट पर लिखे गए प्रथम वर्ष के निबंधों को छोड़कर। क्या तुम मुझे मेज लगाने में मदद करोगे?”

कुछ और ही चल रहा था, पर मैंने ज्यादा जानने की कोशिश नहीं की। मैंने चार लोगों के लिए जगह लगा दी। रसोई में लहसुन वाली ब्रेड सेंक रही थी। ओवन में लज़ान्या उबल रही थी। एनाबेथ मेरी माँ की किसी बात पर हँस रही थी, और जिस तरह से दोनों ने मेरी तरफ देखकर मुस्कुराया, मुझे लगा कि बात मुझसे ही जुड़ी है। एनाबेथ ने मेरी बचपन की तस्वीरें पहले ही देख ली थीं, इसलिए मुझे इस बात की चिंता नहीं थी कि वे क्या कह रही हैं। मेरी सारी इज्जत खत्म हो चुकी थी। एनाबेथ और मैं अभी भी साथ थे। मुझे लगा कि यही काफी है।
पॉल के टर्नटेबल पर बॉब डायलन की कुछ पुरानी रिकॉर्डिंग बज रही थी, इतनी धीमी कि बैकग्राउंड म्यूज़िक जैसी लग रही थी, लेकिन डायलन की आवाज़ के आगे आप उन्हें पूरी तरह नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते। मेरी पसंद की नहीं, पर काम चल जाता है। पॉल कहता है कि डायलन बीसवीं सदी के सबसे बेहतरीन कवियों में से एक थे। मतलब, वो 'लीडर्स' को 'पार्किंग मीटर्स' से राइम कर सकते हैं। लगता है ये भी कुछ कम नहीं है।
जब हम सब बैठ गए और सलाद एक-दूसरे को परोसने लगे, तभी मैंने एक और अजीब बात देखी। मेरी माँ स्पार्कलिंग वॉटर पी रही थी।
वह ज्यादा शराब नहीं पीती थी, लेकिन वह आमतौर पर रात के खाने के साथ एक गिलास रेड वाइन पीती थी।
मैंने उससे पूछा, "वाइन नहीं है?"
उसने सिर हिलाया, उसकी आँखें ऐसे चमक रही थीं मानो वह अभी भी किसी निजी चुटकुले के बारे में सोच रही हो। "नहीं। असल में, मैं आपसे इसी बारे में बात करना चाहती थी।"
“वाइन के बारे में?”
“अहम,” पॉल खांसा। अब वह दोनों हाथों से चुटकी काट रहा था, उस अदृश्य धागे को ढूंढ रहा था। इतना बेचैन क्यों?
एनाबेथ ने मुझे घूरकर देखा। सच में, सीवीड ब्रेन? तुम्हें समझ नहीं आया? हो सकता है मेरी माँ ने रसोई में उसे कुछ बताया हो, या हो सकता है एनाबेथ ने खुद ही समझ लिया हो कि क्या हो रहा है। वह छोटी-छोटी बातों पर भी ध्यान देती है। उसके साथ रहना ऐसा है जैसे किसी ऐसे व्यक्ति के साथ रहना जो वही फिल्म देख रहा हो, लेकिन आपसे पंद्रह मिनट आगे।
“शराब के बारे में नहीं,” मेरी माँ ने कहा। “बात यह है कि मैं आज रात शराब क्यों नहीं पी रही हूँ। लेकिन पहले, मैं यह स्पष्ट कर देना चाहती हूँ कि

इससे तुम्हारी योजनाओं पर कोई असर नहीं पड़ना चाहिए, पर्सी। मैं नहीं चाहती कि यह तुम्हें उन सभी कामों से विचलित करे जो तुम कर रहे हो... खासकर न्यू रोम यूनिवर्सिटी में दाखिला पाने से।”
मेरा मुंह सूख गया। मेरे मन में सबसे पहला ख्याल आया, हे भगवान, उसे कोई भयानक बीमारी हो गई है।
“माँ, मैं—मैं हमेशा विचलित रहती हूँ। यह मेरा इलाका है। जो भी गड़बड़ हो, मैं मदद करना चाहती हूँ।”
“ओह, प्यारे।” उसने मेज के उस पार हाथ बढ़ाकर मेरा हाथ पकड़ लिया। “कुछ भी गलत नहीं है। मैं गर्भवती हूँ।”
वह मुझे इंद्रधनुषी रंग की छड़ी से भी सिर पर मार सकती थी, तब भी मुझे उस संदेश से इतना आश्चर्य नहीं होता।
“गर्भवती…” मैंने दोहराया।
उसने मुझे हिम्मत भरी मुस्कान दी—ठीक वैसी ही मुस्कान जैसी वो मुझे तब देती थी जब मुझे पिछले स्कूल से निकाल दिए जाने के बाद उसने मेरे लिए एक नया स्कूल ढूंढ दिया था। आश्चर्य!
“जैसे... तुम और पॉल।”
मैंने अपने सौतेले पिता की ओर देखा, जिन्होंने अपनी लज़ान्या को छुआ तक नहीं था। मुझे एहसास हुआ कि मेज पर बैठे सभी लोग अपनी सांसें थामे हुए थे। शायद उन्हें डर था कि मैं अपार्टमेंट बिल्डिंग की सारी पाइपलाइनें तोड़ दूंगी। वैसे, मैंने ऐसा सिर्फ एक बार ही किया था।
“हाँ, मैं और पॉल।” मेरी माँ ने उसका हाथ पकड़ लिया। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या उनके बीच इस बात को लेकर कुछ अटपटी बातचीत हुई होगी कि मेरे बाद एक अर्धदेवता के बाद एक इंसान का बच्चा पैदा करना सुरक्षित है या नहीं। एनाबेथ मुझे ध्यान से देख रही थी, मेरी प्रतिक्रिया का आकलन कर रही थी। क्या वह मेरे लिए चिंतित थी? क्या वह पॉल और मेरी माँ के लिए चिंतित थी? मुझे एक सुखद अनुभूति हुई। मैं मुस्कुराने लगा।
"यह बहुत अच्छा है।"
तनाव कम हो गया, जो पाइप टूटने से कहीं बेहतर था। मैं कुर्सी से उछलकर पॉल को गले लगा लिया क्योंकि वह मेरे करीब था। मुझे लगता है मैंने बेचारे को चौंका दिया। उसने गलती से अपनी कमीज की एक आस्तीन लज़ान्या में घसीट ली।

फिर मैं मेज के चारों ओर घूमी और अपनी माँ को गले लगा लिया। उनकी हंसी और सिसकियाँ एक अद्भुत एहसास थीं: पूर्ण राहत, पूर्ण खुशी। थोड़ा रोना भी था।
हालाँकि, मैं यह नहीं कहूँगी कि कौन रो रहा था। अंत में, हम अपनी-अपनी जगहों पर वापस बैठ गए, हालाँकि मुझे अभी भी ऐसा लग रहा था जैसे मैं ज़मीन से कुछ इंच ऊपर तैर रही हूँ।
“मुझे बहुत खुशी है कि तुम खुश हो,” मेरी माँ ने कहा।
“बेशक मैं खुश हूँ।” मैं मुस्कुराना बंद ही नहीं कर पा रही थी, जो कि तब मुश्किल हो जाता है जब भूख लगी हो और सामने लज़ान्या की प्लेट रखी हो। “रुको ज़रा। कब?”
उन्होंने कहा, "अंतिम तिथि पंद्रह मार्च है।"
एनाबेथ की भौंहें तन गईं। "मार्च की दहाई?"
“ये तो बस एक अनुमान है।” मेरी माँ ने उसे आँख मारी। “पर्सी उम्मीद से बहुत बाद में आया।”
मैंने कहा, “मैं जिद्दी थी। तो इसका मतलब है कि जब बच्चा आएगा तब मैं यहीं रहूंगी। यह बहुत बढ़िया है। मेरे पास उससे पहले कुछ महीने होंगे...”
मेरी मुस्कान आखिरकार गायब हो गई। अगर सब ठीक रहा और मुझे एनाबेथ के साथ स्कूल में दाखिला मिल गया, तो मैं गर्मियों में कैलिफोर्निया के लिए रवाना हो जाऊंगी। इसका मतलब था कि मैं नए बच्चे के साथ बहुत कुछ मिस कर दूंगी। मैं बच्चे की पहली हंसी सुनना चाहती थी, उसके पहले कदम देखना चाहती थी। मैं उसके साथ लुका-छिपी खेलना चाहती थी और उस नन्हे शैतान को अजीब आवाजें निकालना और नीले रंग का बेबी फ़ूड खाना सिखाना चाहती थी।
“अरे,” मेरी माँ ने कहा, “तुम प्रसव के समय यहीं रहोगी। और तुम जब चाहो कैलिफोर्निया से घर आ सकती हो। लेकिन तुम्हें अपनी योजनाओं पर कायम रहना होगा। ये बहुत अच्छी योजनाएँ हैं!”
“हां, बिल्कुल,” मैंने कहा।
“इसके अलावा,” उसने शरारती मुस्कान के साथ कहा, “हमें बच्चे के लिए आपके बेडरूम की जरूरत पड़ेगी।”
रात के खाने के बाकी समय मैं स्तब्ध सी रही। मैं अब भी हवा में तैर रही थी, कुछ खुशी से... कुछ इस एहसास से कि जैसे मैं अपने बंधनों से मुक्त हो गई हूँ और अब बह रही हूँ। मैं अपनी माँ और पॉल के लिए बहुत खुश थी। बिलकुल। मुझे

विश्वास नहीं हो रहा था कि उन्हें एक बच्चा होने वाला है जिसे मैं बड़ा होते देख सकूँगी। वह बच्चा कितना भाग्यशाली होगा।
लेकिन साथ ही, इससे मेरा खुद का जाना और भी वास्तविक लगने लगा। मैं ठीक उसी समय जा रही थी जब मेरी माँ और पॉल एक नया अध्याय शुरू कर रहे थे। मुझे नहीं पता था कि मुझे इसके बारे में कैसा महसूस हो रहा था।
मैंने एनाबेथ के कपकेक्स की तारीफ करना भूल गई थी। वे वाकई बहुत अच्छे थे: मक्खन और चीनी से भरपूर, आइसिंग थोड़ी ज्यादा गाढ़ी थी... बिल्कुल वैसे ही जैसे मुझे पसंद हैं।
हम दोनों ने साथ में बर्तन धोए। जब मैं उसे सड़क पर मेट्रो स्टेशन तक छोड़ने गया, तब तक अंधेरा होने लगा था।
“मुझे खुशी है कि आपको यह खबर अच्छी लगी,” उसने कहा। उस पल तक मुझे एहसास ही नहीं हुआ था कि वह कितनी राहत महसूस कर रही थी।
मैंने अनुमान लगाया, "तुम अपने सौतेले भाइयों के बारे में सोच रही थी।"
उन बच्चों के जन्म के साथ ही एनाबेथ और उसके पिता के रिश्ते का अंत शुरू हो गया था। कम से कम उस समय तो ऐसा ही लगा। कुछ समय बाद ही वह घर से भाग गई, क्योंकि उसे लग रहा था कि उसे भुला दिया गया है और कोई उसे नहीं चाहता। उसने मुझे चूमा। “भगवान का शुक्र है, तुम मेरी जैसी स्थिति में नहीं हो। तुम एक बहुत अच्छे बड़े भाई बनोगे।”
खुशी की एक गर्म लहर फिर से मेरे अंदर दौड़ गई। "तुम्हें ऐसा लगता है?" “बेशक। और मैं यह देखने के लिए बेताब हूं कि तुम डायपर बदलना कैसे सीखते हो।”
"अरे, मैंने गेरियन के अस्तबल से मांस खाने वाले घोड़ों को भगाया था। बच्चों के डायपर कितने बुरे हो सकते हैं?"
वह हंस पड़ी। "अप्रैल या मई में, मैं तुम्हें याद दिलाऊंगी कि तुमने ऐसा कहा था। तब तुम कॉलेज जाने के लिए गिड़गिड़ाओगे।"
“मुझे नहीं पता,” मैंने कहा। “मेरा मतलब है... तुम्हारे साथ रहना, ठीक है। बस...”
उसने सिर हिलाया। “मुझे पता है। परिवार मुश्किल होते हैं। दूर रहने वाले परिवार तो और भी मुश्किल होते हैं।”
यह बात हम दोनों समझते थे।
उसने मेरा हाथ दबाया और कहा, "सोमवार को सुबह-सुबह मिलते हैं।"

और वह स्टेशन की सीढ़ियों से नीचे उतर गई।
कम से कम मेरे पास एनाबेथ तो है, मैंने सोचा। हम साथ रहेंगे। बशर्ते, हम इस प्याले वाली समस्या को सुलझा लें। वरना, मैं न्यूयॉर्क में फंसी रहूंगी, और मुझे बहुत सारे डायपर बदलने पड़ेंगे। हालांकि, उस समय दोनों ही विकल्प ठीक लग रहे थे... मैं दोनों में से किसी को भी अपना सकती थी।
कई सकारात्मक परिणाम?
वाह! हर चीज़ का एक पहला अनुभव होता है।

स्कूल किसी का इंतजार नहीं करता।
मुझे लगता है ये किसी का मशहूर कथन है। और ये सच भी है। शुक्रवार की सुबह आ ही गई, चाहे मैं चाहती थी या नहीं। एलिसन से हुई लड़ाई के बाद भी मेरे शरीर में दर्द था। माँ की खबर सुनकर मेरा दिमाग जैसे उलट-पुलट हो गया था। मैंने विज्ञान के क्विज़ के लिए ठीक से पढ़ाई नहीं की थी, मतलब बिल्कुल भी नहीं की थी।
इन सबके अलावा, तीसरे पीरियड में मुझे एक पीए अनाउंसमेंट मिली जिसमें मुझे गाइडेंस ऑफिस में रिपोर्ट करने के लिए कहा गया था, और मैं घबराए हुए होने के मूड में नहीं था।
“पर्सी!” मेरे अंदर आते ही यूडोरा ने कहा। उसकी आवाज़ में मुझे देखकर अजीब सी खुशी झलक रही थी, या शायद वो बस इस बात से हैरान थी कि मैं अभी भी ज़िंदा हूँ। “कृपया बैठिए!”
मेरे पास एक योजना थी। अगर उसने मुझे दोबारा फ्लश करने की कोशिश की, तो मैं पानी को आदेश दूंगा कि वह मुझे छत की ओर उठा ले। फिर मैं उसके जॉली रैंचर्स का जार चुरा लूंगा और पागलों की तरह हंसते हुए वापस क्लास में भाग जाऊंगा। “तो!” उसने अपनी उंगलियां आपस में फंसाईं और मेरी तरफ मुस्कुराते हुए देखा। “सब कैसा चल रहा है?”
मैंने कहा, "सब कुछ बहुत ज्यादा है।"
मैंने उसे अपनी माँ के बच्चे होने के बारे में बताया। यूडोरा बेहद खुश लग रही थी, लेकिन जब मैंने उसे समझाया कि यह एक इंसान का बच्चा है, पोसीडॉन का नहीं, तो उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।
“ओह, मैं समझ गई।” उसने कंधे उचकाते हुए कहा। “खैर, यह भी अच्छा है, मुझे लगता है। और तुम्हारा क्लासवर्क कैसा चल रहा है?”
"एक । । ।"

और सिफारिशी पत्र?
मैंने उसे सारी बात समझा दी। मैंने उसे बताया कि हम सोमवार सुबह वाशिंगटन स्क्वायर पार्क में तलाशी लेने जाएंगे, और मैंने इस बात पर ज़ोर दिया कि मुझे वहाँ ले जाने की कोई ज़रूरत नहीं है।
“हम्म…” उसने बीमार मेंढक की ओर ऐसे देखा मानो वह भी कुछ कहना चाहे। “और आप वाशिंगटन स्क्वायर पार्क में आखिर क्या खोज रहे हैं?”
मैंने कहा, "गैनीमेड का प्याला। हमें लगता है कि इसे गैरी नाम के किसी व्यक्ति ने चुराया है।"
उसका चेहरा पीला पड़ गया, जैसे रेत पर पैर रखने से सारा पानी हट जाता है। “पता है, कम्युनिटी कॉलेजों में दाखिला लेने के बारे में सोचने में अभी देर नहीं हुई है। क्या मैंने हो-हो-कुस का ज़िक्र किया था? मेरे पास कहीं उसकी एक ब्रोशर पड़ी है।”
"लूट-"
आप मैकेनिकल इंजीनियरिंग में एसोसिएट डिग्री प्राप्त कर सकते हैं—” "यूडोरा।"
या लेखांकन—”
मैंने कहा, “न्यू रोम यूनिवर्सिटी। याद है? यही तो लक्ष्य है। आप अचानक मुझे इससे दूर क्यों ले जा रहे हैं? और कृपया मुझे यह मत बताइए कि गैरी योगा क्लास चलाता है।”
वह अपनी सीट पर थोड़ी हिली। "नहीं, नहीं। और यह आपको दूर ले जाने की बात नहीं है। यह उससे कहीं ज़्यादा... आपको ज़िंदा रखने की इच्छा है।"
मैंने उसे घूरकर देखा, और अपने पिता के दुखी समुद्र देवता वाले भाव को अपनाने की पूरी कोशिश की। "मुझे इससे ज़्यादा जानकारी चाहिए। आप मेरी मार्गदर्शक हैं, इसलिए मुझे रास्ता दिखाएँ। गैरी कौन है?"
“तुम्हें पता है—मुझे अभी याद आया—मेरे पास एक चीज है. . .”
उसके चारों ओर हरे रंग का एक भंवर उमड़ पड़ा। पानी का पर्दा टूट गया, जिससे समुद्री शैवाल ज़मीन पर बिखर गए, और यूडोरा गायब हो गई। मैंने सिकी फ्रॉग की ओर देखा और सोचा कि यह गैरी कितना बुरा होगा कि एक नेरीड बातचीत से खुद को बाहर निकाल ले। सिकी फ्रॉग के पास कोई जवाब नहीं था। मैंने मुट्ठी भर जॉली रैंचर्स लिए और वापस क्लास की ओर चल दिया।

दोपहर का खाना भी कुछ खास अच्छा नहीं था। मैं अपने लंच बैग के साथ बैठ गई— एक बचा हुआ लज़ान्या सैंडविच और एक बचा हुआ कपकेक—और मुझे बस कुछ मिनटों के लिए आराम करने का मन ही होने लगा था कि तभी मुझे किसी के मेरे थर्मस में पानी भरने की अशुभ सी खनक सुनाई दी।
मैंने कहा, "हाय, गैनीमेड।"
वह मेरे सामने बैठ गया, उसका कांच का जग भाप से भीगा हुआ था। आज उसमें नारंगी रंग का तरल था—शायद छठा ओलंपियन पेय? उसने पहले की तरह ही चोगा और चप्पलें पहनी हुई थीं, लेकिन वह चिंता से ज़्यादा थका हुआ लग रहा था... बिल्कुल बूढ़ा तो नहीं। देवता बूढ़े नहीं होते। लेकिन उसकी आँखें सुनहरी नसों से लाल थीं। उसके चेहरे पर एक अस्वस्थ चमक थी, मानो वह अपने दिव्य रूप में प्रकट होकर पूरे विद्यार्थियों को पेय मिश्रण के पाउडर में बदल देगा। उन्होंने कहा, "कृपया मुझे बताएं कि आपके पास कोई खबर है।"
कहानी सुनाना और लज़ान्या सैंडविच खाना एक साथ मुश्किल है। इसलिए मैंने सैंडविच को प्राथमिकता दी। मैंने सिर हिलाया और सैंडविच खाते हुए देखा कि गैनीमेड और भी ज़्यादा बेचैन होता जा रहा है। मुझे नहीं पता था कि वह इस खबर पर कैसी प्रतिक्रिया देगा। अगर वह मुझे भाप बना देता, तो मैं चाहता था कि मेरा आखिरी भोजन अच्छा हो।
“तो,” मैंने कपकेक की ओर बढ़ते हुए कहा, “हमें लगता है कि जिस आदमी ने तुम्हारा प्याला चुराया है, वह वाशिंगटन स्क्वायर पार्क में घूम रहा है।” मैंने उसे वह सब बताया जो हमें पता था, और यह भी बताया कि हम चोर को कैसे ढूंढने की योजना बना रहे हैं।
“अमृत,” गैनीमेड ने धीरे से कहा। “अच्छा है। यह काम कर सकता है।”
मैंने पूछा, "क्या आपको पता है कि यह गैरी कौन हो सकता है? क्या इस नाम से आपका कोई दुश्मन है?"
उसने अपना सिर हिलाया। “मेरे बहुत सारे दुश्मन हैं। उनमें से कुछ का नाम गैरी भी हो सकता है। मुझे नहीं पता।”
उसकी आवाज़ इतनी दयनीय लग रही थी कि मैं उसे आश्वस्त करना चाहता था कि सब ठीक हो जाएगा, लेकिन मुझे यकीन नहीं था कि मुझे ऐसा वादा करना चाहिए या नहीं। अगर मैं भगवान होता, और कोई मुझसे कहता कि मेरा कीमती प्याला वाशिंगटन स्क्वायर पार्क में है, तो मैं क्रोध से भर उठता और लोगों के सिर फोड़ने और उनकी जेबें खाली करने लगता।

लेकिन जैसा कि मुझे पहले भी कई बार बताया गया था, देवता इस तरह के काम नहीं करते। यह ईश्वरीय आचरण के महान ब्रह्मांडीय नियमों के विरुद्ध था। कोई भी आपकी दिव्य वस्तु चुरा सकता था। केवल एक नायक ही उसे आपके लिए वापस ला सकता था। और नायक से मेरा तात्पर्य है मैं, वह मूर्ख जिसे अनुशंसा पत्रों की आवश्यकता थी।
और अगर गैनीमेड ग्रीनविच विलेज को तहस-नहस करने लगता, तो शायद दूसरे देवताओं को भी इसका पता चल जाता। तब उसकी शर्म सबके सामने ज़ाहिर हो जाती। वीडियो शायद गॉडटॉक या माउंट ओलंपस पर आजकल जो भी चल रहा होता, उस पर वायरल हो जाता।
मैंने कहा, "अगर मुझे पता चल जाए कि इस आदमी ने तुम्हारा प्याला क्यों चुराया, तो इससे बहुत मदद मिलेगी।"
“कोई ऐसा क्यों करेगा?” गैनीमेड ने कहा। “अमर होने के लिए? मुझे शर्मिंदा करने के लिए? अमर होकर मुझे हमेशा के लिए शर्मिंदा करने के लिए? मुझे नहीं पता।”
वह मेज के उस पार झुककर मेरी कलाई पकड़ ली, उसकी सोने की अंगूठियां मेरी त्वचा में चुभ रही थीं। “पर्सी जैक्सन, तुम्हें जल्दी से प्याला लाना होगा। समय कम है। मुझे पेय डालने की तीव्र इच्छा हो रही है। ज़्यूस किसी भी क्षण भोज का आयोजन कर सकता है!”
“ओह, हाँ... उस बारे में।” मैंने उसे बताया कि आइरिस ने अगले रविवार से एक सप्ताह बाद होने वाले एपुलम मिनर्वा पर्व के बारे में क्या कहा था। गैनीमेड ने अपना सिर नीचे कर लिया। हमारे चारों ओर, लोगों के कपों से रस, सोडा और पानी के फव्वारे फूट पड़े। "वाह!" की चीखें कमरे में गूंज उठीं क्योंकि मेरे सहपाठी अचानक से गर्म हुए पेय पदार्थों से बचने के लिए अपनी सीटों से उछल पड़े।
गैनीमेड ने आह भरी। “मुझे शायद इन्हें फिर से भर लेना चाहिए। लेकिन मेरी बात सुनो, पर्सी जैक्सन। ज़्यूस अप्रत्याशित है। हो सकता है कि वह एपुलम मिनर्वा भोज तक भी इंतज़ार न करे! जैसे ही उसके मन में अपने किसी मेहमान को बधाई देने का विचार आए, चाहे दिन हो या रात, मुझे अपना प्याला हाथ में लेकर वहाँ मौजूद रहना होगा। वरना...”
मैंने अनुमान लगाया, "तुम गए काम से।"

“बहुत हास्यास्पद,” देवता बड़बड़ाया। “क्या तुम हज़ारों सालों से टोस्ट के शब्दों से डरते नहीं रहे हो! मेरे कुछ सबसे बुरे सपने...” उसकी आवाज़ धीमी हो गई। “छोड़ो। बस मुझे निराश मत करना।”
फिर वह प्यासे और पेय से सने हुए सभी छात्रों को ओलंपियन पेय संख्या छह वितरित करने के लिए उठा।
उस दोपहर मैंने कुछ असामान्य किया। मैं पुस्तकालय गया।
हाँ, मुझे पता है। मुझे लगभग वो आवाज़ सुनाई दे रही थी जो तुम्हारे दिमाग में घूम रही थी जब तुम उस विचार को समझने की कोशिश कर रहे थे। अगर मैं तुमसे कहूँ कि मैं फिर से टारटेरस में गिर गया, या किसी दैत्य ने मुझे निगल लिया, या मुझे किसी ज्वालामुखी में बंजी जंपिंग करनी पड़ी, तो तुम कहोगे, हाँ, ये तो समझ में आता है। लेकिन पर्सी का लाइब्रेरी जाना? ये तो बिलकुल ही अलग बात है।
सच कहूँ तो, मुझे पुस्तकालयों से कोई शिकायत नहीं है। वे घूमने-फिरने के लिए शांत और बढ़िया जगहें हैं, और जितने भी लाइब्रेरियन से मैं मिला हूँ, वे सभी अच्छे लोग हैं। बस दिक्कत यह है कि पुस्तकालय किताबों से भरे होते हैं। डिस्लेक्सिया से पीड़ित होने के कारण, मुझे किताब अक्सर सिरदर्द का दूसरा नाम लगती है। लेकिन कभी-कभी, किताबें ही जानकारी पाने का एकमात्र ज़रिया होती हैं, इसलिए सिरदर्द का जोखिम उठाना ही पड़ता है। पढ़ने के महत्व पर मेरा TED Talk यहीं समाप्त होता है।
खैर, मुझे सोचने के लिए एक जगह चाहिए थी। मैं यह पता लगाना चाहता था कि सोमवार सुबह गैरी द गोब्लेट गैंकर के खिलाफ मुझे क्या करना है। मैंने पहले लाइब्रेरी के कंप्यूटर पर कोशिश की, लेकिन हमेशा की तरह, इंटरनेट से कोई मदद नहीं मिली। मुझे लगता है कि मेरे सामने आने वाली सारी अजीबोगरीब चीजें इतनी पुरानी और विचित्र हैं कि किसी ने भी देवताओं को मारने वाली चीजों के लिए कोई फैन विकी बनाने की जहमत नहीं उठाई है। अगर आपको ऑनलाइन राक्षसों के बारे में जानकारी मिलती भी है, तो आमतौर पर वह किसी वीडियो गेम में उन्हें हराने के तरीके के बारे में होती है। असल जिंदगी में, Z बटन को दबाए रखते हुए बाएँ बटन को दबाने से कुछ खास नहीं होता।
इसलिए मैंने पढ़ाई शुरू कर दी।

मुझे ग्रीक पौराणिक कथाओं के पाँच अलग-अलग संग्रह मिले। मैंने उन सभी को देखा। मुझे याद आया कि पीछे एक इंडेक्स भी था। मैंने उसमें उन देवी- देवताओं या राक्षसों को खोजा जिनके नाम गैरी से मिलते-जुलते हों।
फिर से गेरियन। ग्रे सिस्टर्स। मुझे गार्म नाम के एक नॉर्स भेड़िये के बारे में याद आया, लेकिन मैं शक्तिशाली थोर नहीं था, इसलिए मैं उस इंद्रधनुषी पुल को पार नहीं करना चाहता था। ग्रीक पक्ष में ही मेरे पास चिंता करने के लिए बहुत कुछ था।
अंततः, मैंने पौराणिक कथाओं की किताबें एक तरफ रख दीं। मैंने अपनी पाठ्यपुस्तकें निकालीं और पढ़ने की कोशिश की।
मेरा पैर कांपना बंद नहीं हो रहा था। मेरा सिर चकरा रहा था। मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं खुद को पढ़ाई करने की कोशिश करते हुए देख रहा हूँ, न कि सच में पढ़ाई कर रहा हूँ।
मुझे स्नातक होने की चिंता थी। मुझे एनाबेथ के साथ न्यू रोम जाने की चिंता थी। लेकिन मुझे विज्ञान, अमेरिकी साहित्य या प्रेरक निबंधों की कोई परवाह नहीं थी। और यद्यपि मैं जानती थी कि ये सब चीजें मेरे समग्र लक्ष्य से जुड़ी हुई हैं, फिर भी मुझे इस बात पर यकीन दिलाने में कठिनाई हो रही थी। मैं पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहा था।
मैंने एक निबंध का एक वाक्य लिखा: इस प्रेरक निबंध में मैं आपको मना लूंगा...
ठीक है। आधा वाक्य।
मैंने अपनी विज्ञान की पाठ्यपुस्तक को घूरकर देखा।
मैंने वाशिंगटन स्क्वायर पार्क में ग्रे सिस्टर्स, ग्रे वुल्फ्स और डरावने गैरीज़ के बारे में सोचा। लेकिन मेरे दिमाग में बार-बार जो छवि उभर रही थी, वह थी गैनीमेड का चेहरा, जब उसने अपने बुरे सपनों के बारे में बताया था। वह मेरे एक सहपाठी जैसा लग रहा था, जिसे स्कूल जाते समय लूट लिया गया था: आँखें खाली खिड़कियों जैसी, एक ऐसा चेहरा जो भाव व्यक्त करना भूल चुका था।
एलिसन का हाल कुछ ऐसा था जब मैंने उसकी नदी में विस्फोट कर दिया था। मुझे अब भी उस बात का बहुत बुरा लगता है। गैनीमेड के जीवन में एक और बड़ा, चिरस्थायी उत्पीड़क था: ज़्यूस, एक ऐसा देवता जिसके जैसा मैं कभी नहीं बनना चाहता था। मुझे उन दोनों देवताओं के बीच की पूरी कहानी नहीं पता थी।

हमेशा की तरह, मिथकों में मूलतः केवल ज़्यूस का पक्ष ही बताया गया था। लेकिन यह स्पष्ट था कि गैनीमेड की मानसिक स्थिति कुछ ठीक नहीं थी।
मैंने कल्पना करने की कोशिश की कि मेरा जीवन भी गैनीमेड की तरह बिखर जाए— किशोरावस्था में ही मेरा अपहरण कर लिया जाए और मुझे माउंट ओलंपस ले जाया जाए क्योंकि ज़्यूस को लगता था कि मैं देखने में आकर्षक हूँ, और फिर मैं हमेशा के लिए उसी स्थिति में फंसा रहूँ। कभी बूढ़ा न होऊँ। कभी विकसित न होऊँ। कभी बीमार न पड़ूँ। कभी ठीक न होऊँ।
मुझे समझ आ गया कि मैं जवाब ढूंढने के लिए इतनी मेहनत क्यों कर रहा था। अब मैं इस खोज को महज एक असुविधा नहीं मान रहा था। मैं गैनीमेड की मदद करना चाहता था। अगर मैं उसे हेबे जीबिज ले जाकर कराओके मशीन पर उसके साथ प्राचीन ग्रीक गाने गाकर उसे फिर से इंसान बना सकता, तो मैं ज़रूर ऐसा करता।
चूंकि मैं ऐसा नहीं कर सका, इसलिए मुझे उसका प्याला वापस लाना पड़ा। अंततः, मैंने पुस्तकालय का काम छोड़ दिया। घर जाते समय मुझे असफलता का एहसास हुआ, और चिंता सता रही थी कि सोमवार सुबह जो भी होगा, उसके लिए मैं बिल्कुल भी तैयार नहीं होऊंगी। शायद पिछली रात को थोड़ी नींद तो मिल ही जाए।
पता चला कि मैं वह भी नहीं कर सकता था।

TWENTY-FOUR

I BRUSH MY TEETH (IN THE MOST HEROIC WAY POSSIBLE)

[illegible] 4:30 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

"[illegible]"

[illegible]

"[illegible]"

[illegible]

[illegible]

एनाबेथ ने कार्गो पैंट, टैंक टॉप, अपना बैकपैक और रनिंग शूज़ पहने हुए थे, जिससे मुझे शक हुआ कि यह महज़ एक सामाजिक मुलाकात नहीं थी।
“मुझे नींद नहीं आ रही थी,” उसने कहा। “सोचा क्यों न अभी से शुरुआत कर लें।” उसने अपना बैग कंधे से उतारा और आइरिस की सुनहरे रंग के तरल पदार्थ से भरी शीशी निकाली।
मैंने कहा, "यह चीज़ मुझे डरा देती है। यह रेडियोधर्मी शहद जैसा दिखता है।" "नहीं, यह रेडियोधर्मी नहीं है, प्रिये।"
"आपने वहां क्या किया वह मैने देखा।"
उसने जार को हिलाया, जिससे वह और भी चमकने लगा। "मैं यह जानना चाहती थी कि गाढ़ा अमृत कैसे काम करता है, इसलिए मैंने जुनिपर से बात की।"
मैं उठकर बैठ गया। "तुम इस सप्ताहांत कैंप गए थे?"
“अभी-अभी एक आइरिस संदेश भेजा है।” एनाबेथ मेरे बिस्तर के किनारे बैठ गई। “पता चला है कि ड्रायडिक कोवेन विशेष आपात स्थितियों के लिए अपने तहखाने में गाढ़ा अमृत रखती है।”
“ड्रायडिक कोवेन? क्या ऐसा भी कुछ होता है?”
मैंने कल्पना की कि लहराते हुए हरे और भूरे रंग के वस्त्र पहने महिलाओं का एक समूह उपचार करने वाले क्रिस्टल से लटके एक पेड़ के चारों ओर नाच रहा है, जैसे कि स्टीवी निक्स के कॉस्ट्यूम पहने लोगों का कोई सम्मेलन हो। एनाबेथ ने अपनी उंगली होठों पर रखी। “यह बात तुमने मुझसे नहीं सुनी। कहा जाता है कि गाढ़ा अमृत मृत्यु के कगार पर खड़ी प्रकृति की आत्मा को ठीक कर सकता है, लेकिन यह जोखिम भरा है। एक बार, बुरी तरह से जली हुई ओक की अप्सरा ग्रेनाइट के एक टुकड़े के रूप में पुनर्जीवित हो गई थी।”
मैंने अपनी आँखें मलीं। मुझे लगा कि मैं अभी भी सो रही हूँ, क्योंकि ऐसा लग रहा था जैसे एनाबेथ मेरे बिस्तर पर बैठकर पेड़ों और चट्टानों के बारे में बातें कर रही हो। "ठीक है।"
“और हाँ, अमृत शब्द का अर्थ मृत्यु पर विजय प्राप्त करना होता है। क्या आपको यह पता था?”
मैं वापस सोने जा रहा हूँ।
"रुको, यह महत्वपूर्ण हिस्सा है। जुनिपर ने कहा कि यह चीज़ इतनी सुगंधित है कि इसकी एक ही गंध किसी देवता को बेहोश कर सकती है।"
उस बात ने मेरा ध्यान खींचा। "आइरिस ने इस बारे में क्यों नहीं बताया?"

“शायद उसने इस बारे में सोचा भी नहीं होगा,” एनाबेथ ने कहा। “लेकिन चूंकि आज सुबह हमारे पास बेहोश होने का समय नहीं है…” उसने अपने बैग में हाथ डाला और टिशू का एक पैकेट और मेन्थॉल क्रीम की एक बोतल निकाली। “इसे खोलने से पहले हम अपनी नाक बंद कर लेते हैं।”
मैंने कहा, "शानदार," हालांकि मैं सोच रहा था कि ग्रीनविच विलेज में अपनी नाक से क्लीनेक्स के दांत बाहर निकालते हुए घूमना कितना अच्छा लगेगा। “हाँ,” एनाबेथ ने सहमति जताई। “संकट टल गया। खैर, अब मुझे जुनिपर का एहसान चुकाना है।”
ऐसा लग रहा था जैसे वह सोच रही हो कि उसका एहसान कैसे चुकाया जाए... और क्या अप्सराओं को कपकेक पसंद होते हैं।
मैंने पूछा, "वह कैसी है?"
एनाबेथ ने मेरे घुटने पर थपथपाते हुए कहा, "ग्रोवर को तुमने अच्छी सलाह दी होगी। उसने उससे माफी मांग ली, उसके साथ जंगल में पौधे लगाते हुए कुछ अच्छा समय बिताया। लगता है अब उनके बीच सब ठीक हो गया है।"
“अरे, जब बात परफेक्ट बॉयफ्रेंड बनने की सलाह की आती है तो—”
वह हँसी, फिर झिझकते हुए दीवार की ओर देखा। "ज़्यादा आवाज़ तो नहीं? मैं सैली और पॉल को जगाना नहीं चाहती।"
मैंने उसे आश्वस्त करते हुए कहा, "कोई बात नहीं।"
अपार्टमेंट की दीवारें आश्चर्यजनक रूप से मोटी थीं। और अगर मेरी माँ ने एनाबेथ को मेरे कमरे में सुना भी, तो सबसे बुरा नतीजा यह होगा कि वह मेरी प्रेमिका को एक कप चाय दे देंगी।
यह अजीब बात है कि जब आपके माता-पिता आपको स्वीकार कर लेते हैं, आपका समर्थन करते हैं और यह मान लेते हैं कि आप सही काम करेंगे, तो आप सही काम करना चाहते हैं। कम से कम मेरा अनुभव तो यही रहा है, और हम मेरी बात कर रहे हैं। मेरी माँ के पास ज़्यादातर माता-पिता से ज़्यादा चिंता करने का कारण है। कई साल बोर्डिंग स्कूलों में बिताने, गर्मियों में कैंप में रहने और महीनों तक सड़क पर मुश्किलों का सामना करने के बाद भी, मुझे पूरे समय घर पर रहने की आदत नहीं थी, लेकिन मुझे यह मानना पड़ेगा कि माँ और पॉल के साथ रहना बहुत अच्छा अनुभव था।
“क्या तुम दोबारा सोच रही हो?” एनाबेथ ने मुझसे पूछा।
मुझे एहसास हुआ कि वह मेरे चेहरे के भाव पढ़ रही थी। "किस बारे में?"

"न्यूयॉर्क छोड़कर जा रही हूँ, बच्चा भी आने वाला है।"
“नहीं… मतलब, नहीं। मैं बस यही सोच रही थी कि कुछ समय घर पर रहना कितना अच्छा रहा है। और वे रात के खाने पर कितने खुश दिख रहे थे। मुझे आश्चर्य है कि मेरी माँ को एक सामान्य बच्चा होने पर कैसा लगेगा।”
“मुझे नहीं लगता कि सैली कभी सामान्य बच्चे को जन्म दे पाएगी,” एनाबेथ ने कहा। “क्योंकि वह खुद सामान्य नहीं है। पॉल भी नहीं है।”
“बिल्कुल सही। बच्चा शायद बैटमैन की तरह पैदा होगा—कोई महाशक्तियां नहीं होंगी लेकिन फिर भी छह पीएचडी डिग्री वाला एक पूरा दानव होगा।”
"अब मैं उस बच्चे की कल्पना कर रहा हूँ जिसने नुकीले कानों वाला एक वनसी पहना हुआ है।"
ग्रोवर प्रसन्न होंगे।
उसने नाक सिकोड़ी। “मैं बस इतना कह रही हूँ... अगर आपको जाने को लेकर दुविधा हो रही है तो कोई बात नहीं—”
मैंने झुककर उसे चूमा। “कोई विवाद नहीं। कोई दुविधा नहीं। मैंने तुमसे कहा था। मैं तुम्हें फिर कभी छोड़कर नहीं जाऊंगा।”
“ठीक है।” उसने नाक सिकोड़ी। “वैसे, अगर आप कुछ मिनटों के लिए अपने दांत साफ करने जाना चाहें तो कोई बात नहीं। आपकी सांसों से थोड़ी बदबू आ रही है…”
"अरे, तुमने मुझे जगा दिया।"
“यह सुनकर मुझे याद आया।” उसने गाढ़े अमृत से भरी अपनी शीशी ऊपर उठाई। “हमें अब जल्दी चलना चाहिए।”
“यह तो शुरुआती समय से भी पहले है—”
“मुझे पता है,” उसने कहा। “लेकिन आपको तैयार होने के लिए तीस मिनट का समय है, क्योंकि आप धीरे काम करते हैं।”
"मैं क्षमा चाहता हूँ?"
“वॉशिंगटन स्क्वायर पार्क तक पहुंचने में पैंतालीस मिनट लगेंगे। फिर हमें अपना काम करना है और आपको समय पर स्कूल वापस पहुंचाना है—”
"गणित से तो मेरा सिर चकरा जाता है।"
एनाबेथ के पास एक जादुई शक्ति है जिससे वह भविष्य देख सकती है और यह पता लगा सकती है कि किसी काम को पूरा करने में कितना समय लगेगा। वह अपनी इस

शक्ति को "शेड्यूलिंग" कहती है, जो मेरी टालमटोल करने की जादुई शक्ति को पूरी तरह से नकार देती है।
मैं तैयार होने के लिए बाथरूम में गया। तीस मिनट, ठीक है। ठीक है। जल्दी से नहा लेता हूँ। कपड़े निकालता हूँ। दाँत ब्रश करता हूँ। जूते पहनता हूँ।
मुझे इसमें इकत्तीस मिनट लगे।
यह मूर्खतापूर्ण जादुई समय-निर्धारण शक्ति है।
शाम पांच बजकर पंद्रह मिनट पर, हम चुपके से अपार्टमेंट से निकले और ट्रेन की ओर चल पड़े, शायद गैनीमेड का प्याला ढूंढने का यह मेरा आखिरी मौका हो... या शायद हमें गैरी न मिले, और स्कूल में बस एक और सोमवार जैसा ही दिन बीत जाए। सच कहूँ तो मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मुझे किस बात से ज़्यादा डर लग रहा था।

ग्रोवर मोची डोनट्स लेकर आया था।
जी-मैन को बोनस अंक।
हम तीनों वाशिंगटन स्क्वायर पार्क में बने बड़े सफेद मेहराब के नीचे खड़े होकर अपना मीठा नाश्ता कर रहे थे और अपने आसपास के वातावरण का जायजा ले रहे थे।
मैं पहले कभी इतनी सुबह पार्क नहीं आई थी। सूरज अभी निकल ही रहा था, उसकी गुलाबी रोशनी गलियों में फैल रही थी और चौक के चारों ओर की इमारतों के ईंटों के अग्रभागों को नहला रही थी। हमारे सामने मुख्य प्लाज़ा फैला हुआ था—केंद्रीय फव्वारे से निकलता हुआ धूसर पत्थरों का एक विशाल गोलाकार ढांचा। एनाबेथ ने कहा कि यह डिज़ाइन उसे धूपघड़ी या पहिये की याद दिलाता है। लेकिन न्यूयॉर्क में जन्मी होने के नाते, मुझे यह किसी बड़े से मैनहोल के ढक्कन जैसा लग रहा था।
फव्वारा चल नहीं रहा था। गर्मियों में यह बच्चों के लिए एक बढ़िया छोटा तालाब होता था, लेकिन अब उसका बेसिन सूखा था। मैंने कल्पना की कि वह मुझे देख रहा होगा और सोच रहा होगा, "वाह, बढ़िया! ये रहा पर्सी। अब मुझे या तो विस्फोट करना होगा या किसी राक्षस को डुबोना होगा।" जैसा कि मैंने शायद पहले भी बताया है, पानी से जुड़ी चीज़ें मुझे ज़्यादा पसंद नहीं करतीं। लोगों की बात करें तो, वहाँ बहुत कम लोग थे। एक महिला अपने कुत्ते को एक पगडंडी पर टहला रही थी। कुछ यात्री जल्दी-जल्दी प्लाज़ा पार कर रहे थे। दो बुज़ुर्ग लोग एल्म के पेड़ों के नीचे एक मेज़ पर शतरंज खेल रहे थे। मैनहट्टन में आमतौर पर जितनी सुनसान जगह होती है, यह जगह उतनी ही सुनसान थी।
“तैयार हो?” ग्रोवर ने पूछा। वह बहादुर और दृढ़ दिखने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उसकी दाढ़ी में बिखरे हरे रंग के माचा पाउडर ने उसकी इस छवि को थोड़ा धूमिल कर दिया।

मैंने कहा, "चलो करते हैं।"
मैंने कुकी मॉन्स्टर का आखिरी डोनट खा लिया था—जो जाहिर तौर पर सबसे अच्छा फ्लेवर था, क्योंकि वह चमकीला नीला था—तो अब गैरी को ढूंढने के अलावा और कुछ नहीं बचा था।
एनाबेथ ने अपने बचे हुए बैंगनी उबे मोची को लपेटकर अपने बैग में रख लिया, फिर टिशू और मेन्थॉल रब सबको बांट दिए।
"क्या पुलिस वाले लाशों की जांच करने से पहले यही नहीं करते?" ग्रोवर ने अपनी नाक बंद करते हुए पूछा।
“चलिए, ऐसी तुलना न करें,” एनाबेथ ने सुझाव दिया। “आज कोई लाश नहीं चाहिए, ठीक है?”
“ओह-टे,” मैंने कहा, नाक में टिशू पेपर के गुच्छे फंसे होने के कारण मैं बस इतना ही कह पाया। मेन्थॉल की वजह से मेरी आँखों से पानी आ रहा था। मेरा गला ऐसे जल रहा था जैसे कोई कोआला मुझे मुंह से सांस दे रहा हो, लेकिन मैंने सोचा कि अमृत के नशे में बेहोश होने से तो यह बेहतर ही था।
“लो, शुरू करते हैं।” एनाबेथ ने अपनी चमकती शीशी निकाली और उसका ढक्कन घुमाकर खोल दिया।
उसने शीशी को थोड़ा सा झुकाया, और उसमें से तीन सुनहरी बूँदें निकलीं। गिरने के बजाय, वे हवा के झोंके के साथ बह गईं और साबुन के बुलबुलों की तरह हवा में तैरने लगीं। हर बूँद अलग-अलग दिशा में चली गई।
“यह मददगार नहीं है,” एनाबेथ ने कहा। “क्या हमें अलग हो जाना चाहिए?” मैंने कहा, "यह हमेशा से ही एक बुरा विचार रहा है।"
तो हमने वही किया।
मुझे एनाबेथ और ग्रोवर के खो जाने की ज़्यादा चिंता नहीं थी, क्योंकि वे पार्क के आधे रास्ते तक भी चले जाते तो भी मेरी नज़र में रहते। एनाबेथ अपने अमृत की बूंद का पीछा करते हुए मुख्य गलियारे से शतरंज की मेज़ों की ओर चली गई। ग्रोवर का बुलबुला उसे पेड़ों के बीच से ले गया। मेरा बुलबुला बच्चों के खेल के मैदान की ओर लड़खड़ाता हुआ चला गया। मैंने एक राहगीर को हाथ में कॉफ़ी लिए जल्दी-जल्दी चलते देखा, लेकिन उसने मुझे काफ़ी दूर से रास्ता दिया, जैसा कि आप तब करते हैं जब आप किसी अजनबी बच्चे को देखते हैं जिसकी नाक से टिशू लटक रहे हों। उसे चमकते हुए अमृत का पता ही नहीं चला। सौभाग्य से, वह बेहोश भी नहीं हुई। शायद उस गंध का आम इंसानों पर कोई असर नहीं हुआ।

जैसे ही मैं उछलती हुई गेंद का पीछा कर रहा था, मुझे ग्रोवर की वो बात याद आ गई कि प्रकृति की आत्माएं पार्क छोड़कर चली जाती हैं। जगह सचमुच वीरान लग रही थी। न गिलहरी, न चूहे, न कबूतर। पेड़ भी बहुत शांत लग रहे थे, जो आपको तब तक पता नहीं चलता जब तक आप अप्सराओं के साथ समय न बिता चुके हों। उनकी सुकून भरी मौजूदगी की आदत पड़ जाती है, जैसे कोई आपके कान में लोरी गुनगुना रहा हो। जब वे चली जाती हैं, तो उनकी कमी खलती है।
मेरे पैरों के नीचे बजरी चरमरा रही थी। मेरे पेट में कुकी मॉन्स्टर मोची का स्वाद गूंज रहा था। जब मैं खेल के मैदान के किनारे पर पहुंचा, तो मुझे एहसास हुआ कि सब कुछ कितना शांत हो गया था। सड़क पर कोई गाड़ी नहीं चल रही थी। हवा बिल्कुल थम गई थी। पेड़ों की छतरियां ऊपर हरे रंग की बर्फ की चादरों की तरह स्थिर फैली हुई थीं।
अमृत का बुलबुला खेल के ढांचे की ओर बढ़ा। यह चढ़ने वाली जंजीरों के सहारे ऊपर चढ़ते हुए लघु किले के शिखर तक पहुंचा और फिर आग की लपटों में बदल गया। हाँ... शायद यह सामान्य ही था।
मैंने अपने दोस्तों की तरफ एक नजर डाली।
ग्रोवर एक विशाल एल्म वृक्ष के पास रुक गया था। उसका कान वृक्ष के तने से सटा हुआ था, मानो वह कोई आवाज़ सुनने की कोशिश कर रहा हो। उसके सिर से निकली अमृत की बूंद गायब हो चुकी थी।
लगभग पचास गज बाईं ओर, एनाबेथ पहले शतरंज के टेबल पर खड़ी होकर खेल देख रही थी। दोनों बूढ़े आदमी अपने बोर्ड पर झुके हुए थे, मोहरों को घूर रहे थे, लेकिन उनमें से कोई भी हिला नहीं। एनाबेथ का चमकता हुआ अमृत का बुलबुला भी गायब हो गया था।
कुछ गड़बड़ थी।
मैं उसे पुकारना चाहता था, उसकी उस अजीब सी तंद्रा को तोड़ना चाहता था, लेकिन मेरी आवाज़ साथ नहीं दे रही थी। तनावपूर्ण सन्नाटे ने मुझे चिल्लाने या ध्यान आकर्षित करने से डरा दिया था।
मुझे ऐसा लगा जैसे कोई चीज़ मेरे दिमाग को फिर से व्यवस्थित कर रही हो, समय को लेकर मेरी धारणा बदल रही हो। पिछली बार जब मुझे यह अनुभूति हुई थी... तब मैं बारह साल का था, सांता मोनिका के एक समुद्र तट पर खड़ा था, और तभी मैंने पहली बार काल की शक्ति को महसूस किया था।
"हाँ, यह समान है," मेरे पीछे से एक आवाज़ आई।

मैंने मुड़कर अपनी कलम-तलवार को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन मुझे ऐसा लगा जैसे मैं जेली में चल रहा हूँ। खेल के ढांचे पर एक बूढ़ा आदमी खड़ा था... या यूँ कहें कि एक बूढ़ा आदमी कैसा दिखता होगा अगर वह बूढ़ा ही पैदा होता और हज़ार साल और जीता।
वह पहली कक्षा के बच्चे जितना छोटा था, उसकी पीठ मछली पकड़ने के कांटे की तरह मुड़ी हुई थी। उसकी त्वचा हड्डियों से लटकी हुई भूरी परतों में कीड़ों से खाए हुए पर्दों की तरह दिख रही थी। उसने केवल एक लंगोटी पहनी हुई थी, जिससे मुझे उसकी पतली-दुबली टांगें, टेढ़े-मेढ़े पैर और धंसा हुआ पेट साफ दिखाई दे रहा था। उसका सिर मुझे एक उबले हुए अंडे की याद दिलाता था जिसे एक हफ्ते तक सड़ने के लिए छोड़ दिया गया हो। और उसका चेहरा...
उस आदमी की मांसल नाक लाल केशिकाओं के जाल से ढकी हुई थी... उसके पूरे शरीर में सबसे चमकीला रंग। उसकी आँखें मोतियाबिंद के कारण धुंधली थीं। उसका मुँह ऐसा लग रहा था मानो किसी ने धातु के पाइप से उसके सारे दाँत तोड़ दिए हों।
“एक तस्वीर खींच लो,” बूढ़े आदमी ने बड़बड़ाते हुए कहा। “यह ज्यादा समय तक रहेगी।”
मैंने बोलने की कोशिश की। चिपचिपी हवा मेरे फेफड़ों पर जम गई थी, जिससे सांस लेना मुश्किल हो रहा था। मैंने घुटन से बचने के लिए नाक से टिशू के प्लग निकाल दिए।
“तुम्हारा क्या मतलब है?” मैंने कर्कश आवाज में कहा।
उस बूढ़े आदमी ने आंखें घुमाईं। "मेरा मतलब है, तस्वीरें तो हमेशा रहती हैं—"
“वो नहीं। ‘यह समान है’ से आपका क्या मतलब था?”
उन्होंने कहा, "मेरी शक्ति। यह कुछ-कुछ उसी तरह है जैसे क्रोनोस समय को खींचता है।"
"तुमने कैसे किया-"
“जानते हो तुम क्या सोच रहे थे? मेरे प्यारे बेटे, जब तुम मेरी उम्र के हो जाओगे, तो कुछ भी चौंकाने वाला नहीं लगेगा। वैसे भी, मैं तुम्हें जानता हूँ, पर्सी जैक्सन। मैं तुम्हें देखता आ रहा हूँ।”
मेरे रोंगटे खड़े हो गए। डायपर पहने एक बूढ़ा आदमी मुझे देख रहा था। यह बिल्कुल भी डरावना नहीं था।

"मुझे लगता है कि आप गैरी हैं?"
“या गेरास, अगर आप चाहें तो।” उन्होंने मेरे आगे के सवालों को रोकने के लिए अपना सूखा हाथ उठाया। “और हाँ, मैं एक देवता हूँ। मैं आपको एक संकेत देता हूँ कि मैं किस चीज़ का देवता हूँ। मेरे नाम से ही आपको 'वृद्धावस्था' शब्द मिलता है।”
मेरे दिमाग में तरह-तरह की भयानक संभावनाएं दौड़ रही थीं। मुझे वयस्कों के लिए मूत्र असंयम के उत्पादों, बिंगो पार्लरों, कृत्रिम दांतों की क्रीम, फाइबर सप्लीमेंट्स... या शायद शरारती बच्चों को अपने लॉन से हटने के लिए चिल्लाने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। फिर मेरे घबराए हुए दिमाग ने उन सभी चीजों को एक बड़ी श्रेणी में समेट दिया।
“ओह,” मैंने कहा। “बुढ़ापे के देवता?”
“डिंग, डिंग।” गैरी ने अपने बिना दांत वाले मसूड़े दिखाते हुए कहा, “अब शायद आपको समझ आ गया होगा कि मैंने गैनीमेड का छोटा सा सिप्पी कप क्यों चुराया था।”
उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया। एक पल में ही, उसकी हथेली के ऊपर एक मिट्टी का बर्तन तैरता हुआ दिखाई दिया, लेकिन वह पीने के कप से ज़्यादा उड़न तश्तरी जैसा लग रहा था। कटोरा चौड़ा और उथला था, जिसमें दो बड़े-बड़े हैंडल लगे थे। मुझे पूरा यकीन था कि मेरी माँ के पास भी ऐसा ही सलाद का कटोरा था। बाहरी भाग काले और सुनहरे रंग से जगमगा रहा था, जिस पर देवताओं के भोज के दृश्य बने थे और उनकी आकृतियाँ दिव्य कांसे के धागों से रेखांकित थीं। यह मिट्टी का एक शानदार नमूना था, लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा था कि कोई इससे अमृत कैसे निकाल सकता है।
मैंने अनुमान लगाया, "यह देवताओं का प्याला है।"
मैं यह कहना चाहता था कि बेशक मैं समझता हूँ कि गैरी ने इसे क्यों चुराया था। दुर्भाग्य से, मैं नहीं समझ पाया।
“तो… चूंकि आप पहले से ही अमर हैं, क्या यह प्याला आपको जवान बना देगा?” मैंने पूछा। “या फिर पेय पदार्थ परोसना आपका जीवन भर का सपना रहा है?” “ओह, ये तो निराशाजनक है…” गैरी ने मुट्ठी भींची और प्याला गायब हो गया। “शायद मुझे एनाबेथ चेज़ से शुरुआत करनी चाहिए थी। मुझे पता है वो बहुत बुद्धिमान है।”

मुझे सच में गुस्सा नहीं आया। अगर मैं किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश कर रहा होता जो मेरी शातिर योजना का अनुमान लगा सके ताकि मुझे खलनायक वाली घिसी- पिटी बातें न करनी पड़ें, तो मैं भी एनाबेथ से ही शुरुआत करता। दूसरी ओर... मैंने कहा, "एक मिनट रुको। तुमने हमें अमृत की बूंदों से अलग किया था।" मैंने पार्क पर एक नज़र डाली। एनाबेथ अभी भी शतरंज का मैच देख रही थी। ग्रोवर अभी भी एक पेड़ की आवाज़ सुन रहा था। वे तुरंत खतरे में नहीं लग रहे थे, लेकिन वे बहुत धीमी गति से चल रहे थे, जैसे किसी चिपचिपे पदार्थ में मक्खियाँ जो तेज़ी से जम कर अंबर बन रहा हो।
मैंने पूछा, “तुम हमारे साथ क्या कर रहे हो? क्या तुम हमें एक-एक करके मार रहे हो? क्या तुम हम सबको एक साथ मारने से डर रहे हो?”
गैरी ने नाक सिकोड़ी। “मैं चुटकी बजाते ही तुम तीनों को कब्र की धूल में बदल सकता हूँ। वैसे तो मैं ऐसा ही करता, क्योंकि तुम मेरा मज़ा किरकिरा करने की कोशिश कर रहे हो। लेकिन चूंकि गैनीमेड ने पर्सी जैक्सन को मेरे पीछे भेजा है... तो मैंने सोचा कि तुम्हें एक मौका दे दूं। मुझे उम्मीद थी कि तुम जैसे अर्धदेवों में से शायद समझ पाओगे कि मैंने प्याला क्यों लिया। लेकिन अगर तुम नहीं समझे, तो मैं तुम्हें अभी ही नष्ट कर दूंगा और तुम्हारे दोस्तों की ओर बढ़ जाऊंगा। शायद वे बेहतर हों।”
“नहीं!” मैं चीख पड़ी—सिर्फ इसलिए नहीं कि मैं कब्र की धूल नहीं बनना चाहती थी, बल्कि इसलिए कि मैं उसे एनाबेथ या ग्रोवर को चोट पहुँचाने नहीं दे सकती थी। “मैं पूरी तरह समझती हूँ। सचमुच।”
गैरी ने अपनी आँखें सिकोड़ लीं। "मुझे तुम्हारी बात पर यकीन नहीं है।" मुझे खुद पर भी यकीन नहीं हो रहा था। धिक्कार है उस समझदार बूढ़े आदमी पर। मैंने यह कल्पना करने की कोशिश की कि एनाबेथ क्या करेगी। मैंने सोचा कि ग्रोवर क्या करेगा। फिर, क्योंकि मेरा दिमाग थोड़ा अजीब है, मैंने सोचा कि मैं जिस स्थिति में हूँ, उसमें मैं क्या करूँगा।
मस्तिष्क में व्याप्त उस शैवाल के ढेर में कुछ जरूर क्लिक हुआ होगा, या कुचला गया होगा, या कम से कम थोड़ा बहुत इधर-उधर हिल गया होगा।
मैंने कहा, "आप वृद्धावस्था के देवता हैं। और यह प्याला मनुष्यों को अमर बना देता है।"
गैरी ने मुस्कुराते हुए मुझे आगे बोलने का इशारा किया।
मैंने कहा, "इससे लोग बूढ़े नहीं होते। और आपको यह पसंद नहीं है।"

“मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं,” गैरी गुस्से से बोला।
“ठीक है,” मैंने कहा। “क्योंकि लोगों को बूढ़ा होना चाहिए। उन्हें भगवान नहीं बनाया जाना चाहिए जैसे...” मैंने गैनीमेड के बारे में सोचा, जो जवान और सुंदर था और मेरे स्कूल की कैंटीन में दुखी होकर घूमता रहता था, लोगों के कप भरता रहता था। “तुम गैनीमेड को अपमानित करके एक उदाहरण पेश करना चाहते हो। तुम्हें लगा होगा कि मैं समझ जाऊँगा, क्योंकि मैंने एक बार अमरता को ठुकरा दिया था।”
गैरी ने थोड़ा झुककर मुझे प्रणाम किया और अपने सिर पर पड़े काले धब्बे दिखाए। "शायद तुम पूरी तरह से मूर्ख नहीं हो।"
मैंने कहा, "धन्यवाद। इस सप्ताह मेरा लक्ष्य पूरी तरह से मूर्ख न बनना था।" “गैनीमेड को देवता होने का कोई अधिकार नहीं है!” गैरी ने कहा। “कोई भी वस्तु जो मनुष्यों को अमरता प्रदान करती है, घृणित और गलत है। तुम सब मुरझाकर मरने और मिट्टी में मिल जाने के लिए बने हो। यही तुम्हारा उद्देश्य है!”
“उद्देश्य के लिए वाह!”
“हजारों वर्षों में अमरता को ठुकराने वाले तुम पहले अर्धदेवता थे,” गैरी ने कहा। “मैं इसका सम्मान करता हूँ। तुम मुझे समझते हो।”
मैंने कहा, "यह एक अच्छा आपसी मेलजोल का अनुभव रहा है। मुझे लगता है कि आपने अपनी बात साबित कर दी है। क्या अब मैं कप वापस ले सकता हूँ?"
गैरी गुस्से से घूर उठा। “तुम मज़ाक कर रहे हो क्या? इस मूर्खतापूर्ण खोज को क्यों पूरा करोगे? यहाँ से चले जाओ! गैनीमेड को सज़ा मिलने दो! देवताओं को अपना कीमती प्याला खोने दो ताकि उनके पास अमरता का अभिशाप दूसरों तक पहुँचाने का एक तरीका कम हो जाए!”
मैंने कहा, "मैं ज़रूर जाती। लेकिन मुझे कॉलेज के लिए सिफारिश पत्र चाहिए। और मैंने गैनीमेड से वादा किया है। वैसे भी, क्या आपको सच में लगता है कि उसे सज़ा देनी चाहिए? उसने ज़्यूस द्वारा अपहरण किए जाने के लिए तो नहीं कहा था, है ना?"
“अरे, बिलकुल नहीं!” गैरी ने कहा। “तुम्हें लगता है कि शाश्वत यौवन और अमरता उसे यहाँ पीड़ित बनाती है?”
“मेरा मतलब है... क्या आपने उस आदमी को देखा है? वह बहुत घबराया हुआ है।”

गैरी ने अपनी मुरझाई हुई भुजाएँ मोड़ लीं। “मुझे निराशा हुई है, पर्सी जैक्सन। अगर तुम गैनीमेड की मदद करने पर अड़े हो, तो शायद मैं तुम्हारे बारे में गलत था। अब तो तुम्हें कब्र में ही जाना होगा।”
“रुको!” मैंने धीमी आवाज़ में कहा। कभी-कभी जब मेरी जान को खतरा होता है, तो मेरी आवाज़ बचकानी सी हो जाती है। “देखो, मैं समझती हूँ कि तुम क्यों नाराज़ हो। लेकिन चूंकि हम दोनों इस बात पर सहमत हैं कि इंसान भगवान नहीं होने चाहिए, तो क्या कोई ऐसा तरीका नहीं है जिससे हम समझौता कर सकें?” गैरी ने मुझे गौर से देखा। उसकी आँखों के सामने दूधिया धब्बे ऐसे तैर रहे थे मानो किसी दूसरे ग्रह पर बादल हों।
“शायद…” उसकी चालाकी भरी आवाज़ सुनकर मुझे पछतावा हुआ कि मैंने यह सवाल क्यों पूछा। “कैसा रहेगा अगर मैं तुम्हें कप जीतने का एक मौका दूं? तुम्हें सम्मानित महसूस करना चाहिए, पर्सी जैक्सन। मानव जाति के इतिहास में, मैंने यह प्रस्ताव केवल एक ही नायक को दिया है।”
मैंने अनुमान लगाया, "हरक्यूलिस," क्योंकि इसका उत्तर लगभग हमेशा हरक्यूलिस ही होता है।
गैरी ने सिर हिलाया। “तुम्हें मुझे कुश्ती में हराना होगा। अगर तुम जीत गए, तो मैं तुम्हें प्याला दे दूंगा। अगर मैं जीत गया... तो तुम्हारा मकसद उम्मीद से पहले ही पूरा हो जाएगा, और मैं तुम्हें हड्डियों के चूर्ण में बदल दूंगा। क्या हम सहमत हैं?”

देवताओं से संबंधित चर्चाओं में, हम इसे एक चालबाजी वाला प्रश्न कहते हैं। अगर मैंने इनकार किया तो मैं धूल में मिल जाऊँगा। अगर मैंने हाँ कहा तो मुझे एक बूढ़े आदमी से कुश्ती लड़नी पड़ेगी। फिर मैं धूल में मिल जाऊँगा... गैरी को देखकर मुझे ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो रहा था—और यह सिर्फ उसकी गंदी धोती या टूटे दांतों की वजह से नहीं था। उसकी मौजूदगी से मुझे अपने ही शरीर में घुटन महसूस हो रही थी। मेरे कानों में खून की गड़गड़ाहट गूंज रही थी। मेरे हाथ पसीने से भीग गए थे। मुझे घबराहट से जूझना पड़ रहा था, मानो मेरा शरीर चूर-चूर होने लगा हो।
मुझे समझ में आया कि आइरिस जैसी देवी भी इस आदमी से क्यों डर सकती है। अमरता एक बात थी। हमेशा बूढ़ा रहना... वो बिल्कुल अलग बात थी। दूसरे देवता जवान और सुंदर दिखना पसंद करते थे। गैरी अपनी उम्र को, हर हज़ार साल को, स्वीकारता था। मैंने कल्पना की कि जब ओलंपियन उसे देखते होंगे, तो उन्हें पता चलता होगा कि वे वास्तव में कितने प्राचीन हैं। वह उस कहानी के चित्र जैसा था जिसमें एक आदमी कभी बूढ़ा नहीं होता, लेकिन उसका चित्र बूढ़ा हो जाता है। अर्ल ग्रे? नहीं। वो तो एक तरह की चाय है। खैर, कहानी ने मुझे डरा दिया।
इन सब बातों से मुझे कोई जवाब नहीं सूझा। गैरी उम्मीद भरी निगाहों से मेरी तरफ देख रहा था, इसलिए मैंने अपने अचूक आखिरी उपाय का सहारा लिया: टालमटोल करना।
मैंने कहा, "मेरी कुछ शर्तें हैं।"
गैरी ने अपना झुर्रीदार सिर झुकाया। "क्या कोई चिकित्सीय समस्या है?" “नहीं। तुमसे लड़ने की शर्तें हैं। पहली शर्त यह है कि अगर मैं हार गया, तो तुम सिर्फ मुझे मारोगे। मेरे दोस्तों को अकेला छोड़ दोगे।”
बुढ़ापा कभी किसी को अकेला नहीं छोड़ता।

“तुम समझ रहे हो ना मेरा मतलब। अब इन्हें झाड़ना मत। इन्हें ऐसे ही छोड़ दो।”
"स्वीकार्य।"
“अगला…” मैं हिचकिचाया। चलो, पर्सी। अगला तो होना ही चाहिए। “जब तुम कहते हो कि मुझे तुम्हें हराना होगा, तो वह कैसा होगा? तुम एक देवता हो। मैं तुम्हें मार नहीं सकता।”
“ज़ाहिर है, बेवकूफ़ लड़के,” गैरी ने उपहास उड़ाते हुए कहा। “अगर तुम मेरे एक घुटने को भी ज़मीन पर झुका सको, तो मैं उसे ही काफ़ी समझूँगा। लेकिन मैं तब जीतूँगा जब मैं तुम्हारा चेहरा ज़मीन पर पटक दूँगा। वो तो हद से ज़्यादा उचित होगा।”
मैंने कहा, "मेरे मन में सबसे पहला शब्द यही आया था। निष्पक्ष।"
"और कुछ?"
“हाँ।” मैं बहुत सोचने लगी कि मुझे और क्या माँगें रखनी चाहिए। पानी की बोतल? ड्रेसिंग रूम में सिर्फ नीले रंग के एम एंड एम्स से भरा एक कटोरा? मुझे सोचने में मदद के लिए एनाबेथ की ज़रूरत थी।
ओह। ठीक है। यही तो मैं चाह सकता था।
मैंने गैरी से कहा, "मेरे दोस्तों को जाने दो।"
"आप पहले ही यह सवाल पूछ चुके हैं।"
“नहीं,” मैंने कहा। “मेरा मतलब है, अभी तुम उनके साथ जो भी कर रहे हो, उन्हें छोड़ दो।” मैंने एनाबेथ की ओर इशारा किया, जो अभी भी शतरंज के खेल में जमी हुई थी।
"मैंने बस उनकी गति धीमी कर दी," गैरी ने कहा। "बुढ़ापा हर किसी के साथ ऐसा ही करता है।"
मैंने कहा, "मैं उन्हें यहाँ चाहता हूँ। कम से कम अलविदा कहने के लिए। मेरे साथ जो भी हो, मैं चाहता हूँ कि वे उसे देखें।"
"यह कोई दर्शक खेल नहीं है," उसने बड़बड़ाते हुए कहा, और कुश्ती के बारे में ऐसा कहने वाला यह पहला मौका था।
मैंने पूछा, "क्या तुम मुझसे लड़ना चाहते हो या नहीं?"
मुझे लगा कि मैं यह कहने का जोखिम उठा सकता हूँ, क्योंकि गैरी की आँखों की चमक ने मुझे बता दिया कि वह मेरा चेहरा ज़मीन पर पटकने के लिए बेताब था। वह ऐसा महसूस करने वाला पहला व्यक्ति नहीं था।

“ठीक है,” उसने धीमी आवाज़ में कहा।
उसने अपनी हड्डियों वाली उंगलियां चटकाईं। एनाबेथ और ग्रोवर दोनों अपनी जगह से हिलने लगे। वे मेरी तरफ मुड़े, अपने बेहद आकर्षक मेन्थॉल वाले क्लीनेक्स के दांत निकाले और खेल के मैदान की ओर दौड़ पड़े।
जब तक एनाबेथ हमारे पास पहुँची, तब तक उसने अपना चाकू निकाल लिया था।
ग्रोवर काले तिल के मोची डोनट को शूरिकेन की तरह लहरा रहा था।
"क्या हो रहा है?" ग्रोवर ने पूछा, मानो वह डोनट का हत्यारा बनने के लिए तैयार हो और उसने अपनी पेस्ट्री को जोर से उठाया।
एनाबेथ ने गैरी को गौर से देखा और फिर धीरे से बड़बड़ाते हुए कहा, "गेरस, मेरा अनुमान है? मुझे पहले ही समझ जाना चाहिए था कि हम बुढ़ापे से लड़ रहे हैं।"
गैरी हँस पड़ा। "और मुझे पहले आपसे बात करनी चाहिए थी, युवती। आप स्पष्ट रूप से इस पूरे मामले की सूत्रधार हैं।"
मैंने अपने दोस्तों से कहा, "यह बढ़िया है। हम एक समझौते पर पहुँच गए हैं।" एनाबेथ ने देवता को घूरते हुए कहा, "मुझे अंदाज़ा है। कुश्ती का मुकाबला? माफ कीजिए। मुझे अपने मुवक्किल से बात करनी है।"
उसने मेरा हाथ पकड़ा और मुझे खेल के मैदान के दूसरे छोर तक खींच ले गई। हमारे पीछे, मैंने गैरी को ग्रोवर से पूछते सुना, "क्या तुम इसे खाने वाले हो?"
एनाबेथ ने मेरे कंधों को पकड़ लिया। "पर्सी, तुम ऐसा नहीं कर सकते।"
"अरे, मैं यह करना नहीं चाहता।"
आप उसे हरा नहीं सकते।
मैं यह तर्क देना चाहता था कि यही हमारा सबसे अच्छा मौका था। हम तीनों के कब्र में मिल जाने से तो यह कहीं बेहतर था। लेकिन एनाबेथ के चेहरे के भाव से मैं समझ गया कि उसने पहले ही सारी रणनीति बना ली थी। हमेशा की तरह वह बहुत आगे थी।
“हरक्यूलिस ने वृद्धावस्था को बुरी तरह से हराया था,” उसने आगे कहा। “यह एकमात्र ऐसा समय था जब गेरास को मुकाबला बराबरी पर खत्म करना पड़ा। उसे हराना नामुमकिन है।”
हरक्यूलिस का रहस्य क्या था?
“कोई रहस्य नहीं। बस brute force।”

मैंने अपनी बाइसेप्स को रगड़ा और नाराज़ न होने की कोशिश की। मैं कमज़ोर तो नहीं था, लेकिन सुपरस्ट्रेंथ मेरी शक्तियों की सूची में नहीं थी। मेरे पास पानी के अंदर सांस लेने और घोड़ों से बात करने की क्षमता थी, जो ग्रीनविच विलेज के खेल के मैदान में होने वाली लड़ाई में ज़्यादा काम की नहीं थी।
मैंने कहा, "कोई और रास्ता तो जरूर होगा। तुम्हारी माँ ने मुझे एक बार हूवर डैम पर बताया था कि हर समस्या का कोई न कोई हल जरूर होता है।"
“जो लोग इसे ढूंढने में माहिर हैं,” उसने कहा। “हाँ, मुझे पता है। लेकिन यह... गेरस कुदरती ताकत है। वह अटल है। बुढ़ापे से लड़ा नहीं जा सकता।” मैंने सोचा, जब तक कि तुम अमर न हो जाओ।
लेकिन गेरस ने प्याला इसीलिए चुराया था। इससे व्यवस्था को धोखा दिया जा सकता था। और अमरता को अभिशाप मानने में वह गलत नहीं था। देवता सबसे उलझे हुए लोग थे जिनसे मैं कभी मिला था। उनके पास अपनी समस्याओं को सुलझाने के लिए सदियाँ थीं। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। हाँ, वे कभी-कभार अपने कपड़े बदलते थे और जीवनशैली को आधुनिक बनाते थे, लेकिन मूल रूप से वे आज भी वही थे जो कांस्य युग में थे।
मेरे पेट में एक भारीपन सा महसूस होने लगा... मुझे समझ नहीं आ रहा था कि ये निराशा है, हताशा है या कुछ और। क्या मैं इस लड़ाई में गलत पक्ष में था? अगर मैं पीछे हट जाता और गैरी को प्याला रखने देता, तो गैनीमेड शर्मिंदा होकर ओलंपस से निर्वासित हो सकता था। क्या ये इतना बुरा होता? देवताओं को अपने पेय खुद डालने पड़ते। उनके पास नए अमर बनाने का एक तरीका कम हो जाता। गैनीमेड को हिमबो जूस में नौकरी मिल सकती थी। शायद गैरी मेरे लिए सिफारिशी पत्र भी लिख देता, जिसमें वो मेरे अंदर के चिड़चिड़े बूढ़े आदमी को अपनाने की तारीफ करता।
लेकिन गैनीमेड ने मुझे इस मिशन के लिए चुना था। इस बात को एक तरफ रखते हुए कि हर देवता मुझे हर मिशन के लिए चुनता है, मुझे अपना वादा निभाना अनिवार्य लगा। मुझे याद आया कि बेचारा कपधारक हिमबो जूस को देखकर कितना घबराया हुआ था; जिस तरह से वह मेज के नीचे छिप गया था जब उसे लगा कि ज़्यूस का सुनहरे बाज के स्वाद वाला स्मूदी उस पर झपट्टा मारेगा।
हाँ, वह सदमे में था और दुखी था। शायद उसे वापस नश्वर दुनिया में भेज देना ही बेहतर होता। लेकिन उसने मुझसे माउंट ओलंपस से मुक्त करने के लिए नहीं

कहा था। उसने मुझसे प्याला वापस लाने के लिए कहा था। अगर मैं उसकी अनुमति के बिना, उसके भले के लिए उसका जीवन बर्बाद करने का फैसला करता, तो मैं ज़्यूस से बेहतर नहीं होता। मेरा मानना था कि हर किसी को अपना जीवन बर्बाद करने का अधिकार होना चाहिए, और कोई दूसरा उसमें दखल न दे।
मैंने एनाबेथ से कहा, "मुझे यह करना ही होगा। मुझे लगता है मैं कोई रास्ता निकाल सकती हूँ..."
उसने मेरे चेहरे को गौर से देखा, शायद सोच रही थी कि क्या उसे अपनी कटार की मूठ से मुझे सबक सिखाने की कोशिश करनी चाहिए। अंत में, उसने आह भरी। “यह तुम्हारा फैसला होना चाहिए। बस... उसके रूप-रंग के कारण उसे कम मत समझना, पर्सी।”
जब उसने मुझे सीवीड ब्रेन की जगह पर्सी कहकर बुलाया तो मुझे असहज महसूस हुआ। इसका मतलब था कि हम उस स्थिति से बहुत आगे निकल चुके थे जहाँ उसे मेरी बेवकूफी की आलोचना करने की ज़रूरत नहीं थी।
हम वापस खेल के मैदान की ओर चल पड़े। गैरी फ्रूटी पेबल्स डोनट चबा रहा था जबकि ग्रोवर उसे हैरानी से देख रहा था। उसके मुंह के चारों ओर इंद्रधनुषी रंग के स्प्रिंकल्स ने उसे और भी बूढ़ा दिखा दिया था।
“क्या आप अलविदा कहने के लिए तैयार हैं?” गैरी ने मुझसे पूछा।
मैंने सिर हिलाया। “अभी अलविदा नहीं। चलो, पहले नियम तय कर लेते हैं। हम दोनों आमने-सामने की कुश्ती लड़ेंगे। अगर तुमने मेरा चेहरा ज़मीन पर घसीटा, तो मैं हार गया, धूल में मिल गया, इत्यादि। अगर मैंने तुम्हारा एक घुटना ज़मीन पर घसीट दिया, तो तुम मुझे जीत का प्याला दे दोगे और हमें शांति से छोड़ दोगे। चाहे कुछ भी हो, जब यह सब खत्म होगा, मेरे दोस्त आज़ाद हो जाएंगे।”
“यही सौदा है,” गैरी ने सहमति जताते हुए कहा। “हालांकि, चूंकि आप हारने वाले हैं, इसलिए इनमें से अधिकांश शर्तें... क्या शब्द है? निरर्थक हैं।” मैंने बड़बड़ाते हुए कहा, "तुम तो बहस का मुद्दा हो," क्योंकि मैं तुरंत करारा जवाब देने में माहिर हूं।
“या फिर…” ग्रोवर ने कहा, “तुम इस प्याले के बदले ये बचे हुए डोनट्स ले सकते हो।” उसने अपने डिब्बे का ढक्कन फड़फड़ाया, जिससे मोची की खुशबू देवता की ओर फैल गई। “फिर हम सब अपने-अपने रास्ते जा सकते हैं। मेरे पास अभी दो काले तिल वाले और एक पिस्ता वाला डोनट बचा है।”

गैरी इस पर विचार करता हुआ प्रतीत हुआ। मेरी राय में, सर्वनाश के बाद की किसी भी विनिमय प्रणाली में मोची डोनट्स किसी जादुई प्याले के समान ही मूल्यवान होंगे। मुझे लगा कि ग्रोवर की बात में दम है। वह मेरी ज़िंदगी को बहुत आसान और लंबा बनाने वाला था।
फिर गैरी ने अपना सिर हिलाया। "हम मूल व्यवस्था पर ही कायम रहेंगे।"
“ठीक है,” मैंने बुदबुदाते हुए कहा। “हम कब शुरू करेंगे?”
मुझे सांस लेने का भी समय नहीं मिला। अचानक गैरी मेरी पीठ पर आ गिरा, उसके हाथ मेरे कंधों पर लोहे की जकड़न की तरह थे, उसकी टांगें मेरी पसलियों से लिपटी हुई थीं, उसकी एड़ियाँ मुझमें ऐसे धंस रही थीं जैसे मैं कोई असहयोगी घोड़ा हूँ। मेरे घुटने लड़खड़ा गए। वह आदमी बहुत भारी था। मैंने अपने हाथ फैलाकर गिरने से खुद को बचाया, मेरा चेहरा डामर से बस कुछ इंच दूर था। उसकी बदबूदार सांसों से मेरा सिर चकरा गया। उसने मेरे कान में फुसफुसाते हुए कहा, "ओह, हम जब चाहो तब शुरू कर सकते हैं।"

TWENTY-SEVEN

MY DYING WORDS ARE SUPER EMBARRASSING

उनके ध्यान भटकाने से मुझे कुछ सेकंड का समय मिल गया, जिसका इस्तेमाल मैंने एक मास्टर प्लान बनाने के लिए किया। लेकिन इसके बजाय, मेरे मन में ये विचार चल रहे थे: हे भगवान, मैं मरने वाला हूँ, मदद करो, आह! बगल!
यह मास्टर प्लान के मानदंडों को पूरा नहीं करता है।
मैंने एक तरफ खिसकने की कोशिश की। गैरी ने मुझे कसकर पकड़ रखा था। मैंने अपने पूरे वजन से आगे की ओर धक्का दिया। मैंने पीछे की ओर झुककर उसे असंतुलित करने की कोशिश की। हालाँकि वह मुझसे आधे कद का था, फिर भी टस से मस नहीं हुआ।
“कहीं जा रहे हो?” उसने पूछा।
अपने खाली हाथ से उसने मेरी पसलियों पर घूंसा मारा। मेरे गले से निकली उस आवाज़ से दो मील के दायरे में मौजूद किसी भी वालरस को पता चल जाता कि मैं साथी की तलाश में हूँ।
“खेल में फाउल का झंडा!” ग्रोवर चिल्लाया। “दस गज का जुर्माना!”
“शरीर पर वार नहीं!” एनाबेथ ने सहमति जताई। “यह कुश्ती नहीं है!”
“चुप रहो!” गैरी ने शिकायत की।
जब उसका ध्यान कहीं और बँटा हुआ था, तब मैं किसी तरह उसकी पकड़ से छूटने में कामयाब हो गई। मैंने अपनी बाहों को उसकी छाती के चारों ओर लपेट लिया और पूरी ताकत से दबा दिया। मैंने उसे खींचा और धकेला, लेकिन मैं उसे हिला भी नहीं सकी।
वह हँसा। "मज़े आ रहे हैं?"
मेरे पास जवाब देने की हिम्मत नहीं थी। कम से कम अभी तक तो उसने मेरा चेहरा ज़मीन पर नहीं पटका था। जब तक मैं उसका मनोरंजन करता रहा, तब तक वह मुझे पूरी तरह से मूर्ख बनने देने में संतुष्ट लग रहा था। सौभाग्य से, यह मेरी महाशक्तियों की सूची में शामिल था।
इस बंदे को हराने का कोई न कोई तरीका तो जरूर होगा—अतिशक्ति के अलावा कुछ और, जो कि एक हास्यास्पद शक्ति थी, जो सिर्फ हास्यास्पद हरक्यूलिस के पास थी, और वह भी वाकई हास्यास्पद था। शायद गैरी के पास कोई ऑफ बटन हो। शायद वह किसी ऐसी चीज से डरता हो जिसका इस्तेमाल मैं उसके खिलाफ कर सकूँ।
बुढ़ापे को किसने दूर भगाया? एंटीऑक्सीडेंट्स ने। क्रॉसवर्ड पज़ल्स ने। फाइबर सप्लीमेंट्स ने। मुझे एहसास हुआ कि दर्द और बुढ़ापे की गंध से मैं बेहोश हो रहा था। मेरे शिक्षक चिरोन ने एक बार मुझसे कहा था कि जानलेवा

स्थिति में सबसे ज़रूरी चीज़ है शांत रहना। एक बार जब आप लड़ने या भागने की स्थिति में आ जाते हैं, तो आप ठीक से सोचने के लिए बहुत डर जाते हैं। यही आपकी जान ले लेगा।
दुर्भाग्यवश, मैं शांत नहीं था। मैं न तो लड़ सकता था और न ही भाग सकता था। और मेरे पास फाइबर सप्लीमेंट भी खत्म हो चुके थे।
मैंने अपना तुरुप का पत्ता आजमाया। मैंने अपने गुस्से को इकट्ठा किया, उसे अपने भीतर दबा लिया और समुद्र की असीम शक्ति का सहारा लिया। हम मैनहट्टन में थे, समुद्र तल से ठीक ऊपर, बड़ी-बड़ी नदियों से घिरे हुए, अटलांटिक महासागर के ठीक बगल में। यकीनन मैं अपने पिता की शक्ति का सहारा ले सकता था, उस महान शक्ति को अपने लिए लड़ने के लिए बुला सकता था!
मैंने एक प्रचंड चीख मारी।
वॉशिंगटन स्क्वायर पार्क के बीचोंबीच, एक मैनहोल का ढक्कन हवा में उछल गया। एक फव्वारे ने पेड़ों की चोटियों पर पानी की बौछार की, फिर शांत हो गया।
“यह तो बहुत ही शानदार था,” गैरी ने कहा। “अब, क्या हम इसे यहीं समाप्त करें?”
उसने मुझे अपनी छाती से ऐसे उखाड़ा जैसे मैं कोई कीड़ा हूँ, फिर मुझे खेल के मैदान के उस पार फेंक दिया।
“पर्सी!” एनाबेथ चिल्लाई।
उसकी चिंता भरी आवाज़ ने ही मुझे बचाया। हवा में उड़ते हुए एनाबेथ की आवाज़ ने मेरे शरीर के हर अणु में बिजली सी दौड़ा दी। मेरी सारी इंद्रियाँ एकदम सक्रिय हो गईं। खेल के ढांचे से टकराने के बजाय, मैं हवा में ही घूमी, एक छड़ को पकड़ा, चारों ओर घूमी और अपने पैरों पर खड़ी हो गई। मेरे कंधे दर्द कर रहे थे। शायद मेरी बांहें अपनी जगह से उखड़ गई थीं, लेकिन मेरी कमर नहीं टूटी थी, और न ही मैं मरी थी।
मैं लड़खड़ाते हुए आगे बढ़ा। मेरी आँखों में रोशनी के छोटे-छोटे धब्बे तैर रहे थे।
गैरी ने एनाबेथ और ग्रोवर को घूरते हुए कहा, "अगर तुम दोनों में से किसी ने भी दोबारा दखल दिया, तो मैं इस मुकाबले को रद्द घोषित कर दूंगा। मैं तुम तीनों को सुखाकर खोखला बना दूंगा!"

एनाबेथ हाथ में खंजर लिए झुकी हुई थी। ग्रोवर ने उसका हाथ पकड़ लिया, उसे लड़ाई में कूदने से रोकने की कोशिश कर रहा था। ऐसा नहीं था कि वह चाकू से बुढ़ापे को चोट पहुँचा सकती थी, लेकिन कोशिश करने से वह पीछे नहीं हटती। हालांकि मैं उसकी भावना की सराहना करता था, लेकिन मैं उसे जोखिम उठाने नहीं दे सकता था।
“इधर आओ, डायपर पहने हुए आदमी!” मैंने चिल्लाकर कहा। “मैं तुम्हारी प्रतिद्वंदी हूँ, वह नहीं।”
गैरी मुड़ा और आंखें सिकोड़ते हुए बोला, "तो तुम हो।"
फिर उसने हमला कर दिया।
खैर... मैं इसे आवेशपूर्ण कहना चाहूँगा। असल में यह एक दृढ़ निश्चयपूर्ण लंगड़ापन था।
मुझे सोचने का समय मिल गया, अब एक योजना बनाना वाकई अच्छा रहेगा।
फिर वो मुझ पर टूट पड़ा। उसने मुझे धक्का देकर पीछे की ओर धकेल दिया—सीधे एक टेदरबॉल के खंभे से टकरा दिया। मेरी रीढ़ की हड्डी में कटकने की आवाज़ आई, लेकिन खंभे ने मुझे सीधा खड़ा रखा, बल्कि मुझे थोड़ा सहारा भी दिया। मैंने गैरी की बाइसेप्स को अपनी बाहों में जकड़ लिया। मेरी बांहों में दर्द होने लगा। मेरी आंखों के सामने काले-सफेद रंग की रोशनी की चमक फैल गई। मैं किसी तरह गैरी को एक कदम, फिर दो कदम आगे धकेलने में कामयाब रहा। मेरी ताकत नहीं, बल्कि मेरी हताशा थी—और मेरी यह कोशिश ज़्यादा देर तक नहीं चली।
गैरी ने अपनी हड्डियों वाली उंगलियों से मेरे कंधों को जकड़ लिया। मैं आपको बता दूं: कंधों में बहुत सारी नसें होती हैं। गैरी ने उन सभी को ढूंढ निकाला। जैसे ही उसने मुझे टेदरबॉल के खंभे से पीछे धकेला, मैं चीख पड़ी। धातु मुड़ने लगी।
“तुम अधिकांश लोगों से अधिक समय तक टिके रहे,” बूढ़े व्यक्ति ने स्वीकार किया। “यह एक अच्छा प्रयास था।”
मैंने सोचा, अच्छी कोशिश थी, मेरा दिमाग दर्द में डूबा हुआ था।
बहुत खूब! मैं जीत तो नहीं सका, लेकिन कम से कम बुढ़ापे की तरफ से मुझे सहभागिता पुरस्कार तो मिलेगा। मेरे मिट्टी में मिल जाने के बाद, एनाबेथ इस प्रमाण पत्र को फ्रेम करवाकर अपने छात्रावास के कमरे में रख सकती है, जब वह अकेले न्यू रोम विश्वविद्यालय में पढ़ने जाएगी।

मेरे पैर कांप रहे थे। गैरी और खंभे के बीच फंसी हुई, मेरी पसलियां किसी अत्यधिक कसे हुए पियानो के ढांचे की तरह महसूस हो रही थीं, मानो कभी भी टूटकर बिखर सकती हों।
मैंने सोचा कि मैं एनाबेथ को कितना दर्द पहुँचाने वाला हूँ। मैंने उससे वादा किया था कि मैं उसे फिर कभी नहीं छोड़ूँगा। जब हम इस दुनिया से विदा हों, तो मैं चाहता था कि हम साथ रहें, कई साल बाद, जब हम बूढ़े और सफ़ेद बालों वाले हो जाएँगे।
ज़रा ठहरिये।
मुझे अपने पैरों में थोड़ी ताकत वापस आती महसूस हुई। दर्द तो अभी भी बहुत था, लेकिन शायद अब मेरे पैर थोड़े धीरे-धीरे कुचल रहे थे?
मुझे अपने दोस्त जेसन की बताई एक बात याद आ गई। एक मुश्किल घड़ी में उसने सपना देखा था कि वह एक बूढ़ा आदमी है, अपनी प्रेमिका पाइपर से शादीशुदा है और उसके कई पोते-पोतियां इधर-उधर खेल रहे हैं। उसने उस सपने को भविष्य की पक्की तस्वीर नहीं माना था। क्योंकि नश्वर जीवन में भाग्य कभी भी पक्के वादे नहीं करता। लेकिन उसने मुझसे कहा कि असली बात ये नहीं थी। जब उसे सबसे ज़्यादा ज़रूरत थी, उस सपने ने उसे आगे बढ़ने का रास्ता दिखाया था—जीने और लड़ने का कोई मकसद दिया था।
मैंने गैरी की बाहों में अपनी उंगलियां और जोर से गड़ा दीं। वह हैरानी से गुर्राया।
मुझे कुछ महीने पहले पॉल के साथ हुई बातचीत याद आई। मैंने उसे चिढ़ाया था कि उसके बाल हर साल और ज़्यादा सफ़ेद होते जा रहे हैं। उसने कहा था, "अरे, बूढ़ा होना बुरा है, लेकिन इससे बुरा क्या है?" उस समय मुझे उसकी बात समझ नहीं आई थी। क्या सच में मरने या बूढ़ा होने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था?
जब आप अर्धदेव होते हैं, तो आप जीवित रहने की चिंता में ही डूबे रहते हैं। आप बुढ़ापे के बारे में शायद ही कभी सोचते हैं। मैं हाई स्कूल से निकलने और वयस्क बनने पर ही इतना ध्यान केंद्रित कर रहा था... लेकिन शायद यही मेरा अंतिम लक्ष्य नहीं था। बुढ़ापा डरावना और मुश्किल हो सकता है। इसमें ऐसी चीजें शामिल थीं जिनके बारे में मैं सोचना भी नहीं चाहता था, जैसे गठिया, नस की सूजन और श्रवण यंत्र। लेकिन अगर आप अपने प्रियजनों के साथ बूढ़े होते हैं, तो क्या यह किसी भी अन्य विकल्प से बेहतर नहीं है?

मैंने एनाबेथ और ग्रोवर पर एक नज़र डाली। हमने साथ में कितना कुछ झेला था। मैंने एनाबेथ को चांदी जैसे बालों और झुर्रियों के साथ, खिलखिलाते हुए, मुझे जीवन में चार करोड़वीं बार 'सीवीड ब्रेन' कहते हुए कल्पना की। मैंने ग्रोवर को कानों से निकलते सफेद बालों के गुच्छों के साथ, छड़ी के सहारे झुके हुए, अपने दर्द भरे खुरों की शिकायत करते हुए मिमियाते हुए, और फिर शायद समुद्र किनारे के बगीचे में एक बेंच पर झपकी लेते हुए, और मैं उसके बगल में बैठकर, लहरों को देखते हुए और समुद्री हवा को सूंघते हुए अपनी थकी हुई हड्डियों को आराम देते हुए कल्पना की। दर्द भरी हड्डियों की कल्पना करना मेरे लिए मुश्किल नहीं था। वास्तव में, बाकी की कल्पना करना भी मुश्किल नहीं था।
गैरी मुझसे कुश्ती लड़ने की उम्मीद कर रहा था। और जब तक मैं कम उम्र में मर नहीं जाता, मैं बुढ़ापे को हरा नहीं सकता था। लेकिन अगर मैं उसे गले लगा लूँ तो क्या होगा?
यह एक बेतुका विचार था। लड़ना बंद करो और बूढ़े गैरी को गले लगा लो?
मेरे घुटने फिर से कांपने लगे। मेरे पास शायद एक सेकंड का ही समय था इससे पहले कि वह मुझे टेदरबॉल के खंभे से कुचल दे।
मैंने अपनी पकड़ ढीली कर दी और भगवान को बाहों में भर लिया।
फिर मैंने वो कहा जो मुझे पूरा यकीन था कि इतिहास में सबसे बेवकूफी भरे आखिरी शब्दों के रूप में दर्ज होगा: "मैं तुमसे प्यार करता हूँ, भाई।"

गैरी जम गया।
मैंने उसे इतनी जोर से गले लगाया कि उसे हिचकी आ गई।
“क्या हो रहा है?” कांपती हुई आवाज़ में उसने मेरे कंधों पर अपनी पकड़ ढीली कर दी। वह इतना हैरान था कि शायद मैं उसे घुटनों के बल बिठा देती, लेकिन मुझे पता था कि यह गलत कदम होगा। मैंने बस उसे गले लगाए रखा।
मैंने अपने नश्वर दादा-दादी को कभी नहीं जाना। (वैसे तो क्रोनोस तकनीकी रूप से मेरे दादा थे, लेकिन मैंने उस बारे में न सोचने की कोशिश की।)
अब मैं सोच रही थी कि मेरी माँ के माता-पिता को जानना कैसा होता। उनकी मृत्यु तब हुई थी जब मेरी माँ बहुत छोटी थीं। वास्तव में, जब उनकी मृत्यु हुई थी, तब वे मेरी माँ की वर्तमान आयु से भी छोटे थे। यह सोचकर मैं दंग रह गई। क्या वे भी मेरी माँ की तरह ही खुशी से हँसते थे? क्या मेरी माँ को खाना पकाने या लिखने का शौक उनसे विरासत में मिला था? क्या वे बिना छाते के बारिश में चलते हुए गुनगुनाते थे, या यह केवल सैली की आदत थी? अगर उनकी मृत्यु इतनी कम उम्र में न हुई होती, तो वे मेरी माँ के सबसे कठिन समय में उनके साथ होते। वे मुझे जान पाते। शायद गेरस इतना बुरा आदमी नहीं था, भले ही उसकी लंगोटी पहनने की आदतें थोड़ी अटपटी थीं।
जब मैंने उसे गले लगाया, तो मैंने कल्पना की कि मैं अपने दादा-दादी को गले लगा रही हूँ और साथ ही बुढ़ापे के विचार को भी अपना रही हूँ, और एक शानदार जीवन को याद करते हुए सोच रही हूँ, चलो, हमने इसे पार कर लिया। हाँ, हम एक दिन मरेंगे—शायद जल्द ही—लेकिन हमने एक अच्छा जीवन जिया, है ना?
मैंने कल्पना की कि जब हम दोनों झुर्रियों से भरे और कमज़ोर हो जाएँगे, तब भी मैं एनाबेथ का हाथ थामे रहूँगी, और उसकी आँखों में देखकर उसे पहले की तरह ही प्यार करूँगी। मैंने सोचा कि जब ग्रोवर बगीचे की बेंच पर सो जाएगा, तो मैं उसके सफ़ेद बालों को सहलाते हुए कहूँगी, "उठो, जी-मैन। खाना तैयार है!" मैंने कल्पना की कि हम एक साथ मेज पर बैठे हैं, अच्छा खाना खा रहे हैं

और अपने जीवन में किए गए सभी अजीबोगरीब कामों पर हँस रहे हैं। जिसमें वो समय भी शामिल है जब मैंने वाशिंगटन स्क्वायर पार्क में बुढ़ापे के देवता से कुश्ती लड़ी थी।
मैंने गैरी की दुर्गंध, उसकी ढीली त्वचा, उसके शरीर पर मौजूद धब्बे और अजीबोगरीब बालों को नजरअंदाज कर दिया और उसे एक पुराने दोस्त की तरह गले लगा लिया। एक बहुत पुराने, जिसकी उम्र बीत चुकी थी, दोस्त की तरह।
यह दूसरे विकल्प से बेहतर था।
तेज़ रफ़्तार ज़िंदगी जीना, कम उम्र में मर जाना और एक आकर्षक शव छोड़ना सुनने में तो बहुत बढ़िया लगता है—लेकिन जब बात आपके शव की हो तो बात बिगड़ जाती है। गैरी ने मुझे आखिरी बार टेदरबॉल के खंभे से धक्का दिया, लेकिन लगता है उसका मन नहीं था।
वह शांत हो गया, मेरी पीठ थपथपाई, फिर अपना सिर मेरे कंधे पर रख दिया। वह कांपने लगा। मुझे उसकी एक हल्की सी सिसकी सुनाई दी। क्या भगवान रो रहे थे? क्या वे... अपनी दैवीय नाक की गंदगी मेरे कंधे पर मल रहे थे?
मुझे पता नहीं था। फिर भी, मैंने उसे दूर नहीं धकेला।
मैंने एनाबेथ और ग्रोवर पर नज़र डाली। सैटायर हैरान लग रहा था, लेकिन वाइज़ गर्ल हल्की सी मुस्कुरा रही थी। ज़ाहिर है, वह समझ गई थी कि मैं क्या कर रहा हूँ। वह अच्छी रणनीति को तुरंत पहचान लेती थी। और उसकी आँखों में प्रशंसा की वह चमक मेरे लिए सबसे अच्छी बात थी। इसका मतलब था कि उसे मुझ पर गर्व था।
आखिरकार, गैरी ने मेरे आलिंगन से खुद को छुड़ाया। वह पीछे हट गया और मुझे फिर से देखने लगा। उसकी आँखों में लाल-भूरे आँसू भरे हुए थे। उसका जबड़ा काँप रहा था। मैं समझ नहीं पा रही थी कि वह मुझे मारना चाहता है या फिर से गले लगाना चाहता है।
“क्यों?” उसने पूछा।
मैंने कहा, “मुझे लगा कि मैं पूरी ज़िंदगी तुम्हारे साथ कुश्ती लड़ता रहूँगा। और मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है। मैं बस तुम्हें यह बताना चाहता था।” मैंने कांपती हुई साँस ली। “लेकिन अगर तुम्हें सच में लगता है कि मेरी ज़िंदगी का अंत अभी होना चाहिए, तो हम खेल के मैदान में एक-दूसरे को पटकते रह सकते हैं।”

गैरी ने हल्की सी आवाज़ निकाली। उसके चेहरे पर हैरानी, झुंझलाहट और शायद थोड़ा सम्मान का भाव मिला हुआ था।
उन्होंने कहा, "तकनीकी रूप से, मैं तुम्हें इधर-उधर फेंक रहा था। मैं जीत रहा था।"
मैंने कोई जवाब नहीं दिया। यही समझदारी भरा फैसला लगा।
“बुढ़ापा कभी गले नहीं लगाया जाता,” उन्होंने बुदबुदाते हुए कहा। “क्या तुम्हें पता है कि आखिरी बार मुझे किसी ने गले कब लगाया था?” वे आसमान की ओर ऐसे घूर रहे थे मानो कुछ याद करने की कोशिश कर रहे हों। उनके उदास चेहरे को देखकर मुझे नर्सिंग होम में रहने वाले उन बूढ़े लोगों की याद आ गई, जो दूर तक देखते रहते थे, यह समझने की कोशिश करते थे कि उनकी जिंदगी कहाँ चली गई, उनके प्रियजन कहाँ हैं, और वे इतने अकेले कैसे हो गए।
“तो अब क्या?” मैंने पूछा।
उसने माथे पर शिकन डाली। “बुढ़ापा धैर्यवान होता है। मुझे अपने बारे में यह बात नापसंद है, लेकिन मैं लगभग कभी किसी की जान लेने में जल्दबाजी नहीं करता। और तुम सही कह रही हो... सोलह साल की उम्र में अपनी जान लेना...” मैंने सुधार करते हुए कहा, "सत्रह।"
ग्रोवर ने गला साफ किया। चुप रहो!
“सत्रह,” गैरी ने दोहराया। यह संख्या उसके मुंह में कड़वी सी लग रही थी। “नहीं। यह सही नहीं है। यह तुम्हारा समय नहीं है।”
उसने अपना सिर झुकाया और अपने जिगर के धब्बों को सुबह की धूप की ओर घुमाया। "तुम सचमुच उस प्याले से पानी नहीं पियोगे, है ना?"
“नहीं,” मैंने कहा। “मैं पूरी ज़िंदगी जीना चाहता हूँ, जानते हो? मुश्किलों को भी। और मैंने देखा है कि जो लोग देवता बन जाते हैं उनका क्या हाल होता है।” मैंने बेचारे गैनीमेड के बारे में सोचा, जो एक खूबसूरत किशोर के रूप में जम गया था, लेकिन अपनी सारी चिंता, आत्मसंदेह और डर के साथ हमेशा के लिए फंसा रह गया था। नहीं, धन्यवाद।
“दिलचस्प।” गैरी ने मेरे दोस्तों को गौर से देखा, फिर मेरी तरफ मुड़ा। “पर्सी जैक्सन, मैं आने वाले कई सालों तक तुमसे कुश्ती लड़ने के लिए उत्सुक हूं। यह मत सोचना कि सिर्फ इसलिए कि तुमने मुझे अभी प्रभावित किया है, मैं तुम्हारे साथ नरमी बरतूंगा।”

मैंने वादा किया, "मैं व्यायाम करना जारी रखूंगा। क्रॉसवर्ड पहेलियाँ हल करूंगा।"
गैरी ने होंठ सिकोड़े। “हमारा पल बहुत अच्छा बीत रहा था। इसे खराब मत करो।” उसने चुटकी बजाई और देवताओं का प्याला हमारे बीच हवा में तैरता हुआ, चमकता हुआ प्रकट हुआ। बस एक दिव्य गायन की कमी थी, जिससे पूरा प्रभाव बन गया।
“इसे ले लो,” गैरी ने कहा। “मुझे लगता है कि इसे माउंट ओलंपस पर ही रहना चाहिए, उन मूर्खों के बीच जिन्होंने बुढ़ापे से मुंह मोड़ लिया है। पर्सी जैक्सन, तुम मुझे उम्मीद देते हो कि हर कोई उनके जैसा नहीं है।” उसने नाक सिकोड़ी और बड़बड़ाते हुए कहा, “क्रॉसवर्ड पहेलियाँ...”
फिर वह अचानक से टैल्कम पाउडर के एक भूरे बादल में बदल गया।
मैंने प्याला ज़मीन पर गिरने से ठीक पहले पकड़ लिया। वह इतना भारी था जैसे कोई बॉलिंग बॉल हो, जिससे मेरी दर्द करती हुई बांहों को और भी तकलीफ हुई। “आह,” मैंने कहा।
“तुमने कर दिखाया!” ग्रोवर ने राहत की सांस लेते हुए बकरी की तरह नाच किया। “उसे गले लगाना? यह तो वाकई बहुत जोखिम भरा था!”
“यह बहुत अच्छा था,” एनाबेथ ने कहा। वह आगे बढ़ी और मुझे चूम लिया। “जानते हो क्या? मुझे लगता है कि तुम बुढ़ापे में बहुत सुंदर दिखोगे। मुझे उम्मीद है कि एक दिन हमें यह जानने का मौका मिलेगा। लेकिन मुझे खुशी है कि वह दिन आज नहीं है।”
मैं मुस्कुराई। गैरी की महक मेरे कपड़ों में अभी भी बसी हुई थी। मैं थकी हुई और दर्द से परेशान थी, ऐसा लग रहा था जैसे मेरी उम्र कई दशक बढ़ गई हो। लेकिन वो तस्वीरें भी मेरे मन में बसी हुई थीं... अपने प्रियजनों, अपने सबसे अच्छे दोस्तों के साथ उम्र बढ़ने की तस्वीरें। और इससे मुझे लगा कि मैं दर्द सह सकती हूँ। शायद ये समझौता फ़ायदेमंद था।
“तो, आपको लगता है कि हम गैनीमेड को आइरिस का संदेश भेज सकते हैं?” मैंने प्याला उठाया। “मैं इसे रविवार तक अपने लॉकर में नहीं रखना चाहता।” एनाबेथ कुछ कहने ही वाली थी, लेकिन तभी आसमान से एक हूला-हूप नीचे गिर गया। यह गुलाबी रंग का था जिस पर नीली धारियाँ थीं और प्लास्टिक में चमकीले कण जड़े हुए थे। यह ज़ोरदार आवाज़ के साथ ज़मीन पर गिरा, बीस फीट ऊपर उछला,

फिर नीचे आया और खेल के मैदान में लुढ़कता हुआ, एक उछाले हुए सिक्के की तरह लड़खड़ाते हुए रुक गया।
एक अजीब सी सुबह में भी, यह अजीब लग रहा था।
“उम…” मैंने कहा।
एनाबेथ घेरे के पास गई। उसने उसे हल्का सा धक्का दिया। जब वह फटा नहीं या किसी राक्षस में नहीं बदला, तो उसने उसे उठा लिया। उसने बादलों की ओर देखा, लेकिन आकाश से कोई और वस्तु नहीं गिरी।
उन्होंने कहा, "यह गैनीमेड का प्रतीक है।"
“हूला-हूप?” ग्रोवर ने पूछा।
“अच्छा… यह घेरा। यह हजारों वर्षों से बच्चों का खिलौना रहा है। यह उनकी शाश्वत युवावस्था का प्रतीक है।”
मैं सिहर उठा। "हाँ, इससे ज़्यूस द्वारा उसका अपहरण ज़रा भी कम भयावह नहीं हो जाता। और तुम क्या सोचते हो, गैनीमेड ने माउंट ओलंपस से घेरा फेंक दिया था?"
चूंकि उन दिनों ओलंपस एम्पायर स्टेट बिल्डिंग के ऊपर मंडरा रहा था, इसलिए यह कोई अजीब विचार नहीं था। एक अच्छी, शक्तिशाली उड़ान शायद वाशिंगटन स्क्वायर पार्क तक आसानी से पहुँच सकती थी। लेकिन क्यों?
एनाबेथ ने घेरे को और करीब से देखा। "ज़रा रुको।"
उसे घेरे के एक हिस्से पर लिपटा हुआ कागज का एक टुकड़ा मिला। मैंने सोचा था कि यह कोई लेबल या कुछ और होगा, लेकिन एनाबेथ ने उसे छीलकर पढ़ना शुरू कर दिया।
“यह एक संकटकालीन पुकार है,” उसने घोषणा की। “गैनीमेड का कहना है कि वह ओलंपस पर फंसा हुआ है, और उसे तुरंत प्याला चाहिए। वह कहता है...”
उसका चेहरा उतर गया। "हे भगवान! ज़्यूस दावत के लिए रविवार का इंतज़ार नहीं कर रहा है।"
मुझे याद आया कि गैनीमेड ने ज़्यूस के अप्रत्याशित स्वभाव के बारे में क्या कहा था, और मैं घबराकर बोला, "तो... क्या, वो आज रात शराब पीने वाला है?" “उससे भी बुरी बात,” एनाबेथ ने कहा। “ज़्यूस के घर पर अभी पारिवारिक मिलन समारोह चल रहा है, जिसमें उसकी माँ भी शामिल हैं। वे लोग ब्रंच कर रहे हैं।”

क्या ब्रंच से ज्यादा डरावनी कोई और चीज हो सकती है?
यह भोजन के बीच एक घिनौनी चीज़ है, बेमेल खान-पान का एक विकृत मिश्रण। इसे देखकर मुझे मधुर जैज़ बैंड, खुजलीदार कपड़ों में सजे बच्चे, अजीब टोपी पहने महिलाएं, शैम्पेन के गिलासों पर लिपस्टिक के धब्बे और क्रोक मॉन्सियर की गंध जैसे बुरे सपने याद आते हैं। मुझे माफ़ करना। मैं ऐसा खाना नहीं खा सकता जिसका नाम 'मिस्टर क्रंची' हो।
ब्रंच शब्द सुनते ही मुझे अजीब सी घबराहट होने लगती है। (देखिए, मैं लगभग हीबी-जीबीज़ कहने ही वाली थी, लेकिन हम घर में अब उस शब्द का इस्तेमाल नहीं करते।) ब्रंच एक ऐसी चीज़ के लिए सबसे भद्दा शब्द है जिसे सुरुचिपूर्ण माना जाता है। यह ऐसा है जैसे कहना, चलो अच्छे से तैयार होकर किसी फालतू पार्टी में चलते हैं। जैसे... क्यों?
लेकिन अब मुझे एक आम इंसान के ब्रंच से भी बदतर चीज़ मिल गई थी: देवताओं के बीच ब्रंच। वो भी सोमवार की सुबह। और नाश्ते के नियमित समय पर, लेकिन अरे नहीं, उन्हें इसे ब्रंच ही बनाना था।
और ज़्यूस की माँ भी आ रही थीं? मैं टाइटन रानी रिया से कभी नहीं मिली थी, और मुझे यह जानने की कोई उत्सुकता नहीं थी कि देवता उनके विशेष सुबह के नाश्ते में क्या परोसते हैं। शायद टोस्ट पर पका हुआ अर्धदेव, साथ में अर्धदेव के आँसुओं से बना मिमोसा।
मैंने देवताओं का प्याला उठाया। "मुझे नहीं लगता कि हम इसे हर्मेस एक्सप्रेस से भेज सकते हैं?"
एनाबेथ ने भौंहें चढ़ाईं। "पर्सी..."
"क्या मैनहट्टन में एक घंटे में डिलीवरी की सुविधा नहीं है?"
“गैनीमेड को इसकी अभी जरूरत है। और तुम्हें इसे लाना ही होगा। यह—”

“मेरा काम।” मैंने आह भरी। मुझे मिशन पूरा करने के नियम पता थे, जिनमें प्रभारी देवता द्वारा विशेष सुरक्षा के साथ काम पूरा करना शामिल था। अब ऐसा लग रहा था कि मैं समय पर स्कूल पहुंचकर अपनी पहली क्लास की परीक्षा नहीं दे पाऊँगी।
“ठीक है,” मैंने कहा। “क्या आपके पास कोई सुझाव है कि मैं ओलंपस में कैसे चुपके से घुस सकता हूँ और एक दिव्य भोज में घुसपैठ कर सकता हूँ?”
“उम, असल में?” ग्रोवर ने पलकें झपकाईं, मानो जो वह कहने वाला था उसे सुनना मेरे लिए कष्टदायक होगा। “मेरे पास एक विचार हो सकता है।”
सबसे आसान काम था शहर के ऊपरी हिस्से में टैक्सी मिलना। आम तौर पर मैं टैक्सी का खर्च नहीं उठाता, लेकिन ग्रोवर और मैंने एनाबेथ को अलविदा कहने के बाद, एम्पायर स्टेट बिल्डिंग तक पहुंचने का यही सबसे तेज़ तरीका लगा, और साथ ही एनाबेथ के गुस्से से बचने का भी यही सबसे तेज़ तरीका था।
बड़ी अनिच्छा से उसने मुझे अपनी न्यूयॉर्क यांकीज़ की टोपी उधार दी थी। वह ऐसा कभी नहीं करती। अदृश्यता वाली टोपी उसकी माँ का दिया हुआ उपहार थी, इसलिए बिना किसी ठोस कारण के उसे उधार लेना नामुमकिन था। यह ऐसा होता जैसे मैं किसी दूसरे देवता को लड़ाई में रिपटाइड का इस्तेमाल करने देता। बिलकुल नहीं।
लेकिन जब ग्रोवर ने गिड़गिड़ाते हुए कहा कि यही एकमात्र उपाय है, तो एनाबेथ ने उसे वह चीज़ सौंप दी। उसने मुझे घूरकर कहा, “तुम इसे वापस लाओगे। शुभकामनाएँ। मरना मत।” फिर वह अपने स्कूल के दिन की शुरुआत करने के लिए दौड़ पड़ी, क्योंकि उसका कैंपस बस कुछ ही ब्लॉक दूर था।
टैक्सी में, ग्रोवर घबराकर फर्श पर अपने खुर थपथपा रहा था और अपनी बाकी योजना बता रहा था। मुझे टैक्सी ड्राइवर के सुनने की ज़्यादा चिंता नहीं थी, क्योंकि यह न्यूयॉर्क था। माउंट ओलंपस में सेंध लगाने की योजना कोई भी टैक्सी ड्राइवर के लिए रोज़ाना सुनने वाली सबसे अजीब बात नहीं थी। साथ ही, ग्रोवर ने हुला-हूप को टैक्सी में साथ लाने की ज़िद की थी, और मेरी गोद में एक बड़ा प्याला था, इसलिए हम पहले से ही भरोसेमंद कहानीकार नहीं थे। मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि मैंने उसे सही सुना है, "एक बादल अप्सरा।"
“हाँ।” उसने हमारे पीछे देखा, हालाँकि जहाँ तक मुझे पता था, कोई हमारा पीछा नहीं कर रहा था।

मैंने पूछा, "क्या यह वही अप्सरा है जिसने आपको वाशिंगटन स्क्वायर पार्क के बारे में जानकारी दी थी?"
“नहीं, नहीं। लेकिन बादल अप्सराएँ... वे तो स्कूल की सेक्रेटरी जैसी होती हैं। उन्हें हर किसी के बारे में और हर चीज़ के बारे में पता होता है। ये नाओमी—पिछले कुछ महीनों से मारोन के साथ डेटिंग कर रही है। वो ज़्यूस के महल की रसोई में काम करती है। अगर तुम बगल वाले दरवाज़े तक पहुँच सको, तो वो तुम्हें अंदर पहुँचा देगी।”
मैं कांप उठा। मारोन, ग्रोवर के साथी क्लोवन काउंसिल के बुजुर्गों में से एक था—एक ठीक-ठाक बकरी जैसा आदमी, लेकिन अजीब बूढ़े लोगों की श्रेणी में वह गैरी से बस थोड़ा ही नीचे था। उसके सैटायर-एर पर डेटिंग प्रोफाइल होने का ख्याल मेरे लिए सोचना भी मुश्किल था।
मैंने एनाबेथ की टोपी को अपने हाथों के बीच मोड़ लिया। "मुझे नहीं लगता कि अदृश्यता की टोपी देवताओं को धोखा दे पाएगी?"
“संभावना नहीं है,” ग्रोवर ने कहा। “टोपी का मकसद रास्ते में आने वाली किसी भी आत्मा या छोटे देवता को धोखा देना है। जब तक आप उनके सामने हाथ नहीं हिलाते और चिल्लाते नहीं हैं, तब तक आप उन्हें दिखाई नहीं देंगे। लेकिन खुद ओलंपियन देवताओं का क्या? उसके लिए तो आपको हेड्स के अंधकार के हेलमेट की ज़रूरत पड़ेगी। एनाबेथ की टोपी ज़्यादा से ज़्यादा आपको, पता नहीं, महत्वहीन दिखा सकती है?”
“बिल्कुल सही,” मैंने बड़बड़ाया। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि ग्रोवर को एनाबेथ की टोपी के बारे में इतनी जानकारी कैसे थी, लेकिन चूंकि वह मुझे बुरी खबर बता रहा था, इसलिए मैंने सोचा कि शायद उसका अनुमान सही ही होगा। “तो मैं महल के रसोईघर के बगल वाले दरवाजे तक जितनी जल्दी हो सके पहुँच जाऊँगा।”
"तुम्हें खास तरीके से दस्तक देनी होगी।"
मैंने कहा, "दाढ़ी बनवा लो और बाल कटवा लो। क्योंकि यह एक ऐसा नाम है जिसे कोई कभी इस्तेमाल नहीं करेगा।"
जब नाओमी दरवाजा खोले, तो उसे बताना कि ग्रोवर ने तुम्हें भेजा है। और तुम्हें उसकी मदद की जरूरत है।
“ठीक है…” मेरे हाथ क्यों कांप रहे थे? ओह, हाँ, अभी-अभी बुढ़ापे से मेरी ज़बरदस्त लड़ाई हुई थी। मैं बहुत थक गया था। साथ ही, मैं बिना बुलाए ओलंपस

के महल में घुसने वाला था, जहाँ कई बड़े देवता 'हम पर्सी जैक्सन से नफरत करते हैं' क्लब के संस्थापक सदस्य थे। “तो अब मुझे बस यह पता लगाना है कि कप को गैनीमेड तक कैसे पहुँचाऊँ।”
"सही।"
हम एम्पायर स्टेट बिल्डिंग के सामने आकर रुके। वाह, यह तो निराशाजनक रूप से तेज़ था। काले संगमरमर के प्रवेश द्वार को देखते हुए, जिससे मैं कई बार गुज़र चुका था, मुझे अचानक एक और समस्या याद आ गई।
“फ्रंट डेस्क पर बैठे उस संतरी का क्या होगा?” मैंने पूछा। “वो मुझे बिना बताए ओलंपस तक नहीं जाने देगा। क्या यांकीज़ की टोपी उस पर असर करेगी?” “बिल्कुल नहीं,” ग्रोवर ने कहा। “आपको ध्यान भटकाने के लिए किसी चीज़ की ज़रूरत होगी। और वो मैं हूँ।”
उसने टैक्सी ड्राइवर को पैसे दिए और अपना हूला-हूप लेकर बाहर निकल गया। मैं भी उसके पीछे-पीछे प्याला लेकर निकल पड़ा।
ग्रोवर ने आगे कहा, "जब मैं अपना काम शुरू करता हूँ, तो आप लिफ्ट के चक्कर लगाकर 600 वीं मंजिल तक पहुँच जाते हैं। चलो!"
मुझे ठीक से पता नहीं था कि ग्रोवर की खासियत क्या थी, लेकिन हम इतने लंबे समय से दोस्त थे कि मुझे लगा कि सही समय आने पर मैं समझ जाऊंगी। ग्रोवर जब चाहे तब बहुत ध्यान भटका सकता था... और मैं तो ध्यान भटकाने में माहिर थी। मैंने एनाबेथ की टोपी पहन ली। सबसे बड़े साइज़ में एडजस्ट करने के बाद भी, यह मेरे बड़े सिर पर फिट नहीं हुई, लेकिन फिर भी इसने अपना काम कर दिया। मैंने अपने शरीर पर नज़र डाली और मुझे धुंधली सी आकृति दिखाई दी जहाँ पहले पर्सी जैक्सन हुआ करता था। अचानक मुझे ऐसा लगा जैसे मेरी त्वचा पर दीमक रेंग रहे हों। एनाबेथ ने मुझे कभी नहीं बताया था कि उसकी टोपी से मुझे अजीब-अजीब कीड़े लग जाते हैं। इसीलिए तो वह इसे सिर्फ़ मजबूरी में ही पहनती थी। एथेना ने तो जादुई तोहफ़े में एक ऐसी चीज़ डाल दी है जो उसे पहनने से रोकती है।
अंदर, लॉबी लगभग खाली थी। कुछ साल पहले जब पर्यटकों की कतारें वेस्ट 34 वीं स्ट्रीट के प्रवेश द्वार पर स्थानांतरित कर दी गई थीं, तब से फिफ्थ एवेन्यू का प्रवेश द्वार काफी शांत हो गया था, और आज सुबह होने के कारण ज्यादा चहल-पहल नहीं थी। दरवाजों के पास हमेशा की तरह गार्ड खड़े थे। कुछ दफ्तर कर्मचारी लड़खड़ाते हुए लिफ्ट की ओर बढ़े, बस इतना ही।

गहरे संगमरमर की दीवारें शायद भव्य और शानदार दिखने के लिए बनाई गई थीं, लेकिन वे मुझे हमेशा टाइटन्स के मुख्यालय माउंट ओथ्रिस की याद दिलाती थीं। वह उदास पत्थर मुझे घेर लेता था, मानो गैरी के आलिंगन की तरह मेरे सीने पर बोझ बन गया हो। मैं सोचती थी कि क्या ओलंपियनों ने जानबूझकर इमारत की लॉबी को इस तरह डिज़ाइन किया था, ताकि जब आप जादुई 600 वीं मंजिल पर पहुँचें और बादलों में कदम रखें, तो ओलंपस के चमकते टावरों और मंदिरों को देखकर आपकी आँखें चौंधिया जाएँ। यह तो ज़्यूस का काम लगता था। देखो हम कितने सुंदर हैं? हम ही तो अच्छे लोग हैं!
मुख्य रिसेप्शन डेस्क के दाईं ओर, वही संतरी जिससे मेरी पहले भी बात हुई थी, हमेशा की तरह आराम से बैठकर किताब पढ़ रहा था। उसका रूप-रंग कभी नहीं बदला था, और वह हमेशा मोटी-मोटी किताबें पढ़ता था। मेरे लिए, ये दो संकेत थे कि वह शायद इंसान नहीं था।
उसकी सुरक्षा कार्ड की डोरी उसकी कुर्सी के आर्मरेस्ट से लटक रही थी। मुझे पिछले अनुभव से पता था कि मुझे विशेष लिफ्ट में जाने के लिए कार्ड की आवश्यकता होगी, लेकिन अदृश्य होने पर भी, और अगर ग्रोवर ध्यान भटका भी देता, तो भी मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं संतरी की नज़र में आए बिना उसे कैसे पकड़ सकता था।
फिर ग्रोवर लॉबी के बीच में आया और उसने अपना काम किया।
उसने अपनी बांसुरी निकाली, "अरे, दोस्तों!" चिल्लाया और हूला-हूप घुमाना शुरू कर दिया।
मुझे पता था कि सैटायर चढ़ सकते हैं और उछल-कूद कर सकते हैं। मुझे यह नहीं पता था कि वे हूला-हूप में इतने माहिर होते हैं। ग्रोवर ने अपने ऊन के यंत्र को हिलाया। गैनीमेड का पवित्र हूला-हूप जगमगा उठा, चमकने लगा और जगमगाने लगा जैसे ही ग्रोवर ने उसे अपने शरीर पर ऊपर-नीचे किया, एक पैर के चारों ओर, फिर दूसरे पैर के चारों ओर लपेटा। उसने अपनी बांसुरी होठों से लगाई और "गेट लकी" का कोरस ज़ोर से बजाने लगा।
नियमित सुरक्षा गार्डों के मुंह खुले रह गए। एक यात्री ने कॉफी से भरा कप फर्श पर गिरा दिया। पहरेदार ने अपनी किताब नीचे रखी और कुर्सी से उठ खड़ा हुआ।
फिर मुझे याद आया कि मुझे इस पल का उपयोग ग्रोवर को घूरने के अलावा कुछ और करने के लिए करना चाहिए था।

जैसे ही संतरी रिसेप्शन डेस्क के पास आकर ग्रोवर से बोला, "सर, आप यहाँ प्रदर्शन नहीं कर सकते," मैं लॉबी के किनारे से निकल गया, एक हाथ में प्याला ऐसे दबाए जैसे फुटबॉल हो। मैंने चाबी का कार्ड पकड़ा और लिफ्ट की ओर दौड़ पड़ा।
मैंने ऊपर वाला बटन दबाया। मुझे लगा जैसे हमेशा के लिए इंतज़ार कर रही हूँ, मुझे पूरा यकीन था कि संतरी मेरा पीछा करेगा, या अलार्म बज उठेंगे और खूंखार चुड़ैलें आकर मुझे कालकोठरी में घसीट ले जाएंगी। (क्या एम्पायर स्टेट बिल्डिंग में कालकोठरी है? शायद, है ना?)
आखिरकार, काले और चांदी के रंग के दरवाजे खुल गए। मैं अंदर घुस गया, अपना चुराया हुआ कार्ड डाला और 600 वीं मंजिल का बटन दबा दिया। ऊपर की ओर मैं "आई गॉट यू, बेब" की कथित रूप से सुकून देने वाली धुन के साथ चल पड़ा।
मुझे उम्मीद थी कि ग्रोवर ठीक होगा। मुझे नहीं पता था कि एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की लॉबी में हूला-हूप करते हुए "गेट लकी" खेलने की सज़ा क्या होती है, लेकिन शायद बहुत कड़ी होती। एनाबेथ और ग्रोवर ने मेरी मदद करने की पूरी कोशिश की थी। अब सब कुछ मुझ पर निर्भर था। हम सबने जो कुछ भी झेला था, उसके बाद मैं हार नहीं मान सकती थी। क्या मैं मान सकती थी?
दरवाजे एक मधुर 'डिंग!' की आवाज के साथ खुले, मानो कह रहे हों, जी हाँ, आप बिल्कुल असफल हो सकते हैं! आपका दिन शुभ हो!
मैं उस तैरते हुए पत्थर के पुल पर कदम रखा जो लिफ्ट बैंक को ओलंपस शहर से जोड़ता था। वह ठीक वैसा ही खड़ा था जैसा मुझे याद था: बादलों से घिरी एक कटी हुई पर्वत चोटी, गुंबददार महल और उसकी खड़ी ढलानों पर तराशे गए सीढ़ीदार बगीचे—एक पूरा अलौकिक शहर मिडटाउन के ऊपर तैरता हुआ, मानो कह रहा हो, "यहाँ देखने लायक कुछ नहीं है; आगे बढ़ो।"
मेरे हाथों में प्याला भारी होता जा रहा था। ऐसा लग रहा था मानो वह मुझे आगे खींच रहा हो, जैसे प्यासे देवताओं को महसूस कर रहा हो जिन्हें फिर से भरने की ज़रूरत हो। मुझे उम्मीद थी कि मेरा वह हाल फ्रोडो जैसा न हो जाए, जहाँ मैं अपनी जादुई वस्तु लेकर माउंट ब्रंच की दहलीज पर पहुँचता हूँ और फिर उसे सौंपने के बजाय, प्रकट होकर चिल्लाता हूँ, हा-हा! प्याला मेरा है! और अमरता का स्वाद देने वाला कूल-एड पी जाता है।
ज़्यूस शायद मुझे कैनपेस का छोटा देवता बना देगा। एनाबेथ बहुत गुस्सा होगी।

मैंने उस विचार को मन से निकाल दिया।
कहीं नीचे, नश्वर दुनिया में, चर्च की घंटियाँ बज रही थीं, जो आठ बजने का संकेत दे रही थीं। नाश्ते के लिए यह बहुत जल्दी का समय था, इसलिए मैंने सोचा कि शायद यही वह समय है जब देवताओं ने चाहा होगा। मुझे जल्दी करनी थी। मैं रास्ते पर दौड़ पड़ा, पत्थर के पुल के बीच से छलांग लगाता हुआ और प्रार्थना करता रहा कि ज़्यूस के देवताओं के आंसुओं से भरे मिमोसा का एक दौर शुरू करने से पहले मैं गैनीमेड तक प्याला पहुँचा सकूँ।

THIRTY

I INFILTRATE THE LAIR OF *LIGHTNING GOD 3000*

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सिर्फ आज रात!" लेकिन इस समय, बगीचों में कुछ कबूतरों के अलावा कोई नहीं था। (क्योंकि हाँ, माउंट ओलंपस में भी कबूतर होते हैं।)
मैंने ग्रोवर के बताए रास्ते पर चलकर ज़्यूस के महल के बगल वाले प्रवेश द्वार तक का सफर तय किया: बड़े सफेद ओक के पेड़ के पास से बाईं ओर मुड़ो, लिली के फूलों की क्यारी के साथ-साथ चलते हुए दो चिनार के पेड़ दिखें। फिर दाईं ओर मुड़कर चमेली की दीवार ढूंढो। जब आपका सबसे अच्छा दोस्त एक सैटायर हो, तो आप पेड़ों और पौधों के बारे में बहुत कुछ सीखते हैं। वे दुनिया को इसी नज़रिए से देखते हैं, इसलिए वे इसी तरह से रास्ता भी बताते हैं। प्याला मददगार साबित हुआ, जैसे-जैसे हम गैनीमेड के करीब पहुँचते गए, वह मुझे और भी ज़ोर से अपनी ओर खींचता चला गया। कम से कम, मुझे यही उम्मीद थी कि वह मुझे वहीं ले जा रहा है, न कि किसी धार्मिक हाई स्कूल की कैंटीन में जहाँ मैं सबके पेय पदार्थ भर सकूँ।
मैं एक ऊँची चट्टान के तल पर स्थित एक संकरी गली में पहुँच गया। बहुत ऊपर एक विशाल सफेद महल की नींव खड़ी थी—शायद ज़्यूस का महल। वाकई, मेरे सामने की दीवार खिले हुए चमेली के फूलों से ढकी हुई थी, सिवाय एक छोटे से दरवाजे के जिस पर सुंदर कांसे की नक्काशी थी। माउंट ओलंपस पर तो गलियाँ भी उतनी ही आलीशान हैं।
मैंने दाढ़ी बनवाई और बाल कटवाए।
दरवाजा चरमराते हुए खुला। जिस स्त्री ने अपना सिर बाहर निकाला, उसके बाल बवंडर की कीप जैसे थे। उसकी आँखें धूसर और तूफानी थीं, चेहरा उम्र से परे लग रहा था, और उसकी खुशबू आने वाली बारिश जैसी थी। अगर उसके पास 'नमस्ते! मेरा नाम है बादल अप्सरा' लिखा होता, तो भी वह इससे ज़्यादा स्पष्ट रूप से बादल अप्सरा नहीं हो सकती थी।
“नाओमी?” मैंने अनुमान लगाया।
“तुम डोनट्स लाए हो?” उसने पूछा।
"ओह, उम... नहीं।"
"तुम्हारी खुशबू मोची डोनट्स जैसी है।"
“ऐसा इसलिए है क्योंकि… छोड़ो। मैं दरअसल मारोन का दोस्त हूँ।”
उसने नाक सिकोड़ते हुए कहा, "नहीं, तुम नहीं हो। मारोन के दोस्त नहीं हैं।" “सच है। लेकिन मैं ग्रोवर अंडरवुड का दोस्त हूँ। उसने कहा था—”
“अंदर आओ।” उसने मेरा हाथ पकड़ा और मुझे खींचकर रसोई में ले गई।

मुझे नहीं पता था कि मैं किसी दिव्य रसोई से क्या उम्मीद कर रही थी। सच कहूँ तो, मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि देवताओं के पास रसोई भी होती है। मेरा मतलब है, वे चुटकी बजाकर जो चाहें बना सकते हैं। फिर किसी और से खाना बनवाने की झंझट क्यों?
अब, जब मैंने देखा कि अप्सराएँ चूल्हे से चूल्हे की ओर दौड़ रही थीं, हवा से बादलों जैसी चीज़ें खींचकर अपने सूप और पाई में रुई के धागों की तरह मिला रही थीं, तो मुझे एहसास हुआ कि देवता भी नौकरों को अपने लिए काम करते देखना चाहते होंगे, ठीक वैसे ही जैसे उन्हें पसंद होता था जब मनुष्य उन्हें भेंट चढ़ाते थे। यह सब ध्यान आकर्षित करने, सेवा पाने और अपनी ज़रूरतों को पूरा करने के बारे में था। देवता अमृत से भी ज़्यादा प्रसिद्धि के भूखे थे। ज़ाहिर है, वे कठिन तरीके से ही काम करवाना चाहते थे।
लगभग बीस अप्सराएँ काम में लगी हुई थीं, सभी ने सफेद एप्रन पहन रखे थे और उनके लहराते बालों पर काले जाल लिपटे हुए थे। उनके पैर बादलों के गुच्छों जैसे थे, शायद इसलिए ताकि वे तेज़ी से चल सकें। उनके धुंधले वस्त्र विभिन्न सूप, शोरबे और ग्लेज़ से सने हुए थे, जिससे वे रंगीन सूर्यास्त की तरह दिख रही थीं।
रसोई मेरे हाई स्कूल के जिम से भी बड़ी थी, और अप्सराएँ कांसे के दोहरे दरवाजों से बार-बार अंदर-बाहर आती-जाती रहती थीं, खाने की थालियाँ लेकर भोजन कक्ष में जाती थीं। जैसे ही दरवाजे खुले, मुझे जानी-पहचानी आवाज़ें सुनाई दीं: ज़्यूस की बुलंद भारी आवाज़, हेरा की हँसी। ओह, वाह! मेरी पसंदीदा देवी।
जैसा कि मुझे आशंका थी, शेफ हमेशा की तरह ब्रंच के सारे अजीबोगरीब व्यंजन परोस रहे थे: चमकीले नारंगी रंग की हॉलैंडाइज़ सॉस के साथ एग्स बेनेडिक्ट, अंडे के साथ स्टेक, सूफ़ले। जी हाँ, कुछ मिस्टर क्रंची भी थे, साथ ही फ्रेंच टोस्ट, बेकन बर्गर और पाइनएप्पल पिज़्ज़ा भी, क्योंकि क्यों नहीं? चलो ब्रंच की अराजकता को हावी होने दो।
नाओमी ने मुझे उसी अविश्वास भरी नज़र से देखा जिस नज़र से मैं खाने को देख रही थी।
“तो ग्रोवर ने ऐसा क्यों किया…?” जैसे ही मैंने उसे प्याला दिखाया, उसकी आवाज़ धीमी हो गई। “ठीक है। तुम्हें इसे अपने पास नहीं रखना चाहिए।”

“हां,” मैंने कहा। “मुझे पता है।”
उसने अपने बालों में लगे हेयरनेट के नीचे खुजली की। "तो क्या तुम भगवान हो?"
एक पुरानी फिल्म का एक डायलॉग मेरे दिमाग में कौंध गया: जब कोई आपसे पूछे कि क्या आप भगवान हैं, तो आप हां कहिए!
मैंने कहा, "नहीं।"
“ठीक है।” वह हिचकिचाई। “इससे यह बात समझ में आती है कि गैनीमेड वहाँ ग्रीक आग की तरह पसीना क्यों बहा रहा है।”
मैंने कहा, "मैं इस पर कुछ नहीं कह सकता। लेकिन अगर आप उसे यहाँ आने का इशारा कर सकें तो—"
“अरे नहीं।” नाओमी ने अपनी बाहें मोड़ लीं। उसने एनाबेथ की यैंकीज़ टोपी को इस तरह घूरा कि मुझे लगा जैसे उसकी रसोई में अदृश्यता की टोपियाँ पहनना असभ्य और बेकार है। “मैं दिखावा करूँगी कि मैंने तुम्हें नहीं देखा। यहाँ कोई तुम्हें परेशान नहीं करेगा। लेकिन अगर तुम गैनीमेड का ध्यान अपनी ओर खींचना चाहती हो, तो तुम्हें खुद ही कोशिश करनी होगी। वह वहीं अंदर है।” उसने दोहरे दरवाज़ों की ओर इशारा किया। “उसे देखना मुश्किल नहीं है। वही है जो पसीना बहा रहा है—”
“ग्रीक फायर। समझ गया। क्या मैं किसी वेटर की वर्दी और शायद एक नकली मूंछ उधार ले सकता हूँ?”
नाओमी ने हल्की सी आवाज़ निकाली। "मैरोन की दोस्त। ये तो बहुत मज़ेदार है!" वह अपने सूफ़्ले देखने के लिए चली गई।
मुझे समझ आ गया था कि वेटर की पोशाक तो नामुमकिन है। चूंकि एनाबेथ की अदृश्यता वाली टोपी से मुझे बेमेल दिखने और त्वचा पर चकत्ते होने के अलावा कुछ खास फायदा नहीं हो रहा था, इसलिए मुझे कोई और योजना बनानी पड़ी।
मैं दोहरे दरवाजों की ओर बढ़ा। मैंने एक ड्रायड सर्वर के अंदर जाने का इंतजार किया, फिर अपना पैर दरवाजों के बीच में रख दिया, जिससे दरवाजे थोड़े खुले रहे और मैं दरार से झाँक सकूँ।
मैंने इससे पहले कभी ज़्यूस का निजी महल नहीं देखा था। जितनी बार भी मैं ओलंपस गया था, मैं हमेशा लिफ्ट से सीधे देवताओं के सभा कक्ष की ओर जाता था, क्योंकि जब आप प्रलयकारी हथियार पहुँचा रहे हों या टाइटन्स को दुनिया को नष्ट करने से रोकने की कोशिश कर रहे हों, तो यही करना पड़ता है।

ज़्यूस का भोजन कक्ष किसी प्राचीन रोमन दावतखाने और बेवर्ली हिल्स के किसी पार्टी पैड के मिश्रण जैसा लग रहा था। बीच में बने बैठक कक्ष में, सोने की कढ़ाई वाले बैंगनी सोफे फलों से सजी मेज के चारों ओर रखे थे। सोने के छुरे और खाने के बर्तन इतने चमक रहे थे कि मुझे लगा मेरी आँखें पिघल जाएँगी। अलबी के चारों ओर सोने की बिजली की नक्काशी वाले अलबास्टर स्तंभ थे, मानो आप भूल ही न जाएँ कि आप किसके महल में हैं। मुझे आश्चर्य हुआ कि ज़्यूस ने उन पर अपना नाम क्यों नहीं लिखवाया... हालाँकि शायद लिखवाया हो। अगर उसका नाम सिर्फ़ Z था, तो वह भी लगभग बिजली के निशान जैसा ही था, है ना? मेरा दिमाग चकरा गया।
नज़ारा वाकई शानदार था—विशाल खुली बालकनियाँ जहाँ से दूसरे ओलंपियन महल दिखाई देते थे, जहाँ कमज़ोर देवताओं को रहने के लिए मजबूर किया गया था। लेकिन असली आकर्षण तो वहाँ के खेल थे। बाहरी दीवारों के किनारे ज़्यूस से जुड़ी हर तरह की आर्केड मशीनें जगमगा रही थीं—किंग ऑफ़ ओलंपस पिनबॉल, माइटी ज़्यूस स्लॉट्स, यहाँ तक कि लाइटनिंग गॉड 3000 भी, जिसे मुझे याद है कि मैंने एक बार कोनी आइलैंड पर खेला था। मुझे इस बात पर हैरानी नहीं हुई कि ज़्यूस अपनी यादगार चीज़ें इकट्ठा करता होगा। यह तो उसके स्वभाव के अनुरूप ही था। लेकिन जिस तरह से उसने उन्हें अपने भोजन कक्ष में प्रदर्शित किया, वह तो भगवान के स्तर का अहंकार था। जैसे, इन शानदार नज़ारों को क्यों देखें, जब आप मल्टीप्लेयर मोड में मेरा अवतार चुनकर यह देख सकते हैं कि आपकी शक्तियाँ मेरी शक्तियों के मुकाबले कितनी कमज़ोर हैं? मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या उसने अपनी मशीनें उसी थोक विक्रेता से मंगवाई थीं जिससे हीबे जीबिज खरीदते थे।
मैंने अपने एडीएचडी से ग्रस्त दिमाग को टिमटिमाती रोशनी के बारे में सोचना बंद करने और ब्रंच पर आए मेहमानों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मजबूर किया। कई पुराने दोस्त और कुछ जाने-माने दोस्त सोफे पर आराम कर रहे थे। मेज के मुखिया पर खुद ओ.जेड. बैंगनी मखमली चोगा और सुनहरी सैंडल पहने बड़े आराम से बैठे थे। क्योंकि जाहिर है, अगर आप भगवान हैं और आप जो चाहें दिख सकते हैं, तो आप यही रूप चुनेंगे।
उसके बाईं ओर मेरी दोस्त हेरा थी, जो पर्सी को दुखी करने वाली देवी थी। वह अपनी बिना आस्तीन वाली सफेद पोशाक और सुंदर गुंथी हुई केश-शैली में राजसी लग रही थी, मानो यह जताने के लिए कि उसका पति कितना घिनौना है।

ज़्यूस के दाहिनी ओर, मेरी तरफ पीठ करके, एक महिला बैठी थी जिसे मैंने टाइटन्स की रानी रिया, उर्फ दादी देवी समझा। मुझे उम्मीद थी कि वह देवताओं से अधिक उम्र की दिखेगी, क्योंकि शायद अब तक उसकी उम्र 600 के करीब हो चुकी होगी, लेकिन ज़ाहिर है, अमर लोगों को अपनी उम्र दिखाने की ज़रूरत नहीं होती। उसके भूरे-सुनहरे बाल घुंघराले झरनों की तरह उसकी पीठ पर लहरा रहे थे। उसने टाई-डाई की हुई कफ्तान जैसी पोशाक पहनी थी और दोनों हाथों में चांदी की चूड़ियाँ थीं। उसके पैरों के पास एक शेर सो रहा था। मेज पर बैठा एक और शीर्ष शिकारी।
ब्रंच के दौरान मौजूद अन्य मशहूर हस्तियों में एथेना, हेमीज़ और डेमेटर शामिल थे... क्योंकि अनाज की देवी तो सुबह के नाश्ते के लिए ज़रूर आतीं। कुछ और मेहमान भी थे जिन्हें मैं पहचान नहीं पाया, या तो इसलिए कि उन्होंने अपना रूप बदल लिया था या इसलिए कि मैं उनसे अभी तक मिला नहीं था। और ज़्यूस के पीछे, अपने खाली, प्याले से मुक्त हाथों से क्या करें, यह सोचने की कोशिश कर रहा था गैनीमेड।
उसके पसीने से मानो ग्रीक आग टपक रही थी। थोड़ी-थोड़ी देर में, चमकदार ज्वलनशील तरल की एक बूंद उसकी गर्दन के पीछे छिटककर धुआं छोड़ती। अब तक कमरे में किसी और ने इस पर ध्यान नहीं दिया था, या शायद वह मालिक की मेज पर सेवा करते समय हमेशा ऐसा ही करता था।
ज़्यूस अपनी माँ के विशेष ब्रंच दिवस के लिए मंगवाए गए सभी स्वादिष्ट व्यंजनों के बारे में बढ़-चढ़कर बता रहा था। जाहिर है, उसकी माँ बहुत समय से ओलंपस नहीं आई थी, और ज़्यूस द्वारा उसकी महानता के बारे में अपने भाषण को समाप्त करने तक किसी को भी खाना-पीना शुरू करने की अनुमति नहीं थी। सभी के प्याले खाली हो चुके थे।
अच्छा। अब मुझे बस चुपके से गैनीमेड के हाथों में प्याला पहुँचाना था। यह बहुत आसान लग रहा था, फिर भी...
मैंने प्याला लाने वाले को घूरकर देखा, और उम्मीद की कि वो मेरी तरफ देखे। आखिरकार, जब ज़्यूस फीनिक्स एग्स बेनेडिक्ट की खूबियों का बखान कर रहा था (इनमें तीखापन बहुत होता है!), तभी गैनीमेड की नज़र रसोई के दरवाज़ों पर पड़ी। कुछ पल की उलझन के बाद, उसने मुझे प्याला पकड़े हुए देखा।

उसका चेहरा आश्चर्य से राहत और फिर भयभीत विनती में इतनी जल्दी बदल गया, जितनी देर में वह एक पेय भरता। उसकी आँखों ने कहा, हे भगवान! मैंने उसे रसोई में आने का इशारा किया।
वह एक तरफ खिसक गया, लेकिन तुरंत ही ज़्यूस ने पीछे मुड़कर उसकी कलाई पकड़ ली। “रुको, गैनीमेड। मैं चाहता हूँ कि तुम यह सुनो! फिर तुम हमारे लिए पेय डालो और हम एक बढ़िया टोस्ट करेंगे।”
किसी ने भी इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि प्याला लाने वाले के पास उसका अपना प्याला नहीं था। मुझे लगता है, नौकर होने के नाते, वह मेरी उधार ली हुई टोपी से भी ज़्यादा अदृश्य था।
गैनीमेड ने फिर मेरी तरफ देखा। मदद करो!
ज़्यूस ने समूह से कहा, "मैंने सोचा कि मैं हमारी प्यारी माता, रिया को उनके बारे में एक विशेष कहानी सुनाकर सम्मानित करूंगा।"
"ओह, बेबी, तुम्हें ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है," रिया ने कहा।
अन्य देवताओं के चेहरे पर दर्द भरी मुस्कान थी, मानो वे इस बात से सहमत हों कि ज़्यूस को वास्तव में ऐसा करने की आवश्यकता नहीं थी।
“तो, एक बार,” ज़्यूस ने कहना शुरू किया, “जब मैं छोटा बच्चा था और तुम सब क्रोनोस के पेट में लोटपोट हो रहे थे…”
उस क्षण, मुझे दो भयानक बातें स्पष्ट हो गईं। पहली, मुझे यह कहानी सुननी होगी। दूसरी, यदि गैनीमेड प्याले के पास नहीं आ सकता, तो मुझे प्याला गैनीमेड के पास ले जाना होगा।

THIRTY-ONE

I FACE A DANGEROUS PREDATOR WHO IS POSSIBLY MY FUTURE MOTHER-IN-LAW

[illegible]

[illegible]

[illegible]

इसलिए मैं अमरता का प्याला अपनी गोद में लेकर गाड़ी के नीचे दुबक गई, बिजली की लकीरों से सजे सफेद मेज़पोश के पीछे छिपी हुई थी, जब बारबरा मुझे खाने के कमरे में ले गई।
“खैर,” ज़्यूस कह रहा था, “मैं वहाँ गुस्से में भरे लामाओं से घिरा हुआ था… खैर, आप कल्पना ही कर सकते हैं!”
“मेरे प्रिय,” हेरा ने कहा, “प्राचीन ग्रीस में लामा नहीं होते थे।”
“खैर, क्रीट में तो थे ही!” ज़्यूस गुर्राया। “पता नहीं, शायद क्रोनोस ने सोचा होगा कि हमें अच्छी चीज़ें नहीं मिल सकतीं और उसने उन सबको पेरू भेज दिया होगा, लेकिन उस समय, वाह! हर जगह लामा ही लामा! जैसा कि मैं कह रहा था, मैं बिल्कुल अकेला था। न अमाल्थिया, न कौरेटेस। बस मैं अपने डायपर में, एक नन्हा-सा रोता बच्चा, अगर आप कल्पना कर सकते हैं तो—”
“मैं इसकी कल्पना कर सकती हूँ, पिताजी,” एथेना ने रूखेपन से कहा।
गाड़ी चरमरा रही थी और डगमगा रही थी। मैं खाने की मेज के इतना करीब था कि मुझे गीले शेर के फर की गंध आ रही थी। मैंने देखने की हिम्मत नहीं की, लेकिन मुझे लगा कि मैं गैनीमेड के बहुत करीब पहुँच रहा हूँ।
बस कुछ और कदम...
“बस करो!” ज़्यूस ने गुस्से से कहा।
गाड़ी रुक गई।
मैं यहाँ एक कहानी सुना रहा हूँ, बारबरा!
"जी सर। क्षमा करें, सर।"
काफी देर तक सन्नाटा छाया रहा। मैंने कल्पना की कि सारे देवता उस गाड़ी को घूर रहे होंगे, सोच रहे होंगे कि वह इतनी लदी हुई क्यों लग रही है और सामान्य से ज़्यादा चरमरा क्यों रही है। मैं बारबरा के चिल्लाने का इंतज़ार कर रहा था, "हे देवता! उसे मार डालो!"
अंत में, ज़्यूस ने धीमी आवाज़ में कहा, "मैं कहाँ था?"
हर्मेस ने कहा, "क्रीट। लामाओं से घिरा हुआ।"
"सही कहा । । ।"
मुझे कहानी को समझने में दिक्कत हो रही थी। एक तो मेरा दिल बहुत ज़ोर से धड़क रहा था, और दूसरा मैं कहानी को समझना ही नहीं चाहता था।
ज़्यूस बड़बड़ाता रहा, क्रीट में अकेले पड़े अपने बेचारे बच्चे जैसे रूप के लिए सहानुभूति बटोरने की कोशिश करता रहा। मुझे शक था कि उसके श्रोताओं

को सस्पेंस महसूस हो रहा होगा क्योंकि (स्पॉइलर) वह अमर था, इसलिए लामाओं द्वारा मारे जाने की संभावना बहुत कम थी। फिर भी, मुझे उम्मीद थी कि सबने पेस्ट्री की गाड़ी की तरफ देखना बंद कर दिया होगा। मैंने मेज़पोश का निचला हिस्सा उठाने का जोखिम उठाया।
मुझे ज़्यूस के चप्पल पहने हुए पैरों का शानदार नज़ारा देखने को मिला। क्या उसने अपने नाखूनों पर पॉलिश लगाई थी?
ध्यान केंद्रित करो, पर्सी।
गैनीमेड ज़्यूस के ठीक दूसरी तरफ खड़ा था—सिर्फ दस फीट की दूरी पर, लेकिन फिर भी इतना दूर कि उसे प्याला न दिया जा सके, खासकर तब जब हमारे बीच बिजली का देवता मौजूद था। मैंने गैनीमेड का चेहरा देखने की कोशिश की, लेकिन मेरा नज़रिया ठीक नहीं था। मैं यह नहीं बता सकता था कि उसे पता था कि मैं वहाँ हूँ या वह ग्रीक अग्नि के पसीने में इतना मशगूल था कि उसे ध्यान ही नहीं आया।
मैंने सोचा कि क्या मैं गाड़ी से रेंगकर मेज के नीचे तक, उन सभी सलीके से सजे हुए दिव्य पैरों के बीच से, बिना किसी की नज़र में आए पहुँच सकता हूँ। शायद नहीं। तभी मैंने दाईं ओर देखा और मेरी नज़र शेर से मिल गई।
वाह, यह तो कमाल था! वह नींद में और हैरान सा लग रहा था, मानो सोच रहा हो कि क्या वह अभी भी सपना देख रहा है या सचमुच पेस्ट्री की गाड़ी के सबसे नीचे वाले शेल्फ पर किसी इंसान का सिर रखा हुआ है।
शायद सबसे बुरी बात जो मैं कर सकती थी, वह थी उसे घूरती रहना। तो मैंने वही किया। उसकी आँखें सुनहरी थीं। मैं वैसे तो बिल्लियों की बहुत शौकीन नहीं हूँ, लेकिन उस बड़े से रोएँदार चेहरे को विशाल मुलायम पंजों पर टिकाए देखना मुझे अच्छा लगा, सिवाय इस बात के कि चेहरे पर नुकीले दांत थे और पंजों में पंजे।
मैंने समुद्र देवता के पुत्र होने के नाते अपनी पेटेंट-अध्ययनाधीन टेलीपैथी का उपयोग करके उसे संदेश भेजने की कोशिश की: मैं हानिरहित हूँ। कृपया मुझे मत खाओ। लेकिन मुझे पूरा यकीन था कि 1) शेर समुद्री जीव नहीं था, और 2) अगर मैं उससे संवाद कर भी लेता, तो वह मेरी बात नहीं सुनता।
मैंने इशारे से कहा, ठीक है, अलविदा।
मैंने धीरे से मेज़पोश का किनारा नीचे कर दिया। यह मुझे शेर से तो नहीं बचाएगा, लेकिन शायद वह मेरे बारे में भूल जाए?

“तभी,” ज़्यूस कह रहा था, “मेरी प्यारी माँ प्रकट हुई! और तुम कभी अंदाज़ा भी नहीं लगा पाओगे कि उसने क्या किया!”
शेर ने कहा, "रॉव्व्व्व्र!"
टेबल के चारों ओर बैठे सभी लोग हंस पड़े।
“बिल्कुल सही, लुसियस!” ज़्यूस ने सहमति जताई। “वह दहाड़ी! उसके बाद…” मैंने एक बार फिर झाँकने का जोखिम उठाया, बस यह देखने के लिए कि कहीं शेर मेरा चेहरा तो नहीं खा जाएगा। लेकिन इसके बजाय, लुसियस ने अपना सिर झुका रखा था और आँखें बंद कर रखी थीं, मानो वह परम आनंद में हो, जबकि रिया उसके कान खुजला रही थी, शायद उसे शांत करने के प्रयास में।
हालांकि, मेरी नजर किसी और से भी मिली। जाहिर है, उसने मेज के नीचे से झाँककर उस प्यारी बिल्ली को देखा था। अब मेज के दूसरी तरफ से एथेना सीधे मेरी तरफ घूर रही थी।
हमारी नज़रें एक पल से भी कम समय के लिए मिलीं, लेकिन एथेना की खासियत यह है कि वह इतनी बुद्धिमान है कि वह बस एक नज़र डाल लेती है और आपको ऐसा लगता है जैसे आप किसी तेज़ रोशनी में चुपचाप पूछताछ का सामना कर रहे हों। बातचीत कुछ इस तरह हुई:
एथेना: क्यों?
मैं: क्वेस्ट। क्षमा करें। छिपने की कोशिश कर रहा हूँ।
एथेना: पेस्ट्री की गाड़ी के नीचे? यह तो बहुत ही घिसा-पिटा तरीका है।
मैं: हाँ, मुझे पता है।
एथेना: मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि मेरी बेटी अभी भी तुम्हारे साथ डेटिंग कर रही है।
मैं: प्यार एक रहस्य है। कृपया मुझे मार मत डालो?
एथेना: . . . . . .
मुझे: । । । । । ।
जब ज़्यूस अपनी कहानी सुनाता रहा, तो उसने अपना सिर ऊपर उठाया। मैं देवी के बीच में टोकने और मेरी पहचान उजागर करने का इंतज़ार करता रहा।
“तो खैर, पहला लामा—” ज़्यूस कह रहा था।
“गैनीमेड?” एथेना ने बीच में ही टोकते हुए कहा। “क्या तुम प्लीज़ उस पेस्ट्री की गाड़ी को वापस रसोई में ले जाओगे? मुझे स्कोन्स के लिए मलाई नहीं दिख रही है, और यह बात मुझे बिल्कुल पसंद नहीं है।”

गैनीमेड हकलाते हुए बोला, "उह, मैं—"
“मैं चाहता हूँ कि कहानी का अंत गैनीमेड को सुनने को मिले!” ज़्यूस ने विरोध किया।
“लेकिन, पिताजी,” एथेना ने शांत और संयमित स्वर में कहा, “आप जानते हैं कि रिया को स्कोन्स कितने पसंद हैं।”
इसके बाद कुछ पल के लिए बिजली की तरह तनावपूर्ण स्थिति छा गई—मैं कल्पना कर सकता था कि ज़्यूस की कुर्सी के चारों ओर तूफानी बादल मंडरा रहे हैं। “हम्म,” उसने आखिरकार कहा। मैं उसे देख नहीं पा रहा था, लेकिन मुझे ऐसा लगा जैसे उसने गैनीमेड की कलाई छोड़ दी हो। “जल्दी लौट आना।”
“या फिर मत करो,” हेरा ने बुदबुदाते हुए कहा। “अपना समय लो।”
गाड़ी चलने लगी। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि पहियों की वजह से वह हिल रही थी या गैनीमेड के टुकड़े-टुकड़े होने की वजह से।
हमारे पीछे, ज़्यूस ने बुदबुदाते हुए कहा, "मुझे उसे जाते हुए देखना बहुत अच्छा लगता है..."
"क्या आप ब्रंच टेबल पर ऐसा नहीं कर सकते?" हेरा ने दांत भींचते हुए पूछा। तो मैं कहाँ था?
“क्रीट,” हर्मेस ने कहा। “लामा।”
दोनों दरवाजे खुल गए और हम सुरक्षित रूप से रसोई में पहुँच गए।
हांफते हुए, मैं पेस्ट्री की गाड़ी के नीचे से बाहर निकली। मुझे एहसास हुआ कि मैंने बहुत देर तक अपनी सांस रोक रखी थी।
“ओह, नन्ही सी बच्ची!” गैनीमेड ने कहा। “पापा के पास आओ, प्यारी सी बच्ची!” शुक्र है, वह मुझसे बात नहीं कर रहा था। वह प्याले को पाने के लिए हाथ हिला रहा था। मुझे आश्चर्य हुआ कि वह उसे क्यों नहीं पकड़ रहा था। तभी मुझे एहसास हुआ कि मुझे उसे प्याला देना ही होगा। मुझे मिशन पूरा करना था और प्याला उसके पास पहुंचाना था।
“आपके लिए प्याला, महोदय,” मैंने कहा और किसी तरह प्याला उठा लिया। गैनीमेड ने उसे गले लगाया, उसके किनारे को चूमा, और उस पर खरोंच और निशान देखे। "ओह, पर्सी जैक्सन! तुमने कमाल कर दिया! मैं तुम्हारा शुक्रिया अदा कैसे करूँ!"
"सिफारिश पत्र कैसा रहेगा?"

गैनीमेड ने पलकें झपकाईं। "ठीक है! बिलकुल!" कहीं से एक कागज़ का टुकड़ा नीचे आया और सीधे मेरी छाती पर जा गिरा।
मैंने दोनों तरफ देखा। "यह खाली है।"
“आप जो चाहें बोल दीजिए। शब्द अपने आप लिखे जाएंगे। जब आप लिख लें, बशर्ते आपने तारीफ में अति न की हो, तो नीचे मेरे हस्ताक्षर आ जाएंगे। यह पूरी तरह से वैध और कानूनी है।”
यह सब... एक खाली कागज के टुकड़े के लिए।
मैं हंस सकती थी या रो सकती थी, लेकिन उससे कोई फायदा नहीं होता। और इससे दूसरे देवताओं का ध्यान भी मेरी ओर आकर्षित हो जाता।
“धन्यवाद,” मैंने उठते हुए कहा। “तो… काम हो गया?”
“अब मुझे यह प्याला भरना है,” गैनीमेड ने कहा। “और मलाई! मुझे मलाई चाहिए! लेकिन हाँ। काम हो गया। मैं इसे नहीं भूलूंगा, पर्सी जैक्सन। कॉलेज के लिए शुभकामनाएँ!”
जैसे ही गैनीमेड रसोई में इधर-उधर भागने लगा, ज़्यूस ने पुकारा, "गैनीमेड, तुम कहाँ हो? मैं असली कहानी की ओर बढ़ रहा हूँ!"
“आ रहा हूँ, भगवान ज़्यूस!” गैनीमेड ने पुकारा। “बस... अपना प्याला भर रहा हूँ, जो इतने समय से मेरे पास ही है!”
वह दर्द से कराह उठा, फिर काम पर लौट आया। मलाई लेकर और प्याला भरकर, वह गाड़ी को वापस भोजन कक्ष में ले गया।
मैंने अप्सरा बारबरा की ओर देखा। "आपकी मदद के लिए धन्यवाद। मैं एनाबेथ के साथ उस मुलाकात का इंतज़ाम कर दूंगी।"
“शानदार! उनके लिए काम करना वाकई बहुत रोमांचक होगा।”
"उम, हाँ।"
मैं मुड़ा और मेरी जींस लगभग फटी रह गई। शेफ नाओमी मुझसे एक इंच की दूरी पर खड़ी थीं और मुझे घूर रही थीं।
“देवताओं के लिए काम करना थोड़ा निराशाजनक है क्या?” उसने पूछा। “मुझे हर बार ऐसा ही महसूस होता है जब मैं खाना बनाती हूँ और उनमें से कोई धन्यवाद तक नहीं कहता।”
मैंने कहा, "तुम्हें पता है, यही तो जीविका है।"
उसने मेरे कंधे पर थपथपाते हुए कहा, "क्या आपको रास्ते के लिए एक छोटा बैग चाहिए? फिर आप मेरी रसोई से बाहर जा सकते हैं।"

सबसे बुरी बात क्या है?
डेमी बैग—यानी देवताओं के लिए बचे हुए भोजन से भरे थैले—वास्तव में मौजूद थे।
नाओमी ने मुझे एक सफेद रंग का इंसुलेटेड थैला दिया, जिस पर लाल अक्षरों में "डेमी बैग!" लिखा हुआ था और उसके ऊपर मुस्कुराते हुए बच्चों का एक चित्र बना हुआ था, जिनकी जीभ बाहर लटकी हुई थी और वे स्वादिष्ट मिठाइयों का इंतजार कर रहे थे।
मुझे समझ नहीं आ रहा कि मुझे ज़्यादा अपमानजनक क्या लगा—देवताओं का अपने बच्चों को पालतू जानवरों की तरह मानना, या पोसीडॉन का मुझे कभी भी बचा हुआ खाना न देना। नाओमी ने मुझे बेहतरीन पेस्ट्री तो खिला दीं, लेकिन मलाई नहीं दी।
किसी तरह, मैं छोटे देवताओं या उन्मादी अप्सराओं के प्रशंसकों द्वारा एनाबेथ के ऑटोग्राफ की मांग किए बिना ओलंपियन पुल को पार करके वापस आ गया। जब मैं लिफ्ट से नीचे नश्वर दुनिया में उतरा, तब भी "आई गॉट यू, बेब" गाना बज रहा था। हे भगवान, यह गाना कितना लंबा था? या शायद ओलंपियनों ने इसे अपने आगंतुकों को परेशान करने के लिए लूप पर लगा रखा था।
मुझे एहसास हुआ कि मैं देर से जागे डर के कारण कांप रहा था। मेरे शरीर से सारा एड्रेनालिन निकल गया। मुझे अभी भी एथेना की निगाहें मुझ पर गड़ी हुई दिखाई दे रही थीं, जो शेर की निगाहों से कहीं ज़्यादा भयानक थीं। लूसियस के विपरीत, ज्ञान की देवी को कान के पीछे सहलाने से शांत नहीं किया जा सकता था — या कम से कम, मैं ऐसा करने की कोशिश नहीं करने वाला था।
मैंने एनाबेथ की टोपी उतार दी, जिससे थोड़ी राहत मिली। खुजली तुरंत बंद हो गई। मुझे उम्मीद थी कि मेरी त्वचा पर लाल चकत्ते पड़ जाएंगे, लेकिन मेरे हाथों पर कोई फर्क नहीं पड़ा। लॉबी तक पहुंचते-पहुंचते मैं लगभग शांत महसूस कर रही थी।

दरवाजे खुल गए। मैंने गहरी सांस ली और लिफ्ट से बाहर निकल गई, पूरी कोशिश कर रही थी कि सब कुछ सामान्य लगे। मैंने अपना चुराया हुआ की कार्ड काउंटर के पास गिरा दिया। ग्रोवर का कोई अता-पता नहीं था, हालांकि जब मैं एक गार्ड के पास से गुजरी तो वो "गेट लकी" गाना गुनगुना रही थी। काउंटर पर तैनात संतरी ने मुझे रोकने की कोशिश नहीं की, लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि जब उसने मेरा छोटा सा बैग देखा तो उसकी आंखें तन गईं।
फिफ्थ एवेन्यू पर निकलते ही, मैंने ब्लॉक के अंत में ग्रोवर को देखा, जो अपनी चमकीली हूला-हूप को मेरी ओर लहरा रहा था।
“लॉबी के सुरक्षाकर्मियों ने मुझे चेतावनी देकर छोड़ दिया!” वह दौड़ते हुए बोला। “और क्या आपने— ओह, एक डेमी बैग! धन्यवाद!”
ग्रोवर अनाज की बोरी पर घोड़े की तरह झपटा... और मेरा मतलब पूरी तरह से प्रशंसात्मक और सकारात्मक तरीके से है।
“वाह!” उसने कहा। “जानते हो इन पेस्ट्री में क्या चाहिए?”
“गाढ़ा क्रीम?” मैंने अनुमान लगाया।
उसके चेहरे पर एक स्वप्निल भाव आ गया। “मैं स्ट्रॉबेरी जेली कहने वाला था। लेकिन हाँ... मलाई। खैर, बताओ क्या हुआ!”
मैंने उसे अपने शानदार ब्रंच अनुभव के बारे में विस्तार से बताया। “क्रीट में लामा?” ग्रोवर ने भौंहें चढ़ाते हुए पूछा। “क्या आपको यकीन है कि वे विकुना या गुआनाको नहीं थे?”
"आपको पता है, जब मैं पेस्ट्री की गाड़ी के नीचे छिपा हुआ था, तब मुझे पूछने का मौका ही नहीं मिला।"
“ये तो घिसी-पिटी बात है। लेकिन तुम शेर लुसियस से मिले! मैंने सुना है वो बहुत मज़ेदार चुटकुले सुनाता है…” ग्रोवर ने मेरे चेहरे पर खालीपन का भाव देख लिया होगा। “जिसके लिए तुम्हारे पास समय नहीं था। वैसे, लगता है सब ठीक हो गया!”
“हाँ,” मैंने कहा। “जब तक एथेना मेरी शिकायत ओलंपियन सीमा गश्ती दल से न कर दे। या जब तक ज़्यूस को पता न चल जाए कि मैं चुपके से उसके नाश्ते में घुस गया था। मैंने शिविर में किसी को भी इस घटना के बारे में न बताने का फैसला किया है।”
उनकी दाढ़ी कांप उठी। मुझे चिंता हुई कि कहीं मैंने उन्हें नाराज तो नहीं कर दिया। फिर उन्होंने सिसकी ली, और मुझे एहसास हुआ कि वे रोने ही वाले थे।

“सच कहूँ तो, पर्सी... मैं सबसे ज़्यादा डरा हुआ कब था? शायद मॉन्स्टर्स के सागर में उस साइक्लोप्स की गुफा में, जब मैं बिल्कुल अकेला था...” उसने अपनी नाक पोंछी, जिससे हूला-हूप खुशी से चमक उठा। (क्योंकि हूला-हूप में शिष्टाचार का कोई बोध नहीं होता।)
“लेकिन आज,” उन्होंने आगे कहा, “जब मैंने तुम्हें गैरी के साथ कुश्ती लड़ते देखा…? वह दूसरा सबसे करीबी मुकाबला था। मुझे सच में लगा था कि मैं तुम्हें हरा दूंगा।”
मेरा दिल मानो किसी भारी-भरकम ओलंपिक पेय से भर गया हो। "अरे यार... हम ठीक-ठाक निकल गए। हम हमेशा निकल जाते हैं।"
सिसकते हुए। “मुझे पता है। लेकिन हर बार... मुझे ऐसा लगता है कि हम किस्मत को आजमा रहे हैं। जैसे आखिरकार हमारी किस्मत साथ छोड़ देगी। और अगर मैंने तुम्हें खो दिया...”
“अरे,” मैंने कहा। “मैं ठीक हूँ। वैसे भी, तुम आज से कहीं ज़्यादा डरावनी जगहों पर जा चुके हो। मेरा मतलब है, मेडुसा का अड्डा, पाताल लोक—”
“नहीं,” उसने कहा। “अपने दोस्त को संघर्ष करते देखना और उसकी मदद न कर पाना इससे ज्यादा डरावना कुछ नहीं है।”
मैंने उसके कंधे पर हाथ रखा। "लेकिन तुमने मदद तो की। तुम्हें पता है मैंने गैरी को कैसे हराया?"
मैंने उसे उस दिवास्वप्न के बारे में बताया जिसने मुझे कुश्ती के मैच के दौरान हिम्मत दी - जिसमें एनाबेथ, मैं और वह समुद्र तट पर एक कॉटेज में धूप में झपकी ले रहे थे।
वह ध्यान से सुन रहा था, मानो उसे कहानी सुनने की उतनी ही भूख हो जितनी कि उस छोटी थैली में रखी मिठाइयों की। "क्या मेरे कान के बाल सफेद थे?" उसने पूछा।
"हाँ।"
“यह बात समझ में आती है। और दोपहर के खाने में क्या बन रहा था?”
मैंने इस बारे में सोचा। "शायद एनचिलाडास।"
उसने संतुष्टि भरी सांस ली। "ठीक है। यह अच्छा है। अब मैं एनचिलाडा पर विश्वास कर सकता हूँ।"
उसने मुझे गले लगाया जिससे मुझे याद आया कि मेरी पसलियों में कितना दर्द हो रहा था, लेकिन सच कहूँ तो मुझे कोई फर्क नहीं पड़ा। फिफ्थ एवेन्यू पर

खड़े होकर हम दोनों शायद अजीब लग रहे थे, बस दो लड़के एक दूसरे को गले लगा रहे थे और हमारे बीच एक हूला-हूप था। मुझे इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ा। “मैं तुम्हें स्कूल जाने से रोक रहा हूँ,” ग्रोवर ने मुझे लोहे की तरह जकड़े हुए गले से छोड़ते हुए कहा। “क्या तुम पहले ही दो क्लास मिस नहीं कर चुके हो?”
ओह, हाँ... स्कूल।
मैंने उम्मीद से कहा, "शायद मुझे पहले एनाबेथ को ढूंढना चाहिए। उसे बताऊं कि क्या हुआ। उसकी टोपी लौटा दूं।"
“मैं यह कर सकता हूँ,” ग्रोवर ने कहा। “तुम क्लास जाओ!”
स्कूल न जाने वाले दोस्त का यही फायदा है—जब आप लेक्चर में व्यस्त हों तो वह आपके लिए काम कर सकता है। नुकसान यह है कि आपके पास लेक्चर छोड़ने का एक बहाना कम हो जाता है।
मैंने एनाबेथ के नाप के हिसाब से टोपी को ठीक किया और ग्रोवर को दे दी। फिर मैंने उसे एक और बार गले लगाया।
“जी-मैन, हर चीज़ के लिए धन्यवाद,” मैंने कहा। “तुम्हारे बिना मैं यह नहीं कर पाता।”
“अरे वाह!” उसके सींगों तक शर्म से लाल हो गए। “बस अच्छे नंबर लाओ! वरना... खैर, मुझे यकीन है कि तुम बहुत अच्छा करोगे।”
उस सुखद माहौल के साथ, हम अलग-अलग दिशाओं में चल पड़े—वह डाउनटाउन की ओर SODNYC की तरफ, और मैं क्वींस के लिए सबवे की ओर।
मैंने इस बात पर ज़्यादा ध्यान न देने की कोशिश की कि मैं स्कूल जाने के लिए F ट्रेन ले रहा था। यह एक अपशगुन जैसा लग रहा था। फिर भी, ओलंपस की यात्रा के बाद वापस रोज़मर्रा की आम ज़िंदगी में लौटना अजीब सा लग रहा था। मेरे बगल वाली सीट पर एक आदमी अपने फ़ोन पर स्टॉक ऑप्शन के बारे में शिकायत कर रहा था। सामने वाली सीट पर एक महिला फलों और सब्जियों के थैलों में से शलजम निकाल रही थी और उन्हें घूर रही थी। वहीं, ओलंपस पर ज़्यूस ने शायद अभी तक अपनी लामा की कहानी भी पूरी नहीं की थी। मुझे स्टॉक ऑप्शन वाले आदमी और शलजम वाली महिला के साथ समय बिताना ज़्यादा अच्छा लग रहा था। वे ज़्यादा मनोरंजक थे।

जब मैं क्वींस में निकला और आधा मील चला, तब तक मेरी सुबह की खोज से होने वाली कंपकंपी लगभग शांत हो गई थी और उसकी जगह उस अनुचित देरी के बारे में सोचकर कंपकंपी शुरू हो गई थी जिसका मुझे स्पष्टीकरण देना होगा। अल्टरनेटिव हाई स्कूल ठीक उसी जगह था जहाँ मैंने उसे छोड़ा था—37 वीं एवेन्यू के पेड़ों से घिरे एक ब्लॉक पर, एक पुरानी कारों के शोरूम और एक थोक स्टोर के बीच में, जिसका नाम (सच में) हेफेस्टोस बिल्डिंग सप्लाइज था। हालाँकि, स्टोर में जाने की हिम्मत मुझमें नहीं हुई थी, लेकिन मैं सोच रहा था कि क्या वे इस्तेमाल किए हुए कांसे के ड्रैगन के पुर्जे बेचते होंगे। इमारत देखने में किसी आम से न्यूयॉर्क के प्राथमिक विद्यालय जैसी लगती थी: लाल ईंटों से बनी दो मंजिला इमारत, सफेद किनारों वाली खिड़कियाँ और चमकीले नीले रंग का मुख्य प्रवेश द्वार। लेकिन जब आप 'वैकल्पिक उच्च विद्यालय' के बोर्ड की तुलना खेल के मैदान से करते हैं—जहाँ अभी भी झूले लगे थे और फुटपाथ पर डिज्नी पात्रों के चित्र बने हुए थे—तभी आपको एक अजीब सा विरोधाभास महसूस होने लगता है।
मैं तरह-तरह की मनगढ़ंत कहानियाँ सुनाने के लिए तैयार होकर दफ्तर में दाखिल हुआ। मैं यह तय करने की कोशिश कर रहा था कि कौन सी कहानी सुनाऊँ, "मेरे कुत्ते ने मेरे जूते खा लिए" और कौन सी "मेरा अलार्म नहीं बजा", जो मेरी उस मानसिक स्थिति को देखते हुए शायद इस तरह निकलती, "हाय, मेरे कुत्ते ने अलार्म नहीं बजाया और मैंने अपने अलार्म वाले जूते खा लिए।"
इससे पहले कि मैं कुछ कह पाता, सचिव ने फोन पर बात करते हुए नज़रें उठाईं। वह खुशी से झूम उठीं। “ओह, श्रीमान जैक्सन! मैं अभी आपके पिताजी से बात कर रही हूँ। उन्होंने बताया कि आपको देर हो जाएगी।”
मैंने पलकें झपकाईं। "क्या उसने ऐसा किया?"
उसने रिसीवर पर हाथ रख दिया। “कितने प्यारे आदमी हैं! लीजिए, आप उन्हें बता दीजिए कि आप सुरक्षित पहुँच गए हैं, मैं आपके लिए तीसरे पीरियड का पास लिख देती हूँ। हमने आपके पहले पीरियड का क्विज़ पहले ही रीशेड्यूल कर दिया है। चिंता मत कीजिए!”
उसने मुझे फोन थमा दिया और एक खुशनुमा धुन गुनगुनाते हुए वापस अपनी डेस्क पर चली गई।
मैंने रिसीवर को घूर कर देखा। क्या पॉल ने स्कूल को फोन किया था? यह बात समझ में नहीं आ रही थी। उसे तो पता भी नहीं होगा कि मुझे देर हो रही है, और

वह हमेशा खुद को मेरा पिता बताने से बचता था। लेकिन और कौन हो सकता है...? ज़रूर नहीं...?
“हेलो?” मैंने कहा।
“बधाई हो,” पोसीडॉन ने कहा। “आपने प्याले को बहुत खूबसूरती से सजाया है।” गिरने से बचने के लिए मैंने काउंटर का सहारा लिया। समुद्र के देवता की आवाज़ किसी आम आदमी के लैंडलाइन फ़ोन पर सुनना बेहद अजीब था। आमतौर पर, मैं उनकी आवाज़ पानी के अंदर या माउंट ओलंपस के सभा कक्ष में गूंजती हुई सुनता था। फ़ोन पर, उनकी आवाज़ पोसीडॉन जैसी लग रही थी, ठीक वैसे ही जैसे मैं अपनी ही आवाज़ की रिकॉर्डिंग सुनता हूँ—यानी बिल्कुल भी नहीं।
मैंने पूछा, "आपने मेरे स्कूल को फोन किया था?"
मेरा इरादा असभ्य लगने का नहीं था। मैं बस सदमे में थी। पोसीडॉन को स्कूल का नंबर कैसे मिला? उसे कैसे पता चला कि क्या बोलना है? उसने फ़ोन चलाना सीखा कैसे? मैंने कल्पना की कि वह किसी हवा के बुलबुले में बैठा है, महाद्वीपीय शेल्फ के किनारे पूल के पास, और उसका फ़ोन सीधे समुद्र के नीचे बिछी अटलांटिक केबल से जुड़ा है। इसीलिए शायद उसका कनेक्शन इतना साफ़ था। उन्होंने कहा, "मैं इससे कम कुछ नहीं कर सकता था। मार्गरेट बहुत समझदार थीं।"
मार्गरेट? मुझे लगा कि वो सेक्रेटरी होगी। ग्रोवर सही था: स्कूल की सेक्रेटरी सचमुच सबको और सब कुछ जानती थीं। हालांकि, मुझे समझ नहीं आ रहा था कि पोसीडॉन का उससे पहले नाम से बात करना मुझे कैसा लग रहा था।
“अह, धन्यवाद… पिताजी।” मैंने ये आखिरी बात मार्गरेट को खुश करने के लिए कही, क्योंकि वो मेरा हॉल पास लिखते हुए मेरी तरफ मुस्कुरा रही थी। शायद वो सोच रही थी कि मैं कितना भाग्यशाली हूँ कि मुझे ऐसा पिता मिला है जो मेरे जीवन में इतना सक्रिय है।
“क्या मैं पूछ सकता हूँ…?” मैंने रिसीवर को हाथों में थामते हुए अपनी आवाज़ धीमी कर ली। “और इसे गलत मत समझना, लेकिन अभी मेरी मदद क्यों कर रहे हो? मेरा मतलब है… मैं इससे भी बुरी परिस्थितियों से गुज़र चुका हूँ। क्या यह किसी भगवान के लिए कुछ ज़्यादा ही दखलअंदाज़ी नहीं है?”
तीन गिनती तक फोन पर सन्नाटा छाया रहा। पृष्ठभूमि में पानी की हल्की सी गड़गड़ाहट के अलावा, मुझे लगा मानो पोसीडॉन ने फोन काट दिया हो।

उन्होंने कहा, “आप जानते हैं, कभी-कभी सबसे छोटी लहरें भी आपको गिरा देती हैं। सुनामी—सब जानते हैं कि वे कितनी शक्तिशाली होती हैं। ज्वारीय लहरें—बड़ी और प्रभावशाली। लेकिन वे छोटी लहरें? उनमें बहुत शक्ति होती है। वे साबित करती हैं कि समुद्र क्या कर सकता है, भले ही कोई उस पर ध्यान न दे रहा हो।”
मार्गरेट ने काउंटर पर एक हॉल पास सरका दिया। वह मुस्कुराई, मानो कह रही हो, "यह सब बहुत अच्छा है और आपके पिताजी बहुत अच्छे लगते हैं, लेकिन मुझे अभी अपना फोन वापस चाहिए।"
“ठीक है, पिताजी,” मैंने कहा। “मैं समझ गया।”
सच कहूं तो मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि वह किस बारे में बात कर रहा था।
“पर्सी, मैं हमेशा तुम पर नज़र रखता हूँ,” उसने कहा। “ज़्यादातर दूर से ही, यह सच है। मैंने तुम्हें कई बार दुनिया को बचाते हुए देखा है, ऐसे दुश्मनों को हराते हुए देखा है जो ज़्यादातर अमर लोगों को भी डरा देते। लेकिन आज ही मुझे एहसास हुआ कि तुम सचमुच कितने बड़े हीरो हो।”
मेरे गले में एक गांठ सी बन गई। "क्योंकि मैंने ब्रंच पर जाने की हिम्मत की?"
पोसीडॉन हँस पड़ा। “नहीं। यह तो सरासर मूर्खता थी। मैं तो ज़्यूस की किसी भी दावत में कभी नहीं जाऊँगा। मेरा मतलब है, जब तुमने गेरस की चुनौती स्वीकार की थी। तुम वहाँ से जा सकते थे, गैनीमेड को उसके हाल पर छोड़ सकते थे, और शायद गेरस से अपने लिए सिफारिशी पत्र भी लिखवा सकते थे।”
पोसीडॉन ने जिस तरह से मेरे मन की बात कह दी... मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या वह मेरा मन पढ़ सकता था। या शायद वह मुझे उसी तरह समझता था जैसे वह सागर के मिजाज को समझता था। सागर की तरह, मैं भी उसका एक हिस्सा था।
“इसके बजाय,” उन्होंने आगे कहा, “आपने अपना वादा निभाया। आपने एक ऐसे व्यक्ति के लिए अपनी जान जोखिम में डाली जिसे आप मुश्किल से जानते थे। किसी पत्र के लिए नहीं। इसलिए नहीं कि दुनिया का भविष्य दांव पर था। बल्कि इसलिए कि आप ऐसे ही हैं। आज आपने एक छोटी सी लहर खड़ी की और दिखाया कि सागर क्या कर सकता है।”
मेरी आँखों में पानी आ रहा था। अगर मैंने सावधानी नहीं बरती, तो मैं यहीं ऑफिस में खारे पानी की बाढ़ ला दूंगा।

“मिस्टर जैक्सन?” मार्गरेट की आवाज़ में अधीरता झलक रही थी।
“मुझे जाना होगा,” मैंने पोसीडॉन से कहा। “लेकिन पिताजी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। और... क्या आप नदी देवता एलिसन को कभी अपने महल में योगा क्लास लेने की अनुमति देंगे? मुझे लगता है आपको यह बहुत पसंद आएगा।”
मैंने अलविदा कहा और मार्गरेट को फोन देकर अपना हॉल पास लिया और चली गई। जब मैंने ऑफिस की खिड़की से पीछे मुड़कर देखा, तो वह मेरे पिताजी से फिर से बात कर रही थी और उनकी किसी बात पर हंस रही थी। क्या वे एक-दूसरे से छेड़छाड़ कर रहे थे? मैंने तय किया कि मुझे यह जानने की कोई इच्छा नहीं है। आज सुबह ही मैंने बुढ़ापे से जंग लड़ी, एक शानदार ब्रंच का लुत्फ़ उठाया और इसका सबूत देने के लिए डेमी बैग भी ले आया। मैंने गैनीमेड की प्रतिष्ठा बचाई और एलिसन और उनकी पानी के नीचे व्हेल योग कक्षाओं के लिए भी सिफारिश की।
अभी के लिए ये छोटी लहरें काफी थीं। मेरे पिताजी सही थे। अगर सावधान नहीं रहे तो ये आपको बहाकर ले जा सकती हैं।

मैं हॉल में आधे रास्ते तक ही पहुंचा था कि काउंसलर का दरवाजा खुल गया। “लो, तुम यहाँ हो!” यूडोरा ने कहा। “अंदर आओ! अंदर आओ!”
मैं इतना सदमे में था कि बहस करने की हिम्मत ही नहीं थी। वैसे भी, कुछ मिनट की देरी से शायद कोई फर्क नहीं पड़ता, इसलिए मैं उसके पीछे-पीछे अंदर चला गया।
मैं छोटी नीली प्लास्टिक की कुर्सी पर बैठ गया और सिकी फ्रॉग को सिर हिलाकर अभिवादन किया, क्योंकि इस समय तक मुझे लगभग यकीन हो चुका था कि वह जीव सजीव है। यूडोरा काउंसलर के कार्यालय में सहज महसूस कर रही थी। उसने अपनी मेज पर सीपियों का एक संग्रह रखा था—शायद अपने बालों को संवारने के लिए। पीछे की दीवार पर उसने मुस्कुराते हुए समुद्री ऊदबिलाव का एक प्रेरणादायक पोस्टर लगाया था जिस पर संदेश लिखा था, "हंसी सबसे अच्छी दवा है!"
मैंने सोचा कि जब मैं सफलतापूर्वक स्नातक हो जाऊँ और देश के दूसरे छोर पर पहुँच जाऊँ, तो शायद मुझे उसे धन्यवाद के रूप में एक और पोस्टर खरीद देना चाहिए। एक ऐसा पोस्टर जिस पर लिखा हो: काउंसलिंग: आज हम आपकी मदद कहाँ कर सकते हैं?
“तो!” यूडोरा ने अपने हाथ आपस में रगड़े। “मुझे सब कुछ बताओ! मैंने सुना है कि तुम्हें गैनीमेड का पत्र मिला है!”
“ये एक तरह का खुद से लिखा हुआ पत्र है, लेकिन ठीक है।” मैंने उसे अपनी पिछली मुलाकात के बाद से हुए कारनामों के बारे में बताया, और उसे यह भी समझाया कि अब मुझे उसकी जादुई सीवर पाइपों के ज़रिए कहीं भेजने की कोई ज़रूरत नहीं है।
जब मैंने पोसीडॉन के आह्वान का जिक्र किया, तो उसके घुंघराले बालों से समुद्र के पानी की एक बूंद टपक उठी।

“मैं—मैं समझ गई! मैं खुद ऑफिस से बात करके खुश होती। मुझे बहुत दुख है कि आपके पिताजी को इस सब से जूझना पड़ा।” वह अचानक घबराई हुई सी लग रही थी, और थोड़ी देर रुककर बोली, “वैसे, आप मुझे परेशान नहीं कर रही हैं!”
मैंने कहा, "यह बढ़िया है। दरअसल, यह बहुत अच्छा रहा।"
जैसे ही उसे एहसास हुआ कि मैं उस पर चिल्लाने वाला नहीं हूँ या अपने पिता से उसे मारियाना ट्रेंच में निर्वासित करने की मांग नहीं करने वाला हूँ, उसके कंधे शिथिल हो गए।
“यह सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई,” उसने कहा। “मुझे लगता है कि यह अनुभव आपके आवेदन पत्र में लिखे जाने वाले व्यक्तिगत निबंध के लिए एक बेहतरीन विषय बन सकता है। साहस! पहल! आत्म-खोज!”
“हाँ,” मैंने कहा, इस बात पर रोने से खुद को रोकते हुए कि मुझे एक और निबंध लिखना होगा। “मुझे लगता है कि आज हम सभी ने यहाँ एक महत्वपूर्ण सबक सीखा है।”
"क्षमा मांगना?"
"रहने भी दो।"
वह रहस्यमयी अंदाज़ में आगे झुकी। "और... क्या मैं पूछ सकती हूँ, क्या आपको कभी देवताओं के प्याले से पीने का प्रलोभन हुआ? आप मुझे सच बता सकते हैं।" मैंने बेचारे गैनीमेड के बारे में सोचा जो ब्रंच के दौरान ग्रीक आग की तरह पसीना बहा रहा था, उस तरीके के बारे में सोचा जिस तरह ज़्यूस उसके साथ एक ट्रॉफी की तरह व्यवहार करता था, और उस तरह के अरुचि भरे भावों के बारे में सोचा जो हेबे, आइरिस और गेरस ने तब बनाए थे जब मैंने गैनीमेड का नाम लिया था।
“सच कहूँ तो?” मैंने कहा। “मुझे ज़रा भी लालच नहीं हुआ।”
उसने मुझे ऐसे घूरा जैसे मुझमें टेंटेकल्स उग आए हों। "बहुत दिलचस्प। क्या मैं तुम्हारा गैनीमेड का पत्र देख सकती हूँ?"
मैंने अपना खाली कागज निकाला और उसे मेज पर सरका दिया।
“अरे वाह…” यूडोरा ने कागज के किनारे को रगड़ा। “यह तो बहुत ही बढ़िया है। अरकनी रेशम का रेशा! अंडे के छिलके जैसी मुलायम सतह। तिहरी बुनाई। प्रवेश समिति पर इसका बहुत अच्छा प्रभाव पड़ेगा।”
मैंने कहा, "यह खाली है।"

“अरे, छोटी-छोटी बातों पर ध्यान दें। मुझे यकीन है कि आप सही शब्द जोड़ देंगे।”
मैंने सोचा कि क्या मैं इस तरीके को अपनी अंग्रेजी कक्षा में अपना सकती हूँ। शायद मैं लेखन को लेकर गलत सोच रही थी। मैं स्टेशनरी की दुकान से कुछ महंगे कार्डबोर्ड खरीद सकती थी, उस पर कुछ भी लिख सकती थी, और मेरे शिक्षक कहेंगे, वाह, बढ़िया पेपर! ए+!
यूडोरा ने अनिच्छा से खाली पत्र मुझे वापस देते हुए कहा, "शाबाश, पर्सी। जब तुम अपना पत्र लिखो, तो मुझे बहुत धन्यवाद देने की ज़रूरत नहीं है।" मैंने मुस्कुराते हुए ऊदबिलाव के पोस्टर को देखा, जिसे हंसी की दवा बहुत पसंद आ रही थी, फिर बीमार मेंढक के पोस्टर को देखा, जिसे वह पसंद नहीं आ रहा था।
“ठीक है,” मैंने कहा।
"बस एक संक्षिप्त उल्लेख ही काफी होगा," यूडोरा ने कहा।
“तो लगता है कि अब हमारा काम हो गया?” मैंने दरवाजे की ओर इशारा किया। “क्योंकि मैं अपना बाकी दिन क्लास में बिताने के लिए बहुत उत्सुक हूँ।” “बिल्कुल!” यूडोरा ने कहा, क्योंकि छोटी देवियों की तरह, नेरीड व्यंग्य नहीं करतीं। “और मैं जानती हूँ कि तुम्हारे पिता को कितना गर्व हो रहा होगा!”
मैं जवाब देने की हिम्मत नहीं जुटा पाई। पापा से बात करना अब भी अविश्वसनीय लग रहा था। उन्होंने स्कूल को फोन किया था। वो सब देख रहे थे। इससे उन सभी छोटे-छोटे स्नैक्स की कमी कुछ हद तक पूरी हो गई जो वो मेरे लिए कभी नहीं लाए थे, हालांकि सच कहूँ तो, उन ओलंपिक ब्रंचों में न जाने के लिए मैं उन्हें दोष नहीं दे सकती थी। वो इतने समझदार थे कि खुद को फीनिक्स एग्स बेनेडिक्ट जैसी चीज़ खाने के लिए मजबूर नहीं करते।
“जल्द ही हमें मानकीकृत परीक्षाओं के बारे में बात करनी होगी,” यूडोरा ने मुझे याद दिलाया। “और तुम्हें सर्दियों की छुट्टियों तक सिफारिश के वे दो और पत्र भी चाहिए होंगे। लेकिन अभी के लिए, तुम आराम करो! आज तुम्हारे पास और क्या काम है?”
“किसी लघु कहानी पर चर्चा। गणित की परीक्षा। रसायन विज्ञान की प्रयोगशाला।”

उसने संतुष्टि से सिर हिलाया, मानो मैंने उसे आराम का एकदम सटीक वर्णन दे दिया हो। "याद रखना, अगर तुम्हें किसी चीज़ की ज़रूरत हो तो मैं यहाँ हूँ। अब, तुम्हें जॉली रैंचर किस रंग का चाहिए? हरा? पीला?"
वह मुझे ठीक से नहीं जानती थी। उसने मुझे जार दिया, और मैंने उसमें तब तक खोजबीन की जब तक मुझे उसमें से नीला टुकड़ा नहीं मिल गया।
यूडोरा मुस्कुराई। “पर्सी, तुम बहुत अच्छा करोगे। मुझे इस साल के बारे में अच्छा लग रहा है! अगर तुम्हें तीसरे पीरियड के लिए देर हो रही है, तो मैं हमेशा—”
मैंने जल्दी से कहा, "मैं पैदल चलूँगा।" "लेकिन धन्यवाद, यूडोरा।" मैंने उसे अपने जॉली रैंचर से अभिवादन किया, फिर सिकी फ्रॉग को भी। "मुझे यकीन है कि हम जल्द ही मिलेंगे।"
सच कहूँ तो, अंग्रेजी की कक्षा में बैठना काफी सुकून देने वाला था। नहीं, मैंने कहानी नहीं पढ़ी थी और न ही अपना होमवर्क किया था। लेकिन मुझे पूरा यकीन था कि आज मैं साहित्य पर होने वाली चर्चा में अपनी बात मनवा लूँगा। मैं बहादुरी, पहल और आत्म-खोज के बारे में बात कर सकता था। इन विषयों से बहुत कुछ सीखा जा सकता है।

उस रात घर पहुँचकर मुझे राहत मिली—कम से कम तब तक जब तक रात का खाना चिट्ठी-पत्री की पार्टी में नहीं बदल गया। आप सोचेंगे कि एक अंग्रेज़ी शिक्षक, जल्द ही प्रकाशित होने वाले लेखक और एथेना की पुत्री के साथ मेज़ पर बैठे हुए, हम कुछ ऐसी विश्वसनीय प्रशंसाएँ सोच सकते हैं जो गैनीमेड मेरे बारे में कह सकता है। लेकिन आप गलत होंगे।
एनाबेथ सूर्यास्त के समय आई थी। इस बार वो कपकेक नहीं लाई थी। सुबह पार्क में बुढ़ापे के उस घूंघट वाले देवता को ढूंढने के बाद वो स्कूल का काम निपटाने में व्यस्त थी। हम दोनों सलाद के लिए शिमला मिर्च काट रहे थे जबकि पॉल स्पेगेटी बना रहा था। और हाँ, सींग वाले साँप वाली घटना के बाद मैंने स्पेगेटी न खाने की कसम खाई थी, लेकिन पास्ता एक सबसे अच्छे दोस्त की तरह है: आप उससे हमेशा के लिए नाराज़ नहीं रह सकते।
टेबल लग जाने और पॉल के टर्नटेबल पर डेव ब्रुबेक चौकड़ी का जैज़ संगीत बजने के बाद, हमने लहसुन की रोटी तोड़ी और अपने-अपने दिन के बारे में बातें कीं, बस हम चारों। खैर... साढ़े चार लोग। मुझे खुद को बार-बार याद दिलाना पड़ रहा था कि मेरी माँ जैक्सन-ब्लोफी के एक नन्हे से बच्चे की उम्मीद कर रही थीं।
हमारा डिनर काफी साधारण था, और मुझे इसी की ज़रूरत थी। पॉल ने अपनी कक्षाओं के बारे में मज़ेदार किस्से सुनाए। उसके छात्र बड़े ही शरारती थे। उसके साथी शिक्षक और प्रशासक तो उनसे भी बड़े शरारती थे। मेरी माँ ने बताया कि उनकी किताब को ऑनलाइन पहली बार एक-तारा समीक्षा मिली है, जबकि किताब अभी कई महीनों बाद ही प्रकाशित होनी थी। ज़ाहिर है, समीक्षक को यह पसंद नहीं आया कि 'देवताओं के प्रेम गीत' शीर्षक मूर्तिपूजा को बढ़ावा देता है।
पॉल मुस्कुराया। "उन्हें क्या पता।"

मैंने अमेज़न की रानी और ऑनलाइन रिटेलिंग की ताकतवर महारानी हिला से समीक्षा हटाने के बारे में बात करने की पेशकश की, लेकिन मेरी माँ ने कहा कि इसकी कोई ज़रूरत नहीं है।
“मैं इसे प्रिंट करवाकर फ्रेम करवाऊंगी,” उसने कहा। “मुझे यह बहुत पसंद है।”
अंत में, एनाबेथ ने उन्हें हमारे नवीनतम कारनामों के बारे में बताया। उसने सबसे भयानक हिस्सों को कम करके बताया, जैसे कि लगभग कब्र की धूल में बदल जाना, लेकिन मुझे लगता है कि मेरी माँ ने बाकी बातें अच्छे से समझा दीं। “वाह! बुढ़ापे को गले लगा रही हो?” उसने पॉल की ओर मुस्कुराते हुए कहा। “मेरा बच्चा बहुत होशियार है।”
“हां, तुम करते हो,” पॉल ने कहा। “मुझे लगता है कि उसे यह तुम्हारी तरफ से ही मिला है।”
शायद मैं शरमा गया था। पोसीडॉन का पुत्र कहलाना एक बात है। लेकिन अपनी माँ जैसा दिखना... ये तो एक तारीफ़ है।
“ओलंपस पर क्या हुआ?” एनाबेथ ने मुझसे पूछा। “मुझे इसके बारे में सुनने का मौका नहीं मिला।”
मैं हिचकिचाई। मैं अभी भी ब्रंच में जो कुछ देखा था, उसे समझने की कोशिश कर रही थी—और सिर्फ ज़्यूस के सजे-धजे नाखूनों की भयावहता ही नहीं। "यह इतना बुरा नहीं था," मैंने कहा। "मैंने गैनीमेड को ठीक समय पर प्याला दे दिया। उसने मुझे मेरा पत्र दे दिया।"
एनाबेथ और इंतज़ार कर रही थी। मैंने उसे एक नज़र देखा। बाद में, ठीक है? “तो…” पॉल ने चुप्पी तोड़ी। “एक नेक सिफारिश पत्र कैसा दिखता है?”
मैंने वादा किया, "मैं तुम्हें खाने के बाद दिखाऊंगा। शायद बेहतर होगा कि हम इस पर स्पेगेटी सॉस न लगने दें।"
बर्तन साफ करने के बाद, मैंने वह पत्र निकाला और उसे बैठक की मेज पर रख दिया। सब लोग ऐसे झुककर देखने लगे जैसे कोई बोर्ड गेम देख रहे हों।
“यह खाली है,” मेरी माँ ने कहा।
"वैसे, कागज तो बहुत ही सुंदर है," पॉल ने कहा।
मैंने कहा, "अगर आपको इस पेपर पर एक निबंध लिखना होता, तो क्या आप इसे बिना पढ़े ही ए-प्लस ग्रेड दे देते?"

पॉल मुस्कुराया। "मैं शायद लिखूंगा, 'अच्छा प्रयास, शानदार लेख, लेकिन आपको अभी भी ऐसे उदाहरण देने होंगे जो आपके शोध को साबित करें।' "
“अच्छा, तो वो विचार भी बेकार हो गया,” मैंने बड़बड़ाते हुए कहा।
मेरी माँ ने चिट्ठी उठाई और दोनों तरफ देखा। "क्या यह किसी अदृश्य स्याही से लिखी गई है?"
“मुझे यह खुद ही करना होगा।” मैंने गैनीमेड को बताया कि उसने मुझे क्या कहा था—कि मैं उचित सीमा के भीतर जो चाहूँ कह सकता हूँ, और जब मैं अच्छा काम कर लूँगा, तो नीचे उसकी हस्ताक्षर दिखाई देगी।
पॉल ने भौंहें चढ़ा लीं। "यह कुछ अजीब सा लग रहा है..."
“क्या तुम बहुत ज्यादा भरोसा करती हो?” एनाबेथ ने अनुमान लगाया।
“मैं तो गैनीमेड की आलस की बात कहने वाला था।” पॉल ने छत की ओर देखा। “हालाँकि मुझे उम्मीद है कि इससे मुझ पर बिजली नहीं गिरेगी।”
“नहीं,” मैंने कहा। “देवता तो इसे प्रशंसा समझेंगे। वे आलस्य को एक कला का रूप दे देते हैं।”
"अगर आपको ऐसा काम मिल जाए तो बहुत बढ़िया है," पॉल ने कहा।
मुझे पता था कि वह मज़ाक कर रहा था, लेकिन उसकी टिप्पणी सुनकर मुझे ठेस पहुंची। मुझे वह काम ऑफर किया गया था, और मैंने उसे ठुकरा दिया था। लेकिन जितना ज़्यादा मैं गैनीमेड के बारे में सोचता, उतना ही मुझे अपने फैसले पर खुशी होती। उसका काम बिल्कुल भी अच्छा नहीं था।
मेरी माँ ने कागज़ को वापस मेज पर रख दिया। "इसे कैसे पता चलता है कि कब लिखना शुरू करना है?"
“पता नहीं,” मैंने स्वीकार किया। “शायद मैं बस इतना कह दूं, ‘प्रिय प्रवेश कार्यालय’।”
मुझे पहले ही समझ जाना चाहिए था। कागज के ऊपरी भाग पर सुंदर सुलेख में अक्षर चमकने लगे, प्रत्येक अक्षर जलती हुई बत्ती जैसी ध्वनि के साथ धधकती कांस्य स्याही से बनता हुआ दिखाई दिया: प्रिय प्रवेश कार्यालय।
“अरे यार, ये तो बहुत बुरा हुआ,” मैंने कहा।
अरे यार, इतनी सुंदर लिखावट तो किसी ने कर ही दी।
“नहीं! डिलीट करो!” मैंने कहा।
सौभाग्यवश, लिखावट अपने आप मिट गई।
मैंने एनाबेथ की तरफ देखा, जो अपनी हंसी रोकने की पूरी कोशिश कर रही थी।

मैंने कहा, "यह मज़ाक नहीं है। डिलीट करो, डिलीट करो। मुझे नहीं पता था कि यह शुरू हो जाएगा। डिलीट करो, डिलीट करो।"
मेरी माँ खुद से लिखे और मिटाए जा रहे अक्षरों को देखती रही। “यह तो कमाल का कागज है। यह किस चीज से बना है?”
मैं उसे मकड़ी के रेशम के बारे में बताने ही वाला नहीं था, क्योंकि एनाबेथ को मकड़ियों से बहुत डर लगता था। मैं उसे झूमर से उतारना नहीं चाहता था। पॉल ने कहा, "शायद हमें पर्सी को इसे अभी लिखवाने में मदद करनी चाहिए, ताकि उसे इसके बारे में चिंता न करनी पड़े।"
“बिल्कुल एक सच्चे अंग्रेजी शिक्षक की तरह बोल रहे हो,” एनाबेथ ने कहा। “यह इतना मुश्किल नहीं हो सकता, है ना? कैसा रहेगा अगर हम कहें, ‘मैं न्यू रोम यूनिवर्सिटी के लिए पर्सी जैक्सन की पुरजोर सिफारिश करती हूँ। वह प्यारा है और उसकी आँखें खूबसूरत हैं।’”
“मैं ऐसा नहीं कह रहा हूँ। हटाओ, हटाओ,” मैंने शिकायत की, हालाँकि मैंने पहला वाक्य रख लिया। वह ठीक लग रहा था।
“और उसकी माँ को उस पर बहुत गर्व है,” मेरी माँ ने बीच में कहा, “हालाँकि कॉलेज एक शानदार अनुभव होगा, क्योंकि इससे उसे अपने कपड़े खुद धोना सीखने को मिल सकता है।”
मैंने कहा, "तुम सब बहुत बुरे लोग हो। डिलीट करो, डिलीट करो।"
पॉल ने अपना गला साफ किया, मानो वह उपमाओं पर व्याख्यान देने की तैयारी कर रहा हो। “ ‘मैं, गैनीमेड, देवताओं का प्यालावाहक, पर्सी जैक्सन को एक उत्कृष्ट नायक पाता हूँ—बहादुर, दयालु और सब्जियाँ काटने में अद्भुत।’ ” मेरी मां और एनाबेथ दोनों हंस रही थीं।
मैं कहना चाहता था कि मुझे अभी मार डालो, लेकिन मेरी किस्मत ऐसी है कि वे शब्द पत्र पर ही रह जाते और न्यू रोम के प्रवेश कार्यालय में पहुंचते ही मुझे आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर कर दिया जाता।
मैंने पॉल का वाक्य बोलकर लिखवाया, बस उसमें से सब्ज़ियाँ हटा दीं। अगले आधे घंटे तक, पॉल, एनाबेथ और मेरी माँ ने गैनीमेड के पत्र के लिए तरह-तरह के बेकार सुझाव दिए, जबकि मैंने उनमें से सबसे कम शर्मनाक पंक्तियाँ चुनकर कागज़ पर लिखीं। यहाँ तक कि मैंने उसमें एक पंक्ति यह भी लिख दी कि मेरी काउंसलर, यूडोरा, कितनी मददगार रही थीं।

आखिर में, एनाबेथ इतनी ज़ोर से हंस रही थी कि ज़मीन पर लोट-पोट होकर रोने लगी। पॉल को देखकर लग रहा था कि उसे मुझ पर तरस आ रहा है। मेरी माँ मेरे पास आई और मेरे सिर पर चुंबन किया।
“मुझे माफ करना, प्रिय,” उसने कहा। “लेकिन हमें तुम्हारी ये सारी बातें बहुत पसंद हैं। चलो देखते हैं कि पत्र कैसा लिखा गया है।”
उसने इसे जोर से पढ़ा, और मुझे मानना पड़ेगा, यह बुरा नहीं था।
"लेकिन आप उनके हस्ताक्षर को कैसे प्रदर्शित करेंगे?" एनाबेथ ने सोचा। इससे पहले कि वह गले लगाने और चुंबन जैसी कोई बात सुझा पाती, मैंने कहा, “आपके समय के लिए धन्यवाद। आपका सादर, गैनीमेड।”
वे शब्द कागज पर जलकर अंकित हो गए, और गैनीमेड के हस्ताक्षर लाल रंग में दिखाई दिए।
“क्या आपको लगता है कि काम पूरा हो गया है?” मैंने पूछा। फिर मुझे एहसास हुआ कि मेरा सवाल अपने आप लिखा नहीं जा रहा था।
भगवान का शुक्र है।
“तुम्हें दो और सिफारिशी पत्र लेने होंगे?” मेरी माँ ने पूछा। “मज़ेदार लग रहा है!”
“हां, और अगर वे पत्र भी खुद से लिखने वाले हों,” मैंने कहा, “तो मुझे लगता है कि मैं उन्हें खुद ही लिखूंगा।”
“लेकिन तुम कभी अकेले नहीं हो, सीवीड ब्रेन।” एनाबेथ ने मेरी एड़ी दबाई। “हम हमेशा तुम्हारी मदद के लिए मौजूद रहेंगे।”
उसमें इतनी भी तमीज़ नहीं थी कि वह मदद शब्द के चारों ओर व्यंग्यात्मक उद्धरण चिह्न लगा देती।
“पर्सी के लिए!” पॉल ने अपना गिलास उठाया। “हमारा अपना पारिवारिक हीरो!” मेरी मां और एनाबेथ दोनों ने मेरी सेहत के लिए खुशी जाहिर की और साथ ही स्पार्कलिंग वॉटर भी पिया।
मुझे यह भावना अच्छी लगी, लेकिन मैंने इसमें भाग नहीं लिया। टोस्ट सुनकर मुझे गैनीमेड की याद आ गई, और अभी इसके लिए थोड़ा जल्दी था।

उस रात मैंने एनाबेथ को पूरी कहानी बताई।
रात के खाने के बाद, वह अपने छात्रावास लौट गई, लेकिन जब मेरा होमवर्क पूरा हो गया, तो मैं अपने बिस्तर पर लेट गया, अपनी कामचलाऊ आइरिस-मैसेजिंग मशीन चालू की और इंद्रधनुष में एक सिक्का उछाला। मुझे थोड़ा डर था कि आइरिस की कर्मचारी मर्सिडीज कहीं मेरी खिड़की से अंदर न आ जाए और संदेश भेजने के दूसरे तरीके का इस्तेमाल करने के लिए मेरे सिर पर मार न दे, लेकिन शुक्र है कि ऐसा नहीं हुआ।
“हे,” एनाबेथ ने कहा।
वह इंद्रधनुषी रोशनी में जगमगा रही थी, उसका सिर एक हाथ पर टिका हुआ था, उसके सामने बिस्तर पर एक खुली पाठ्यपुस्तक पड़ी थी: कुछ गणित की चीजें जो मेरी समझ से परे थीं।
उसकी मुस्कान मेरे लंबे और थका देने वाले दिन के लिए एकदम सही दवा थी। बेशक, उसने रात के खाने पर मुस्कुराया था (और मुझ पर खूब हँसी भी थी!), लेकिन यह मुस्कान कहीं ज़्यादा गर्मजोशी भरी और आत्मीय थी। मुझे यह सोचना अच्छा लगता था कि यह मुस्कान सिर्फ़ मेरे लिए थी।
मैंने कहना शुरू किया, "मैं आपको ओलंपस के बारे में बताना चाहता था।" बारबरा की सेल्फी और ऑटोग्राफ की रिक्वेस्ट सुनकर वह बहुत खुश हुई। "बिल्कुल! मुझे खुशी होगी!"
मुझे उसकी बेफिक्री देखकर थोड़ी हैरानी हुई। शायद उसे इस तरह के अनुरोध अक्सर मिलते रहते थे, बस वह उनके बारे में बात नहीं करती थी।
“वैसे, यांकीज़ की टोपी उधार देने के लिए धन्यवाद,” मैंने कहा। “आपने मुझे कभी नहीं बताया कि इसे पहनने पर आपको असहज महसूस होता है।”
उसने कंधे उचकाते हुए कहा, "हर शक्ति की एक कीमत होती है। अदृश्य होने की भी। मेरी माँ ने मुझे यह बहुत पहले सिखाया था।"

उसकी आवाज़ में उदासी थी, शायद थोड़ी मायूस भी, लेकिन कोई नाराज़गी नहीं थी। ऐसा लगता था कि उसने एथेना के अनुसार दुनिया के चलने के तरीके को स्वीकार कर लिया था, भले ही वह हमेशा उससे सहमत न हो, भले ही कभी-कभी यह मुझे एनाबेथ के गणित के होमवर्क से ज़्यादा समझ में न आए।
“तुम्हारी माँ की बात हो रही है तो…” मैंने उसे बताया कि ब्रंच में क्या हुआ था, तभी एथेना ने मेज के नीचे से मेरी आँखों में आँखें डालकर देखा। एनाबेथ के चेहरे के भावों को समझना मुश्किल था। आंखों के इशारों से मिलने वाले संदेश हमेशा थोड़े अस्पष्ट होते हैं, लेकिन ऐसा लग रहा था जैसे वह मेरे शब्दों को अपने दिमाग में जोड़ने की कोशिश कर रही हो, उनसे एक सुसंगत कहानी बनाने की कोशिश कर रही हो।
अंत में उसने कहा, "वाह!"
"हाँ।"
“उसने तुम्हारी मदद की।”
“मुझे लगता है... शायद? उसने मुझे मारा तो नहीं।”
“क्या तुम जानते हो इसका क्या मतलब है?” उसने मेरी ओर हाथ बढ़ाया। जैसे ही उसकी उंगलियाँ आइरिस संदेश से टकराईं, वे पानी और प्रकाश में विलीन हो गईं, लेकिन फिर भी मैंने उसकी ओर हाथ बढ़ाया। जब छवि दोबारा बनी, तो ऐसा लगा मानो हमारे हाथ आपस में मिल गए हों, हमारी जीवन रेखाओं पर जुड़ गए हों। एनाबेथ फिर से मुस्कुरा रही थी।
“मेरी माँ समझती है,” एनाबेथ ने कहा। “यह अजीब बात है कि वह पहले नहीं समझी, क्योंकि वह आमतौर पर बाकी सब से बहुत आगे रहती है, लेकिन मुझे लगता है कि यह कोई युद्धक्षेत्र नहीं है।”
"माफ़ कीजिए, उसे क्या मिलेगा?"
वह हंस पड़ी। "मैं तुम्हारे बारे में कितनी गंभीर हूं, सीवीड ब्रेन।" मेरी छाती कस गई, लेकिन यह कोई अप्रिय एहसास नहीं था—बल्कि ऐसा लगा जैसे किसी ने मुझे ऊनी स्वेटर से लपेट दिया हो। "तो तुम्हें लगता है कि उसने तुम्हारी खातिर मेरी मदद की?"
जैसे ही मैंने यह कहा, मुझे एहसास हुआ कि इसमें बहुत तर्क है। कम से कम, एथेना द्वारा किसी अन्य कारण से मेरी मदद करने की तुलना में यह कहीं अधिक तर्कसंगत है।

"उसे पता है कि मैं इसे पूरा करके रहूंगी," एनाबेथ ने कहा। "मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि हम दोनों वयस्क हो जाएं और हमें बसने का मौका मिले - उम्मीद है कि कॉलेज में खूब मौज-मस्ती करने के बाद।"
मैंने कहा, "मज़े की बात करते ही मैं तुम्हारी तरफ आकर्षित हो गया। असल में, पूरी बात ही मुझे पसंद आ गई।"
मैंने उसे बताया कि गेरस से कुश्ती लड़ते समय मैंने क्या सोचा था, कि मैंने बुढ़ापे को गले लगाकर स्वीकार करने का फैसला किया था क्योंकि ऐसा कोई भी भविष्य जिसमें हम दोनों हों, वह ऐसा भविष्य था जिसे मैं जीना चाहता था। “हे भगवान!” एनाबेथ ने आंसू पोंछे। “जानती हो, कभी-कभी तुम कितनी प्यारी होती हो।”
"सिर्फ कभी कभी?"
“चलिए, अपना ध्यान केंद्रित रखें, ठीक है? सर्दियों की छुट्टियों से पहले आपको अभी दो और अनुशंसा पत्र प्राप्त करने हैं। इसका मतलब है कि आपको देवताओं के लिए दो और कठिन कार्य करने होंगे।”
"आसान-बेचैनी।"
"तुम्हारा मतलब है बिल्कुल आसान।"
“नहीं, मुझे तो पक्का यकीन है कि इससे मुझे घबराहट हो रही है। लेकिन हम कर लेंगे, है ना? मतलब, अगर तुम्हारी माँ भी हमारे साथ है तो...”
“मैं इस बात पर ज्यादा जोर नहीं दूंगा, लेकिन यह एक अच्छा संकेत है। और हां, हम कामयाब होंगे। हे, पर्सी?”
"हाँ।"
मुझे ये बात आपको बताते हुए बहुत बुरा लग रहा है, लेकिन मुझे लगता है कि मैं आपसे प्यार करता हूँ।
अरे यार, मुझे इसी बात का डर था। मैं भी तुमसे प्यार करता हूँ।
अपना होमवर्क पूरा करो। शुभ रात्रि।
शुभ रात्रि, बुद्धिमान लड़की।
और जैसा कि हम हमेशा करते थे, हम एक-दूसरे की ओर लुढ़कते गए, और जैसे ही हम एक साथ आए, आइरिस का संदेश टूट गया, लेकिन धुंध और प्रकाश की आखिरी किरणों में, मुझे लगा कि मैं उसकी उपस्थिति को सूंघ सकता हूँ, और उसके आलिंगन की गर्माहट को महसूस कर सकता हूँ।
सच कहूं तो, यह मेरे लिए यह विश्वास करने के लिए काफी था कि कुछ भी संभव है।

होमवर्क को छोड़कर। मुझे लगभग तुरंत ही नींद आ गई। और पहली बार, मुझे सुखद सपने आए।

पब्लिशर्स वीकली द्वारा "देवताओं के कहानीकार" कहे जाने वाले रिक रिओर्डन, न्यूयॉर्क टाइम्स की पांच नंबर 1 बेस्टसेलिंग सीरीज़ और नंबर 1 बेस्टसेलिंग उपन्यास 'डॉटर ऑफ द डीप' के लेखक हैं। वे मुख्य रूप से अपनी 'पर्सी जैक्सन एंड द ओलंपियंस' पुस्तकों के लिए जाने जाते हैं, जो समकालीन पाठकों के लिए ग्रीक पौराणिक कथाओं को जीवंत कर देती हैं। इस सीरीज़ की पहली पुस्तक, 'द लाइटनिंग थीफ', देशभर के स्कूलों में पढ़ाई जाती है, इसने कई राज्य पुरस्कार जीते हैं और इसे एक फीचर फिल्म, एक ग्राफिक उपन्यास, एक ब्रॉडवे म्यूजिकल और डिज़्नी+ पर एक लाइव-एक्शन सीरीज़ में रूपांतरित किया गया है, जिसे रिक ने सह-लेखन और कार्यकारी-निर्माण किया है। पर्सी जैक्सन की दुनिया में एक और हालिया जुड़ाव है 'द सन एंड द स्टार: ए निको डि एंजेलो एडवेंचर', जिसे रिक ने न्यूयॉर्क टाइम्स के नंबर 1 बेस्टसेलिंग लेखक मार्क ओशिरो के साथ मिलकर लिखा है। रिक डिज़्नी हाइपरियन में 'रिक रिओर्डन प्रेज़ेंट्स' नामक एक प्रकाशन के प्रकाशक भी हैं, जो विश्व संस्कृतियों और पौराणिक कथाओं पर आधारित अत्यधिक मनोरंजक कथा साहित्य के अन्य लेखकों को खोजने के लिए समर्पित है। वे अपनी पत्नी और सह-निर्माता बेकी और दो बेटों के साथ बोस्टन, मैसाचुसेट्स में रहते हैं। अधिक जानकारी के लिए, www.RickRiordan.com पर जाएं।

पर्सी जैक्सन की दुनिया की पुस्तकें पर्सी जैक्सन और ओलंपियन
पुस्तक एक: बिजली चोर
भाग दो: राक्षसों का सागर
तीसरा भाग: टाइटन का अभिशाप
भाग चार: भूलभुलैया की लड़ाई
पुस्तक पाँच: अंतिम ओलंपियन
द डेमीगॉड फाइल्स
पर्सी जैक्सन के ग्रीक देवता
पर्सी जैक्सन के ग्रीक नायक
कैंप हाफ-ब्लड कॉन्फिडेंशियल: डेमीगॉड ट्रेनिंग कैंप के लिए आपकी असली गाइड
ओलंपस के नायक
पुस्तक एक: खोया हुआ नायक
भाग दो: नेपच्यून का पुत्र
तीसरा भाग: एथेना का चिह्न
पुस्तक चार: हेड्स का घर
पुस्तक पाँच: ओलंपस का रक्त
द डेमीगॉड डायरीज़
अर्धदेव और जादूगर
अपोलो के मुकदमे
पुस्तक एक: छिपा हुआ ओरेकल
भाग दो: अंधकारमय भविष्यवाणी
तीसरा भाग: जलती हुई भूलभुलैया
भाग चार: अत्याचारी का मकबरा
पुस्तक पाँच: नीरो का टावर
कैम्प जुपिटर क्लासिफाइड: एक प्रोबेटियो की डायरी सूर्य और तारा: निको डि एंजेलो का एक साहसिक कार्य (मार्क ओशिरो के साथ)